रजिस्ट्री सं० डी०(डी०)-73

REGISTERED No. D.(D.)-73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 22] नई दिल्ली, शनिवार, मई 28, 1977/ज्येष्ठ 7, 1899

No. 22] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 28, 1977/JYAISTHA 7, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1977

का०आ० 1533.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत निर्वाचन आयोग गुजरात सरकार के परामर्श से श्री आर० वी० चन्द्रामौली के स्थान पर, श्री बी० सी० मारू, संयुक्त मुख्य निर्वाचन आफिसर, को तारीख 2-5-77 से तारीख 16-5-77 तक 15 दिन की अवधि के लिए गुजरात राज्य के लिए मुख्य निर्वाचन आफिसर के रूप में नाम निर्देशित करता है।

[सं० 154/गुजरात/77]

प्र० कु० मिश्र, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 30th April, 1977

S.O. 1533.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with Government of Gujarat, hereby nominates Shri B. C. Maru, Joint Chief Electoral Officer as Chief Electoral Officer for the State of Gujarat, for a period of 15 days with effect from 2 May to 16 May, 1977 vice Shri R. V. Chandramouli.

[No. 154/GJ/77]

P. K. MISRA, Secy.

नई दिल्ली, 4 मई, 1977

का० आ० 1534.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 22 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग यह निदेश देता है कि तारीख 29 जनवरी, 1977 की उसकी अधिसूचना सं० 434/गुज०/74(2) में निम्नलिखित संशोधन और किए जाएंगे, अर्थात :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तम्भ 2 में, मद सं० '4-राजकोट' के सामने,—

(1) विद्यमान प्रविष्टि सं० 3 के स्थान पर, "विशेष भूमि अर्जन आफिसर, राजकोट,, प्रविष्टि, और

(2) विद्यमान प्रविष्टि सं० 4 के स्थान पर, "उप जिला विकास आफिसर (राजस्व) राजकोट जिला पंचायत, राजकोट" प्रविष्टि"

क्रमश: प्रतिस्थापित की जाएगी।

[सं० 434 गुज०/77]

वी० नागसुब्रमण्यन, [illegible]

28 GI/77—1

New Delhi, the 4th May, 1977

S.O. 1534.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 22 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Election Commission hereby directs that the following further amendments shall be made in its notification No. 434/GJ/77(2), dated 29 January, 1977, namely:—

In column 2 of the Table appended to the said notification, against item '4-Rajkot',—

(i) for the existing entry numbered 3, the entry "Special Land Acquisition Officer, Rajkot", and

(ii) for the existing entry numbered 4, the entry "Deputy District Development Officer (Revenue), Rajkot District Panchayat, Rajkot",

shall respectively be substituted.

[No. 434/GJ/77]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बैंकिंग विभाग)

(राजस्व पक्ष)

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1977

आय-कर

का०आ० 1535—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार सर्वश्री बी० आर० सक्सेना और बी० एल० शाह को जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. अधिसूचना सं० 676 [फा० सं० 404/201/74-आई० टी० सी० सी०] तारीख 10 जुलाई, 1974 के अधीन श्री पी० एन० श्रीवास्तवा की नियुक्ति श्री बी० आर० सक्सेना और बी० एल० शाह के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्य-भार ग्रहण करने की तारीख से रद्द की जाती है।

3. यह अधिसूचना सर्वश्री बी० आर० सक्सेना और बी० एल० शाह के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्य-भार ग्रहण करने की तारीख से प्रवृत्त होगी।

[सं० 167J/फा०सं० 404/126/76-आई० टी० सी० सी०]

एच० वेन्कटरमन, उप-सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Banking)

(Revenue Wing)

New Delhi, the 26th February, 1977

INCOME TAX

S.O. 1535.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises S/Shri B. R. Saxena and B. L. Shah who are Gazetted Officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. The appointment of Shri P. N. Srivastava made under Notification No. 676 (F. No. 404/201/74-ITCC) dated 10th July, 1974 is cancelled with effect from the date Shri B. R. Saxena takes over charge as a Tax Recovery Officer.

3. This Notification shall come into force with effect from the dates S/Shri B. R. Saxena and B. L. Shah take over charge as Tax Recovery Officers.

[No. 1673/F. No. 404/126/76-ITCC]

H. VENKATARAMAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 26 मार्च 1977

का०आ० 1536.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित प्राधिकारी अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

(1) यह कि संस्था अनुसंधान सम्बन्धी क्रियाकलाप की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

(2) यह कि संस्था परिषद् द्वारा मांगे जाने पर प्राप्त अनुदानों और केवल अनुसंधान के प्रयोजनों के लिए व्यय की गई रकम की बाबत वार्षिक विवरणी प्रस्तुत करेगी।

संस्था

जे०के० वैज्ञानिक एवं चिकित्सा अनुसंधान सोसाइटी, मुम्बई

यह अधिसूचना अधिसूचित होने की तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगी।

[सं० 1689/फा०सं० 203/34/77-आई टी ए2]

New Delhi, the 26th March, 1977

S.O. 1536.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions :—

(1) The Society will submit annual reports on its research activities.

(2) The Society will submit annual returns about donations received and spent exclusively for research in the matter as & when required by the Council.

INSTITUTION

J. K. SCIENTIFIC & MEDICAL RESEARCH SOCIETY, BOMBAY

This notification is effective for a period of two years from the date of this notification.

[No. 1689/F. No. 203/34/77-ITA. II]

का० आ०1537—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित प्राधिकारी, अर्थात् सचिव विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संगठन को आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

(1) यह कि सी० पी० सर्फाफ अनुसंधान संगठन, नई दिल्ली वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक से रखेगा।

(2) उक्त संगठन प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी क्रियाकलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

सी० सी० सरॉफ अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

यह अधिसूचना 13 अक्तूबर, 1976 से तीन वर्ष की अवधि तक प्रभावी रहेगी।

[सं० 1690/फा०सं० 203/149/76-आई०टी०ए० II]

जे०पी० शर्मा, उप सचिव

S.O. 1537.—It is hereby notified for general information that the association mentioned below has been approved by the Secretary, Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income tax Act, 1961, subject to the following conditions —

(i) that the C C Shroff Research Association, New Delhi will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research,

(ii) That the said Association will furnish the annual return of its Scientific Research Activities to the prescribed authority by 30th April, each year for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose

INSTITUTION

C C SHROFF RESEARCH INSTITUTE, NEW DELHI

This notification will be effective for a period of three years from 13th October, 1976

[No 1690/F. No 203/149/76-ITA II]

J P SHARMA, Dy Secy

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1977

का०आ० 1538—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा सर्वश्री जी० नरसिंह मूर्ति और जी० एन० शिरोडकर को, जो केन्द्रीय सरकार में राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन उस तारीख से कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती जिस तारीख से वे कार्यभार संभालेंगे।

2 दिनांक 5 मई, 1976 की अधिसूचना सं० 1315 (फा०सं० 404/104/76 आई टी०सी०सी०) में की गई श्री जे० संबाशिव राव और 23 मई 1974 की अधिसूचना सं० 626 ए (फा०सं० 404/156/74-आई० टी० सी०सी०) में की गई श्री जी० सत्यनारायण मूर्ति की नियुक्ति उस तारीख से रद्द की जाती है जिस तारीख को वे कर वसूली अधिकारी का कार्यभार छोड़ेंगे।

[सं० 1734/फा०सं० 404/90/77-आई०टी०सी०सी०]

New Delhi, the 21st April, 1977

S.O. 1538.—In pursuance of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby authorises S/Shri G Narasimha Murty and G N Shirodkar who are Gazetted Officers of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act with effect from the date they take over charge

2 The appointment of Shri J Sambasiva Rao made in the Notification No 1315 (F No 404/104/76-ITCC) dated the 5th May, 1976 and that of Shri G Satyanaryana Murthy made in the Notification No 626 A(F No 404/156/74-ITCC) dated the 23rd May, 1974 are cancelled with effect from the date they hand over charge of Tax Recovery Officer

[No 1734/F No 404/90/77-ITCC]

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1977

का०आ० 1539—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के उपखण्ड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री एस० सी० सक्सेना को, जो भारत सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन 1 मई, 1977 से कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार देती है।

2 दिनांक 19 जून, 1975 की अधिसूचना सं० 942 (फा०सं० 104/103/75-आई टी० सी० सी०) में की गई श्री जे० आर० चानना की नियुक्ति 1 मई, 1977 से रद्द की जाती है।

[सं० 1752/फा० सं० 404/91/77-आई० टी० सी० सी०]

एस० आर० वधवा, उप सचिव

New Delhi, the 30th April, 1977

S.O. 1539.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri S. C Saksena, who is a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act with effect from 1st May, 1977

2 The appointment of Shri J R Chanana made in Notification No 942 (F No 404/103/75-ITCC) dated 19th June, 1975 is cancelled with effect from 1st May, 1977.

[No 1752/F No 404/91/77-ITCC]

S R WADHWA, Dy Secy

आदेश

नई दिल्ली, 17 मई, 1977

स्टाम्प

का० आ० 1540—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 7 मई, 1977 के पृष्ठ 1512 पर प्रकाशित भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग के आदेश संख्या का० आ० 1284 तारीख 18 अप्रैल, 1977 को अधिक्रान्त करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा उस शुल्क से छूट देती है जो इण्डस्ट्रियल क्रेडिट एण्ड इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड, बम्बई द्वारा जारी किए जाने वाले बाइस करोड़ रुपये मूल्य के डिबेंचरों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है।

[सं० 14/77-स्टाम्प/फा० सं० 33/35/77-बिक्री कर]

एस० डी० रामस्वामी, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 17th May, 1977

STAMPS

S.O. 1540.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899, (2 of 1899), and in supersession of the Order of the Government of India in the Department of Revenue and Banking S O No 1284, dated 18th April, 1977, published at page 1512 of the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 7th May, 1977, the Central Government hereby remits the duty with which the debentures to the value of twenty-two crores of rupees to be issued by the Industrial Credit and Investment Corporation of India Limited, Bombay are chargeable under the said Act

[No 14/77 Stamps F. No. 33/35/77-S.T.]

S D RAMASWAMY, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 मई, 1977

मादक द्रव्य

का० आ० 1541.—केन्द्रीय विनिर्मित मादक द्रव्य नियम, 1962 में संशोधन करने के लिए नियमों का एक प्रारूप, अनिष्टकर मादक द्रव्य अधिनियम, 1930 (1930 का 2) की धारा 36 की उपधारा (1) द्वारा अपेक्षित के अनुसार भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना संख्या सा० का० नि० 751 तारीख 20 मई, 1976 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3 उपखण्ड (ii) तारीख 20 मई, 1976, पृष्ठ 1467 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिनों की समाप्ति तक उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना थी;

और उक्त राजपत्र 31 मई, 1976 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था; और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप की बाबत प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है;

और केन्द्रीय सरकार को जनता से उक्त प्रारूप की बाबत कोई आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार अनिष्टकर मादक द्रव्य अधिनियम, 1930 (1930 का 2) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय विनिर्मित मादक द्रव्य नियम, 1962 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय विनिर्मित मादक द्रव्य (संशोधन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय विनिर्मित मादक द्रव्य नियम, 1962 में,—

(क) नियम 2 में, खण्ड (vi) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

(vi) "कृत्रिमतः विनिर्मित मादक द्रव्य" से अभिप्रेत है ऐसा स्वापक मादक द्रव्य जिसे सिंगिल कन्वेंशन आन नार्कोटिक ड्रग्ज, 1961 की अनुसूची 1 और 2 में सम्मिलित किया गया है और अनिष्टकर मादक द्रव्य अधिनियम, 1930 (1930 का 2) की धारा 2 के खण्ड (छ) के उपखण्ड (ii) के अधीन "विनिर्मित मादक द्रव्य" घोषित किया गया है;

(ख) नियम 3 में "पेथेडीन" शब्द के स्थान पर, "कृत्रिमतः विनिर्मित मादक द्रव्य" शब्द रखे जाएंगे;

(ग) नियम 4 में "केन्द्रीय राजस्व बोर्ड" शब्दों के स्थान पर "केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड" शब्द रखे जाएंगे;

(घ) नियम 5 में "सरकारी अल्कालाइड संकर्म गाजीपुर" शब्दों के स्थान पर "सरकारी अफीम और अल्कालाइड संकर्म उपक्रम" शब्द रखे जाएंगे।

(ङ) नियम 7 में "पेथेडीन" शब्द के स्थान पर "कृत्रिमतः विनिर्मित मादक द्रव्य" शब्द रखे जाएंगे;

(च) प्रारूप ख में,—

(i) "शर्तें" शीर्षक के नीचे, मद 23 (1), (25) (26) (1) और (27) में "केन्द्रीय राजस्व बोर्ड" शब्दों के स्थान पर, "भारत सरकार और बैंकिंग विभाग" शब्द रखे जाएंगे;

(ii) शर्तें 33 के पश्चात् आने वाले "विनिर्माता का अभिलेख" शीर्षक के नीचे, "मादक द्रव्य का नाम अर्थात्, आधार पेथेडीन है या पेथेडीन हाइड्रोक्लोराइड या पेथेडीन के कोई अन्य लवण जिसका हिसाब रखा जाना है, उसमें विनिर्दिष्ट किया जाना चाहिए" शब्द जहां कहीं भी हैं, उनके स्थान पर "मादक द्रव्य का नाम अर्थात् आधार रूप में या लवण जिसका हिसाब रखा जाना है, उसमें विनिर्दिष्ट किया जाना चाहिए" शब्द रखे जाएंगे।

[फा० सं० 631/1/74-अफीम]

बी० के० गुप्ता, उप-सचिव

New Delhi, the 19th May, 1977

DANGEROUS DRUGS

S.O. 1541.—Whereas certain draft rules further to amend the Central Manufactured Drugs Rules, 1962, were published as required by sub-section (1) of section 36 of the Dangerous Drugs Act, 1930 (2 of 1930) at page 1467 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 29th May, 1976, under the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. GSR 751 dated the 20th May, 1976, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of forty-five days from the date of publication of that notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 31st May, 1976;

And whereas no objections and suggestions have been received from the public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 6 of the Dangerous Drugs Act, 1930 (2 of 1930), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Manufactured Drugs Rules, 1962 namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Manufactured Drugs (Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Manufactured Drugs Rules, 1962,—

(a) in rule 2, for clause (vi), the following clause shall be substituted, namely:—

(vi) "synthetic manufactured drug" means a synthetic narcotic drug included in Schedules I and II of the Single Convention on Narcotic Drugs, 1961 and declared as a manufactured drug under sub-clause (ii) of clause (g) of section 2 of the Dangerous Drugs Act, 1930 (2 of 1930);

(b) in rule 3, for the word 'pethidine' the words "any synthetic manufactured drug", shall be substituted;

(c) in rule 4, for the words "Central Board of Revenue", the words "Central Board of Excise and Customs" shall be substituted;

(d) in rule 5, for the words "Government Alkaloid Works Ghazipur" the words "Government Opium and Alkaloid Works Undertakings" shall be substituted;

(e) in rule 7, for the word "pethidine", the words "synthetic manufactured drug" shall be substituted;

(f) in Form B,—

(i) under the heading "Conditions", in conditions (23)(1), (25), (26)(1) and (27) for the words "Central Board of Revenue", the words "Government of India, Department of Revenue and Banking" shall be substituted;

(ii) under the heading "Manufacturers record" occurring after condition (33), for the words "The name of the drug viz. whether Pethidine base or Pethidine Hydrochloride or other salts of Pethidine, for which the account is maintained, should be specified therein", wherever they occur, the words "The name of the drug viz. whether as base or salt for which the account is maintained should be specified therein" shall be substituted.

[F. No. 631/1/74-OPIUM]
V. K. GUPTA, Dy. Secy.

(बैंकिंग पक्ष)

आदेश

नई दिल्ली, 5 मई, 1977

का० आ० 1542.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के खण्ड (यख) के साथ पठित धारा 45 की उपधारा 2 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त धारा 45 की उपधारा (1) के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिये गये आवेदन-पत्र पर विचार करने के बाद बम्बई पीपुल्स कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड, बम्बई (जिसे इसके पश्चात् सहकारी बैंक कहा गया है) के संबंध में एतद्द्वारा 6 मई, 1977 को बैंक का कारोबार बन्द होने से लेकर 5 अगस्त, 1977 तक और उस दिन को मिलाकर अधिस्थगन आदेश जारी करती है, जिसके अनुसार अधिस्थगन आदेश की अवधि के दौरान सहकारी बैंक के विरुद्ध सभी कार्यवाहियों का शुरू किया जाना अथवा शुरू की गयी कार्रवाहियों को जारी रखना स्थगित किया जाता है किन्तु शर्त यह है कि इस प्रकार के स्थगन का किसी भी प्रकार से महाराष्ट्र सहकारी समिति अधिनियम, 1961 के अंतर्गत महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले उसके अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

2. केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा यह निदेश देती है कि उक्त सहकारी बैंक की स्वीकृत अधिस्थगन की विधि के दौरान वह भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित पूर्वानुमति के बिना कोई ऋण अथवा अग्रिम नहीं देगा, किसी प्रकार का दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, कोई निवेश नहीं करेगा अथवा अपने दायित्वों और देनदारियों के संबंध में अथवा अन्यथा किसी प्रकार की अदायगी नहीं करेगा अथवा अदायगी करना स्वीकार नहीं करेगा अथवा किसी प्रकार का समझौता अथवा ठहराव नहीं करेगा किन्तु वह निम्नलिखित तरीके से और निम्नलिखित सीमा तक यथास्थिति अदायगियां अथवा खर्च करेगा :—

(1) प्रत्येक बचत बैंक अथवा चालू खाते अथवा किसी भी नाम से पुकारे जाने वाले किसी अन्य जमा खाते में शेष रकम में से निम्नलिखित राशि तक :—

जमा रकम	देय रकम
25 रुपये तक	पूरा
25 रुपये से अधिक	जमा का 5 प्रतिशत अथवा 25 रुपये जो भी अधिक हो।

बशर्ते कि अदा की गयी रकम की कुल राशि किसी एक व्यक्ति (किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त खाते में नहीं) के नाम से खाते में जमा कुल राशि के 5 प्रतिशत अथवा 25 रुपये, इनमें जो भी अधिक हो, उससे अधिक न हो।

यह भी शर्त है कि ऐसे किसी व्यक्ति को कोई रकम अदा नहीं की जाएगी जो किसी प्रकार से सहकारी बैंक का कर्जदार हो;

(2) ऐसे किसी बैंकड्राफ्ट, पे-आर्डर अथवा चेकों की राशि जो सहकारी बैंक ने उस तारीख को जारी कर दिये है और अदा किये जाने है जिस तारीख को स्थगन आदेश लागू होता है ;

(3) 6 मई, 1977 को अथवा उससे पूर्व भुगतान के लिए प्राप्त हुण्डियों और उस तारीख से पहले, उस तारीख को या उस तारीख से बाद वसूल की गयी हुण्डियों की राशियां ;

(4) ऐसा कोई व्यय जो किसी सहकारी बैंक के द्वारा अथवा उसके विरुद्ध दायर किए गए मुकदमे, अपील, अथवा सहकारी बैंक द्वारा या उसके विरुद्ध की गयी डिगरी या बैंक को मिलने वाली किसी रकम को वसूल करने के सम्बन्ध में करना आवश्यक हो।

बशर्ते कि प्रत्येक मुकदमे, अपील अथवा डिगरी के सम्बन्ध में किए जाने वाले व्यय की रकम यदि 25/- रुपये से अधिक हो तो खर्च करने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित अनुमति ली जाएगी, और

(5) किसी अन्य मद पर कोई व्यय, जहां तक कि वह व्यय सहकारी सहकारी बैंक के विचार में सहकारी बैंक का दैनिक प्रशासन चलाने के लिए करना अनिवार्य हो;

बशर्ते कि जहां किसी एक कैलेण्डर मास में किसी मद पर किया गया कुल खर्च अधिस्थगन आदेश से पहले के छः कैलेण्डर महीनों में उस मद पर किए गए औसत मासिक व्यय से बढ़ जाता हो, अथवा जहां उस मद के सम्बन्ध में कोई व्यय नहीं किया गया हो और उस प्रकार किया जाने वाला व्यय 250/- रुपए से बढ़ जाए तो उस प्रकार का व्यय करने से पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित रूप में अनुमति ली जाएगी।

3. केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा यह भी निदेश देती है कि सहकारी बैंक की स्वीकृति अधिस्थगन की अवधि के दौरान —

(क) सहकारी बैंक निम्नलिखित और अदागिया कर सकेगा, अर्थात् सरकारी प्रतिभूतियों अथवा अन्य प्रतिभूतियों पर महाराष्ट्र सरकार अथवा महाराष्ट्र स्टेट कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड अथवा भारतीय स्टेट बैंक अथवा इसके किन्हीं सहायक बैंकों या किसी अन्य बैंक द्वारा सहकारी बैंक को दिए गए ऋणों अथवा अग्रिमों की जो अधिस्थगन आदेश के प्रभावी होने की तारीख को चुकाए जाने शेष थे, वापसी अदायगी के लिए आवश्यक हों ;

(ख) सहकारी बैंक की पूर्वोक्त अदायगियां करने के लिए महाराष्ट्र स्टेट कोआपरेटिव बैंक लि० अथवा किसी अन्य बैंक के अपने खाते से रुपये निकाल सकता है परन्तु इस आदेश का ऐसा कोई आशय नहीं समझा जायेगा कि सहकारी बैंक को किसी रकम के दिए जाने से पहले महाराष्ट्र स्टेट कोआपरेटिव बैंक लि० अथवा वैसे किसी अन्य बैंक को इस सम्बन्ध में अपने आपको आश्वस्त करना होगा कि इस आदेश द्वारा लगाई गई शर्तों का बैंक द्वारा पालन किया जा रहा है ;

(ग) सहकारी बैंक, उन हुण्डियों को, जो वसूल न की गयी हो, उनको प्राप्त करने के हकदार व्यक्ति के अनुरोध पर लौटा सकेगा यदि सहकारी बैंक का उन हुण्डियों पर कोई अधिकार न हो अथवा वैसी हुण्डियों में उसका कोई हित न हो;

(ब) सहकारी बैंक ऐसे माल अथवा प्रतिभूतियों को जो इस (बैंक) के पास किसी ऋण, नकद कर्ज अथवा ओवर-ड्राफ्ट के बदले गिरवी, वृष्टि-बन्धक अथवा बंधक रखी गयी हों अन्यथा प्रभारित की गयी हो, निम्नलिखित मामलों में छोड़ सकेगा :

(1) किसी ऐसे मामले में जहां यथास्थिति ऋणकर्ता या ऋणकर्ताओं से मिलने वाली सारी रकम सहकारी बैंक द्वारा बिना शर्त प्राप्त की गयी हो, और

(2) किसी और मामले में, कथित माल या प्रतिभूतियों पर मार्जिनों के अनुपात को निर्दिष्ट अनुपातों अथवा अधिस्थगन आदेश लागू होने से पूर्व बनाये रखे जा रहे अनुपातों से (इनमें जो भी अधिक हो उससे) कम किए बगैर उतनी रकम जितनी आवश्यक अथवा संभव हो।

[सं० एफ० 8/8/77-एसी]
वी० एन० बहादुर, उप-सचिव

(Banking Wing)

ORDER

New Delhi, the 5th May, 1977

S.O. 1542.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 45, read with clause (7b) of section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, after considering the application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of the said section 45, hereby makes an order of moratorium in respect of the Bombay Peoples' Cooperative Bank Ltd. Bombay (hereinafter referred to as the Co-operative Bank), for the period from the close of business on the 6th May, 1977 upto and inclusive of the 5th August, 1977 staying the commencement or continuance of all actions and proceedings against the Co-operative Bank during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Government of Maharashtra of its powers under the Maharashtra Co-operative Societies Act, 1961.

2. The Central Government hereby directs that, during the period of the moratorium granted to it, the Co,operative Bank shall not, without the prior permission in writing of the Reserve Bank of India, grant any loan or advance, incur any liability, make any investment or make or agree to make any payment, whether in discharge of its liabilities or obligations or otherwise, or enter into any compromise or arrangement, except making of payments, or incuring of expenditure, as the case may be, to the extent and in the manner provided hereunder :—

(i) out of the balance in every savings bank or current account or in any other deposit account, by whatever name called, a sum not exceeding the following:—

Deposit amount	Amount payable
Upto Rs. 25	in full
Above Rs. 25	5 per cent of the deposit or Rs. 25 whichever is higher.

Provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any one person (and not jointly with that of any other person) does not exceed 5 per cent of total deposit, or Rs. 25, whichever is higher:

Provided further that no amount shall be paid to any depositor who is indebted to the Co-operative Bank in any way;

(ii) the amounts of any drafts or pay orders or cheques issued by the Co-operative Bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force;

(iii) the amounts of the bills received for collection on or before the 6th May, 1977 whether realised before, on or after that date;

(iv) any expenditure which has necessarily to be incurred in connexion with any suits or appeals filed by or against, or decrees obtained by or against, the Co-operative Bank, or for realising any amounts due to it:

Provided that if the expenditure in respect of each such suit or appeal or decree is in excess of Rs. 250, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the expenditure is incurred; and

(v) any expenditure on any other item in so far as it is in the opinion of the Co-operative Bank necessary for carrying on the day-to-day administration of the Co-operative Bank:

Provided that where the total expenditure on any item in any calendar month exceeds the average monthly expenditure on account of that item during the six calendar months preceeding the order of moratorium, or, where no expenditure has been incurred on account of that item during the said period and the expenditure on such item exceeds a sum of Rs. 250, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the expenditure is incurred.

3. The Central Government hereby also directs that, during the period of the moratorium granted to it, the Co-operative Bank—

(a) may make the following further payments, namely, the amounts necessary for repaying loans or advances granted against Government securities or other securities to the Co-operative Bank by the Government of Maharashtra or the Maharashtra State Co-operative Bank Ltd. or the State Bank of India or any of its subsidiaries or by any other bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force;

(b) may operate its accounts with the Maharashtra State Co-operative Bank Ltd. or with any other bank for the purposes of making the payments aforesaid, provided that nothing in this order shall be deemed to require the Maharashtra State Co-operative Bank Ltd. or such other bank to satisfy itself that the conditions imposed by this order are being observed before any amounts are released in favour of the Co-operative Bank;

(c) may return any bills which have remained unrealised to the persons entitled to receive them on a request being made in this behalf by such persons, if the Co-operative Bank has no right or title to, or interest in such bills;

(d) may release or deliver goods or securties which have been pledged, hypothecated or mortgaged or otherwise charged to it against any loan, cash credit or overdraft, in the manner and to the extent—

(i) in any case in which full payment towards all the amounts due from the borrower or borrowers, as the case may be, has been received by the Co-operative Bank, unconditionally, and

(ii) in any other case, to such an extent as may be necessary or possible, without reducing the proportions of the margins on the said goods or securities below the stipulated proportions, or the proportions which were maintained before the order of moratorium came into force, whichever may be higher.

[No. F. 8/8/77-AC]
V. N. BAHADUR, Dy. Secy.

भारतीय रिजर्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

नई दिल्ली, 10 मई, 1977
New Delhi, the 10th May, 1977

का० आ० 1543—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में अप्रैल, 1977 के दिनांक 15 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा।

S.O. 1543.—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934 for the week ended the 15th day of April, 1977.

इशू विभाग
ISSUE DEPARTMENT

देयताएं Liabilities	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियां Assets	रुपये Rs.	रुपये Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट Notes held in the Banking Department	15,22,05,000		सोने का सिक्का और बुलियन :— Gold Coin and Bullion (क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India	187,80,45,000	
संचलन में नोट Notes in circulation	8169,02,63,000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ (b) Held outside India	——	
			विदेशी प्रतिभूतियां Foreign Securities	1071,73,97,000	
जारी किये गये कुल नोट Total notes issued		8184,24,68,000	जोड़ Total		1259,54,42,000
			रुपये का सिक्का Rupee Coin		14,59,23,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां Government of India Rupee Securities		6910,11,03,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र Internal Bills of Exchange and other commercial paper		..
कुल देयताएं Total Liabilities		8184,24,68,000	कुल आस्तियां Total Assets		8184,24,68,000

दिनांक : 20 अप्रैल, 1977
Dated the 20th day of April, 1977

के० आर० पुरी, गवर्नर
K. R. PURI, Governor

15 अप्रैल 1977 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण
Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 15th April, 1977.

देयताएं Liabilities	रुपये Rs.	आस्तियां Assets	रुपये Rs.
चुकता पूंजी Capital Paid Up	5,00,00,0000	नोट Notes	15,22,05,000
आरक्षित निधि Reserve Fund	50,00,00,000	रुपये का सिक्का Rupee Coin	3,53,0000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन निधि) Nationa /Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	400,00,00,000	छोटा सिक्का Small Coin	3,86,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	145,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल Bills Purchased and Discounted :— (क) देशी (a) Internal	188,29,78,000
		(ख) विदेशी (b) External	..

देयताएं Liabilities	रुपये Rs.
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	540,00,00,000
जमाराशियां :— Deposits :—	
(क) सरकारी (a) Government	
(i) केन्द्रीय सरकार Central Government	307,92,44,000
(ii) राज्य सरकारें State Governments	7,12,25,000
(ख) बैंक (b) Banks	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक Scheduled Commercial Banks	1198,55,01,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक Schedule State Co-operative Banks	33,29,76,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक Non-Scheduled State Co-operative Banks	2,20,90,000
(iv) अन्य बैंक Other Banks	83,23,000
(ग) अन्य (c) Others	2157,11,41,000
देय बिल Bills Payable	184,44,91,000
अन्य देयताएं Other Liabilities	958,15,10,000
रुपये Rupees	6089,,65,01,000

आस्तियां Assets	रुपये Rs.
(ग) सरकारी खजाना बिल (c) Government Treasury Bills	508,96,74,000
विदेशों में रखा हुआ बकाया Balances Held Abroad	1671,43,12,000
निवेश Investments	391,60,39,000
ऋण और अग्रिम Loans and Advances to :—	
(i) केन्द्रीय सरकार को Central Government	..
(ii) राज्य सरकारों को State Governments	427,68,77,000
ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को Scheduled Gommercial Banks	708,69,69,000
(ii) राज्य सहकारी बैंकों को State Co-operative Banks	326,99,63,000
(iii) दूसरों को Others	1,77,05,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
(क) ऋण और अग्रिम :— (a) Loans and Advances to :—	
(i) राज्य सरकारों को State Governments	98,71,57,000
(ii) राज्य सरकारी बैंकों को State Co-operative Banks	16,09,89,000
(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को Central Land Mortgage Banks	..
(iv) कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम को Agricultural Refinance and Development Corporation	136,05,00,000
(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	8,45,83,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम Loans and Advances to State Co-operative Banks	90,40,95,000
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम (a) Loans and Advances to the Development Bank	517,07,16,000
(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	..
अन्य आस्तियां Other Assets	982,10,00,000
रुपये Rupees	6089,65,01,000

दिनांक : 20 अप्रैल, 1977
Dated the 20th day of April, 1977

के० आर० पुरी गवर्नर
K. R. PURI, Governor

का० आ० 1544.—भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में अप्रैल 1977 के दिनांक 22 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा

S.O. 1544.—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934 for the week ended the 22nd day of April, 1971.

निर्गम विभाग

ISSUE DEPARTMENT

देयताएं Liabilities	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियां Assets	रुपये Rs.	रुपये Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट Notes held in the Banking Department	30,76,04,000		सोने का सिक्का और बुलियन :— Gold Coin and Bullion :—		
संचलन में नोट Notes in circulation	8128,57,06,000		(क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India . .	187,80,45,000	
जारी किये गये कुल नोट Total notes issued		8159,33,10,000	(ख) भारत के बाहर रखा हुआ (b) Held outside India . .	..	
			विदेशी प्रतिभूतियां Foreign Securities . .	1071,73,97,000	
			जोड़ Total . . .		1259,54,42,000
			रुपये का सिक्का Rupee Coin . . .		14,67,26,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां Government of India Rupee Securities . . .		6885,11,42,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र Internal Bills of Exchange and other commercial papers		..
कुल देयताएं Total Liabilities		8159,33,10,000	कुल आस्तियां Total Assets .		8159,33,10,000

दिनांक : 27 अप्रैल, 1977 ।
Dated the 27th day of April, 1977.

के० आर० पुरी, गवर्नर
K.R. PURI, Governor

22 अप्रैल, 1977 को भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 22nd April, 1977.

देयताएं Liabilities	रुपये Rs.	आस्तियां Assets	रु० Rs.
चुकता पूंजी Capital Paid up	5, 00 ,00,000	नोट Notes	30,76,04,000
आरक्षित निधि Reserve Fund	150,00,00,000	रुपये का सिक्का Rupee Coin	4,51,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रचलन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	400,00,00,000	छोटा सिक्का Small Coin	4,41,000
		खरीदे और भुनाये गये बिल Bills Purchased and Discounted :—	
		(क) देशी (a) Internal	188,56,38,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	145,00,00,000	(ख) विदेशी (b) External	..

देयताएं Liabilities	रु० Rs.
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	540,00,00,000
जमा राशियां :— Deposits :—	
(क) सरकारी (a) Government	
(i) केन्द्रीय सरकार (i) Central Government	308,72,42,000
(ii) राज्य सरकारें (ii) State Governments	5,57,31,000
(ख) बैंक (b) Banks	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक (i) Scheduled Commercial Banks	1165,58,55,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक (ii) Scheduled State Co-operative Banks	38,36,25,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक (iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	2,08,00,000
(iv) अन्य बैंक (iv) Other Banks	86,25,000
(ग) अन्य (c) Others	2178,93,96,000

आस्तियां Assets	रु० Rs.
(ग) सरकारी खजाना बिल (c) Government Treasury Bills	420,81,70,000
विदेशों में रखा हुआ बकाया Balances Held Abroad	1749,85,52,000
निवेश Investments	430,08,10,000
ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :—	
(i) केन्द्रीय सरकार को (i) Central Government	..
(ii) राज्य सरकारों को (ii) State Governments	492,22,40,000
ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को (i) Scheduled Commercial Banks	656,96,37,000
(ii) राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks	322,92,37,000
(iii) दूसरों को (iii) Others	1,89,05,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घ-कालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
(क) ऋण और अग्रिम :— (a) Loans and Advances to :—	
(i) राज्य सरकारों को (i) State Governments	98,71,58,000
(ii) राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks	16,01,24,000
(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को (iii) Central Land Mortgage Banks	..
(iv) कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम को (iv) Agricultural Refinance and Development Corporation	136,05,00,000
(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	8,45,82,000

देयताएं Liabilities	रुपये Rs.	आस्तियां Assests	रुपये Rs.
देय बिल Bills Payable	184,09,32,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	..
अन्य देयताएं Other Liabilities	1020,08,88,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम Loans and Advances to State Co-operative Banks	90,42,43,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रचालन) निधि से ऋण अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम (a) Loans and Advances to the Development Bank	517,12,86,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडो/डिबेंचरो मे निवेश (b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	..
		अन्य आस्तियां Other Assets	983,35,16,000
रुपये Rupees	6144,30,94,000	रुपये Rupees	6144,30,94,000

दिनांक : 27 अप्रैल, 1977
Dated the 27th day of April, 1977

के० आर० पुरी, गवर्नर
K.R. PURI, Governor

का० आ० 1545.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में अप्रैल, 1977 के दिनांक 29 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा

S.O. 1545.—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934 for the week ended the 29th day of April, 1977

निर्गम विभाग
ISSUE DEPARTMENT

देयताएं Liabilities	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियां Assets	रुपये Rs.	रुपये Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट Notes held in the Banking Department	31,80,53,000		सोने का सिक्का और बुलियन Gold Coin and Bullion (क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India	187,80,45,000	
संचलन में नोट Notes in circulation	8085,73,03,000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ (b) Held outside India	..	
जारी किये गये कुल नोट Total notes issued		8117,53,56,000	विदेशी प्रतिभूतियां Foreign Securities	1071,73,97,000	
			जोड़ Total		1259,54,42,000
			रुपये का सिक्का Rupee Coin		12,86,56,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां Government of India Rupee Securities		6845,12,58,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र Internal Bills of Exchange and other commercial paper		..
कुल देयताएं Total Liabilities		8117,53,56,000	कुल आस्तियां Total Assets		8117,53,56,000

दिनांक : 4 मई, 1977
Dated the 4th day of May, 1977

आर० के० हजारी०, उप गवर्नर
R. K. HAZARI, Dy. Governor

29 अप्रैल, 1977 को भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 29th April, 1977

देयताए Liabilities	रुपये Rs	आस्तिया Assest	रुपये Rs.
चुकता पूंजी Capital Paid up	5,00,00,000	नोट Notes	31,80,53,000
आरक्षित निधि Reserve Fund	150,00,00,000	रुपये का सिक्का Rupee Coin	7 31,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	400,00,00,000	छोटा सिक्का Small Coin	4,39,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	145,00,00,000	खरीदे और भुनाये गय बिल Bills Purchased and Discounted :—	
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	540,00,00,000	(क) देशी (a) Internal	173,77,79,000
जमाराशियां :— Deposits :—		(ख) विदेशी (b) External	
(क) सरकारी (a) Government		(ग) सरकारी खजाना बिल (c) Government Treasury Bills	410,86,97,000
(i) केन्द्रीय सरकार (i) Central Government	346,66,57,000	विदेशो मे रखा हुआ बकाया Balances Held Abroad	1837,78,78,000
(ii) राज्य सरकारे (ii) State Governments	9,54,50,000	निवेश Investments	411,46,64,000
(ख) बैंक (b) Banks		ऋण और अग्रिम — Loans and Advances to :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक (i) Scheduled Commercial Banks	1031,34,78,000	(i) केन्द्रीय सरकार को (i) Central Government	
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक (ii) Scheduled State Co-operative Banks	47,55,14,000	(ii) राज्य सरकारो को (ii) State Governments	417,93,74,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक (iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,88,43,000	ऋण और अग्रिम — Loans and Advances to :—	
(iv) अन्य बैंक (iv) Other Banks	2,06,81,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंको को (i) Scheduled Commercial Banks	613,78,26,000
(ग) अन्य (c) Others	2205,57,18,000	(ii) राज्य सहकारी बैंको को (ii) State Co-operative Banks	316,18,89,000
		(iii) दूसरो को (iii) Others	2,10,05,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) ऋण और अग्रिम — (a) Loans and Advances to :—	
		(i) राज्य सरकारो को (i) State Governments	98,70,07,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंको को (ii) State Co-operative Banks	15,96,27,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंको को (iii) Central Land Mortgage Banks	..
		(iv) कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम को (iv) Agricultural Refinance and Development Corporation	136,05,00,000
		(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंको के डिबेंचरो मे निवेश (b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	8,45,83,000

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	आस्तियां ASSETS	रुपये Rs.
देय बिल Bills Payable	168,48,68,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
अन्य देयताएं Other Liabilities	1020,28,91,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम Loans and Advances to State Co-operative Banks	92,67,88,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रचलन) निधि से ऋण अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम (a) Loans and Advances to the Development Bank	518,12,86,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बाडो/डिबेंचरो मे निवेश (b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	
		अन्य आस्तियां Other Assets	987,59,74,000
रुपये Rupees	6073,41,00,000	रुपये Rupees	6073,41,00,000

[No. F. 10/2/77-B.O.I.]

दिनांक 4 मई, 1977
Dated the 4th day of May, 1977

आर० के० हजारी, उप गवर्नर
R. K. Hazari, Dy. Governor

च० व० मीरचन्दानी, अवर सचिव
C. W. MIRCHANDANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 मई, 1977

शुद्धि-पत्र

का०आ० 1546.—भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3(ii) दिनांक 7 मई, 1977 मे का० आ० 1288 के अन्तर्गत दिनांक 19 अप्रैल, 1977 की प्रकाशित अधिसूचना मे अशुद्ध टंकण के कारण कुछ अशुद्धिया रह गई थी जो निम्न प्रकार शुद्ध की जाती है :—

1 पृष्ठ 1513, स्तम्भ 1, पक्ति 5 मे शब्द "समिति" के स्थान पर "समितिया" पढ़ा जाए।

2 पृष्ठ 1513, स्तम्भ 1, पक्ति 6 में शब्द "वर्धन" के स्थान पर वर्धमान" पढ़ा जाए।

[स० एफ० 8-5/77-ए० सी०]
लाकेन्द्र नाथ शर्मा, अवर सचिव

RESERVE BANK OF INDIA

Central Office

(Department of Accounts and Expenditure)

Bombay, the 4th May, 1977

CORRIGENDUM

S.O. 1547.—In the statement of Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on 11th March 1977, published in Part II Section 3(ii) of the Gazettee of India dated 9th April 1977, the following corrigendum may be noted :—

On page 1270 the figures Rs. 16,43,43,000 under the head Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operation) Fund (a) Loans and Advances to (ii) State Cooperative Banks may be read as Rs 16,63,43,000 and figures (Not printed) under the head Loan and Advances to State Cooperative Bank may be read as Rs 80,32,25,000.

[Reference No. Gen. 656/4-76/77]

Sd/- (Illegible)
P. Chief Accountant

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1977

आय-कर

का० आ० 1548—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संस्था को केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 घ की उपधारा (2) के खण्ड (क) के प्रयोजनो के लिए अनुमोदित किया है।

संस्था

मेसर्स इण्डस्ट्रियल एण्ड एग्रिकल्चरल कन्सल्टेन्ट्स, मद्रास

यह अनुमोदन 11 नवम्बर, 1975 से प्रभावी है।

[सं० 1676/फा० सं० 203/180/75-आ० क० अ० II]

जे० पी० शर्मा, सचिव

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 5th March, 1977

INCOME TAX

S.O. 1548.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Central Board of Direct of Taxes for the purposes of clause (a) of sub-clause (2) of section 35D of the Income-tax Act, 1961.

INSTITUTION

M/s. Industrial and Agricultural Consultants, Madras.

This approval takes effect from 11th November, 1975.

[No. 1676/F. No. 203/180/75-IIA. II]

J. P. SHARMA, Secy

कार्यालय आय-कर आयुक्त

पुणे, 2 मई, 1977

का० आ० 1549.—चूंकि केन्द्र सरकार का विचार है कि यह लोकहित की दृष्टि से आवश्यक एवं समीचीन है कि ऐसे निर्धारितियों के नाम एवं उनसे सम्बद्ध अन्य विवरण प्रकाशित कर दिये जाएं जिनके मामलों में 1 अप्रैल, 1976 से 31 मार्च 1977 की अवधि के दौरान रु० 1 लाख से अधिक की आय-कर संबंधी मांगे बट्टे खाते डाली गई हैं।

अतएव आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 287 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश दिया जाता है कि ऐसे निर्धारितियों के नाम एवं अन्य विवरण प्रकाशित किये जाएं। निम्नलिखित सूची में ये नाम एतद्द्वारा प्रकाशित किये जा रहे हैं।

उन निर्धारितियों की सूची जिनके मामले में वित्तीय वर्ष 1976-77 में रु. एक लाख से अधिक की राशि बट्टे खाते डाली गयी थी (आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 287 के उपबन्धों के अधीन प्रकाशित)

क्रम सं०	निर्धारिती का नाम व पता	हैसियत	निर्धारण वर्ष	बट्टे खाते डाली गयी राशि रु०	बट्टे खाते डालने/ मात्रा घटाने के संक्षिप्त कारण
1	2	3	4	5	6
1.	श्री हसन मलंग पटेल, केदारी रोड, पुणे	व्यक्ति	1962 63 1963 64 1964 65 1965 66 1967 68 1968 69	3,00,000	वसूली के लिए ज्ञात और उपलब्ध आस्तियों का मूल्य बकाया राशि की अपेक्षा कम है। तीन लाख रु० की यह राशि वसूल न हो सकने वाली राशि मान कर बट्टे खाते डाल दी गयी है।

टिप्पणी—किसी व्यक्ति से प्राप्तव्य कर राशि बट्टे खाते डाल दी गयी है इस कथन का आशय मात्र यह है कि आयकर विभाग की राय में, प्रकाशन की तिथि तक उपरोक्त राशि निर्धारिती की ज्ञात परिसंपत्तियों से वसूल नहीं की जा सकती थी। इस कथन के प्रकाशन का अर्थ यह नहीं है कि यह राशि कानूनी तौर पर वसूल नहीं की जा सकती अथवा निर्धारिती को इस राशि की अदायगी के दायित्व से मुक्त कर दिया गया है।

[सं० प्रकाशन/ब०आ०/77-78/(वसूली)/पुणे-1]

डी० जी० प्रधान, आय-कर आयुक्त

Office of the Commissioner of Income-tax,

Pune, the 2nd May, 1977

S.O. 1549—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars relating to assessees in whose cases Income-tax demands over Rs. 1 lakh have been written off during the period from 1st April, 1976 to 31st March, 1977.

And now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 287 of the Income-tax Act (43 of 1961) direct that the names and other particulars of the assessee aforesaid be published. The same are hereby published as per the list below :

List of the assessees in whose case amounts over Rs. one lakh were written off in the Financial year 1976-77 (Published under the provisions of sec. 287 of the Income-tax Act, 1961).

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status	Assessment years	Amount written off (Rs.)	Brief reasons for write off/ scaling down
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Shri Hasan Malang Patel, Kedari Road, Pune.	Indl.	1962–63 1963–64 1964–65 1965–66 1967–68 1968–69	3,00,000	The value of the available and known assets are less than the arrears outstanding Demand to the tune of Rs. 3,00,000 are considered irrecoverable and hence written off.

NOTE :—The statement that the tax due from a person has been written off only means that, in the opinion of the Income-tax department it cannot on the date of publication, be realised from the known assets of the assessee. The publication does not imply that the amount is irrecoverable in law or that the assessee is discharged from the liability to pay the amount in question.

[No. Pub/WO/77-78/REC/Pune-I]

D.G. PRADHAN, Commissioner.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता, 26 फरवरी, 1977

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

का० आ० 1550—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 15 और 16 के साथ नियम 233 द्वारा प्राप्त कार्य-क्षमता का उपयोग

करते हुए मैं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पश्चिमबंग, कलकत्ता के दिनांक 18 अगस्त, 1969 की अधिसूचना सं० 2/69 और 3/69 में निम्नलिखित संशोधन के लिए आदेश देता हूं :—

2 दिनांक 18/8/69 की अधिसूचना सं० 2/69 में नत्थी की गई परिशिष्ट के क्रम संख्या 12 (1) (ए) एण्ड (बी) की लिखावटों में निम्नलिखित एवजियां लागू होंगी :—

(i) (I) जलपाइगुड़ी उप-प्रभाग :

(ए) तिस्ता नदी के पश्चिमी क्षेत्र में निम्नलिखित गांवों के इलाका को छोड़कर,—

कोतवाली थाना (पुलिस स्टेशन) के अधीन बेरुबाड़ी, खरिजा बेरुबाड़ी और बोलमारी

(बी) तिस्ता नदी के पूर्वी क्षेत्र में धूपगुड़ी थाना के अधीन चम्पती मुखी, सजनापाड़ा, मध्यमालबाड़ी, पूर्वी मल्लिकपाड़ा तथा मैनागुड़ी थाना के अधीन पैटकाखोचा, बागजन, बेंगकन्दी, कथलबाड़ी, सिंगीमारी, मरिचबाड़ी, उत्तर मौआमारी, बोलबाड़ी गांवों के इलाका को छोड़कर।

(ii) क्रम संख्या—12 के उप-क्रमांक (II) की लिखावट "तोर्सा नदी का क्षेत्र" जो अलीपुर द्वार उपप्रभाग के अधीन है, को समाप्त किया जाए

3 दिनांक 18/8/69 की अधिसूचना 3/69 की संलग्न परिशिष्ट के क्रम संख्या 12(1)(ए) और (बी) की लिखावटों के संबंध में निम्नलिखित एवजियां होंगी :—

(i) (I) जलपाइगुड़ी उप-प्रभाग :

(ए) तिस्ता नदी के पश्चिमी क्षेत्र में निम्नलिखित गांवों के इलाका को छोड़कर: :—

कोतवाली थाना के अधीन बेरुबाड़ी खरिजा-बेरुबाड़ी और बोलमारी,

(बी) तिस्ता नदी के पूर्वी क्षेत्र में धूपगुड़ी थाना के अधीन चम्पती-मुखी, सजनापाड़ा, मध्यमालबाड़ी, पूर्व मल्लिकपाड़ा तथा मैनागुड़ी थाना के अधीन पाइटका खोचा, बागजन, बेंकन्दी, काथलबाड़ी सिंगीमारी, मरिचबारी उत्तर मौआमारी, बोलबाड़ी के गांवो के इलाका को छोड़कर ।

(2) क्रम संख्या 12 के उप-क्रमांक (II) की लिखावट "तोर्सा नदी का क्षेत्र" जो अलीपुर उप-प्रभाग के अधीन है, को समाप्त किया जाए।

4. यह अधिसूचना केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पश्चिमबंग, कलकत्ता की दिनांक 23/1/77 की अधिसूचना सं० 1/1977 की पूरक के रूप में पढ़ी जाए।

[अधिसूचना सं० 83/1977/क० सं० 4 (16) 2-के० उ०/प० बं०/77]

ए० के० भौमिक, समाहर्ता

Collectorate of Central Excise & Customs, West Bengal

Calcutta, the 26th February, 1977

CENTRAL EXCISE

S.O. 1550.—In exercise of the powers conferred on me under Rules 15 and 16 of the Central Excise Rules, 1944 read with Rule 233 of the said Rules, I hereby order the following amendment in the notification of the Collectorate of Central Excise and Customs, West Bengal, Calcutta, Nos. 2/69 and 3/69 both dated 18th August, 1969, namely :—

2. In the schedule annexed to notification No. 2/69 dated 18-8-69, for serial No. 12(I)(a) & (b) of the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

(i) (I) Jalpaiguri Sub-Division :

(a) Areas West of Teesta River excluding the areas comprised of the villages, namely :—

Berubari, Kharija-Berubari and Boalmari under Kotwali Police Station.

(b) areas east of Teesta River excluding the areas comprised of the villages, namely :—

Chamtimukhi, Sainapara, Madhya Salbari, Purba Mallickpara under Dhupguri Police Station, Paitka Khocha, Bagjam, Bangkandi, Kathalbari, Singimari, Marichabari, Uttar Mouamari, Boalbari under mainaguri Police Station.

(ii) In Sub-serial (II) of Serial No. 12, the entries "Areas east of Torsa River" under Alipurduar Sub-division, shall be omitted.

3. In the Schedule annexed to Notification 3/69 dated 18-8-69, for serial No. 12(I)(a) and (b) and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

(i) (I) Jalpaiguri Sub-Division :

(a) areas west of Teesta River excluding the areas comprised of the villages namely :—
Berubari, Kharija-Berubari and Boalmari under Kotwali Police Station;

(b) areas east of Teesta River excluding the areas comprised of the villages, Chamtimukhi, Sajnapara, Madhya Salbari, Purba Mallickpara under Dhupguri Police Station ; Paitka Khocha, Bagjan, Bengkandi, Kathalbari, Singimari, Marichoari, Uttar Mouamari, Boalbari under Maynaguri Police station.

(ii) In Sub-serial (II) of Serial No. 12, the entries "Areas of Torsa River" under Alipurduar Sub-Division, shall be omitted.

4. This Notification shall be read in conjunction with the Collectorate of Central Excise & Customs, West Bengal, Calcutta's Notification No. 1/1977 dated 23-1-77.

[Notification No. 3/1977/C. No. IV(16)2-CE/WB/77]

A. K. BHOWMIK, Collector.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 मई, 1977.

आदेश

का०आ० 1551.—केन्द्रीय सरकार की राय है, कि निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है कि कीलकों को निर्यात से पूर्व निरीक्षण के अधीन किया जाए ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए है और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है :

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त उप-नियम के अनुसरण में उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है ।

सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव देने की वांछा रखने वाला कोई व्यक्ति उन्हें इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिनों के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद्, वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर, 14/1-बी, एजरा स्ट्रीट (आठवीं मंजिल) कलकत्ता-700001 को भेज सकेगा ।

प्रस्ताव

1. (1) यह अधिसूचित करना कि कीलकों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण किया जाएगा ।

(2) उपाबंध I में दिए गए कीलकों के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1976 के प्रारूप के अनुसार निरीक्षण के प्रकार को निरीक्षण के उस प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे कीलकों पर लागू होगा ।

(3) (क) विदेश के भारतीय मानकों या राष्ट्रीय मानकों को मान्यता देना

या

(ख) निर्यात संविदा में दिए गए विनिर्देशों को मान्यता देना ।

निर्यात संविदा की किसी विशेषताओं से संबंधित अपेक्षित अनुबंध की अनुपस्थिति में, वे सम्बद्ध भारतीय या अन्य राष्ट्रीय मानकों के अनुसार कीलकों के लिए लागू होंगे:

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान ऐसे कीलकों के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना, जब तक कि उसके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित अभिकरणों में से किसी एक द्वारा दिया गया इस आशय का प्रमाण-पत्र न हो कि कीलक निरीक्षण से संबंधित शर्तों को पूरा करते है और निर्यात योग्य हैं ।

2. इस आदेश मे कीलक के अभिप्राय सभी प्रकार की चटकनियां, वो नोक वाली कीलें, पेंच, कीलक, ठिबरी तथा वाशर हैं जो धातुओं या मिश्रधातुओं से बनाए गए है तथा दो या अधिक भागों को एक साथ मिलाने के लिए प्रयुक्त होते है ।

3. इस आदेश की कोई भी बात भावी क्रेताओं को भूमि, जल या वायु मार्ग द्वारा कीलकों के प्रमाणिक नमूनों के निर्यात पर लागू नहीं होगी।

उपाबन्ध—I

निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन बनाए जाने वाले नियमों का प्रारूप।

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम कीलकों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977 है।

(2) ये इनके राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो —

(क) "अधिनियम" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है।

(ख) "अभिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन कोचीन, मद्रास, कलकत्ता, बम्बई तथा दिल्ली में स्थापित अभिकरणो में से कोई एक अभिकरण अभिप्रेत है।

(ग) "कीलको" से सभी प्रकार की चटकनियां, दो नोक वाली कीलें, पेंच, कीलक, ठिबरी तथा वाशर अभिप्रेत हैं, जो धातुओं या मिश्र धातुओ से बनाए गए हों तथा ये दो या अधिक भागों को एक साथ मिलाने के लिए प्रयुक्त होते है।

3. निरीक्षण का आधार.—(1) निर्यात किए जाने वाले कीलकों का निरीक्षण यह सुनिश्चित करने के विचार से किया जाएगा कि वह अधिनियम की धारा 6 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप है।

(2) इन नियमों की अनुसूची की सारणी के प्रावधानों के अनुसार नमूना लिया जाएगा ।

4. निरीक्षण की प्रक्रियया.—(1) कीलक के निर्यात करने की वांछा रखने वाला निर्यात-कर्ता अपने ऐसा करने के आशय की सूचना लिखित रूप में देगा और ऐसी सूचना के साथ अभिकरण को ऐसे निर्यात से संबंधित निर्यात संविदा में अनुबद्ध विनिर्देशो का घोषणा-पत्र देगा ताकि वह नियम 3 के अनुसार निरीक्षण कर सके।

(2) उप-नियम (1) के अन्तर्गत प्रत्येक सूचना तथा घोषणा पोत-लदान की अनुसूचित तारीख से कम से कम दस दिन पहले दी जाएगी तथा सूचना की एक प्रति उसी समय परिषद् के निम्नलिखित कार्यालयों में से किसी एक जो कि निरीक्षण के स्थान के पास है, दी जाएगी, अर्थात्

मुख्य कार्यालय	निर्यात निरीक्षण परिषद्, वर्ल्ड ट्रेड सैन्टर (आठवीं मंजिल) 14/1-बी, एजरा, स्ट्रीट, कलकत्ता-700001.
क्षेत्रीय कार्यालय	निर्यात निरीक्षण परिषद्, अमन चेम्बर्स (पांचवीं मंजिल), 113, महर्षि कर्वे रोड, बम्बई-400004.
	निर्यात निरीक्षण परिषद्, मनोहर बिल्डिंगस, महात्मा गांधी रोड, एर्नाकुलम्, कोचीन-682011.
	निर्यात निरीक्षण परिषद्, 6पी/सेक्टर 16ए, मथुरा रोड, फरीदाबाद-121002 (हरियाणा)

(3) उप-नियम (1) के अन्तर्गत सूचना और घोषणा प्राप्त होने पर अभिकरण, नियम (3) तथा परिषद् द्वारा इस संबंध में समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों यदि कोई हों, के अनुसार कीलकों का निरीक्षण करेगा।

(4) (क) निरीक्षण की समाप्ति के पश्चात्, अभिकरण तुरन्त ही पैकेजों को परेषण में इस ढंग से यह सुनिश्चित करने के लिए सील करेगा कि सील किए हुए माल के साथ छेड़-छाड़ न की जा सके।

(ख) परेषण की अस्वीकृति की दशा में, यदि निर्यात-कर्ता की इच्छा हो, तो अभिकरण द्वारा परेषण को सील, स्टाम्पित, या स्टेंसिल नहीं किया जाएगा तथापि ऐसी दशाओं में निर्यात-कर्ता अस्वीकृति के विरुद्ध अपील नहीं करेगा।

(5) जहां अभिकरण का इस प्रकार का समाधान हो जाता है कि कीलकों का परेषण मान्य विनिर्देशो का पूरा करता है तो वह निरीक्षण की समाप्ति के सात दिनों के भीतर निर्यात-कर्ता को यह घोषणा करते हुए प्रमाण-पत्र जारी करेगा कि परेषण निरीक्षण से संबंधित शर्तों को पूरा करता है तथा निर्यात योग्य है :

परन्तु जहां अभिकरण का इस प्रकार का समाधान नही होता वहां वह उक्त सात दिनों की अवधि के भीतर ऐसा प्रमाण-पत्र जारी करने से इंकार कर देगा तथा ऐसे इंकार की सूचना उसके कारणों सहित निर्यात कर्ता को देगा।

5. निरीक्षण का स्थान—कीलकों का निरीक्षण—

(क) विनिर्माता के परिसर पर किया जाएगा या

(ख) उस परिसर पर किया जाएगा जहा कि निर्यात-कर्ता द्वारा कीलको को प्रस्तुत किया गया है परन्तु यह सब जब कि वहां निरीक्षण करने की पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान हों।

6. निरीक्षण फीस.—प्रत्येक परेषण के लिए पोत-पर्यन्त निशुल्क मूल्य के प्रत्येक एक सौ रुपये पर पचास पैसे की दर से 'निरीक्षण फीस' निर्यातकर्ता द्वारा अभिकरण को दी जाएगी । यह फीस कम से कम पचास रुपये होगी ।

7. अपील.—(1) नियम 4 के उप-नियम (5) के अधीन अभिकरण द्वारा प्रमाण-पत्र देने से इंकार किए जाने से व्यथित कोई व्यक्ति, ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने से दस दिन के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त तीन से अन्यून तथा सात से अनधिक व्यक्तियों के विशेषज्ञों के पैनल को अपील कर सकेगा ।

(2) पैनल के कुल सदस्यों में से कम से कम दो-तिहाई गैर सरकारी सदस्य होंगे ।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन की होगी ।

(4) प्राप्त होने के पन्द्रह दिनों के भीतर अपील का निपटारा किया जाएगा ।

अनुसूची

(नियम 3 देखें)

नमूना सारणी तथा अनुरूपता के लिए मापदण्ड

लाट आकार (एक प्रकार तथा आकार)	बिना विध्वंसक परख के लिए नमूना आकार	विध्वंसक परख के लिए उप-नमूना आकार	दोषों की संख्या 1, स्तम्भ 2 के लिए	अनुमोदित स्तम्भ 3 के लिए
150 तक	5	1	0	शून्य
151 से 500	20	2	1	शून्य
501 से 1000	32	3	2	शून्य
1001 से 3000	50	5	3	शून्य
3001 से 10000	80	8	5	शून्य
10,001 तथा अधिक	125	12	7	शून्य

[सं० 6(33)/76-ई आई एण्ड ई पी]

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 28th May, 1977

S.O. 1551.—Whereas the Central Government is of opinion that in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Fasteners shall be subject to inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council, as required by sub-rule, (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within fortyfive days of the date of publication of this Order in the Official Gazette to the Export Inspection Council, 'World Trade Centre', 14/1-B, Ezra Street, 7th Floor, Calcutta-700001.

GI/77—3

PROPOSALS

1. (1) To notify that Fasteners shall be subject to inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the draft Export of Fasteners (Inspection) Rules, 1976 set out in Annexure I as the type of inspection which would be applied to such Fasteners prior to export;

(3) To recognise—

(a) Indian Standards or National Standards of a foreign Country

or

(b) The specifications as stipulated in the export contract. In the absence of any specific stipulation regarding any characteristics in the export contract, the same as given in the relevant Indian or any other National Standards shall be applicable for Fasteners;

(4) To prohibit the export, in the course of international trade, of any such Fasteners unless the same are accompanied by a certificate issued by any one of the agencies established by the Central Government under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), to the effect that such Fasteners satisfy the conditions relating to inspection and are exportworthy.

2. In this Order, 'Fasteners' shall mean all types of bolts, studs, screws, rivets, nuts and washers manufactured from metals or its alloys and used for securing two or more parts together.

3. Nothing in this Order shall apply to the export by land, sea or air of bonafied samples of Fasteners to prospective buyer.

ANNEXURE I

Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963.

1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Export of Fasteners (Inspection) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. Definitions—In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Agency" means any of the agencies established at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras under section 7 of the Act;

(c) "Fasteners" means all types of bolts, studs, screws, rivets, nuts and washers manufactured from metals or its alloys and used for securing two or more parts together.

3. Basis of inspection—(1) Inspection of Fasteners intended for export shall be carried out with a view to seeing that the same conform to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act.

(2) Sampling shall be done in accordance with the provision of the Table of the Schedule to these rules.

4. Procedure of inspection—(1) An exporter intending to export Fasteners shall give intimation in writing of his intention so to do and submit along with such intimation a declaration of the specifications stipulated in the export contract relating to such export to any of the agencies to enable it to carry out the inspection in accordance with rule 3.

(2) Every intimation and declaration under sub-rule (1) shall be given not less than ten days before the scheduled

date of shipment and a copy of the intimation shall simultaneously be adressed to any of the following offices of the Council, which is nearest to the place of inspection, namely :—

Head Offices	: Export Inspection Council, World Trade Centre (7th Floor), 14/1B, Ezra street, Calcutta-700001.
Regional Offices	: Export Inspection Council, Aman Chambers 4th Floor, 113, M. Karva Road, Bombay-400004. Export Inspection Council, Manohar Building Mahatma Gandhi Road, Ernakulam, Cochin 682011 Export Inspection Council, 6P/Sector 16A Mathura Road, Faridabad 121002 (Haryana)

(3) On receipt of the intimation and declaration under sub-rule (1) the agency shall carry out the inspection of Fasteners in accordance with rule 3 and the instructions, if any, issued by the Council from time to time in this regard.

(4) (a) After completion of the inspection, the agency shall immediately seal the packages in the consignment in a manner so as to ensure that the sealed goods can not be tampered with.

(b) In case of rejection of a consignment, if the exporter so desires, the consignment may not be sealed, stamped or stencilled by the agency and in such cases, however the exporter shall not be entitled to prefer an appeal against the rejection.

(5) When the agency is satisfied that the consignment of Fasteners complies with the requirements of the recognised specifications, it shall issue within seven days of completion of inspection, a certificate to the exporter declaring that the consignment satisfies the conditions relating to inspection and is exportworthy.

Provided that where the agency is not so satisfied, it shall within the said periods of seven days refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter along with the reasons therefor.

5. Place of inspection—Inspection of Fasteners shall be carried out—

(a) at the premises of the manufacturer or

(b) at the premises at which the Fasteners are offered for inspection by the exporter, provided adequate facilities for the purpose exist therein.

6. Inspection fee—Subject to a minimum of Rupees Fifty for each consignment, a fee at the rate of fifty Paise for every Rs. 100 of F.O.B. value, shall be paid by the exporter to the agency as inspection fee.

7. Appeal—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (5) of rule 4 may within ten days of the receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a Panel of Experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.

(2) The Panel shall consist of at least two-thirds of non-officials of the total membership of the Panel of Exporters.

(3) The quorum for the Panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipt.

SCHEDULE

(See rule 3)

Sampling Table and criteria for conformity

Lot Size (One type and size)	Sample size For Non-destructive test	Sub-sample size For destructive test	Permissible No. of defects	
			For Col. 2	For Col. 3
1	2	3	4	5
Upto 150	5	1	0	Nil
151 to 500	20	2	1	Nil
501 to 1000	32	3	2	Nil
1001 to 3000	50	5	3	Nil
3001 to 10000	80	8	5	Nil
10,001 and above	125	12	7	Nil

[No. 6(33)/76-EI&EP]

आदेश

का०आ० 1552.—भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए चीनी मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों को निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लाने के लिए कतिपय प्रस्ताव निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के उप-नियम (2) द्वारा अपेक्षित के अनुसार भारत के राजपत्र भाग-2 खंड-3 उप-खंड-(2) तारीख 29 मई, 1976 को प्रकाशित किए गए थे और उन सभी व्यक्तियों से, जिनके उनसे प्रभावित होने की सम्भावना थी, 20 जून, 1976 तक उन पर आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किए गए थे ;

और जनता को उक्त राजपत्र की प्रतियां 1 जून, 1976 तक प्राप्त करा दी गई थी ;

और उक्त प्रारूप पर जनता से प्राप्त आक्षेपों तथा सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार कर लिया गया है ;

अतः, अब निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद से परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त उप-नियम के अनुसरण में तथा भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की, चीनी-मिट्टी के स्वच्छता वस्तुओं से सबंधित अधिसूचना सं० का० आ० 2333, तारीख 12 जून, 1969 को वहां तक जहां तक उसका सम्बन्ध चीनी मिट्टी की स्वच्छता वस्तुओं से है, अधिक्रांत करते हुए, भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है, इस आदेश द्वारा, —

(1) अधिसूचित करती है कि चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरण निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होंगे :

(2) चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1976 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार को क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जो कि निर्यात से पूर्व ऐसे चीनी मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों पर लागू होगा ·

(3) (क) संविदा के विनिदेशों को क्रेता तथा विक्रेता के मध्य तय हुए के अनुसार :

(ख) ऊपर (क) में निर्दिष्ट विनिदेशों में से किसी की भी अनुपस्थिति में, चीनी मिट्टी स्वच्छता उपकरणों के लिए सुसंगत भारतीय मानक विनिदेश को इस प्रयोजन के लिए मानक विनिदेश के रूप में मान्यता देती है :

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान ऐसे, चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों के निर्यात का तब तक प्रतिषिद्ध करती है जब तक कि उसके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अन्तर्गत मान्य अभिकरण में से किसी एक के द्वारा दिया इस आशय का प्रमाणपत्र न हो कि चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों का परेषण क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण से संबंधित शर्तों को पूरा करती है तथा निर्यात योग्य है।

3. इस आदेश की कोई भी बात भावी क्रेताओं को चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों के नमूनों के भू,वायु या समुद्र मार्ग द्वारा निर्यात पर लागू नहीं होगी, परन्तु यह तब तक परेषण का पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य पांच-सौ रुपए से अधिक न हो।

4. इस आदेश में, चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों से—
(1) चमकदार मिट्टी के बने स्वच्छता उपकरण, और
(2) काचसम स्वच्छता उपकरण अभिप्रेत है।

5. यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[सं० 6 (15)/75-नि०नि० तथा नि०उ०]

ORDER

S.O. 1552.—Whereas for the development of the export trade of India certain proposals for subjecting ceramic sanitary appliance to Quality Control and Inspection prior to export, were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part II-Section 3-Sub-Section (ii) dated the 29th May, 1976, inviting objections and suggestions till the 28th June, 1976 from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 1st June, 1976;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Govt.;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of opinion that, in pursuance of the said sub-rule and in partial supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2333, dated the 12th June, 1969 relating to ceramic products in so far as it relates to Ceramic Sanitary appliances; it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby—

(1) notifies that ceramic sanitary appliances shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) specifies the type of quality control and inspection in accordance with the Export of Ceramic Sanitary Appliances (Quality Control and Inspection) Rules, 1977 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such ceramic sanitary appliances prior to export;

(3) recognises:

(a) the specifications of the contract as agreed upon between the buyer and seller;

(b) in the absence of any specification mentioned in (a) above, the relevant Indian Standard specification for ceramic sanitary appliances as the standard specification for the purpose;

(4) Prohibits the export, in the course of international trade, of such ceramic sanitary appliances, unless every consignment thereof is accompanied by a certificate issued by any of the agencies recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that consignment of ceramic sanitary appliances satisfies the conditions relating to quality control and inspection and is exportworthy.

3. Nothing in this order shall apply to the export by land, sea or air, of samples of ceramic sanitary applicances to prospective buyers provided the f.o.b. value of the consignment does not exceed Rupees five hundred.

4. In this Order, Ceramic sanitary appliances shall mean—
(1) Glazed earthernware sanitary appliances;
(2) Vitreous sanitary appliances.

5. This order shall come into force on the date of its publication in the official gazette.

[No. 6(15)/75/EI & EP]

का० आ० 1553.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 परिभाषाएं.—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो —

(क) 'अधिनियम' के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है :

(ख) 'अभिकरण' से अधिनियम की धारा 7 के अधीन कोचीन, मद्रास, कलकत्ता, मुम्बई तथा दिल्ली में स्थापित अभिकरणों में से कोई एक अभिकरण अभिप्रेत है :

(ग) 'चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों' से चीनी-मिट्टी के निम्नलिखित स्वच्छता उपकरण अभिप्रेत है, अर्थात् —
(1) चमकदार मिट्टी के बने स्वच्छता उपकरण, और
(2) काचसम स्वच्छता उपकरण :

(घ) 'अनुसूची' से इस आदेश में उपाबद्ध अनुसूची अभिप्रेत है।

3. क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण —(1) चीनी मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों का क्वालिटी नियंत्रण, विनिर्माता द्वारा उत्पाद के विनिर्माण, परिरक्षण एवं पैकिंग के विभिन्न प्रक्रमों पर निम्नलिखित नियंत्रणों का प्रयोग करके सुनिश्चित किया जाएगा, अर्थात्:—

(i) क्रय तथा कच्चा माल नियंत्रण :

(क) प्रयुक्त किए जाने वाले कच्चे माल के गुणधर्मों को सम्मिलित करते हुए विनिर्माता द्वारा क्रय विनिर्देश अधिकथित किए जाएंगे।

(ख) स्वीकृत परेषण या तो क्रय विनिर्देशों की अपेक्षाओं को संपुष्ट करने वाले प्रदायकर्ता के परीक्षण तथा निरीक्षण प्रमाण-पत्र के साथ होंगे, उस दशा में क्रेता द्वारा 10 परेषणों में से कम से कम एक बार यदा-कदा होने वाली जांच-पड़ताल विशिष्ट प्रदायकर्ता के लिए पूर्वोक्त परीक्षण या निरीक्षण प्रमाण-पत्रों की शुद्धता को सत्यापित करने के

लिए की जाएगी या क्रय किए गए माल का या तो कारखाने के भीतर प्रयोगशाला में या बाह्य प्रयोगशाला या परीक्षण गृह में नियमित रूप से परीक्षण और निरीक्षण किया जाएगा ।

(ग) किए जाने वाले निरीक्षण या परीक्षण के लिए नमूने का लेखा लेखबद्ध अन्वेषण पर आधारित होगा ।

(घ) निरीक्षण या परीक्षण किए जाने के पश्चात, स्वीकृत और अस्वीकृत किए गए माल को पृथक करने तथा अस्वीकृत माल के व्ययन के लिए व्यवस्थित पद्धतियां अपनाई जाएंगी ।

(ङ) विनिर्माता द्वारा ऊपर वर्णित नियंत्रणों के बारे में पर्याप्त अभिलेख नियमित रूप से और व्यवस्थित रूप में रखे जायेंगे ।

(ii) प्रक्रिया नियंत्रण —

(क) विनिर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए विनिर्माता द्वारा ब्योरेवार प्रक्रिया विनिदेश अधिकथित किए जायेंगे ।

(ख) प्रक्रिया विनिदेशों में यथा अधिकथित प्रक्रियाओं को नियंत्रित करने के लिए उपस्कर एवं उपकरणों की पर्याप्त सुविधाएं होंगी ।

(ग) विनिर्माता द्वारा विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान किए गए नियंत्रणों के सत्यापन की संभावना सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त अभिलेख रखे जायेंगे ।

(iii) उत्पाद नियंत्रण—

(क) यह जांच-पड़ताल करने के लिए कि क्या उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्य विनिर्देशों के अनुसार है, विनिर्माता के पास परीक्षण करने के लिए स्वयं की परख सुविधाएं होंगी या किसी अन्य स्थान पर विद्यमान ऐसी परीक्षण सुविधाएं उसे मिल जाएंगी ।

(ख) परीक्षण तथा निरीक्षण के लिए नमूनों का लेना किसी लेखबद्ध अन्वेषण पर आधारित होगा ।

(ग) नमूने लेने और किए गए परीक्षण के बारे में पर्याप्त अभिलेख नियमित रूप से और व्यवस्थित रूप से रखे जायेंगे ।

(घ) उत्पादों की जांच करने के लिए नियंत्रण के न्यूनतम स्तरमान वे होंगे जो अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट हैं ।

(iv) परिरक्षण —

भंडारकरण और अभिवहन, दोनों के दौरान, उत्पाद अच्छी तरह से परिरक्षित किया जाएगा ।

(v) पैकिंग नियंत्रण—

उत्पादों की पैकिंग के लिए अनुसूची-2 में वर्णित नियंत्रणों को पूरा करने की दृष्टि से पैकिंग विनिर्देश अधिकथित किए जायेंगे ।

(2) निर्यात निरीक्षण के लिए आशयित चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों का निरीक्षण यह सुनिश्चित करने की दृष्टि से किया जाएगा कि उप-नियम (1) के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग सुसंगत स्तरों पर समाधानप्रद रूप से किया गया है तथा चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरण इस प्रयोजन के लिए मान्य विनिर्देशों के अनुरूप हैं ।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया.—(1) चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों का निर्यात करने का इच्छुक निर्यात-कर्ता, अपने ऐसा करने के आशय की सूचना लिखित रूप में अधिकरण को देगा और ऐसी सूचना के साथ एक ऐसी घोषणा देगा कि चीनी मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों का परेषण, नियम 3 में अधिकथित क्वालिटी नियंत्रण उपायों को प्रयुक्त करके विनिर्मित किया गया है या किया जा रहा है और परेषण इस प्रयोजन के लिए मान्य विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुरूप है ।

(2) निर्यात-कर्ता अभिकरण को परेषण पर लगाए गए पहचान चिह्न भी देगा :

(3) उप-नियम (1) के अधीन प्रत्येक सूचना और घोषणा को, विनिर्माता के यहां से परेषण के भेजे जाने के कम से कम सात दिन पहले अभिकरण के कार्यालय में पहुंचना होगा ।

(4) उप-नियम (1) के अधीन सूचना और घोषणा प्राप्त होने पर, अभिकरण, अपना इस प्रकार का समाधान कर लेने पर कि विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान, नियम 3 में की गई व्यवस्था अनुसार पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग किया गया है, निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों के अनुसार परेषण का निरीक्षण करेगा ।

(5) निरीक्षण की समाप्ति के पश्चात, यदि अभिकरण का समाधान हो जाए कि निर्यात किए जाने वाला चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों का परेषण नियम 3 की अपेक्षाओं के अनुरूप है, तो यह उप नियम (4) के अधीन सूचना और घोषणा प्राप्त होने के सात दिन के भीतर, परेषण को निर्यात योग्य घोषित करते हुए, निर्यात-कर्ता को प्रमाण-पत्र दे देगा :

परन्तु जहां अभिकरण को ऐसा समाधान नहीं होता है, वहां उक्त सात दिनों की अवधि के भीतर, ऐसा प्रमाण-पत्र देने से इंकार कर देगा तथा ऐसे इंकार की संसूचना उसके कारणों सहित निर्यात-कर्ता को देगा ।

5. निरीक्षण का स्थान.—इन नियमों के अधीन प्रत्येक निरीक्षण या तो—

(क) ऐसे उत्पादों के विनिर्माता के परिसर पर किया जाएगा या

(ख) उस परिसर पर किया जाएगा, जहां निर्यात-कर्ता द्वारा माल प्रस्तुत किया जाए : परन्तु यह तब जब कि वहीं निरीक्षण करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान हों ।

6. निरीक्षण फीस.—प्रत्येक परेषण के लिए ऐसे प्रत्येक परेषण के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के प्रत्येक एक सौ रुपए पर तीस पैसे की दर से निरीक्षण निर्यात-कर्ता द्वारा अभिकरण को दी जाएगी । यह फीस कम से कम बीस रुपए होगी ।

7. अपील.—(1) नियम 4 के उप-नियम (5) के अधीन अभिकरण के द्वारा प्रमाण पत्र देने से इंकार किए जाने से व्यथित कोई व्यक्ति ऐसे इंकार की संसूचना प्राप्त होने के दस दिनों के भीतर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त विशेषज्ञों के ऐसे पैनल को अपील कर सकेगा जिसमें कम से कम तीन किन्तु सात से अनधिक विशेषज्ञ होंगे ।

(2) ऐसे पैनल में विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्य संख्या के कम से कम दो-तिहाई सदस्य गैर सरकारी होंगे ।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन सदस्यों की होगी ।

(4) अपील को प्राप्त होने के पन्द्रह दिनों के भीतर निपटा दिया जाएगा ।

अनुसूची I

[नियम 3, उप-नियम (1)(iii) (घ) देखें]

उत्पादों के लिए नियंत्रण स्तर

क्रम सं०	अपेक्षाएं	संदर्भ	नमूने की संख्या	आवृत्ति	टिप्पणी
1.	(क) अनुमेय दाग व कमियों के लिए फिनिश	—	सभी नग	प्रति बैच	
	(ख) चमकाना	—	सभी नग	प्रति बैच	
2.	मोटाई तथा अन्य माप	—	कम से कम दो नग	प्रति बैच	
3.	लेप चटकना	—	एक नग	प्रति बैच	
4.	जल शोषण	—	एक नग	प्रति बैच	
5.	रसायनिक प्रतिरोध के लिए परीक्षण	—	एक नग	प्रति बैच	
6.	विदारण मापांक	—	नमूने के दो नग	प्रति बैच	
7.	ऊष्मीय प्रधात	—	एक नमूना	प्रति बैच	जहां कहीं लागू हो
8.	विकुंचता	—	दो नमूने	प्रति बैच	जहां कहीं लागू हो
9.	सम्प्रवाहन परीक्षण	—	दो नग	प्रति बैच	जहां कहीं लागू हो

अनुसूची II

[नियम 3, उप-नियम (V) देखो]

पैकिंग के लिए नियंत्रण स्तर

1. पैकिंग देखने में सुन्दर होंगे और ये अभिवहन के दौरान उठाई सहन करने योग्य होंगे।

2. पैकेजों में स्वच्छता संबंधी वस्तु उपकरणों को इस प्रकार पैक किया जाएगा जिससे उनका आपस में टकराव न हो।

3. प्रत्येक पैकेज पर निम्नलिखित जानकारी दी जाएगी, अर्थात :—

(क) सामग्री का नाम।

(ख) विनिर्माता का नाम तथा व्यापार चिह्न, यदि कोई हो।

(ग) माल की मात्रा।

[सं० 6(15)/75-नि०नि० तथा नि०उ०]

S.O. 1553.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Ceramic Sanitary Appliances (Quality Control and Inspection) Rules, 1977;

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "agency" means any one of the agencies recognised under Section 7 of the Act at Cochin Madras, Calcutta, Bombay and Delhi;

(c) "Ceramic Sanitary Appliances" means the following ceramic sanitary appliances, namely :—

(i) Glazed earthenware sanitary appliances.

(ii) Vitreous sanitary appliances;

(d) "Schedule" means the Schedule appended to these rules.

3. Quality Control and Inspection.—(1) The quality control of ceramic sanitary appliances shall be ensured by the manufacturer by effecting the following controls at different stages of manufacture, preservation and packing of the product, namely :—

(I) Purchase and raw materials control—

(a) Purchase specifications shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of raw materials to be used.

(b) Either the accepted consignments shall be accompanied by a supplier's test and inspection certificate corroborating the requirements of the purchase specifications in which case occasional checks shall be conducted at least once in 10 consignments by the purchaser for a particular supplier to verify the correctness of the aforesaid test or inspection certificate or the purchase material shall be regularly tested and inspected either in the laboratory within the factory or in an outside laboratory or test house.

(c) The sampling for inspection or test to be carried out shall be based on the recorded investigations.

(d) After the inspection or test is carried out, systematic methods shal be adopted in segregating the accepted and rejected materials and for disposal of the rejected materials.

(e) Adequate records in respect of the aforesaid controls shall be regularly and systematically maintained by the manufacturer.

(ii) Process Control—

(a) Detailed process specification shall be laid down by the manufacturer for different process of manufacture.

(b) Equipment and instrumentation, facilities shall be adequate to control the process as laid down in the process specification.

(c) Adequate records shall be maintained by the manufacturers to ensure the possibility of verifying the controls exercised during the process of manufacture.

(iii) Product control—

(a) The manufacturer shall have either his down testing facilities or shall have access to such testing facilities existing elsewhere to check up whether the product conforms to specification recognised under Section 6 of the Act.

(b) Sampling for test and inspection to be carried out shall be based on the recorded investigation.

(c) Adequate records in respect of sampling and test carritd out shall be regularly and systematically maintained.

(d) The minimum levels of control to check the products shall be as specified in schedule I.

(iv) Preservation control—

The product shall be well preserved both during the storage and the transit.

(v) Packing control—

Packing specifications shall be laid down with a view to satisfying controls mentioned in Schedule II for packing of the products.

(2) The inspection of ceramic sanitary appliances intended for export shall be carried out with a view to ensuring that the quality control in accordance with sub-rule (1) has been exercised at the relevant levels satisfactorily and the ceramic sanitary appliances conform to the specifications recognised for the purpose.

4. Procedure of inspection.—(1) The exporter intending to export a consignment of ceramic sanitary appliances shall give intimation in writing of his intention to do so to the agency and submit alongwith such intimation, a declaration that the consignment of ceramic sanitary appliances has been or is being manufactured by exercising quality control measures laid down in rule 3 and that the consignment conforms to the requirements of the specifications recognised for the purpose.

(2) The exporter shall also furnish to the agency, the identification marks applied on the consignment.

(3) Every intimation and declaration under sub-rule (1) shall reach the office of the agency not less than seven days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer.

(4) On receipt of the intimation and declaration under sub-rule (1), the agency, after satisfying itself that during the process of manufacture, adequate quality control as provided in rule 3, has been exercised, shall carry out the inspection of the consignment in accordance with the instruction issued by the Export Inspection Council from time to time.

(5) If after inspection the agency is satisfied that the consignment of ceramic sanitary appliances to be exported complies with the requirements of rule 3, it shall within seven days of the receipt of intimation and declaration under sub-rule (4), issue a certificate to the exporter declaring the consignment as exportworthy :

Provided that where the agency is not so satisfied, it shall within the said period of seven days refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter alongwith the reasons therefor.

5. Place of inspection.—Every inspection under these rules shall be carried out either—

(a) at the premises of the manufacturer of such products, or

(b) at the premises at which the goods are offered by the exporter ; provided adequate facilities for inspection exist therein.

6. Inspection fee.—Subject to a minimum of rupees twenty for each consignment, a fee, at the rate of thirty paise for every hundred rupees of f.o.b value of each such consignment, shall be paid by the exporter to the agency as inspection fee.

7. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (5) of rule 4 may within ten days of the receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons, appointed for the purpose by the Central Government.

(2) The panel shall consist of at least two-thirds of non-officials of the total membership of the panel of experts.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipt.

SCHEDULE I

[See rule 3, Sub-rule (1) (iii) (d)]

Levels of Control for Products

Sl. No.	Requirement	Reference	Number of samples	Frequency	Remarks
1 (a)	Finish for permissible blemished and defects.	—	All pieces	per batch	—
(b)	Glazing	—	All pieces	Per batch	—
2.	Thickness and other measurement	—	At least 2 pieces	,,	—
3.	Crazing	—	1 piece	,,	—
4.	Water absorption.	—	1 piece	,,	—
5.	Test for chemical resistance	—	1 piece	,,	—
6	Modulous of rupture	—	2 sample piece	,,	—
7.	Thermal shock Test	—	1 sample	,,	Wherever applicable
8.	Warpage	—	2 samples	,,	Wherever applicable
9.	Flushing tests	—	2 pieces	,,	Wherever applicable

SCHEDULE II

[See rule 3, sub-rule (i) (v)]

Levels of Control for packing

1. The packages shall have a good presentability and a sufficient strength to stand handling during transit.

2. The sanitaryware appliances within the packages shall be so packed as to avoid collisions amongst them.

3. The following information shall be given on each packages namely :—

(a) Name of the material.

(b) Manufacturers' name and trade mark, if any.

(c) Quantity of the material.

[No. 6(15)/75-EI & EP]

का०आ० 1554—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार चीनी-मिट्टी के स्वच्छता उपकरणों के निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के लिए निम्नलिखित अभिकरणों को मान्यता देती है, अर्थात :—

(1) निर्यात निरीक्षण अभिकरण, बम्बई,
"अमन चैम्बर्स", 113, महर्षि कर्वे रोड,
बम्बई-4

(2) निर्यात निरीक्षण अभिकरण-कलकत्ता,
"वर्ल्ड ट्रेड सैन्टर",
14/1-बी, एजरा स्ट्रीट,
कलकत्ता-1

(3) निर्यात निरीक्षण अभिकरण-मद्रास
'वर्ल्ड ट्रेड सेंटर,'
123, माउन्ट रोड,
मद्रास-6

(4) निर्यात निरीक्षण अभिकरण-दिल्ली,
13/37, पश्चिमी विस्तार क्षेत्र,
आर्य समाज मार्ग,
नई दिल्ली-5

(5) निर्यात निरीक्षण अभिकरण-कोचीन,
मनोहर बिल्डिंग,
महात्मा गांधी रोड,
कोचीन-11

व्याख्या-इस अधिसूचना में 'चीनी-मिट्टी' के स्वच्छता उपकरणों से--
(1) चमकदार मिट्टी के बने स्वच्छता उपकरण
(2) काचसम स्वच्छता उपकरण अभिप्रेत है।

[सं० 6(15)/75-नि०नि० तथा नि०उ०]

S.O. 1554.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises the following agencies for quality control and inspection of Ceramic Sanitary Appliances prior to their export, namely :—

(1) Export Inspection Agency-Bombay,
"Aman Chambers", 113, M. Karve Road,
Bombay-4.

(2) Export Inspection Agency-Calcutta,
"World Trade Centre",
14/1-B, Ezra Street,
Calcutta-1.

(3) Export Inspection Agency-Madras,
"World Trade Centre",
123, Mount Road,
Madras-6.

(4) Export Inspection Agency-Delhi,
13/37, Western Extension Area,
Arya Smaj Road,
New Delhi-5.

(5) Export Inspection Agency-Cochin,
Manohar Buildings,
Mahatma Gandhi Road,
Cochin-11.

Explanation.—In this notification "Ceramic Sanitary Appliances" means—

(1) Glazed earthenware sanitary appliances.
(2) Vitreous Sanitary appliances.

[No. 6(15)/75/EI & EP]

आदेश

नई दिल्ली, 28 मई, 1977

का० आ० 1555.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के लघु अभियांत्रिक वस्तुओं के निरीक्षण से संबंधित आदेश में उनके निर्यात से पूर्व निम्नलिखित ढंग से संशोधन करना आवश्यक तथा समीचीन है :

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए है और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) की अपेक्षा अनुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है :

अतः अब, उक्त उप-नियम के अनुरक्षण में केन्द्रीय सरकार उन सभी लोगों की जानकारी के लिए उक्त प्रस्तावों को प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. सूचना दी जाती है कि कोई भी व्यक्ति जो उक्त प्रस्तावों के बारे मे कोई आक्षेप या सुझाव देना चाहता है उसे इस आदेश के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिनों के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद्, 'वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर' 14/1 बी, एजरा स्ट्रीट (आठवीं मंजिल) कलकत्ता-700001 को भेज दे।

प्रस्ताव

उक्त आदेश के उपबंध-11 में शीर्षक '11 इमारती समान' के अन्तर्गत, उप-शीर्षक '2, बाड़ के लिए गाल्वनीकृत इस्पात की कांटेदार तार के लिए विनिर्देश, के अन्तर्गत.—

(i) पैरा 1 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:-

'1. कांटेदार तार अच्छी क्वालिटी के व्यापारिक इस्पात तार से बनाया जाएगा। लाईन तार की तनन मजबूती जब सुसंगत भारतीय मानक मे विहित पद्धति के अनुसार उसका परीक्षण किया जाए, 40 कि० ग्रा० एक/मि० मी०^2 से कम नही होगी। लाइन तार तथा पांईट तार धारा में घूमेगी, अन्य दोषों तथा परत में मुक्त होगी तथा एक समान गाल्वनीकृत की जाएगी। लाईन तार की एक ही लम्बाई होगी तथा खिचाई से पहले उसमे राड की वैल्डिंग के अतिरिक्त और कोई वेल्ड नहीं होंगे। दो क्रमिक जोड़ों के बीच की दूरी 15 मीटर से कम नही होगी।"

(ii) पैरा 4 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

"जब पर्याप्त लम्बाई वाली लाईन तार को निकटतम कुंडली का रूप देने के लिए प्रति मिनट से अनधिक दर से 15 बार लाइन तार के नामिक व्यास के चार गुने के बराबर व्यास वाले बेलनाकार में ट्रूल के चारो ओर घुमाया जाए तब जस्त की परत इस्पात के तार के साथ चिपकी रहेगी तथा संतोषजनक समझी जाएगी यदि ऐसे घुमाने या झुकाने पर यह न तो इस हद तक मुड़ती है और न टूटती है कि नंगी उंगलियों से रगड़ने पर किसी भी जस्ते को हटाने की वहां संभावना रहे। उगलियों के नाखूनों का प्रयोग नहीं करने दिया जाएगा। लाइन तथा प्वांइट तारों पर जस्त की परत का भार विदेशी क्रेता तथा निर्यात कर्ता के मध्य के अनुसार होगा किन्तु वह किसी भी दशा में 70 ग्राम/मीटर 2 से कम नही होगा जब वह सुसगत भारतीय या राष्ट्रीय मानक विनिदेशो मे विहित प्रणाली के अनुसार परखी जाए।"
प्रथम तकनीकी समिति की बैठक के लिए कार्यसूची में से उद्धरण मद संख्या 3,7 बाड़ लगाने के लिए जस्तीकृत इस्पात की काटेदार तार के लिए विनिर्देश

लघु अभियांत्रिक वस्तुओं के संबंध में तारीख 21-1-1976 के गजट आदेश के अन्तर्गत आने वाली मदों में से काटेदार तार एक है। पूर्व पोत-लदान निरीक्षण के लिए लागू होने वाले विनिर्देश सूची 'जैड" (पृष्ठ 283) पर दिए गए है।

अब लाईन तार की न्यूनतम तनन मजबूती तथा तारो पर न्यूनतम जस्ता कोटिंग विहित करने की प्रस्तावना की जाती है। तदनुसार इन अपेक्षाओं मे संबंधित दो खंडो का संशोधन करने का प्रस्ताव है।

I. "कांटेदार तार अच्छी क्वालिटी के व्यापारिक इस्पात के तार से बनाया जाएगा। लाईन तार की तनन मजबूती 40 कि० ग्रा० एक

मि० मी० से कम नहीं होगी । लाईन तार तथा प्वाइंट तार धारा में घूमेगी परत तथा अन्य दोषों से मुक्त होगी तथा एक समान गाल्वनीकृत की जाएगी । लाईन तार की पूरी लम्बाई होगी । क्रमिक जोड़ों के बीच की दूरी 15 मीटर से कम नहीं होगी ।

II. "जब तार अपने व्यास के लगभग दस गुने व्यास वाले सिलिन्ड्रीकल बार के चारों ओर लपेटी जाए तब वह जस्ता कोटिंग के उतरने तथा पकड़ने का कोई चिन्ह नहीं दिखाएगी लाईन तार तथा प्वाइंट तार पर जस्ता कोटिंग का भार क्रेता तथा विक्रेता के मध्य हुई सहमति के अनुसार होगा लेकिन किसी भी दशा में 70 ग्रा०/मि०^2 से कम नहीं होगा ।

प्रथम तकनीकी समिति की बैठक के कार्यवृत्त में से उद्धरण

समिति ने 1969 के भारतीय मानक 278 के अनुसार विनिर्देश में संशोधन करना तय किया ।

[सं० 6(14)/74-नि०नि० तथा नि० उ०]

ORDER

S.O. 1555.—Whereas the Central Government is of opinion that in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) it is necessary and expedient to amend the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 895, dated the 21st February, 1976 relating to inspection of Light Engg. products prior to their export in the manner specified below for the development of the export trade of India;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestion with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days from the date of publication of this Order in the official Gazette to the Export Inspection Council, 'World Trade Centre', 14/1B, Ezra Street (7th Floor), Calcutta-700001.

PROPOSALS

In the said Order, in Annexure II, under the heading "II. BUILDER'S HARDWARE", under the sub-heading "2. Specification for Galvanised steel barbed wire for fencing",—

(i) for paragraph 1, the following shall be substituted, namely:—

"1. The barbed wire shall be manufactured from a good commercial quality steel wire. The tensile strength of line wire shall not be less than 40 kgf/mm^2 when tested by a prescribed method as in the relevant Indian Standard. The line wire and point wire shall be circular in section, free from scales and other defects and shall be uniformly galvanised. The line were shall be continuous in length and shall not contain anywelds other than those in the rod before it is drawn. The distance between two successive splices shall not be less than 15 metres",

(ii) for paragraph 4, the following shall be substituted, namely :

"When the line wire of sufficient length is wound round a cylindrical mandrel of diameter equal to four times the nominal diameter of line wire at a rate not exceeding 15 turns per minute to form close spirals, the zinc coating shall remain adhered to the steel wire and shall be considered as satisfactory if owing to such winding or bending it does not flake off nor crack to such an extent that there is possibility of removing any zinc by rubbing with bare fingers, the use of finger nail being not allowed. The weight of zinc coating on line and point wires shall be as agreed upon between the foreign buyer and the exporter but shall in no case be less than 70 gm/m^2 when tested by a method prescribed in the relevant Indian or National Standard specification".

Extract from Agenda for First Technical Committee Meeting.

Item No. 3,7,1 Specifications for galvanised steel barded wire for fencing

Barbed wire is one of the items covered under Gazette Order dated 21-2-1976 on light engineering products. The specifications applicable for pre-shipment inspection are given at Appendix 'Z' (page 283).

It is now proposed to prescribe the minimum tensile strength of line wire as well as the minimum zinc coating on wires. Accordingly, it is proposed to amend the two clauses pertaining to these requirements as under :

I. "The barbed wire shall be manufactured from a good commercial quality steel wire. The tensile strength of line wire shall not be less than 40 kgf/mm^2. The line and point wires shall be circular in section, free from scales and other defects and shall be uniformly galvanised. The line wire shall be in continuous length. The distance between successive splices shall not be less than 15 metres.

II. "The line wire shall not show any sign of flaking or peeling of zinc coating when coiled round a cylindrical bar of approximately ten times its diameter. The weight of zinc coating on line and point wire shall be as agreed to between the buyer and the seller but in no case less than 70 gms/m^2.

Extract from the Minutes of the First Technical Committee Meeting

The Committee agreed to modifications in the specification as per IS 278 of 1969.

[No. 6(14)74/EI & EP]

आदेश

का०आ० 1556.—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है कि बिजली के लैम्प तथा ट्यूबें निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन हों ।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) द्वारा अपेक्षित के अनुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है ;

अतः अब, उक्त उप-नियम के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार उक्त प्रस्तावों को उन सभी जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है ।

2. सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव भेजने की वांछा करने वाला कोई व्यक्ति उसे इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पैंतालीस दिनों के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद् 'वर्ल्ड ट्रेड सेंटर', 14/1-बी, एजरा स्ट्रीट, आठवीं मंजिल, कलकत्ता-700001 को भेज सकता है ।

प्रस्ताव

(1) यह अधिसूचित करना कि बिजली के लैंप और ट्यूबें निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अध्यधीन होंगी ;

(2) इस आदेश के उपाबंध-1 में वर्णित बिजली के लैंप और ट्यूबों का निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1976 के प्रारूप के अनुसार निरीक्षण के प्रकार को निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे बिजली के लैंप तथा ट्यूबों पर लागू होगा ;

(3) भारतीय या किसी अन्य राष्ट्रीय मानकों, अन्तर्राष्ट्रीय विद्युत तकनीकी आयोग की सिफारिशों/मानकों, मान्य संस्था मानकों, या मंत्रालय या सरकारी विभाग किसी भी देश की जनता द्वारा अनुमोदित मानक को बिजली के लैंप तथा ट्यूबों के लिए मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता देना ,

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान बिजली के ऐसे लैंपों तथा ट्यूबों के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि उनके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित अभिकरणों में से किसी एक द्वारा जारी किया गया ।

इस आशय का प्रमाण-पत्र न हो कि बिजली के लैंप तथा ट्यूबें क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण संबंधी शर्तों को पूरा करती हैं और निर्यात योग्य हैं ।

3 इस आदेश की कोई भी बात भावी क्रेताओं को भूमि, समुद्र या वायु मार्ग द्वारा बिजली के लैंप तथा ट्यूबों के वास्तविक नमूनों के निर्यात पर लागू नहीं होगी ।

4 इस आदेश में "बिजली के लैंप तथा ट्यूबों" से सामान्य प्रकाश के प्रयोजन के लिए उद्दीप्त तंतु की भारी धातु के ऐसे लैंप अभिप्रेत हैं जिनमें मानक बेयोनेट या इसके उप-साधनों सहित एडिसन पेंच टोपी वाले साफ या आन्तरिक तुषारित या आन्तरिक कोटिंग किए हुए बल्ब लगे होते हैं तथा ट्यूबों से निम्न दबाव वाली मर्करी वाष्प लैंप अभिप्रेत हैं जिनमें उनके उप-साधनों को समाविष्ट करते हुए ट्यूब की अन्दरूनी सतह पर पारभाषी प्रदीप्त कोटिंग द्वारा मुख्यतः प्रकाश उत्पन्न होता है और उनमें उनके उप-साधनों सहित मर्करी तुषार लैंप भी सम्मिलित है ।

उपाबंध 1

निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 की धारा 17 के अन्तर्गत बनाए जाने के लिए प्रस्तावित नियमों का प्रारूप ।

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ—(1) इन नियमों का नाम बिजली के लैंप तथा ट्यूबों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977 है ।

2 परिभाषा —इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) अधिनियम से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है ;

(ख) 'अभिकरण से अधिनियम की धारा 7 के अधीन कोचीन, मद्रास, कलकत्ता, मुम्बई तथा दिल्ली में स्थापित अभिकरणों में से कोई एक अभिकरण अभिप्रेत है ;

(ग) 'बिजली के लैम्प तथा ट्यूबों' से सामान्य प्रकाश के प्रयोजन के लिए उद्दीप्त तंतु की भारी धातु के ऐसे लैंप अभिप्रेत है जिनमें मानक बेयोनेट या इसके उपसाधनों सहित एडिसन पेंच टोपी वाले साफ या आन्तरिक तुषारित या आन्तरिक कोटिंग किए हुए बल्ब लगे होते हैं तथा ट्यूबों से निम्न दबाव वाली मर्करी वाष्प लैंप अभिप्रेत है जिनमें उनके उपसाधनों को समाविष्ट करते हुए ट्यूब की अन्दरूनी सतह पर पारभाषी प्रदीप्त कोटिंग द्वारा मुख्यतः प्रकाश उत्पन्न होता है और उसमें उनके उप-साधनों सहित मर्करी तुषार लैंप भी सम्मिलित है ।

3. क्वालिटी नियंत्रण —(1) निर्यात किए जाने वाले बिजली के लैंपों तथा ट्यूबों की क्वालिटी इससे उपबन्धित सारणी-1 में दिए गए नियंत्रण के स्तरों के साथ विनिर्माण के विभिन्न प्रक्रमों पर निम्नलिखित नियंत्रणों का प्रयोग करके सुनिश्चित की जाएगी, अर्थात् :—

(i) खरीदी गई सामग्री तथा घटकों का नियंत्रण,

(क) प्रयोग की जाने वाली सामग्री या घटकों की विशेषताओं को समाविष्ट करते हुए विनिर्माता द्वारा क्रय विनिर्देश बनाए जाएंगे तथा उसके पास आने वाले लाटों की अनुरूपता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण या परख के पर्याप्त साधन होंगे ।

(ख) स्वीकृत परेषणों के साथ या तो क्रय विनिर्देशों की अपेक्षाओं की पुष्टि करने हुए प्रदाय-कर्ता का परख या निरीक्षण प्रमाण-पत्र होगा, जिस दशा में विनिर्माता द्वारा निरीक्षण प्रमाण-पत्रों पर उक्त परीक्षण की शुद्धता सत्यापित करने के लिए विशिष्ट प्रदाय-कर्ता की कालिक जांच (अर्थात् कम से कम हर तीन मास में एक बार उसी प्रदाय-कर्ता के उसी माल की) की जाएगी या सामग्री या घटकों की या तो कारखाने की प्रयोगशाला में या किसी अन्य प्रयोगशाला में या परीक्षण गृह में नियमित रूप से निरीक्षण या परख की जाएगी ।

(ग) किए जाने वाले निरीक्षण की परख के लिए नमूने का लेना लेखबद्ध अन्वेषण पर आधारित होगा ।

(घ) निरीक्षण या परख किए जाने के पश्चात् स्वीकृत तथा अस्वीकृत माल या घटकों के पृथक्करण के लिए तथा अस्वीकृत माल या घटकों के निपटान के लिए व्यवस्थित पद्धतियां अपनाई जाएंगी ।

(ङ) उपरोक्त नियंत्रणों के संबंध में विनिर्माता द्वारा पर्याप्त अभिलेख नियमित तथा व्यवस्थित रूप से रखे जाएंगे ।

(ii) प्रक्रिया नियंत्रण :

(क) विनिर्माता द्वारा विनिर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए विस्तृत प्रक्रिया विनिर्देश बनाए जाएंगे ।

(ख) प्रक्रिया विनिर्देश में अधिकथित प्रक्रिया के नियंत्रण के लिए उपस्कर, उपकरणों की सुविधाएं पर्याप्त होंगी ।

(ग) विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान प्रयुक्त नियंत्रणों की सत्यता की संभावना को सुनिश्चित करने के लिए विनिर्माता द्वारा पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे ।

(iii) उत्पाद नियंत्रण :

(क) विनिर्माता के पास अधिनियम की धारा 6 के अन्तर्गत मान्य विनिर्देशों के अनुसार उत्पाद की परख करने के लिए या तो स्वयं की पर्याप्त परख सुविधाएं होंगी या उसकी पहुंच वहां तक होगी जहां ऐसी सुविधाएं विद्यमान होंगी ।

(ख) परख के लिए नमूना लेना (जहां कहीं भी अपेक्षित हो) अभिलेखित अन्वेषण पर आधारित होगा ।

(ग) किए गए परीक्षणों के संबंध में विनिर्माता द्वारा पर्याप्त अभिलेख नियमित तथा व्यवस्थित रूप से रखे जाएंगे ।

(iv) परिरक्षण नियंत्रण

(क) उत्पाद को मौसम के प्रतिकूल प्रभावों से सुरक्षित रखने के लिए, विनिर्माता द्वारा विस्तृत विनिर्देश बनाए जाएंगे ।

(ख) भण्डारकरण और अभिवहन दोनों के दौरान उत्पाद अच्छी तरह से परिरक्षित किया जाएगा।

(v) मौसम संबंधी नियंत्रण

उत्पादन और निरीक्षण में प्रयुक्त मापकों और उपकरणों की कालिक जांच या अंशशोधन किया जाएगा तथा विनिर्माता द्वारा अभिलेख तुरन्त कार्ड के रूप में रखे जाएंगे।

(v) पैकिंग नियंत्रण

विनिर्माता निर्यात किए जाने वाले पैकेजों के लिए विस्तृत विनिर्देश बनाएगा और उनका कठोरता से पालन करेगा।

4 निरीक्षण का आधार.—निर्यात के लिए आशयित बिजली के लैंपों तथा ट्यूबों का निरीक्षण इस दृष्टि से निम्नलिखित प्रकार से किया जाएगा कि यह अधिनियम की धारा 6 के अन्तर्गत सरकार द्वारा मान्य विनिर्देशों के अनुरूप है

(क) यह सुनिश्चित करके कि विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान नियम 3 में विनिर्दिष्ट के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण अभ्यासों का प्रयोग किया गया है,

(ख) इससे उपाबद्ध सारणी II तथा सारणी III के अनुसार परेषणों में से लिए गए नमूनों के निरीक्षण और परीक्षण के परिणामों के आधार पर,

(ग) ऊपर (क) तथा (ख) में सदर्भित दोनों पद्धतियों द्वारा।

5 निरीक्षण की प्रक्रिया.—(1) निर्यात-कर्ता किसी भी अभिकरण को लिखित रूप में सूचना देगा तथा ऐसी सूचना के साथ एक घोषणा-पत्र भी देगा कि बिजली के लैंप तथा ट्यूबों का परेषण नियम 3 में संदर्भित नियंत्रणों के अनुसार क्वालिटि नियंत्रण परिमापों का प्रयोग करके विनिर्मित किए गए हैं या किए जा रहे हैं तथा परेषण इस प्रयोजन के लिए मान्य विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुरूप हैं। निर्यात-कर्ता उसी समय ऐसी सूचना की एक प्रति परिषद् के पास ही के कार्यालय को देगा। परिषद् के कार्यालयों के पते इस प्रकार हैं :—

मुख्य कार्यालय — निर्यात निरीक्षण परिषद्
वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर (आठवीं मंजिल)
14/1-बी, एजरा स्ट्रीट,
कलकत्ता-700001

क्षेत्रीय कार्यालय — (i) निर्यात निरीक्षण परिषद्,
अमन चैम्बर्स (पांचवीं मंजिल),
113, महर्षि कर्वे रोड,
बम्बई-400004

(ii) निर्यात निरीक्षण परिषद्,
मनोहर बिल्डिंग, महात्मा गांधी रोड,
एर्नाकुलम,
कोचीन-682011

(iii) निर्यात निरीक्षण परिषद्,
5वीं/सेक्टर 16ए,
मथुरा रोड,
फरीदाबाद-121002 (हरियाणा)।

(2) निर्यात-कर्ता अभिकरण को परेषण पर लगाया जाने वाला पहचान चिह्न भी देगा।

(3) उप-नियम (1) के अन्तर्गत प्रत्येक सूचना तथा घोषणा अभिकरण के कार्यालय में निर्यात-कर्ता के परिसर से या विनिर्माता के परिसर से परेषण के भेजे जाने से कम से कम सात दिन पहले पहुंचेगी।

(4) उप-नियम (1) के अन्तर्गत सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर अभिकरण —

(क) निर्यात-कर्ता की दशा में यदि वह स्वयं विनिर्माता है तो अपना यह समाधान कर लेने पर कि उसने इस पर लागू मानक विनिर्देशों के अनुसार उत्पाद का विनिर्माण करने के लिए विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान नियम 3 में दिए गए पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रणों तथा इस संबंध में परिषद् द्वारा जारी किए गए निर्देशों, यदि कोई हो, का प्रयोग किया गया है तो वह सात दिनों के भीतर यह घोषणा करते हुए प्रमाण-पत्र दे देगा कि बिजली के लैंप तथा ट्यूबों का परेषण निर्यात-योग्य है,

(ख) निर्यात-कर्ता की दशा में, यदि वह स्वयं विनिर्माता नहीं है तो, अपना यह समाधान कर लेने पर कि उसने इस पर लागू मानक विनिर्देशों के अनुसार उत्पाद का विनिर्माण करने के लिए विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान नियम 3 में दिए गए पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रणों तथा इस संबंध में परिषद् द्वारा जारी किए गए निर्देशों यदि कोई हो का प्रयोग किया है तो वह परेषण का निरिक्षण करने के पश्चात् निरीक्षण करने के सात दिनों के भीतर यह घोषणा करते हुए प्रमाण-पत्र दे देगा कि बिजली के लैम्प तथा ट्यूबों का परेषण निर्यात-योग्य है

(ग) अन्य दशाओं में, परेषण में से लिए गए नमूनों की सुसंगत विशेषताओं के संदर्भ में किए गए परीक्षणों के आधार पर अपना यह समाधान कर लेने पर कि परेषण नियम 4 के अन्तर्गत दिए गए मानक विनिर्देशों तथा इस संबंध में परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों के यदि कोई हों, अनुरूप है तो वह निरीक्षण करने के सात दिनों के भीतर यह घोषणा करते हुए प्रमाण-पत्र दे देगा कि बिजली के लैम्प तथा ट्यूबों का परेषण निर्यात योग्य है

परन्तु जहां अभिकरण का इस प्रकार का समाधान नहीं होता है वहां वह उक्त सात दिनों की अवधि में के भीतर ऐसा प्रमाण-पत्र देने से इन्कार कर देगा तथा ऐसे इंकार की सूचना उसके लिए कारणों सहित निर्यात-कर्ता को देगा।

(घ) निरीक्षण की समाप्ति के पश्चात अभिकरण तुरन्त ही पैकेजों का परेषण में यह सुनिश्चित करने के लिए इस ढंग से सील करेगा कि सील किए किए हुए माल के साथ छेड़-छाड़ न की जा सके। परेषण की अस्वीकृति की दशा में यदि निर्यात-कर्ता चाहता है तो परेषण अभिकरण द्वारा सील बंद नहीं किया जाएगा। ऐसी दशाओं में निर्यात-कर्ता अस्वीकृती के विरुद्ध अपील नहीं करेगा।

6. निरीक्षण का स्थान.—इन नियमों के प्रयोजन के लिए बिजली के लैम्प तथा ट्यूबों का निरीक्षण —

(क) विनिर्माता के परिसर पर, या

(ख) उस परिसर पर किया गया जहां निर्यात-कर्ता द्वारा निरीक्षण के लिए बिजली के लैम्प तथा ट्यूबें प्रस्तुत किए गए हैं परन्तु यह तब जब वहां उस प्रयोजन के लिए पर्याप्त सुविधाएं हों।

7 निरीक्षण फीस.—ऐसे प्रत्येक परेषण के लिए पोत पर्यन्त नि शुल्क मूल्य के प्रत्येक एक सौ रुपए पर 50 पैसे की दर से निरीक्षण फीस निर्यात-कर्ता द्वारा अभिकरण को दी जाएगी। यह फीस कम से कम एक सौ रुपए होगी।

8. अपील.—(1) नियम 5 के उप नियम 4(ग) के अन्तर्गत प्रमाण-पत्र देने के इन्कार से व्यथित कोई व्यक्ति, उसके द्वारा ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के दस दिनों के भीतर इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा नियुक्त कम से कम तीन और अधिक से अधिक सात व्यक्तियों के विशेषज्ञों के पैनल को अपील कर सकेगा।

(2) विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो तिहाई गैर-सरकारी सदस्य होंगे।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन की होगी।

(4) अपील उसके प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर निपटा दी जाएगी।

सारणी 1

नियंत्रण के स्तर

[नियम 4(ख) तथा नियम 5(4)(ग) देखिए]

क्रम सं०	निरीक्षण/परख की विशेषताएं	अपेक्षाएं	नमूने का आकार	लॉट आकार
I	खरीदी गई सामग्री तथा घटक			
	(क) दृष्टि निरीक्षण (कारीगरी तथा फिनिश)	इस प्रयोजन के लिए मान्य मानक विनिर्देशों के अनुसार	प्रत्येक	—
	(ख) सहन सहित विमाएं			
	(i) क्रान्तिक	यथोक्त	प्रत्येक	—
	(ii) अन्य	यथोक्त	अभिलिखित अन्वेषण के आधार पर निश्चित किया जाएगा	प्रत्येक लॉट
	(ग) रसायनिक	यथोक्त	यथोक्त	प्रत्येक लॉट
	(घ) विद्युत विशेषताओं को समाविष्ट करते हुए कोई अन्य अपेक्षा	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
II	विनिर्मित घटक तथा उपसमंजन			
	(क) दृष्टि निरीक्षण (कारीगरी तथा फिनिश सहित)	यथोक्त	प्रत्येक	यथोक्त
	(ख) सहन सहित विमाएं			
	(i) क्रान्तिक	यथोक्त	प्रत्येक	
	(ii) अन्य	यथोक्त	अभिलिखित अन्वेषण के आधार पर निश्चित किया जाएगा	प्रत्येक लॉट
	(ग) निर्माताओं द्वारा तैयार किए गए रसायन मिश्रण का भौतिक मिश्रण	उस प्रयोजन के लिए मान्य अभिलिखित अन्वेषण के मानक विनिर्देशों के अनुसार आधार पर निश्चित किया जाएगा।		प्रत्येक लॉट
	(घ) भाप का तापनुशीतन	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
	(ङ) सीलिंग लम्बाई	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
	(च) भरने योग्य वाग	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
	(छ) ढक्कन लगाने के बाद पूरी लम्बाई	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
	(ज) सम्बद्ध अनुसूची	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
	(झ) कोई अन्य अपेक्षाएं	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
III	उत्पादन नियंत्रण या अन्तिम परख			
	(क) कारीगरी तथा फिनिश	यथोक्त	प्रत्येक	यथोक्त
	(ख) मरोड परख	यथोक्त	अभिलिखित अन्वेषण के आधार पर निश्चित किया जाएगा	प्रत्येक लॉट
	(ग) प्रारम्भिक अवस्था के पश्चात् विद्युत शक्ति की मात्रा की दर सहित प्रकाशिकगुढि परख	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
	(घ) बिजली निकालने वाले लैम्पों के लिए प्रारम्भिक अपेक्षा परखें	उस प्रयोजन के लिए मान्य मानक विनिर्देशों के अनुसार	अभिलिखित अन्वेषण के आधार पर निश्चित किया जाएगा	प्रत्येक लॉट
	(ङ) विद्युत रोधक प्रतिरोध परख	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
	(च) विद्युत केन्द्र परख	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
	(छ) बिजली की धारा प्रतिरोध के लिए परख (बिना स्टार्टर के जलने वाले लैम्पों के लिए केवल)	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
	(ज) रंग समन्वय परख	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त
	(झ) अवस्था परख	यथोक्त	3 नग	उत्पादन के प्रत्येक बैच से

परेषणानुसार निरीक्षण के लिए नमूना सारणी तथा अनुरूपता के मापदण्ड

[नियम (ख) तथा 5(4) (ग) देखिए]

सारणी 2

क्रम सं०	विशेषताएं	लॉट आकार	परख किए जाने वाले नमूनों की संख्या	स्वीकृत दोषों की संख्या
1	यांत्रिकी, भौतिक तथा विषणन अपेक्षाओं के लिए दृष्टिगत परीक्षण तथा जांच	एक ही प्रकार तथा दर के लैम्प तथा ट्यूबें	सारणी 3 के अनुसार	शून्य
2	गरोध परख	यथोक्त	यथोक्त	शून्य
3.	प्रारम्भिक अवस्था के पश्चात् विद्युत शक्ति की दर शक्ति अवकाशिकापूर्ति परख	यथोक्त	यथोक्त	शून्य
4	विद्युत निकालने वाले लैम्पों के लिए प्रारम्भिक अपेक्षाएं	यथोक्त	यथोक्त	शून्य
5.	विद्युतरोधन प्रतिरोध परख	यथोक्त	यथोक्त	शून्य
6.	विद्युत केन्द्र परख	यथोक्त	यथोक्त	शून्य
7.	बिजली की धारा प्रतिरोध के लिए परख (बिना स्टार्टर के जलने वाले लैम्पो के लिए केवल)	यथोक्त	यथोक्त	शून्य
8	अवस्था परख	यथोक्त	3	शून्य

*यह परख पहले परेषण के लिए लागू की जानी चाहिए और बाद में हर पांचवें परेषण पर लागू की जानी चाहिए। तथापि निर्यात परेषण के प्रत्येक लॉट के लिए परख प्रमाण-पत्र इस परख के लिए निर्यात-कर्ता द्वारा दिया जाएगा।

सारणी 3

क बैच, जिसमें 1000 लैम्प या ट्यूब या कम है
न्यूनतम 5 तथा अधिकतम 35 के अधीन 5%

ख बैच, जिसमें 1000 लैम्प या ट्यूब से अधिक हैं
न्यूनतम 35 और अधिकतम 70 के अधीन 5%

[सं० 6(31)/76-सि०नि० तथा नि०उ०]

ORDER

S.O. 1556—Whereas the Central Government is of opinion that, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), it is necessary and expedient so to do for the development of export trade of India that Electric Lamps and Tubes shall be subject to quality control and inspection prior to export;

And, whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council, as required by sub-rule, (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestion with respect to the said proposals may forward the same, within forty five days of the date of publication of this order in the Official Gazette, to the Export Inspection Council, 'World Trade Centre', 14/1B, Ezra Street, 7th floor Calcutta-700001.

PROPOSALS

(1) To notify that Electric Lamps and Tubes shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the draft Export of Electric Lamps & Tubes (Quality Control and Inspection) Rules, 1976 of set out in Annexure-I to this Order as the type of quality control and inspection which would be applied to such Electric Lamps and Tubes prior to export;

(3) To recognise Indian or any other National standards, or International Electrotechnical Commission recommendations/standards, Recognised association standards; or a standard approved by a Ministry or a Govt. Department or Public utility of any country as the standard specification for Electric Lamps & Tubes;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of any such Electric Lamps and Tubes unless the same are accompanied by a certificate issued by any one of the agencies established by the Central Government under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection), Act 1963 (22 of 1963) to the effect that the Electric Lamps and Tubes satisfy the conditions relating to quality control and inspection and are exportworthy.

3. Nothing in this order shall apply to the export by land, sea or air of bonafide samples of Electric Lamps and Tubes to prospective buyers.

4. In this order "Electric Lamps and Tubes" shall mean such lamps as tungsten filament incandescent lamps for general lighting purposes having clear or internally frosted or internally coated bulbs with standard bayonet or Edison screw caps including its accessories and such tubes as low pressure mercury vapour lamp in which the light emission is mainly produced by the fluorescence of a translucent coating on the inner surface of the tubes including their accessories, and shall also include mercury vapour lamps with their accessories.

ANNEXURE-I

Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963.

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Electric Lamps and Tubes (Quality Control and Inspection), Rules, 1977.

2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) "Act" means the export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) ;

(b) "agency" means any one of the agencies established at Cochin, Madras, Calcutta, Bombay and Delhi under section 7 of the Act ;

(c) "Electric Lamps and Tubes" shall mean such lamps as tungsten filament incandescent lamps for general lighting purposes having clear or internally frosted or internally coated bulbs with standard bayonet or Edison screw caps including their accessories and such tubes as low pressure mercury vapour lamps in which the light emission is mainly produced by the fluorescence of a translucent coating on the inner surface of the tubes including their accessories and shall also include mercury vapour lamps with their accessories.

3. Quality Control.—(1) The quality of the Electric Lamps and Tubes intended for export shall be ensured by effecting the following controls at different stages of manufacture together with the levels of control as given in Table I annexed hereto, namely :—

(i) Bought-out materials and components control :

(a) Purchase specifications shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of materials or components to be used and shall have adequate means of inspection or testing to ensure conformity of the incoming lots.

(b) The accepted consignments shall be either accompanied by a supplier's test or inspection certificate coroborating the requirements of the purchase specification, in which case occasional checks (that is to say once in each quarter of the year for the same supplier of the same material) shall be conducted by the manufacturer for a particular supplier to verify the correctness of the aforesaid test on inspection certificates, or the materials or components shall be regularly inspected or tested either in a laboratory in the factory or in some other laboratory or test house.

(c) The sampling for inspection or test to be carried out shall be based on a recorded investigation.

(d) After the inspection or test is carried out, systematic methods shall be adopted in segregating the accepted and rejected materials or components and in disposal of rejected materials or components.

(e) Adequate records in respect of the above mentioned controls shall be regularly and systematically maintained by the manufacture.

(ii) Process control :

(a) Detailed process specifications shall be laid down by the manufacturer for different processes of manufacture.

(b) Equipments, instrumentation and facilities shall be adequate to control the process as laid down in the process specification

(c) Adequate records shall be maintained by the manufacturer to ensure the possibility of verifying the controls exercised during the process of manufacture.

(iii) Product control :

(a) The manufacturer shall either have his own adequate testing facilities or shall have access to such testing facilities existing elsewhere to test the product as per the specifications recognised under section 6 of the Act.

(b) Sampling (wherever required) for testing shall be based on a recorded investigation

(c) Adequate records in respect of tests carried out shall be regularly and systematically maintained by the manufacturer.

(iv) Preservation control :

(a) A detailed specification shall be laid down by the manufacturer to safeguard the product from adverse affects of weather condition.

(b) The product shall be well preserved both during storage and transit.

(v) Metrological control :—Gauges and instruments used in the production and inspection shall be periodically checked or calibrated and records shall be maintained by the manufacturer in the form of history cards.

(vi) Packing control :—The manufacturer shall lay down a detailed packing specification for export packages and would strictly adhere to the same.

4. Basis of inspection—Inspection Electric Lamps and Tubes intended for export shall be carried out with a view to seeing that the same conform to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act.

Either

(a) by ensuring that during the process of manufacture the quality control drills as specified in rule 3 have been exercised ;

or

(b) on the basis of results of inspection in accordance with Table II and Table III annexed hereto ; and testing of samples drawn from the consignment.

or

(c) by both the methods referred to in (a) and (b) above.

5. Procedure of Inspection—(1) The exporter shall give intimation in writing to any agency and submit along with such intimation a declaration that the consignment of Electric Lamps and Tubes have been or are being manufactured by exercising quality control measures as per controls referred to under rule 3 and that the consignment conforms to the requirements of the specifications recognised for the purpose. The exporter at the same time shall endorse a copy of such intimation to the nearest office of the Council. The addresses of the Council offices are as under :

Head Office : Export Inspection Council, World Trade Centre, 14/1B Ezra Street (7th Floor), Calcutta-700001

Regional Offices : (i) Export Inspection Council, Aman Chambers (4th Floor), 113, M Karve Road, Bombay-400004.

(ii) Export Inspection Council, Manohar Buildings, Mahatma Gandhi Road, Ernakulam, Cochin-682011.

(iii) Export Inspection Council, 6P/16A, Mathura Road, Faridabad-121002 (Haryana).

(2) The exporter shall also furnish to the agency the identification marks applied on the consignment.

(3) Every intimation and declaration under sub-rule (1) shall reach the office of the agency not less than seven days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises or exporter's premises.

(4) On receipt of the intimation and declaration under sub-rules (1) the agency :—

(a) In case of an exporter who himself is the manufacturer, on satisfying itself that during the process of manufacture he had exercised adequate quality control as provided under rule 3 and the instructions, if any, issued by the Council in this regard to manufacture the product according to the standard specifications applicable to it shall within seven days

issue a certificate declaring the consignment of Electric Lamps and Tubes as exportworthy.

(b) In case of an exporter who is not himself the manufacturer, on satisfying itself that during the process of manufacture the manufacturer had exercised adequate quality control as provided under rule 3 and the instructions, if any issued by the council in this regard, to manufacture the product according to the standard specification applicable to it, after carrying out the inspection of consignment shall within seven days of carrying out inspection issue a certificate declaring the consignment of Electric Lamps and Tubes as exportworthy.

(c) In other cases on satisfying itself on the basis of tests carried out in respect of the relevant characteristics of the samples taken from the consignment, as provided for under rule 4 and the instructions, if any, issued by the Council in this regard that the consignment conforms to the standard specifications recognised, shall within seven days of carrying out the inspection issue a certificate declaring the consignment of Electric Lamps and Tubes as exportworthy.

Provided that where the agency is not so satisfied, it shall within the said period of seven days refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter alongwith the reasons therefor.

(d) After completion of inspection the agency shall immediately seal the packages in the consignment in a manner so as to ensure that the sealed goods cannot be tampered with in case of rejection of the consignment, if the exporter so desires the consignment may not be sealed by the agency. In such case, however, the exporter shall not be entitled to prefer an appeal against the rejection.

6. Place of Inspection.—Inspection of Electric lamps and Tubes for the purpose of these rules shall be carried out :

(a) at the premises of the manufacturer, or

(b) at the premises at which the Electric Lamps and tubes are offered for inspection by the exporter, provided adequate facilities for the purpose exists therein.

7. Inspection fee.—A fee at the rate of fifty paise for every hundred rupees of F.O.B. value subject to a minimum of rupees one hundred for each such consignment shall be paid by the exporter to the agency as inspection fee.

8. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule 4(c) of rule 5, may, within ten days of the receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of Experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.

(2) At least two thirds of the total membership of the Panel of Experts shall consist of non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within 15 days of its receipt.

TABLE I

The levels of control

[See Rule 4 and sub rule 5(4)]

Sl. No.	Particulars of inspection or test	Requirement	Sample size	Lot size
I.	Bought out materials and components			
(a)	Visual inspection (including workmanship and finish)	As per standard specification recognised for the purpose	Each	—
(b)	Dimensions with tolerances			
	(i) critical	—do—	Each	—
	(ii) Others	—do—	To be fixed on the basis of recorded investigation	Each lot
(c)	Chemicals	—do—	—do—	—do—
(d)	Any other requirement including the electrical characteristics	—do—	—do—	—do—
II.	Manufactured components and sub-assembly.			
(a)	Visual inspection (including workmanship and finish)	—do—	Each	—
(b)	Dimensions with tolerances			
	(i) Critical	—do—	Each	—
	(ii) Others	—do—	To be fixed on the basis of recorded investigation	Each lot
(c)	Physical mixture of chemical compounds prepared by manufacturers	As per standard specification the recognised for purpose	—do—	Each lot
(d)	Annealing of stem	—do—	—do—	—do—
(e)	Sealing length	—do—	—do—	—do—
(g)	Overall length after caring	—do—	—do—	—do—
(h)	Ageing schedule	—do—	—do—	—do—
(j)	Any other requirement	—do—	—do—	—do—
III.	Product Control or Final tests			
(a)	Workmanship and finish	—do—	Each	
(b)	Torsion test	—do—	To be fixed on the basis of recorded investigation	Each lot
(c)	Lumen test after initial ageing including wattage rating	—do—	—do—	—do—

Sl. No.	Particular of inspection or test	Requirement	Sample size	Lot size
III.	Product Control or Final tests			
(d)	Starting requirement tests for discharge lamps	As per standard specification recognised for the purpose	To be fixed on the basis of recorded investigation	Each lot
(e)	Insulation resistance test	—do—	—do—	—do—
(f)	Light centre test	—do—	—do—	—do—
(g)	Test for Cathode resistance (for lamps operated without starters only)	—do—	—do—	—do—
(h)	Colour co-ordinate test	—do—	—do—	—do—
(i)	Life test	—do—	3 Nos	From each batch of production

SAMPLING TABLES AND CRITERIA OF CONFORMITY FOR CONSIGNMENTWISE INSPECTION

[See Rule 4(b) and 5(4) (c)]

TABLE II

Sl. No.	Characteristics	Lot size	No. of samples to be checked	No. of permissible defectives.
1.	Visual examination and checking for Mechanical, physical and Marking requirements	Lamps and Tubes of one type and rating	As per Table III	Nil
2.	Torsion Test	—do—	—do—	Nil
3.	Lumen Test after initial ageing including wattage rating	—do—	—do—	Nil
4.	Starting requirement for discharge lamps	do—	—do—	Nil
5.	Insulation resistance test	—do—	—do—	Nil
6.	Light centre test	—do—	—do—	Nil
7.	Test for Cathode resistance (for lamps operated without starters only)	—do—	3	Nil

*This test should be conducted for the first consignment and then subsequently for every fifth consignment. However a test certificate for this test has to be submitted by the exporter for every lot of export consignment.

TABLE III

FOR:

A. Batch consisting of 1000 lamps or tubes or less
5% subject to a minimum of 5 and maximum of 35.

B. Batch consisting more than 1000 lamps or tubes
5% subject to a minimum of 35 and maximum of 70.

[No. 6 (31)/76/EI & EP]

का०आ० 1557—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार वाणिज्य मंत्रालय में निदेशक श्री जी० पी० पिलानिया को 16 मई, 1977 से निरीक्षण तथा क्वालिटी नियंत्रण के निदेशक के रूप में एतद् द्वारा नियुक्त करती है।

[फा० सं० 3(88)/75-आई० एण्ड ई० पी०]

S.O. 1557.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby appoints Shri G. P. Pilania, Director in the Ministry of Commerce, as the Director of Inspection and Quality Control, with effect from the 16th May, 1977.

[F. No. 3(88/75-EI and EP)]

का०आ० 1558.—केन्द्रीय सरकार निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह द्योतन करने के प्रयोजन के लिए इस्पात तथा इस्पात से बनी वस्तुओं के संबंध में भारतीय मानक संस्थान प्रमाणीकरण चिन्ह को मान्यता देने की प्रस्थापना करती है कि जहां इस्पात तथा इस्पात से बनी वस्तुओं पर ऐसे चिन्ह लगाए गए हैं, वहां यह समझा जायेगा कि वे उक्त अधिनियम के अधीन उन पर लागू होने वाले मानक विनिर्देशों के अनुरूप है

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रस्ताव को निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम II के उप-नियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है :

अतः अब, उक्त उप-नियम के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त प्रस्तावों को उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. सूचना दी जाती है कि यदि कोई व्यक्ति उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव भेजना चाहता है, वह, उन्हें इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिनों के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद, 'वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर', (आठवीं मंजिल) 14/1-बी, एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता-700001 को भेज सकेगा।

3. परिभाषाः—इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए 'इस्पात तथा इस्पात से बनी वस्तुओं से उपाबन्ध में दी गई वस्तुओं में से कोई एक अभिप्रेत है।

उपाबन्ध

1. संरचनात्मक इस्पात (मानक क्वालिटी)।
2. जस्तीकृत इस्पात की चद्दरें (सपाट तथा नालीदार)।
3. तार तथा टेलीफोन के प्रयोजन के लिए जस्तीकृत लोहे तथा इस्पात का तार।
4. नरम इस्पात का तार।
5. कंक्रीट प्रबलन के लिए नरम इस्पात तथा मध्यम तनन इस्पात, छड़ें तथा कर्षित कठोर इस्पात की तार।
6. कार्बन इस्पात की शीत बेलित चद्दर।
7. उच्च तनन वाला इमारती इस्पात।
8. कार्बन इस्पात की तप्त बेलित चद्दरें तथा पत्तियां
9. रचनात्मक प्रयोजनों के लिए कीलक छड़ें।
10. संरचनात्मक प्रयोजनों के लिए उच्च तनन वाली कीलक छड़ें।
11. गढ़ने के लिए कार्बन इस्पात की छड़ें, बेलनाकार, ब्लूम, पट्टियां।
12. संरचनात्मक इस्पात (साधारण क्वालिटी)।
13. संरचनात्मक इस्पात (द्रवण वेल्डिंग क्वालिटी)।
14. सामान्य इंजिनियरिंग प्रयोजनों के लिए मशीन के पुर्जों के उत्पादन के लिए कार्बन इस्पात की छड़ें।
15. संरचनात्मक इस्पात में पुनः बेलित करने के लिए कार्बन इस्पात के बेलनाकार (मानक क्वालिटी)।
16. संरचनात्मक इस्पात में पुनः बेलित करने के लिए कार्बन इस्पात के बेलनाकार (साधारण क्वालिटी)।
17. तप्त बेलित इस्पात की पत्तियां (गांठ बांधने के लिए)
18. कंकरीट प्रबलन के लिए तप्त बेलित नरम इस्पात मध्यम तनन इस्पात तथा उत्पाद सामर्थ्य इस्पात की विरूपित छड़ें।
19. कंकरीट प्रबलन के लिए शीत बटी हुई इस्पात की छड़ें।
20. बायलरों के लिए इस्पात के कीलक तथा आड़ी छड़ें।
21. बायलरों के लिए इस्पात की प्लेटें।
22. धातु आर्क वेल्डिंग के लिए इलैक्ट्रोड कोड तार के लिए नरम इस्पात।
23. इस्पात की धारखानेदार प्लेटें।
24. तप्त कार्य के लिए औजार तथा डाई इस्पात।
25. शीत कार्य के लिए औजार तथा डाई इस्पात।
26. लपट और प्रेरण कठोरन इस्पात।
27. आम अभियांत्रिक कार्यों के लिए गढ़ने के लिए मिश्र इस्पात के बेलनाकार, ब्लूम तथा पट्टियां।
28. गोलियों तथा रोलरों के केज के लिए शीत बेलित कार्बन इस्पात।
29. गोलियों, रोलरों और बेयरिंग रेसिज के लिए कार्बन-क्रोमियम इस्पात
30. कमानी इस्पात।
31. कार्बन तथा कार्बन-मेगनीज वाधारहित काटने वाला इस्पात।
32. केस कठोरन इस्पात।
33. बेयरिंग उद्योग के प्रयोग के लिए कीलकों के लिए अल्प-कार्बन इस्पात का तार।
34. बेयरिंग उद्योग में प्रयोग के लिए कार्बनीय (कर्बुरायजिंग) इस्पात।
35. कठोरन और मृदुकरनीय इस्पात।
36. ड्राप फोर्जिंग के लिए डाक ब्लाकों के लिए इस्पात।
37. बर्तनों तथा अस्पताल के बर्तनों के लिए जंग रोधी इस्पात की चद्दरें कुंडलियां तथा गोल प्लेटें।

[सं० 6(7)/76-नि० नि० तथा नि० उ०]
के० वी० बालसुब्रह्मणियम्, उप-निदेशक

S.O. 1558.—Where as the Central Government in exercise of the powers conferred by section 8 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), proposes to recognise the Indian Standards Institution Certification Mark in relation to Steel and Steel Products for the purpose of denoting that where Steel and Steel Products are affixed with such mark, they shall be deemed to be in conformity with the standard specifications applicable there to under the said Act;

And whereas the Central Government has forwarded the aforesaid proposal to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule II of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposal for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposal may forward the same within forty five days of the publication of this Notification in the Official Gazette to the Export Inspection Council, 'World Trade Centre (7th Floor), 14/1B, Ezra Street, Calcutta-700001.

3. Definition.—for the prposes of this notification 'Steel and Steel Products" shall mean any of the items given in the Annexure.

ANNEXURE

1. Structural steel (standard quality)
2. Steel sheets, galvanised (plain and corrugated)
3. Iron and steel wire, galvanised for telegraph and telephone purposes,
4. Mild steel wire
5. Mild steel and medium tensile steel bars and hard-drawn steel wire for concerte reinforcement
6. Carbon steel sheets, cold rolled
7. Structural steel, high tensile
8. Carbon steel and strip, hot rolled
9. Rivet bars for structural purposes
10. High tensile rivet bars for structural purposes
11. Carbon steel bars, billets, blooms and slabs for forgings
12. Structural steel (oridinary quality)
13. Structural steel (fusion welding quality)
14. Carbon steel bars for production of machine parts for general engineering purposes.
15. Carbon steel billets for re-rolling into structural steel (standard quality)
16. Carbon steel billets for re-rolling into structural steel (ordinary quality)
17. Hot rolled steel strips (baling)
18. Hot rolled mild steel medium tensile steel and high yield strength steel deformed bars for concerte reinforcement
19. Cold-twisted steel bars for concrete reinforcement
20. Steel rivet and stay bars for boilers
21. Steel plates for boilers
22. Mild steel for metal and welding electrode Core wire

23. Steel chequered plates
24. Tool and die steels for hot work
25. Tool and die steels for cold work
26. Flame and induction hardening steels
27. Alloy steel billets, blooms and slabs for forging for general engineering purposes
28. Cold-rolled carbon steel strips for ball and roller bearing cages
29. Carbon-chromium steel for the manufacture of balls, rollers and bearing races
30. Mould steels
31. Carbon and carbon-manganese free-cutting steels
32. Case hardening steels
33. Low-carbon steel wire rivets for use in bearing industry
34. Carburising steels for use in bearing industry
35. Steels for hardening and tempering
36. Steel for die blocks for drip forgings
37. Stainless steel sheets, coils and circles for utensils and hospital ware.

[No 6(7)/76-EI&EP]

K. V. BALASUBRAMANIAM, Dy. Dir.

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

बंगलौर, 24 मार्च, 1977

आदेश

का० आ० 1559—अप्रैल—मार्च, 76 नीति के लिए सर्वश्री साहवाला स्टील (प्रा०) लि०, सातवां मील होसूर रोड, बंगलौर-29-को रेड बुक आ०-I के परिशिष्ट 14 में दर्शाई गई मदों को छोड़कर बाल बेयरिंग आयात करने के लिए 3,500 रुपए के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी/एस/1834704/सी/एक्स एक्स/58/एक्स/41-42, दिनांक 15-3-76 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति का अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति किसी भी सीमा शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना और बिल्कुल भी उपयोग में लाए बिना अस्थानस्थ हो गई है और अब उक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रति लाइसेंस के पूर्ण मूल्य 3,500 रुपए के लिए जारी करना आवश्यक है।

उक्त तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं सन्तुष्ट हूं कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति अस्थानस्थ हो गई है तथा निदेश देता हूं कि उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए। उक्त लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति एतद्द्वारा रद्द की जाती है।

[संख्या आई टी सी/एम एस आई/बी आई/सी-135/ए एम-76 एन०/सी०पी०]

आर० जयराम नायडू, उप मुख्य नियंत्रक

(Office of the Dy. Chief Controller of Imports and Exports

ORDER

Bangalore, the 24th March, 1977

S.O. 1559.—M/s. Sahuwala Steel (P) Ltd., 7th Mile, Hosur Road, Bangalore-29, were granted import licence No. P/S/1834704/C/XX/58/X/41-42 dated 15-3-76 for Rs. 3,500 for import of Ball Bearings other than those appearing in Appendix 14 of Red Book Vol. I for AM'76 policy. They have now applied for duplicate copy of Customs Purposes and Exchange Control Purposes copy of the above licences on the ground that the original of the Customs Purposes copy and Exchange Control Purposes copy of licences have been misplaced without having been registered with any Customs Authorities and not utilised at all and that the duplicate copy of the above licences now required is for the full value of the licence Rs. 3,500.

In support of the above contention the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that the original Customs Purposes and Exchange Control Purposes copies of the above licences have been misplaced and direct that a duplicate copy of Customs Purposes copy and Exchange Control Purposes copy of the above licence should be issued to the applicant. The original Customs Purposes and Exchange Control Purposes copies of the above licences are hereby cancelled.

[No. ITC/SSI/DI/C. 135/AM.76/NC/P]

R. JAYARAM NAIDU, Dy. Chief Controller.

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

आदेश

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1977

का० आ० 1560—सर्वश्री जैक्स एविएशन (विलियम जैक्स एण्ड कं० का एक डिवीजन) (भारत) प्रा० लि०, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली को चेकोस्लोवाकिया से अम्बल बी एयरक्राफ्ट के फालतू पुर्जों के आयात के लिए 50,000 रुपए का एक आयात लाइसेंस संख्या पी/ए/1400515/टी/सी आर/52/एच/39-40/एम० एल-2, दिनांक 12-7-74 स्वीकृत किया गया था।

2 उन्होंने उक्त आयात लाइसेंस की अनुलिपि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति उनके द्वारा खो गई अथवा अस्थानस्थ हो गई है। लाइसेंस धारी द्वारा आगे यह बताया गया है कि लाइसेंस का उपयोग नहीं किया गया था। लाइसेंस पंजीकृत नहीं किया गया था।

3 अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी/ए/1400515, दिनांक 12-7-74 की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है या अस्थानस्थ हो गई है और निदेश देता है कि आवेदक को उक्त आयात लाइसेंस की अनुलिपि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति जारी की जानी चाहिए। मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की जाती है।

4 आयात लाइसेंस की अनुलिपि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या 8/6/74-75/एम एल-2/111]

एम०के० बत्रा, उप-मुख्य नियंत्रक

कृते मुख्य नियंत्रक

Office of the Chief Controller of Import and Exports.

ORDER

New Delhi, the 15th April, 1977

S.O. 1560.—M/s. Jacks Aviation (A Division of William Jacks & Company) (India) Pvt. Ltd. Parliament St., New Delhi were granted import licence No. P/A/1400515/T/CR/52/11/39.40/ML.II dated 12-7-74 for the import of Bumble Bee Aircraft spares value at Rs. 50,000 from Czechoslovakia.

2. They have requested for the issue of duplicate Customs Purposes Copy of the above said import licence on the ground that the original Customs Purposes copy has been lost or misplaced by them. It has been further reported by the licensee that the import licence had not been utilised. The licence was not registered.

3. In support of their contention, the applicants have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original customs purposes copy of licence No. P/A/1400515 dated 12-7-74 has been lost or misplaced and directs that a duplicate customs purposes copy of the said import licence should be issued to the applicant. The original customs purposes copy is cancelled.

4. The Duplicate Customs Purposes Copy of the import licence is being issued separately.

[No. 8/6/74-75/NL. II/111]

S. K. BATTA, Dy. Chief Controller.
For Chief Controller

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 9 मई, 1977

का० आ० 1561.—/उ० वि० वि० अ०—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3 उपखण्ड (ii) तारीख 11-9-1976 के पृष्ठ 3007 पर प्रकाशित इस मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० सं० 3277 तारीख 19-8-76 द्वारा यथा संशोधित भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 8-5-76 के पृष्ठ 1654-1655 पर प्रकाशित इस मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० सं० 1598 तारीख 26 अप्रैल, 1976 में तेल, साबुन और अपमार्जक उद्योग के लिए विकास परिषद के सदस्यों के रूप में नियुक्त व्यक्तियों की सूची में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :—

सूची की क्रम सं०	निम्नलिखित के स्थान पर	निम्नलिखित रखा जाए
6	श्री जी० एस० नेवटिया, प्रबन्ध निदेशक, मैसर्स कुसुम प्रोडक्टस लिमिटेड, बाम्बे म्यूचुअल बिल्डिंग, 9-विप्लवी त्रैलोक्य महाराज सारणी, ब्रेबोर्न रोड, कलकत्ता-700001	श्री सी० एल० खेमका, कार्यपालक निदेशक, मैसर्स कुसुम प्रोडक्टस लिमिटेड, बाम्बे म्यूचुअल बिल्डिंग, 9 विप्लवी त्रैलोक्य महाराज सारणी, ब्रेबोर्न रोड, कलकत्ता-700001

[फा० सं० 50(13)/76-एम.I]

सुरेश कुमार, उप सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 9th May, 1977

S.O. 1561.—In this Ministry's Gazette Notification dated the 26th April, 1976, published in Part II, Section 3 Sub-Section (ii) of the Gazette of India dated 8-5-76 as S.O. No. 1598 at pages 1655-1656 as amended vide this Ministrys' notification dated 19-8-1976, published in Part II, Section 3, Sub-Section (ii) of the Gazette of India dated 11-9-1976 as S.O. No. 3277 at pages 3007-3008, the following amendment may be made in the list of persons appointed to be the members of the Development Council for Oils, Soaps and Detergents industries :—

S. No. of the list	FOR	READ
6	Shri G.S. Nevatia, Managing Director, M/s. Kusum Products Ltd., Bombay Mutual Building, 9-Biplabi Trailakya Maharaj Sarani, Brabourne Road, Calcutta-700001.	Shri C.L. Khemka, Executive Director, M/s. Kusum Products Ltd., Bombay Mutual Building, 9-Biplabi Trailakya Maharaj Sarani, Brabourne Road, Calcutta-700001

[F. No. 50(13)/76-M.I]

SURESH KUMAR, Dy. Secy

आदेश

नई दिल्ली, 11 मई, 1977

का० आ० 1562.—उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के उद्योग मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 190(अ)/15क/आई० डी० आर० ए० 77, तारीख 23 फरवरी, 1977 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त आदेश में, अन्तिम पैरा के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :—

"उपयुक्त निकाय, अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को 8 जुलाई, 1977 से पूर्व देगा।"

[15क/आई० डी० आर० ए०/77-सं० फा० 2/23/75-सी यू सी]

आर० आर० पाहवा, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 11th May, 1977

S.O. 1562.—In exercise of the powers conferred by section 15A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 190(E)/15A/IDRA/77 dated the 23rd February, 1977, namely :—

In the said Order, for the last paragraph, the following paragraph shall be substituted, namely :—

"The above body shall submit its report to the Central Government before the 8th July, 1977."

[No. 15A/IDRA/77-File No. 2/23/75-CUC]

R. R. PAHWA, Under Secy.

(भारी उद्योग विभाग)

नई दिल्ली, 10 मई, 1977

का० आ० 1563.—भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2181 दिनांक 24-8-74 में आंशिक रूप भेद करते हुए एवम् सरकारी परिसर (गैर कानूनी कब्जा की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री पी० सिवन, प्रशासनिक अधिकारी के स्थान पर उप प्रबंधक (प्रशासन) बी० एच० ई० एल०, तिरुचिरापल्ली को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है। दिनांक 24-8-74 की उक्त अधिसूचना की तालिका के भाग 2 में परिभाषित सीमाओं में वह उक्त अधिनियम के द्वारा अथवा के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेगा और सम्पदा अधिकारी को सौंपे गये कर्त्तव्यों का पालन करेगा।

[एफ० सं० 14-3/74-एच० ई० एम०]

प्रे० ब० सक्सेना, अवर सचिव

(Department of Heavy Industry)

New Delhi, the 10th May, 1977

S.O. 1563.—In partial modification of the erstwhile Ministry of Industry & Civil Supplies (Deptt. of Heavy Industry) Notification No. S.O. 2181 dated 24-8-74 and in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) the Central Government hereby appoints Deputy Manager (Administration BHEL Tiruchirapalli in place of Shri P. Sivan, Administrative Officer, to be Estate Officer for the purposes of the said Act. He shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on Estate Officer by or under

the said Act, within the limits as defined in part II of the table of the said notification dated 24-8-74.

[F. No. 14-3/74-HEM]

P. B. SAXENA, Under Secy

स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1977

का० आ० 1564.—यतः भारतीय नर्सिंग परिषद्, अधिनियम, 1947 (1947 का 48) की धारा 10 की उप धारा (2) के अनुसरण में भारतीय नर्सिंग परिषद् ने 7 सितम्बर, 1976 को हुई बैठक में पारित एक संकल्प द्वारा यह घोषित किया है कि उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय, लखनऊ द्वारा प्रदत्त जन स्वास्थ्य नर्सिंग डिप्लोमा (जब पहली अप्रैल, 1968 को अथवा उसके बाद प्रदान किया गया हो) उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए मान्य अर्हता होगी;

और यतः उक्त अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (1) द्वारा यथापेक्षित उक्त प्रस्ताव सरकारी राजपत्र में भारतीय नर्सिंग परिषद् की 6 जनवरी, 1977 की अधिसूचना संख्या 11-1/76 आई एन० सी० के साथ प्रकाशित किया गया है

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 15 की उप-धारा (2) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है ताकि यह उक्त घोषणा के अनुरूप हो सके नामतः

उक्त अधिनियम की अनुसूची में भाग I में "क सामान्य नर्सिंग" शीर्षक के अन्तर्गत प्रविष्टि 49 के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"50—उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय, लखनऊ (जब 1 अप्रैल, 1968 को अथवा उसके बाद प्रदान किया गया हो)"

[संख्या वी० 14015/1/77 एम० पी०टी०]

एस० श्रीनिवासन, उप सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 15th April, 1977

S.O. 1564.—Whereas the Indian Nursing Council has, by a resolution passed at a meeting held on the 7th September, 1976, in pursuance of sub-section (2) of section 10 of the Indian Nursing Council Act, 1947 (48 of 1947), declared that the Diploma in Public Health Nursing granted by the Uttar Pradesh State Medical Faculty, Lucknow (when granted on or after the 1st April, 1968) shall be a recognised qualification for the purpose of the said Act.

And whereas the said resolution has been published in the Official Gazette with the notification of the Indian Nursing Council No II-1/76-INC dated the 6th January, 1977 as required by sub-section 15 of the said act,

Now, therefore, in pursuance of sub-section (2) of section 15 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the Schedule to the said Act, so as to bring it in to accord with the said declaration, namely :—

In the Schedule to the said Act, in Part I, under the heading 'A General Nursing" after entry 49, the following entry shall be inserted, namely :—

"50. Uttar Pradesh State Medical Faculty, Lucknow (when granted on or after the 1st April, 1968)"

[No. V-14015/1/77-MPT]

S SRINIVASAN, Dy. Secy

नई दिल्ली, 9 मई, 1977

का० आ० 1565.—स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान, संस्थान, चण्डीगढ़, अधिनियम, 1966 (1966 का 51) की धारा 5 के खण्ड (ङ) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा डा० करणसिंह जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया के स्थान पर श्री राजनारायण को स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ के एक सदस्य के रूप में मनोनीत करती है और भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन मंत्रालय की 2 जून, 1972 की अधिसूचना संख्या वी० 17013/1/72 एम० ई० (पी० जी०) में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त अधिसूचना में प्रविष्टि 1 के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाए, अर्थात् :—

"श्री राजनारायण

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री"

[सं० वी० 16011/1/77-एम० ई० (पी० जी०)]

New Delhi, the 9th May, 1977

S.O. 1565.—In pursuance of clause (e) of Section 5 of the Postgraduate Institute of Medical Education and Research Chandigarh, Act 1966 (51 of 1966) the Central Government hereby nominates Shri Raj Narain as a member of the Postgraduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh vice Dr. Karan Singh, resigned, and makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning No. V. 17013/1/72-M.E.(PG), dated the 2nd June, 1972.

In the said notification for entry I, the following entry shall be substituted, namely :

"I. Shri Raj Narain, Minister of Health and Family Welfare."

[No. V. 16011/1/77-M.E.(PG)]

का० आ० 1566.—अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अधिनियम, 1956 (1956 का 25) की धारा 4 के खण्ड (ङ) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री ज्ञान प्रकाश जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया, के स्थान पर श्री राजेश्वर प्रसाद को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली का सदस्य मनोनीत करती है और भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन मंत्रालय की अधिसूचना सं० वी० 16011/2(बी) 72 एम० ई० (पी० जी०) तारीख 13 सितम्बर 1972 में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त अधिसूचना की प्रविष्टि 2 के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी :—

"2 श्री राजेश्वर प्रसाद, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय।"

[सं० वी० 16011/1/77 एम० ई० (पी० जी०)]

S.O. 1566.—In pursuance of clause (e) of Section 4 of the All-India Institute of Medical Sciences Act, 1956 (25 of 1956) the Central Government hereby nominates Shri Rajeshwar Prasad, as a Member of the All-India Institute of Medical Sciences, New Delhi vice Shri Gian Prakash resigned and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning No. V. 16011/2(B)/72-M.E.(PG), dated the 13th September, 1972.

In the said notification entry 2 shall be substituted as under :—

"2. Shri Rajeshwar Prasad, Secretary, Ministry of Health and Family Welfare "

[No. V 16011/1/77 M.E.(PG)]

का० आ० 1567.—स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ अधिनियम, 1966 (1966 का 51) की धारा 5 के खण्ड (ध) के अनुसरण में भारत सरकार एतद्द्वारा श्री ज्ञान प्रकाश, जिन्होंने अपना त्याग-पत्र दे दिया, के स्थान पर श्री राजेश्वर प्रसाद को स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ के एक सदस्य के रूप में मनोनीत करती है और भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन मंत्रालय के 2 जून, 1972 की अधिसूचना सं० बी० 17013/1/72-एम० ई० (पी० जी०) में निम्नलिखित संशोधन करती है ।

उक्त अधिसूचना की प्रविष्टि 3 के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाये अर्थात्:—

"3 श्री राजेश्वर प्रसाद, सचिव, भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय।"

[सं० बी० 16011/1/77 एम०ई० (पी०जी०)]

S.O. 1567.—In pursuance of clause (d) of Section 5 of the Post-graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh Act, 1966 (51 of 1966) the Central Government hereby nominates Shri Rajeshwar Prasad as a Member of the Post-graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, vice Shri Gian Prakash resigned and makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning No. V. 17013/1/72-M.E.(PG), dated the 2nd June, 1972.

In the said notification for entry III the following entry shall be substituted, namely :—

"3. Shri Rajeshwar Prasad, Secretary to the Government of India, Ministry of Health and Family Welfare."

[No. V. 16011/1/77-M.E (PG)]

का०आ० 1568.—अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अधिनियम, 1956 (1956 का 25) की धारा 4 के खण्ड (ब) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा डा० कर्ण सिंह, जिन्होंने त्याग-पत्र दे दिया, के स्थान पर श्री राजनारायण को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के एक सदस्य के रूप में मनोनीत करती है और भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन मंत्रालय की 13 सितम्बर, 1972 की अधिसूचना संख्या बी० 16011/2(बी)/72-एम०ई० (पी०जी०) में निम्नलिखित संशोधन करती है :

उक्त अधिसूचना में प्रविष्टि 1 के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाए, अर्थात् :

"1. श्री राजनारायण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री।"

[सं० बी० 16011/1/77-एम०ई० (पी०जी०)]

S.O. 1568.—In pursuance of clause (e) of Section 4 of the All-India Institute of Medical Sciences Act, 1956 (25 of 1956) the Central Government hereby nominates Shri Raj Narain as a member of the All-India Institute of Medical Sciences, New Delhi vice Dr. Karan Singh resigned and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning No. V. 16011/2(B)/72-M.E (PG), dated the 13th September, 1972.

In the said notification for entry I, the following entry shall be substituted, namely :—

"1. Shri Raj Narain, Minister of Health and Family Welfare."

[No. V. 16011/1/77-M.E.(PG)]

का०आ० 1569.—स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान चण्डीगढ़ अधिनियम, 1966 (1966 का 51) की धारा 7 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा डा० कर्ण सिंह, जिन्होंने त्याग-पत्र दे दिया, के स्थान पर श्री राजनारायण को स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान चण्डीगढ़ के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत करती है।

[सं० बी० 16011/1/77-एम०ई० (पी०जी०)]

S.O. 1569.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Post-Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh Act, 1966 (51 of 1966) the Central Government hereby nominates Shri Raj Narain as the President of the Post-graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh vice Dr. Karan Singh resigned.

[No. V. 16011/1/77-M.E.(PG)]

का०आ० 1570.—अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अधिनियम, 1956 (1956 का 25) की धारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा डा० कर्ण सिंह जिन्होंने त्याग-पत्र दे दिया के स्थान पर श्री राजनारायण को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत करती है ।

[सं० बी० 16011/1/77-एम०ई० (पी०जी०)]

एन०एस० बक्शी, अवर सचिव

S.O. 1570.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the All-India Institute of Medical Sciences, Act, 1956 (25 of 1956) the Central Government hereby nominates Shri Raj Narain as the President of the All-India Institute of Medical Sciences, New Delhi vice Dr. Karan Singh, resigned.

[No. V. 16011/1/77-M.E. (PG)]

N. S. BAKSHI, Under Secy.

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1977

का०आ० 1571.—राजनयिक एवं कौंसली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41) की धारा 'क' के खंड (2) के अनुपालन में केन्द्र सरकार एतद्द्वारा भारत का राजदूतावास, दोहा में सहायक, श्री आर०आर० मधन को, तत्काल से, कौंसली अभिकर्ता का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[फा० सं० टी 4330(1)/76]

एस० एन० गोयल, अवर सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 30th April, 1977

S.O. 1571.—In pursuance of clause (a) of section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri R. R. Madhan, Assistant in the Embassy of India, Doha to perform the duties of a Consular Agent with immediate effect.

[File No. T. 4330(1)/76]

S. N. GOEL, Under Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1977

का० आ० 1571.—अतः केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाप्ति निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन

तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्नों के क्रय, भण्डारकरण सचलन परिवहन, वितरण तथा विक्रय के कृत्यों का पालन करना बन्द कर दिया है जोकि खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के कृत्य है।

और यत खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाप्ति निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपरिवर्णित कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के परिपत्र के प्रत्युत्तर में उसमें विनिर्दिष्ट तारीख के अन्दर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आशय को उक्त अधिनियम की धारा 12 ग की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा अपेक्षित सूचना नहीं दी है।

अत अब खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा अद्यतन संशोधित की धारा 12 एक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरित करता है —

क्रम सं०	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन किस पद पर स्थायी है	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सरकार के किस पद पर थे ?	भारतीय खाद्य निगम को स्थानान्तरण की तारीख
1	2	3	4	5
1	श्री पी० सूर्य-नारायण मूर्ती	—	वरिष्ठ लिपिक	1-3-69
2	श्री आर० एस० गणेशन	चौकीदार	मेसन्जर	1-3-69
3	श्री सतेन्द्र लाल मुखर्जी	गोदाम लिपिक	गोदाम लिपिक	1-3-69
4.	श्री मुकन्द लाल राय	गोदाम लिपिक	गोदाम लिपिक	1-3-69
5	श्री प्रवास च० दास	एस०टी०एम०	एस०टी०एम०	1-3-69
6.	श्री रामनाथ सिंह	हॉस्टिंग आपरेटर	एस०टी०एम०	1-3-69
7	श्री प्रनव कुमार सरकार	स्टिचर	वरिष्ठ परिरक्षक	1-3-69
8	श्री सान्ती रंजन दास	हॉस्टिंग आपरेटर	एस०टी०एम०	1-3-69
9	श्री सुबोधेन्दु गुप्त	हॉस्टिंग आपरेटर	एस०टी०एम०	1-3-69
10	श्री सैलेन्द्र कुमार बोस	हॉस्टिंग आपरेटर	एस०टी०एम०	1-3-69
11	श्री मोन सिंह सरकी	स्टिचर	चौकीदार	1-3-69
12	श्री सुप्रिम सिंह	स्टिचर	चौकीदार	1-3-69
13	श्री तुल बहादुर थापा	स्टिचर	चौकीदार	1-3-69
14	श्री अभिमान च० दास	चौकीदार	चौकीदार	1-3-69
15	श्री अनन्त विश्वास	चौकीदार	चौकीदार	1-3-69
16	श्री रविन्द्र नारायण राय	—	गुण निरीक्षक ग्रेड-1	1-3-69
17	श्रीमती अलेयाम्मा पी० वरगीस (विवाह से पहले कुमारी आई०एस० अलेयाम्मा)	—	कनिष्ठ लिपिक	1-3-69
18	श्रीमती ए०एस० नवानी (विवाह से पहले कुमारी ए०के० मंगवानी)	—	कनिष्ठ लिपिक	1-3-69
19	श्रीमती एम०एन० अहूजा (विवाह से पहले कुमारी एम०एल० चंद-नानी)	—	कनिष्ठ लिपिक	1-3-69
20	श्रीमती आई० एस० वजीरानी (विवाह से पहले कुमारी आई० एन० नजरानी)	—	कनिष्ठ लिपिक	1-3-69
21	श्री एस० एन० असरानी	—	कनिष्ठ लिपिक	1-3-69
22	श्री आर०डी० नजकानी	—	कनिष्ठ लिपिक	1-3-69
23	कुमारी एन०डी० गुलराजानी	—	कनिष्ठ लिपिक	1-3-69
24	श्रीमती वी०जे० राजनानी (विवाह से पहले कुमारी गार्गी एन० राज-पूत)	—	कनिष्ठ लिपिक	1-3-69
25	श्री बी० सी० अगियानी	—	गोदाम लिपिक	1-3-69
26	श्री एन०जी० कृपलानी	—	गोदाम लिपिक	1-3-69
27	श्री आर० डी० नैनानी	—	गोदाम लिपिक	1-3-69
28	श्री मोहन के०	—	गोदाम लिपिक	1-3-69
29	श्री के० के० परमार	—	गोदाम लिपिक	1-3-69
30	श्री डी० एस० मिश्र (इससे पहले यह श्री डी०एस० हरिजन के नाम से प्रसिद्ध था)	—	चौकीदार	1-3-69
31	श्री देवजी मानजी	—	चौकीदार	1-3-69
32	श्री मगन के० वाल्मिकी	—	स्वीपर	1-3-69

1	2	3	4	5
33	श्री श्यामलाल एम०	चौकीदार	चौकीदार	1-3-69
34	श्री बी० एम० चौहान	—	चौकीदार	1-3-69
35	श्री पी० दामोदर राव	—	चौकीदार	1-3-69

[फा०सं० 52/8/73-एफ०सी० 3 (वाल्यूम 8)]

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of food)

ORDER

New Delhi the 18th April, 1977

S.O. 1572.—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food the Regional Directors of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under Section 13 of the Food Corporations Act 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India,

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorates of Food the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not in response to the Circular of the Central Government dated the 16th April, 1971 intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub section (1) of section 12A of the said Act,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended up to date the Central Government hereby transfers the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them

Sl No	Name of the Officer employees	Permanent post held under the Central Govt	Post held under the Central Govt at the time of transfer	Date of transfer to the F C I
1	2	3	4	5
1	Shri Suryanarayana murthy		Senior Clerk	1-3-69
2	,, R S Ganesan	Watchman	Messenger	1-3-69
3	,, Satyen Ira Lal Mukherjee	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
4	Shri Mukunda Lal Roy	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
5	,, Pravash Ch Bose	S T M	S T M	1-3-69
6	,, Ram Nath Singh	D Operator	S T M	1-3-69
7	,, Pranab Kr Sarkar	Stitcher	S Supervisor	1-3-69
8	Santi Rn Das	D Operator	S T M	1-3-69
9	,, Subodhendu Gupta	D Operator	S T M	1-3-69
10	Shri Sailendra Kr Bose	D Operator	S T M	1-3-69
11	,, Mon Singh Saiki	Stitcher	Watchman	1-3-69
12	,, Sugrim Singh	Stitcher	Watchman	1-3-69
13	,, Tul Bahadur Thapa	Stitcher	Watchman	1-3-69
14	,, Aohiman Ch Das	Watchman	Watchman	1-3-69
15	,, Anu Charan Biswas	Watchman	Watchman	1-3-69
16	,, Rabindra Narayan Roy	—	Quality Inspector Gr I	1-3-69
17	Smt Aleyamma Ghee Varghese (Prior to marriage Miss I S Aleyamma)		Junior Clerk	1-3-69
18	,, A A Nawani (Prior to marriage Miss A K Mangwani)	-	Junior Clerk	1-3-69
19	,, M N Ahuja (Prior to marriage Miss M I Chandnani)	-	Junior Clerk	1-3-69
20	,, I S Vazirani (Prior to marriage Miss I I Sajnani)	—	Junior Clerk	1-3-69
21	Shri S N Asnani		Junior Clerk	1-3-69
22	,, R T Najkani	—	Junior Clerk	1-3-69
23	Miss N D Gulrajani		Junior Clerk	1-3-69
24	Smt V J Rajnani (Prior to marriage Miss Gopi N Rajput)		Junior Clerk	1-3-69
25	Shri B C Jhangiani	-	Godown Clerk	1-3-69
26	,, N G Kripalani		Godown Clerk	1-3-69
27	,, R D Nainani		Godown Clerk	1-3-69
28	,, Mohan K		Godown Clerk	1-3-69
29	,, K K Parmar		Godown Clerk	1-3-69
30	,, D S Siju (Prior to his he was known as Shri D S Harijan)	-	Watchman	1-3-69
31	,, Devji Manji		Watchman	1-3-69
32	,, Manilal K Balmiki		Sweeper	1-3-69
33	,, Shyamlal M	—	Watchman	1-3-69
34	B M Chauhan		Watchman	1-3-69
35	,, P Damodar Rao	-	Watchman	1-3-69

[No 52/8/73-FC-III (Vol VIII)]

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 21 मई, 1977

का० आ० 1573.—श्रम विभाग के 7 मार्च, 1977 के आदेश संख्या 52/4/71-एफ०सी० 3 (वाल्यूम) में निम्नलिखित शुद्धियां की जाएं :—

स्थानान्तरण आदेश में क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धियां
1	2
7	कालम 3 में अंकित गोदाम लिपिक के स्थान पर मैसेंजर पढ़ें ।
8	कालम 3 में ... के स्थान पर गैजटेड ... पढ़ें

9 कालम 3 में वही के स्थान पर सैलेक्शन ग्रेड लिपिक पढ़े ।

10 कालम 3 में वही के स्थान पर सैलेक्शन ग्रेड लिपिक पढ़े ।

66 कालम 2 में श्रीमती के० डी० उल्ये के स्थान पर श्रीमती के० डी० मुल्ये पढ़े ।

68 कालम 2 में श्रीमती जी० एन० पुराणकर के स्थान पर श्रीमती जी० आर० पुराणकर पढ़े ।

69 कालम 2 में श्री के० वी० भावथन के स्थान पर श्री के० वी० भारथन पढ़े ।

75 कालम 2 में श्री आर० बी० करन्धीकर के स्थान पर श्री आर० बी० करन्दीकर पढ़ें ।

78 कालम 3 में वही शब्द निकाल दिया जाए ।

[संख्या 52/4/71 एफ० सी० 3 (वाल्यूम-7)]
बख्शी राम, उप-सचिव

New Delhi, the 21st April, 1977

CORRIGENDUM

S. O. 1573.—In this Department Order No. 52/4/71 FC-III (Vol. VII) dated 7-3-1977, the following corrections shall be carried out

S. No. in the Transfer Order	Correction to be carried out
7	For the words "Senior Godown Clerk" in col. 3, read "Selection Grade Clerk"
8	For the word "Do" in col. 3, read "Selection Grade Clerk"
9	For the word "Do" in col. 3, read "Selection Grade Clerk"
10	For the word "Do" in col. 3, read "Selection Grade Clerk"
66	For the words "Mrs. K. D. Wulye" in col. 2 read "Mrs. K. D. Mulye"
68	For the words "Mrs. G. N. Purankar" in col. 2, read "Mrs. G. R. Purankar"
69	For the words "Shri K. V. Bhavthan" in col. 2, read "Shri K. V. Bharthan"
75	For the words "Shri R. B. Karandhikar" in col. 2 read "Shri R. B. Karandikar"
78	The word "Do" in col. 3, shall be deleted

[No. 52/4/71 FC III (Vol. VII)]
BAKHSHI RAM, Dy. Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 5 मई, 1977

का०आ० 1574.—भारत के राजपत्र असाधारण भाग 2 खण्ड 3 उपखण्ड (2) तारीख 7 जनवरी, 1977 के पृष्ठ 19 से 26 पर प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय कोयला विभाग की अधिसूचना सं० का० आ० 15 (अ) तारीख 7 जनवरी 1977 में —

1. अनुसूची "क" के ऊपर पथ रेंगरा के स्थान पर पथरगेरा पढ़ें ।

2. अनुसूची "ख" के नीचे— "ग्राम सामापुर में अर्जित किए जाने वाले प्लाटों की संख्या" शीर्षक के नीचे सामापुर के स्थान पर साभापुर पढ़ें ।

3. ग्राम सागाई-खापा में अर्जित किए जाने वाले प्लाटों की संख्या शीर्षक के नीचे प्लाट संख्या 91 पी और '163' जोड़ा जाएगा और प्लाट संख्या 222 तथा 224 लोप किया जाएगा ।

4. अनुसूची "ख" में क्रम संख्या 1 के सामने स्तम्भ 2 में— अमीर आरक्षितवन के स्थान पर अमीर आरक्षित वन पढ़ें ।

5. अनुसूची "ख" में क्रम संख्या 2 के सामने स्तम्भ 6 (क्षेत्रफल हैक्टरों में) के नीचे 10.562 के स्थान पर 48.562 पढ़ें ।

6. अनुसूची 'क', 'ख' और 'ग' के सीमा वर्णन के नीचे रेखा च-छ में—

क्रम सं० XIIII के स्थान पर

क्रम सं० XLIII पढ़ें ।

[सं० 19(66)/76-सी०एल०]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 5th May, 1977

S.O. 1574.—In the notification of Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 15(E), dated the 7th January, 1977 published at pages 19 to 22 in the Gazette of India Extraordinary Part II, section 3, sub-section (2) dated the 7th January, 1977 at page 22, in line 8 for "Comp. No. XIV, XIIII and XLII" read "Comp. Nos. XIV, XLIII, XLIV and XLII".

[File No. 19(66)/76-CL]

का० आ० 1575.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2619, तारीख 28 जून, 1976 द्वारा, उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमियों को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् तथा बिहार सरकार से परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित 69.90 एकड़ (लगभग) या 28.28 हैक्टेयर (लगभग) मापवाली भूमियों को अर्जित कर लिया जाना चाहिए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए घोषित करती है कि उक्त अनुसूची वर्णित 69.90 एकड़ (लगभग) या 28.28 हैक्टेयर (लगभग) माप वाली भूमियों का अर्जन किया जाता है ।

2. इस अधिनियम के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांकों का निरीक्षण उपायुक्त कार्यालय, गिरिडीह (बिहार) में या कोयला नियंत्रक कार्यालय 1-कौंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता में या सैन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड

(राजस्व अनुभाग) कार्यालय, दरभंगा हाउस, रांची (बिहार) में किया जा सकेगा।

अनुसूची

धोबीडीह जरकुनी ब्लाक

गिरीडीह कोयला वाले क्षेत्र

रेखांकित सं० राजस्व/19/76

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1976

(जिसमें अर्जित की गई भूमियां दर्शित की गई है)

उपबलाक—I

सभी अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला क्षेत्र	टिप्पणियां
1	मुखपिटोमई पिपरातांर	गिरिडीह	192	गिरिडीह	आंशिक
2	धोबीडीह	गिरिडीह	193	गिरिडीह	आंशिक

कुल क्षेत्रफल—2.65 एकड़ (लगभग)
1.07 हेक्टेयर (लगभग)

मुखपिटोमई पिपरातांर ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट सं०—311 (भाग) 312 (भाग), 322 (भाग), 454 (भाग), 471 (भाग), 474 (भाग), 475 (भाग), 477 (भाग), 478(भाग), 479 (भाग), 484 (भाग), 485 (भाग), 486, 487, 488, 489 (भाग), 490 (भाग) और 492 (भाग)।

धोबीडीह ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट सं०— 223 (भाग) और 225 (भाग)।

सीमा वर्णन :

क-ख — लाइन मुखपिटोमई पिपरातांर ग्राम के प्लाट सं० 312 से होते हुए और प्लाट सं० 311 की आंशिक पश्चिमी सीमा के साथ साथ जाती है।

ख-ग — लाइन मुखपिटोमई पिपरातांर ग्राम के प्लाट सं० 311, 492, 490, 489, 478, 475, 474 और 454 तथा धोबीडीह ग्राम के प्लाट सं० 225 और 223 से होकर (जो का० आ० सं० 2394, तारीख 17-9-63 के अनुसार कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित क्षेत्रों की सम्मिलित सीमा का भाग है) जाती है।

ग-घ — लाइन धोबीडीह ग्राम के प्लाट सं० 223 और 225 तथा मुखपिटोमई पिपरातांर ग्राम के प्लाट सं० 454 और 474 से होकर जाती है।

घ-क — लाइन मुखपिटोमई पिपरातांर ग्राम के प्लाट सं० 474, 471 177, 478, 479, 485, 484, 322 और 312 से होकर जाती है तथा आरम्भिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

उपबलाक-II

सभी अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला क्षेत्र	टिप्पणियां
1	धोबीडीह	गिरिडीह	193	गिरिडीह	आंशिक
2	कुरहुरबारी	गिरिडीह	194	गिरिडीह	आंशिक

कुल क्षेत्रफल—67.25 एकड़ (लगभग)
27.21 हेक्टेयर (लगभग)

धोबीडीह ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट सं०—114 (भाग), 115 (भाग), 116 (भाग), 117 (भाग), 118 120 121 (भाग), 122 (भाग), 124 (भाग), 125 (भाग), 126 (भाग), 155 (भाग), 156, 157, 158 (भाग), 159 (भाग), 160 (भाग), 161 (भाग), 165 (भाग), 166(भाग), 172 (भाग), 173 (भाग), 174, 175, 176 (भाग), 177(भाग), 200 (भाग), 201 (भाग), 202 (भाग), 214 (भाग), 215, 216 (भाग), 217 (भाग), 222 (भाग), 223 (भाग), 226 (भाग), 246 (भाग), 248 (भाग), 249 (भाग), 250 (भाग), 252 253 (भाग), 254 (भाग), 255 (भाग), 256 से 315, 316 (भाग), 317, 318, 319, 320, 321 (भाग), 322 (भाग), 323, 324 (भाग), 325 (भाग), और 326 से 350

कुरहुरबारी ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट सं०—2030 (भाग), रेल 2119 (भाग), 2120 (भाग) 2121 (भाग) 2122 2123 2124 2125, 2126, 2127 (भाग), 2128 (भाग), 2129 (भाग) 2130, 2131, 2133 (भाग) और 2009 (भाग)।

सीमा वर्णन :

ग-ङ— लाइन उपबलाक-I के सामान्य बिन्दु से आरम्भ होती है और धोबीडीह ग्राम के प्लाट सं० 223, 226, 246, 250, 253, 254, 255, 249, 248, 249, 316 321, 322, 324, 325, 218 से होकर (जो धोबीडीह और कुरहुरबारी ग्राम की सामान्य सीमा तक, का० आ० सं० 2394, तारीख 1-8-63 के अनुसार, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र की सामान्य सीमा का भाग है) जाती है।

ङ-च — लाइन बिन्दु 'ङ' से आरम्भ होती है और कुरहुरबारी ग्राम के प्लाट सं० 3009, 2129, 2120 2127 से होकर (जो का० आ० सं० 3045 तारीख 15-10-63 के अनुसार कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र की सामान्य सीमा का भाग है) जाती है और एन सी डी सी की कुरहुरबारी कोलियरी की सीमा पर मिलती है।

च-छ — लाइन कुरहुरबारी ग्राम से होकर (जो एन सी डी सी की कुरहुरबारी कोलियरी की सम्मिलित सीमा का भाग है) जाती है।

छ-ज-झ-ग — लाइन कुरहुरबारी ग्राम के प्लाट सं० 2133 से होकर और फिर कुरहुरबारी ग्राम के प्लाट सं० 116, 117, 115, 114, 128, 121, 124, 125, 126, 155, 158, 159, 160 164, 165, 166, 172, 173, 177, 176, 200, 201, 202, 214, 217, 222, और 223 से होकर जाती है तथा बिन्दु 'ग' पर मिलती है।

[सं० 19(62)/76-सी० एल०]

एस० आर० ए० रिजवी, निदेशक

S.O. 1575.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 2619 dated the 28th June, 1976, under sub-section (1) of Section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the report aforesaid, and, after consulting the Government of Bihar, is satisfied that the lands measuring 69.00 acres (approximately) or 28.28 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 69.00 acres (approximately) or 28.28 hectares (approximately) described in the said schedule are hereby acquired.

2. The plans of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Giridih (Bihar), or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, or in the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

SCHEDULE

Dhobidih-Jatkuti Block
Giridih Coalfield

Drg. No. Rev/39/76 dated 9-9-1976

(Showing lands acquired)

Sub-Block-I

All Rights

Sl. No.	Village	Thana	Thana No.	District	Area	Remarks
1.	Mukhpitomai Pipratanr	Giridih	192	Giridih		Part
2.	Dhobidih	Giridih	193	Giridih		Part

Total area :—2.65 acres (approximately)
or 1.07 hectares (approximately)

Plot numbers to be acquired in village Mukhpitomai Pipratnar :—311 (part), 312 (part), 322 (part), 454 (part), 471(part), 474 (part), 475 (part), 477 (part), 478 (part), 479 (part), 484 (part), 485 (part), 486, 487, 488 489 (part), 490 (part) & 492 (part).

Plot numbers to be acquired in village Dhobidin :—223 (part) & 225 (part).

BOUNDARY DESCRIPTION :

A–B line passes through plot No. 312 and along the part Western boundary of plot No. 311 of village Mukhpitomai-Pipratnar.

B–C line passes through plot nos. 311, 492, 490, 489 478, 475, 474 & 454 of village Mukhpitomai-Pipratnar and through plot nos. 225 & 223 of village Dhobidih (which forms part common boundary of the areas acauired u/s 9(1) of C.B.A. (A&D) Act, 1957 vide S.O. No. 2394 dt. 17-8-63.

C–D line passes through plot no. 223 & 225 of village Dhobidih and plot nos. 454 & 474 of village Mukhpitomai-Pipratnar.

D–A line passes through plot nos. 474, 471, 477, 478, 479 485, 484, 322 & 312 of village Mukhpitomai-Pipratanr and meets at starting paoint 'A'.

Sub-Block-II

All Right

S. No.	Village	Thana	Thana No.	District	Area	Remarks
1.	Dhobidih	Giridih	193	Giridih		Part
2.	Kurhurbaree	Giridih	194	Giridih		Part

Total area :—67.25 acres (approximately)
or 27.21 hectares (approximately)

Plot numbers acquired in village Dhobidih :—114 (part), 115 (part), 116 (part), 117 (part), 118, 120, 121 (part), 122 (part), 124 (part), 125 (part), 126 (part), 155 (part), 156, 157 158 (part), 159 (part), 160 (part), 164 (part), 165 (part), 166 (part), 172 (part), 173 (part), 174, 175, 176 (part), 177 (part), 200 (part), 201 (part), 202 (part), 214 (part), 215, 216 (part), 217 (part), 222 (part), 223 (part), 226 (part), 246 (part), 248 (part), 249 (part), 250 (part), 252, 253 (part), 254 (part), 255 (part), 256 to 315, 316 (part), 317, 318, 319, 320, 321 (part), 322 (part), 323, 324 (part), 325 (part) & 326 to 350.

Plot numbers acquired in village Kurhurbaree:—2030 (part), Railway 2119 (part), 2120 (part), 2121 (part), 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127 (part), 2128 (part), 2129 (part), 2130, 2131, 2132, 2133 (part) & 3009 (part).

BOUNDARY DESCRIPTION :

C–E line start from common point of sub-block-I and passes through plot number 223, 226, 246, 250, 253, 254, 255, 249, 248, 249, 316, 321, 322, 324, 325, 248 of village Dhobidih (which forms part common boundary of the area acquired u/s 9(1) of the C.B.A. (A&D) Act, 1957 vide S.O. No. 2394 dt. 17-8-63 upto the common boundary of village Dhobidih and Kurhurbaree.

E–F line starts from point 'E' and passes through plot numbers 3009, 2129, 2128, 2127 of village Kurhurbaree (which forms part common boundary of the area acquired u/s 9(1) of C.B.A. (A& D) Act, 1957 vide S.O. No. 3045 dated 15-10-63 and meets at the boundary of NCDC's Kurhurbaree Colliery.

F–G line passes through village Kurhurbaree (which forms part common boundary of NCDC's Kurhurbaree Colliery.

G–H–I–C lines pass through plot number 2133 of village Kurhurbaree then through plot numbers 116, 117, 115, 114, 122, 121, 125, 124, 126, 155, 158, 159, 160, 164, 165, 166, 172, 173, 177, 176, 200, 201, 202, 214, 217, 222 & 223 of village Kurhurbaree and meets at point 'C'.

[File No. 19(62)/76-CL]

S. R. A. RIZVI, Director

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 12 मई, 1977

का० आ०1576—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (2) तारीख 15 फरवरी, 1975 में पृष्ठ 618-620 पर प्रकाशित भारत सरकार के संचार मंत्रालय (डाक-तार बोर्ड) की अधिसूचना संख्या का० आ० 416, तारीख 13 दिसम्बर, 1974 को अधिक्रमित करते हुए, केन्द्रीय सरकार नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है, जो उक्त सारणी के स्तम्भ (3) की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेंगे ।

सारणी

क्रम सं०	अधिकारी का पदाभिधान	सरकारी स्थान
(1)	(2)	(3)
1.	सहायक महाडाकपाल, महाडाकपाल का कार्यालय अहमदाबाद	गुजरात राज्य में स्थित महाडाकपाल गुजरात सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान, दादर और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र गोवा दमण और दीप संघ राज्यक्षेत्र मे दमण और दीव के क्षेत्र ।
2.	सहायक महाडाकपाल, महाडाकपाल का कार्यालय, मुम्बई	महाराष्ट्र राज्य में स्थित महाडाकपालमहाराष्ट्र सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान और गोवा-दमण दीव संघ राज्य क्षेत्र में गोवा का क्षेत्र
3.	सहायक महाडाकपाल, महाडाकपाल का कार्यालय कलकत्ता	पश्चिमी बंगाल और सिक्किम राज्यो में स्थित महाडाकपाल, पश्चिमी बंगाल सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का संघ राज्यक्षेत्र ।
4.	सहायक महाडाकपाल, महाडाकपाल का कार्यालय, पटना	बिहार राज्य मे स्थित महा डाकपाल, बिहार सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
5.	सहायक महाडाकपाल महाडाकपाल का कार्यालय, मद्रास ।	तमिलनाडु राज्य मे स्थित महाडाकपाल तमिलनाडु सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान और पांडीचेरी संघ राज्यक्षेत्र ।
6.	सहायक महा डाकपाल, महाडाकपाल का कार्यालय अंबाला	पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश राज्यों में स्थित महाडाकपाल उत्तर-पश्चिमी सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान और चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र ।
7.	सहायक महाडाकपाल, महाडाकपाल का कार्यालय, भोपाल	मध्य प्रदेश राज्य में स्थित महाडाकपाल, मध्य प्रदेश सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
8.	सहायक महाडाकपाल, महाडाकपाल का कार्यालय, हैदराबाद	आन्ध्र प्रदेश राज्य मे स्थित महाडाकपाल आन्ध्र सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
9.	सहायक महाडाकपाल, महाडाकपाल का कार्यालय, लखनऊ	उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित डाकपाल, उत्तर प्रदेश सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
10.	सहायक महाडाकपाल महाडाकपाल का कार्यालय, बंगलौर	कर्नाटक राज्य में स्थित महाडाकपाल कर्नाटक सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
11.	सहायक महाडाकपाल, महाडाकपाल का कार्यालय, भुवनेश्वर	उड़ीसा राज्य मे स्थित महाडाकपाल उड़ीसा के प्राशासनिक नियंत्रण धीन स्थान ।
12.	सहायक महाडाकपाल, महाडाकपाल का कार्यालय, शिलांग	आसाम, मेघालय, नागालैण्ड, मणिपुर और त्रिपुरा राज्यों में स्थित महाडाकपाल उत्तर पूर्वी सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान तथा अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम का संघ राज्यक्षेत्र ।
13.	सहायक महाडाकपाल, महाडाकपाल का कार्यालय, जयपुर	राजस्थान राज्य में स्थित महाडाकपाल राजस्थान सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
14.	सहायक महाडाकपाल, महाडाकपाल का कार्यालय, त्रिवेन्द्रम	केरल राज्य में स्थित महाडाकपाल, केरल सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान और लक्षद्वीप संघ राज्यक्षेत्र ।
15.	सहायक महाडाकपाल, महाडाकपाल का कार्यालय, नई दिल्ली	दिल्ली राज्यक्षेत्र में स्थित महाडाकपाल दिल्ली सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
16.	सहायक महाडाकपाल, महाडाकपाल का कार्यालय, श्रीनगर	जम्मू-कश्मीर राज्य में स्थित महाडाकपाल, जम्मू-कश्मीर सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
17.	सहायक महाप्रबंधक, महाप्रबंधक का कार्यालय, दूर संचार अहमदाबाद	गुजरात राज्य मे स्थित महाप्रबंधक, दूरसंचार, गुजरात सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्था, दादर और नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र तथा गोवा, दमण और दीव संघ राज्यक्षेत्र मे दमण और दीव के क्षेत्र ।
18.	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक का कार्यालय दूर संचार, मुम्बई	महाराष्ट्र राज्य में स्थित महाप्रबन्धक, दूर संचार, महाराष्ट्र सर्किल के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान और गोवा, दमण तथी दीव संघ राज्य क्षेत्र मे गोवा के क्षेत्र ।

1	2	3
19	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक का कार्यालय, दूर सचार, कलकत्ता ।	पश्चिमी बगाल और सिक्किम राज्यो मे स्थित महाप्रबन्धक, दूरसचार, पश्चिमी बगाल सर्किल के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान और अडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का सघ राज्य क्षेत्र ।
20	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक का कार्यालय दूरसचार, पटना ।	बिहार राज्य मे स्थित महाप्रबन्धक दूरसचार, बिहार सर्किल के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
21	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक का कार्यालय, दूरसचार, मद्रास ।	तमिलनाडु राज्य मे स्थित महाप्रबन्धक, दूरसंचार, तमिलनाडु सर्किल के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान और पाण्डचेरी सघ राज्य क्षेत्र ।
22	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक का कार्यालय, दूरसचार, अम्बाला ।	पजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश राज्यो मे स्थित महाप्रबन्धक, दूरसचार, उत्तर-पश्चिमी सर्किल के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान और चण्डीगढ़ सघ राज्य क्षेत्र ।
23	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक का कार्यालय, दूरसचार, भोपाल ।	मध्य प्रदेश राज्य मे स्थित महाप्रबन्धक, दूरसचार मध्य प्रदेश सर्किल के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
24	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक का कार्यालय, दूरसंचार, हैदराबाद ।	आन्ध्र प्रदेश राज्य मे स्थित महाप्रबन्धक, दूरसचार, आन्ध्र सर्किल क प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
25	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक, का कार्यालय, दूरसंचार, लखनऊ ।	उत्तर प्रदेश राज्य मे स्थित महाप्रबन्धक, दूरसंचार, उत्तर प्रदेश सर्किल के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
26.	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक, का कार्यालय, दूरसचार, बगलौर ।	कर्नाटक राज्य मे स्थित महाप्रबन्धक, दूरसचार, कर्नाटक सर्किल के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
27	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक का कार्यालय, दूरसचार, भुवनेश्वर ।	उड़ीसा राज्य मे स्थित महाप्रबन्धक, दूर सचार, उड़ीसा सर्किल के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
28.	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक, का कार्यालय, दूरसचार, शिलाग ।	आसाम, मेघालय नागालैण्ड, मणिपुर और त्रिपुरा राज्यो मे स्थित महाप्रबन्धक, दूरसचार, उत्तर-पूर्वी सर्किल के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान और अरुणाचल प्रदेश तथा मिजोरम सघ राज्यक्षेत्र ।
29	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक, का कार्यालय, दूरसचार, जयपुर ।	राजस्थान राज्य मे स्थित महाप्रबन्धक, दूरसचार, राजस्थान सर्किल के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
30	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक का कार्यालय, दूरसंचार, त्रिवेन्द्रम ।	केरल राज्य मे स्थित महाप्रबन्धक, दूरसचार, केरल सर्किल के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान और लक्षद्वीप सघ राज्य क्षेत्र ।
31.	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक, का कार्यालय, दूरसचार, श्रीनगर ।	जम्मू-कश्मीर राज्य मे स्थित महाप्रबन्धक, दूरसचार, जम्मू-कश्मीर सर्किल के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
32	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक का कार्यालय, टेलीफोन, मद्रास ।	मद्रास की स्थानीय सीमाओ के भीतर स्थित महाप्रबन्धक, मद्रास टेलीफोन के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
33.	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक का कार्यालय, टेलीफोन, मुम्बई ।	मुम्बई की स्थानीय सीमाओ के भीतर स्थित महाप्रबन्धक, मुम्बई टेलीफोन के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
34.	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक का कार्यालय, टेलीफोन, कलकत्ता ।	कलकत्ता की स्थानीय सीमाओ के भीतर स्थित महाप्रबन्धक, कलकत्ता टेलीफोन के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
35.	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक, का कार्यालय, टेलीफोन, अहमदाबाद ।	अहमदाबाद की स्थानीय सीमाओ के भीतर स्थित महाप्रबन्धक, अहमदाबाद टेलीफान के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
36	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक का कार्यालय, टेलीफोन, नई दिल्ली ।	दिल्ली और नई दिल्ली की स्थानीय सीमाओ के भीतर स्थित महाप्रबन्धक दिल्ली टेलीफोन के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
37.	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक,का कार्यालय, टेलीफोन, हैदराबाद ।	हैदराबाद की स्थानीय सीमाओ के भीतर स्थित महाप्रबन्धक, हैदराबाद टेलीफोन के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
38	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक का कार्यालय, टेलीफोन, बंगलौर ।	बगलौर की स्थानीय सीमाओ के भीतर स्थित महाप्रबन्धक, बगलौर टेलीफोन के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
39.	प्रभागीय इंजीनियर टेलीफोन, जिला प्रबन्धक का कार्यालय, टेलीफोन, कोयम्बतूर ।	कोयम्बतूर की स्थानीय सीमाओ के भीतर स्थित जिला प्रबन्धक, कोयम्बतूर टेलीफोन के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
40	प्रभागीय इजीनियर, टेलीफोन, नागपुर ।	नागपुर की स्थानीय सीमाओ के भीतर स्थित जिला प्रबन्धक, नागपुर टेलीफोन के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
41.	प्रभागीय इजीनियर टेलीफान, जिला प्रबन्धक का कार्यालय, टेलीफोन, ऐर्णाकुलम	ऐर्णाकुलम की स्थानीय सीमाओ के भीतर स्थित जिला प्रबन्धक, ऐर्णाकुलम टेलीफोन के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
42	प्रभागीय इजीनियर, टेलीफोन, जिला प्रबन्धक का कार्यालय, टेलीफोन, जयपुर ।	जयपुर की स्थानीय सीमाओ के भीतर स्थित जिला प्रबन्धक जयपुर के टेलीफोन के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।
43	प्रभागीय इजीनियर, टेलीफोन, जिला प्रबन्धक का कार्यालय, टेलीफोन, कानपुर ।	कानपुर की स्थानीय सीमाओ के भीतर स्थित जिला प्रबन्धक, कानपुर टेलीफोन के प्रशासनिक नियत्रणाधीन स्थान ।

1	2	3
44.	प्रभागीय इंजीनियर, टेलीफोन, जिला प्रबन्धक का कार्यालय टेलीफोन, लखनऊ ।	लखनऊ की स्थानीय सीमाओं के भीतर स्थित जिला प्रबन्धक, लखनऊ टेलीफोन के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
45.	प्रभागीय इंजीनियर, टेलीफोन, जिला प्रबन्धक का कार्यालय, टेलीफोन पटना ।	पटना की स्थानीय सीमाओं के भीतर स्थित जिला प्रबन्धक, पटना टैलीफोन के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
46.	प्रभागीय इंजीनियर, टेलीफोन, जिला प्रबन्धक का कार्यालय, टेलीफोन, पुणे ।	पुणे की स्थानीय सीमाओं के भीतर स्थित जिला प्रबन्धक, पुणे टेलीफोन के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
47.	प्रभागीय इंजीनियर, टेलीफोन, जिला प्रबन्धक का कार्यालय इन्दौर ।	इन्दौर की स्थानीय सीमाओं के भीतर स्थित जिला प्रबन्धक, इन्दौर टैलीफोन के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
48.	प्रभागीय इंजीनियर टेलीफोन जिला प्रबन्धक का कार्यालय टेलीफोन, अमृतसर ।	अमृतसर की स्थानीय सीमाओं के भीतर स्थित जिला प्रबन्धक अमृतसर टैलीफोन के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
49.	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक का कार्यालय, टी एंड डी सर्किल, जबलपुर ।	जबलपुर की स्थानीय सीमाओं के भीतर स्थित महाप्रबन्धक, टी एंड डी सर्किल जबलपुर के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
50.	प्रभागीय इंजीनियर महाप्रबन्धक का कार्यालय, दूरसंचार प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर ।	जबलपुर और नागपुर की स्थानीय सीमाओं के भीतर स्थित महाप्रबन्धक, दूरसंचार प्रशिक्षण केन्द्र, जबलपुर के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
51.	सहायक महाप्रबन्धक, महाप्रबन्धक का कार्यालय दूरसंचार कारखाने, कलकत्ता ।	पश्चिमी बंगाल राज्य के भीतर स्थित महाप्रबन्धक, दूरसंचार, कारखाने, कलकत्ता के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
52.	प्रबन्धक, दूरसंचार कारखाना, कलकत्ता ।	कलकत्ता की स्थानीय सीमाओं के भीतर स्थित प्रबन्धक, दूरसंचार कारखाना कलकत्ता के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
53.	प्रबन्धक, दूरसंचार कारखाना, मुम्बई ।	मुम्बई की स्थानीय सीमाओं के भीतर स्थित प्रबन्धक, दूरसंचार कारखाना, मुम्बई के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
54.	प्रबन्धक, दूरसंचार कारखाना, जबलपुर ।	जबलपुर की स्थानीय सीमाओं के भीतर स्थित प्रबन्धक, दूरसंचार कारखाना, जबलपुर के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
55.	प्रबन्धक, दूरसंचार कारखाना, भिलाई ।	भिलाई की स्थानीय सीमाओं के भीतर स्थित प्रबन्धक, दूरसंचार कारखाना, भिलाई के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
56.	सहायक महाप्रबन्धक महाप्रबन्धक का कार्यालय, दूरसंचार भंडार, कलकत्ता	कलकत्ता की स्थानीय सीमाओं के भीतर स्थित महाप्रबन्धक दूर संचार भंडार, कलकत्ता के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।

[सं० 2-209/73-एन बी०]

ई० एन० सुब्रह्मणियन, सहायक महानिदेशक (डर)

MINISTRY OF COMMUNICATION

(P & T Board)

New Delhi, the 12th May, 1977

S. O. 1576.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises, (eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), and in supersession of the Notification of the Government of India in the Ministry of Communications (Posts and Telegraphs Board) No. S.O. 446, dated the 13th December, 1974, published at pages 618 to 620 of the Gazette of India, Part II—Section 3-Subsection (ii), dated the 15th February, 1975, the Central Government hereby appoints the following officers specified in column (2) of the Table below to be Estate Officers for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on Estate Officers by or under the said Act in respect of the public premises specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Designation of Officer	Public premises
1	2	3
1.	Assistant Postmaster General, Office of the Postmaster General, Ahmedabad.	Premises under the administrative control of the Postmaster General, Gujarat Circle, situated in the State of Gujarat, the Union territory of Dadra and Nagar Haveli, and the areas of Daman and Diu in the Union territory of Goa, Daman and Diu.
2.	Assistant Postmaster General, Office of the Postmaster General, Bombay.	Premises under the administrative control of the Postmaster General, Maharashtra Circle, situated in the State of Maharashtra and the areas of Goa in the Union territory of Goa, Daman and Diu.
3.	Assistant Postmaster General, Office of the Postmaster General, Calcutta.	Premises under the administrative control of the Postmaster General, West Bengal Circle, situated in the States of West Bengal and Sikkim and the Union territory of Andaman and Nicobar Islands.

1	2	3
4.	Assistant Postmaster General, Office of the Postmaster General, Patna.	Premises under the administrative control of the Postmaster-General, Bihar Circle, situated in the State of Bihar.
5.	Assistant Postmaster General, Office of the Postmaster General, Madras.	Premises under the administrative control of the Postmaster General, Tamil Nadu Circle, situated in the State of Tamil Nadu and the Union territory of Pondicherry.
6.	Assistant Postmaster General, Office of the Postmaster General, Ambala.	Premises under the administrative control of the Postmaster General, North-Western Circle, situated in the States of Punjab, Haryana and Himachal Pradesh and the Union territory of Chandigarh.
7.	Assistant Postmaster General, Office of the Postmaster General, Bhopal.	Premises under the administrative control of the Postmaster General, Madhya-Pradesh Circle, situated in the State of Madhya Pradesh.
8.	Assistant Postmaster General, Office of the Postmaster General, Hyderabad.	Premises under the administrative control of the Postmaster General, Andhra Circle, situated in the State of Andhra Pradesh.
9.	Assistant Postmaster General, Office of the Postmaster General, Lucknow.	Premises under the administrative control of the Postmaster General, Uttar Pradesh Circle, situated in the State of Uttar-Pradesh.
10.	Assistant Postmaster General, Office of the Postmaster General, Bangalore.	Premises under the administrative control of the Postmaster General, Karnataka Circle, situated in the State of Karnataka.
11.	Assistant Postmaster General, Office of the Postmaster General, Bhubaneshwar.	Premises under the administrative control of the Postmaster General, Orissa Circle, situated in the State of Orissa.
12.	Assistant Postmaster General, Office of the Postmaster General, Shillong.	Premises under the administrative control of the Postmaster General, North-Eastern Circle, situated in the States of Assam, Meghalaya, Nagaland, Manipur and Tripura and the Union territory of Arunachal Pradesh and Mizoram.
13.	Assistant Postmaster General, Office of the Postmaster General, Jaipur.	Premises under the administrative control of the Postmaster General, Rajasthan Circle, situated in the State of Rajasthan.
14.	Assistant Postmaster General, Office of the Postmaster General, Trivandrum.	Premises under the administrative control of the Postmaster General, Kerala Circle, situated in the State of Kerala and the Union territory of Lakshadweep.
15.	Assistant Postmaster General, Office of the Postmaster General, New Delhi.	Premises under the administrative control of the Postmaster General, Delhi Circle, situated in the Union territory of Delhi .
16.	Assistant Postmaster General, Office of the Postmaster General, Srinagar.	Premises under the administrative control of the Postmaster General, Jammu and Kashmir Circle, situated in the State of Jammu and Kashmir.
17.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telecommunications, Ahmedabad.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecommunications, Gujarat Circle, situated in the State of Gujarat, the Union territory of Dadra and Nagar Haveli, and the areas of Daman and Diu in the Union territory of Goa, Daman and Diu.
18.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telecommunications, Bombay.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecommunications, Maharashtra Circle, situated in the State of Maharashtra and the areas of Goa in the Union territory of Goa, Daman and Diu.
19.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telecommunications, Calcutta.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecommunications, West Bengal Circle, situated in the States of West Bengal and Sikkim and the Union territory of the Andaman and Nicobar Islands.
20.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telecommunications, Patna.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecommunications, Bihar Circle, situated in the State of Bihar.
21.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telecommunications, Madras.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecommunications, Tamil Nadu Circle, situated in the

1	2	3
		State of Tamil Nadu and the Union territory of Pondicherry.
22.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telecommunications, Ambala.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecommunications, North-Western Circle, situated in the States of Punjab, Haryana and Himachal Pradesh and the Union territory of Chandigarh.
23.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telecommunications, Bhopal.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecommunications, Madhya Pradesh Circle, situated in the State of Madhya Pradesh.
24.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telecommunications, Hyderabad.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecommunications, Andhra Circle, situated in the State of Andhra Pradesh.
25.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telecommunications, Lucknow.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecommunications, Uttar Pradesh Circle, situated in the State of Uttar Pradesh.
26.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telecommunications, Bangalore.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecommunications, Karnataka Circle, situated in the State of Karnataka.
27.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telecommunications, Bhubaneshwar.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecommunications, Orissa Circle, situated in the State of Orissa.
28.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telecommunications, Shillong.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecommunications, North Eastern Circle, situated in the States of Assam, Meghalya, Nagaland, Manipur and Tripura and the Union territory of Arunachal Pradesh and Mizoram.
29.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telecommunications, Jaipur.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecommunications, Rajasthan Circle, situated in the State of Rajasthan.
30.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telecommunications, Trivandrum.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecommunications, Kerala Circle, situated in the State of Kerala and the Union territory of Lakshadweep.
31.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telecommunications, Srinagar.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecommunications, Jammu and Kashmir Circle, situated in the State of Jammu and Kashmir.
32.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telephones, Madras.	Premises under the administrative control of the General Manager, Madras Telephones, situated within the local limits of Madras.
33.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telephones, Bombay.	Premises under the administrative control of the General Manager, Bombay Telephones, situated within the local limits of Bombay.
34.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telephones, Calcutta.	Premises under the administrative control of the General Manager, Calcutta Telephones, situated within the local limits of Calcutta.
35.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telephones, Ahmedabad.	Premises under the administrative control of the General Manager, Ahmedabad Telephones, situated within the local limits of Ahmedabad.
36.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telephones, New Delhi.	Premises under the administrative control of the General Manager, Delhi Telephones, situated within the local limits of Delhi and New Delhi.

1	2	3
37	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telephones, Hyderabad.	Premises under the adminsitrative control of the General Manager, Hyderabad Telephones, situated within the local limits of Hyderabad.
38.	Assistant Ganeral Manager, Office of the General Manager, Telephones Bangalore.	Premises under the administrative control of the General Manager, Bangalore Telephones, situated within the local limits of Bangalore.
39.	Divisional Engineer, Telephones, Office of the District Manager, Telephones, Coimbatore.	Premises under the administrative control of the District Manager, Coimbatore Telephones situated within the local limits of Coimbatore.
40.	Divisional Engineer, Telephones, Office of the District Manager, Telephones, Nagpur.	Premises under the administrative control of the District Manager, Nagpur Telephones, situated within the local limits of Nagpur.
41.	Divisional Engineer, Telephones, Office of the District Manager, Telephones, Ernakulam.	Premises under the administrative control of the District Manager, Ernakulam Telephones, situated within the local limits of Ernakulam.
42.	Divisional Engineer, Telephones, Office of the District Manager, Telephones, Jaipur.	Premises under the administrative control of the District Manager, Jaipur Telephones, situated within the local limits of Jaipur.
43.	Divisional Engineer, Telephones, Office of the District Manager, Telephones, Kanpur.	Premises under the administrative control of the District Manager, Kanpur Telephones situated within the local limits of Kanpur.
44.	Divisional Engineer, Telephones, Office of the District Manager, Telephones, Lucknow.	Premises under the administrative control of the District Manager, Lucknow Telephones, situated within the local limits of Lucknow.
45.	Divisional Engineer, Telephones, Office of the District Manager, Telephones, Patna.	Premises under the administrative control of the District Manager, Patna Telephones, situated within the local limits of Patna.
46.	Divisional Engineer, Telephones, Office of the District Manager, Telephones, Poona.	Premises under the administrative control of the District Manager, Poona Telephooes, situated within the local limits of Poona.
47.	Divisional Engineer, Telephones, Office of the District Manager, Telephones, Indore.	Premises under the administrative control of the District Manager, Indore Telephones, situated within the local limits of Indore.
48.	Divisional Engineer, Telephones, Office of the District Manager, Telephones, Amritsar.	Premises under the administrative control of the District Manager, Amrisaar Telephones, situated within the local limits of Amritsar.
49.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, T&D Circle, Jabalpur.	Premises under the administrative control of the General Manager, T&D Circle, Jabalpur, situated within the local limits of Jabalpur.
50.	Divisional Engineer, Telegraphs, Office of the General Manager, Telecom. Training Centre, Jabalpur.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecom. Training Centre, Jabalpur, situated within the local limits of Jabalpur and Nagpur.
51.	Assistant General Manager, Office, of the General Manager, Telecom. Factories, Calcutta.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecom. Factories, Calcutta, situated within the State of West Bengal.
52.	Manager, Telecom. Factory, Calcutta.	Premises under the administrative control of the Manager, Telecom. Factory Calcutta, situated within the local limits of Calcutta.
53.	Manager, Telecom. Factory, Bombay.	Premises under the administrative control of the Manager, Telecom, Factory, Bombay, situated within the local limits of Bombay.
54.	Manager, Telecom. Factory, Jabalpur.	Premises under the administrative control of the Manager, Telecom, Factory Jabalpur, situated within the local Limits of Jabalpur.
55.	Manager, Telecom. Factory, Bhilai.	Premises, under the administrative control of the Manager, Telecom. Factory, Bhilai, situated within the local limits of Bhilai.
56.	Assistant General Manager, Office of the General Manager, Telecom. Stores, Calcutta.	Premises under the administrative control of the General Manager, Telecom. Stores, Calcutta, situated within the local limits of Calcutta.

[No. 2-209/732 NB.]

E.N. SUBRAMANIAN, Assistant Director General (Rates)

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1977

का० आ० 1577.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 36 के अनुसरण में, कर्मचारी राज्य बीमा

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

31 मार्च, 1973 को समाप्त हुए वर्ष का

आय

गत वर्ष (1971–72)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रुपए		रुपए	रुपए
	अंशदानों के द्वारा :		
33,34,80,630	केवल नियोजकों का अंश	39,61,61,207	
17,70,05,192	केवल अंशधारियों का अंश	19,16,27,812	
51,04,85,822	कुल अंशदान		58,77 89,019
	निगम द्वारा चिकित्सा हितलाभ पर प्रारम्भिक रूप से किए गए व्यय मे राज्य सरकारों/संघ		
7,50,000	राज्यों का अंश	—	
7,00,000	सहायक अनुदान	—	
	राजस्व के अन्य शीर्ष .		
37,04 897	ब्याज तथा लाभांश	1,02,65,026	
45,07,120	क्षतिपूर्ति	28,88,071	
	किराया महसूल तथा कर :		
3,45,633	(1) निगम के कार्यालय (स्टाफ क्वार्टरो सहित)	3,51,400	
1,45,18,882	(2) हस्पताल, डिस्पेंसरियां तथा स्टाफ क्वार्टर्स	2,19,34,068	
26,350	शुल्क जुर्माना तथा अधिहरण	1,00,144	
8,22,992	विविध	9,33,139	
2,46,25,874	राजस्व के अन्य शीर्षों का योग		3,64,71,848
53,58,61,696	आगे ले जाया गया योग		62,42,60,867

निगम के वर्ष 1972-73 सम्बन्धी परीक्षित लेखा तथा उनके सम्बन्ध में लेखा-परीक्षा रिपोर्ट आम सूचना के लिए प्रकाशित की जाती—

के वर्ष 1972-73 के लेखे

आय तथा व्यय लेखा

व्यय

गत वर्ष (1971-72)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रुपए		रुपए	रुपए
	1 बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को हितलाभ		
	अ—चिकित्सा हितलाभ		
	(1) चिकित्सा उपचार तथा मातृत्व सुविधाओं आदि पर राज्य में होने वाले खर्च में निगम के अंश को		
21,80,01,913	राज्य सरकारों को अदायगी	19,19,42,360	
(−) 5,70,22,913	कम—राज्य सरकारों को वर्ष के मध्य चिकित्सा सुविधा सम्बन्धी भुगतान जो पूंजीगत निर्माण/चिकित्सा (सचित) दायित्व आरक्षित निधि को हस्तांतरित	—	
16,09,79,000		19,19,42,360	
93,37,811	(2) चिकित्सा उपचार व सुविधा व मातृत्व सुविधाएं (निगम द्वारा प्रत्यक्ष रूप से वहन किया गया व्यय)	98,70,571	
17,03,16,811	कुल अ—चिकित्सा हितलाभ		20,18,12,931
	ब—नकद लाभ		
13,69,64,114	1 बीमारी हितलाभ	9,63,81,210	
1,04,54,682	2 विस्तरित बीमारी हितलाभ	1,04,11,054	
64,54,499	3 मातृत्व हितलाभ	71,01,877	
	4 अपंगता हितलाभ		
3,02,26,619	(क) अस्थायी	2,01,83,834	
2,14,37,135	(ख) स्थायी (पूंजीगत मूल्य)	2,75,49,000	
41,98,506	5 आश्रितजन हितलाभ (पंजीकृत मूल्य)	62,05,000	
8,00,982	6 अन्त्येष्टि हितलाभ	8,55,115	
21,05,36,547	कुल ब नकद लाभ		16,86,87,090

गत वर्ष (1971-72)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रुपए		रुपए	रुपए
53 58 61 696	पीछे से लाया गया योग		62 12 60 367
53,58 61 696	आगे ले जाया गया योग		62,12 60,867

गत वर्ष (1971-72)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रुपए		रुपए	रुपए
	ख—अन्य हित लाभ		
34,538	(क) अपंग बीमाकृत व्यक्तियों के पुनर्वास पर व्यय	20,762	
3,06,670	(ख) चिकित्सा मंडल तथा अपील अधिकरण	2,70,340	
	(ग) बीमाकृत व्यक्तियों को अदायगी —		
1,24,167	(1) सवारी शुल्क तथा/या मजदूरी की हानि	1,00,600	
(−)15	(2) परिवार नियोजन के अन्तर्गत प्रासंगिक व्यय	—	
—	(घ) सहायक अनुदान	2,00,000	
2,92,698	(ङ) विविध	2,56,766	
7,58,058	कुल ख—अन्य हितलाभ		8,48,468
38,16,11,106	बीमाकृत व्यक्तियों के व उनके परिवारों के लिए कुल लाभ		37,13,48,469
	2 प्रशासन व्यय		
	अ—अधीक्षण		
42,658	1 निगम, स्थायी समिति, क्षेत्रीय मंडल आदि	58,819	
1,41,887	2 प्रधान अधिकारी	1,99,572	
24,50,940	3 अन्य अधिकारी	25,26,251	
1,10,89,674	4 लिपिक वर्गीय स्थापना	1,27,83,232	
19,25,109	5 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	21,15,707	
33,96,068	6 आकस्मिक व्यय	43,94,324	
1,90,49,336	योग—अ—अधीक्षण		2,20,77,905
	ब—क्षेत्रीय कार्य		
6,41,950	1 अधिकारी	7,11,737	
1,31,57,178	2 लिपिक वर्गीय स्थापना	1,38,01,659	
21,87,274	3 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	22,66,857	
16,82,359	4 आकस्मिक व्यय	18,01,940	
1,76,68,761	योग—ब—क्षेत्रीय कार्य		1,85,82,193

गत वर्ष (1971-72)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रुपए		रुपए	रुपए
53,58,61,696	पीछे से लाया गया योग		62,42,60,867
53,58,61,696	महायोग		62,42,60,867

नई दिल्ली;
दिनांक 31 मई, 1973

गत वर्ष (1971–72)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रुपए		रुपए	रुपए
	स—अन्य खर्चे		
2,03,825	1 विधि खर्चे	1,80,152	
—	2 बीमा न्यायालय	30,020	
31,579	3 प्रचार तथा विज्ञापन	45,289	
82,222	4 बैंकिंग लेखा रखने के व्यय	86,170	
91,184	5 लेखा परीक्षा शुल्क	1,27,224	
1,14,180	6 छुट्टी तथा पेंशन अंशदान	1,04,041	
1,73,048	7 कार्यालयों की इमारतों/स्टाफ क्वार्टरों का मूल्यह्रास	1,82,166	
4,28,078	8 कार्यालयों की इमारतों की मरम्मत व अनुरक्षण	4,28,078	
	9 अवकाश प्राप्ति हितलाभ		
97,36,419	(क) निगम के कर्मचारियों के लिए पेंशन आरक्षित निधि	21,73,774	
2,22,447	(ख) कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि में निगम का अंशदान	1,91,015	
9,11,989	(ग) क० रा० बी० निगम भविष्य निधि में दिया गया ब्याज	10,65,350	
(—) 9,76,653	(घ) घटाव—भविष्य निधि के अतिशेषों के विनियोग द्वारा प्राप्त ब्याज	(—) 12,93,449	
2,634	10 अनुकंपा आरक्षित निधि	3,500	
—	11 विविध	17,828	
8	12 हानियां	31	
1,10,20,959	योग स—अन्य खर्चे		33,74,189
4,77,39,056	कुल शीर्ष—2 प्रशासन खर्चे		4,40,34,287
	3 चिकित्सालय व औषधालय व संचित दायित्व आदि		
16,45,619	1 चिकित्सालय की इमारतों व उपकरणों का मूल्यह्रास	23,26,895	
47,09,216	2 चिकित्सालय की इमारतों/औषधालयों की मरम्मत व अनुरक्षण	66,66,299	
4,04,35,000	3 पूंजीगत निर्माण/चिकित्सा (संचित) दायित्व आदि	4,80,00,000	
4,67,89,835	कुल शीर्ष—3 चिकित्सालयों व औषधालयों का संचित दायित्व	5,69,93,194	5,69,93,194
47,61,40,297	राजस्व लेखा पर कुल व्यय		47,23,75,970
5,97,21,399	व्यय से अधिक आय का तुलनपत्र पर आगे ले जाया गया		15,18,[illegible]1,894
53,58,61,696	महायोग		62,42,60,867

हस्ताक्षरित (सी० ए० गोपालकृष्णन)
उप मुख्य लेखाधिकारी
कृते वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी
कर्मचारी राज्य बीमा निगम।

कर्मचारी राज्य

31 मार्च, 1973 को

पिछला वर्ष (1971-72)	दायित्व	राशि	योग
रुपये		रुपये	रुपये
	व्यय से अधिक आय का अतिशेष		
33,73,18,407	पिछले सुलनपत्र के अनुसार	36,51,85,534	
5,97,21,399	वर्ष के दौरान संचयन	15,18,84,897	
39,70,39,806		51,70,70,431	
	कम—पूंजीगत निर्माण/चिकित्सा (सचित) दायित्व आरक्षित निधि को हस्तांतरित राशि		
—	(क) पिछले वर्ष के संचयन से	—	
(—) 3,18,54,272	(ख) इस वर्ष के संचयन से	—	
36,51,85,534			51,70,70,431
	पूंजीगत निर्माण/चिकित्सा (सचित) दायित्व आरक्षित निधि-		
93,66,136	आदि शेष	2,46,32,495	
3,18,54,272	व्यय से अधिक आय से अतिशेष से हस्तांतरित राशि	—	
4,04,35,000	जमा—वर्ष में किया गया उपबंध (नियोजक विशेष अंशदान की बढ़ी हुई दर का 0.5 प्रतिशत)	4,80,00,000	
8,16,55,408		7,26,32,495	
(-) 5,70,22,913	कम--वर्ष में किया गया भुगतान	—	
2,16,32,495			7,26,32,495

बीमा निगम

जैसा था तुलनपत्र

पिछला वर्ष (1971-72)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रुपये		रुपये	रुपये
	भूमि तथा भवन (निगम के पूर्ण रूप से निजी)		
	(क) निगम के कार्यालयों के लिये भवन		
1,09,52,783	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,17,88,493	
8,35,710	जमा वर्ष के दौरान संकलन	12,51,154	
1,17,88,493		1,30,39,647	
	(ख) चिकित्सालय तथा औषधालय		
16,35,35,108	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	19,31,80,581	
2,96,45,473	वर्ष के दौरान संकलन	88,73,341	
19,31,80,581		20,20,53,922	
	(ग) चिकित्सालयों आदि के लिये उपकरण		
19,542	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	19,542	
—	वर्ष के दौरान संकलन	25,35,353	
49,542		25,54,895	
20,50,18,616			21,76,78,351
	भूमि व भवन (निगम तथा राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से ली गई) में निगम का भाग		
	(क) चिकित्सालय तथा औषधालय		
7,95,250	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	7,95,250	
—	वर्ष में संकलन	1,11,125	
7,95,250		9,06,375	
	(ख) चिकित्सालयों आदि के लिये उपकरण		
49,680	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	49,680	
—	वर्ष के दौरान संकलन	—	
49,680		49,680	
8,44,930			9,56,055

पिछला वर्ष (1971-72)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि		
7,35,91,297	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	7,82,44,561	
2,88,90,000	वर्ष के दौरान किया गया उपबंध	2,75,49,000	
37,75,715	विनियोग से प्राप्त ब्याज	43,21,557	
(—) 74,52,865	कम—मूल्यांकन द्वारा घोषित अतिशेष	—	
9,88,04,147		11,01,15,118	
(—) 2,05,59,586	कम—वर्ष के दौरान अदायगी	(—) 2,18,54,324	
7,82,44,561			8,82,60,794
	आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि		
3,15,73,997	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3,43,76,593	
66,69,000	वर्ष में किया गया उपबन्ध	62,05,000	
16,63,434	विनियोग से प्राप्त ब्याज	21,31,018	
(—) 24,70,494	कम-मूल्यांकन द्वारा घोषित अतिशेष	—	
3,74,35,937		4,27,12,611	
(—) 30,59,344	कम—वर्ष के दौरान अदायगी	(—) 36,50,808	
3,43,76,593			3,90,61,803
	कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि		
1,54,51,602	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,78,88,438	
	जमा—वर्ष के दौरान आंकलित राशि		
42,30,555	(1) कर्मचारी चंदा	47,87,611	
2,22,447	(2) निगम का अंशदान	1,94,015	
9,05,726	(3) ब्याज (कर्मचारी तथा निगम के अंशदान पर)	10,65,350	
2,08,10,330		2,39,35,414	
(—) 29,21,892	कम—वर्ष के दौरान की गई अदायगी	(—) 39,70,364	
1,78,88,438		1,99,65,050	
—	कम—पेंशन आरक्षित निधि में हस्तांतरित राशि	(—) 3,57,632	
1,78,88,438			1,96,07,418
	निगम के कार्यालयों की इमारतों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) का मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
8,04,520	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	10,17,748	
1,48,404	वर्ष में किया उपबन्ध	1,48,404	
64,824	विनियोग से प्राप्त ब्याज तथा लाभ	71,307	
10,17,748			12,37,459

पिछला वर्ष (1971-72)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	उधार (i) पूंजीगत व्यय के लिये दी गई अग्रिम राशि		
10,69,36,456	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	7,92,39,577	
32,441	जमा वर्ष के दौरान की गई अदायगी	9,95,339	
(—) 2,77,29,320	कम—समायोजन तथा वसूली	(—) 77,46,060	
7,92,39,577		7,24,88,856	
	(ii) पूंजीगत निर्माणाचिकित्सा (संचित) दायित्व आरक्षित निधि में से दी गई अग्रिम निधि		
89,60,921	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,22,40,201	
1,52,66,359	जमा वर्ष के दौरान किया गया भुगतान	1,08,37,669	
(—) 19,87,079	कम—समायोजना तथा वसूली	(—) 64,89,690	
2,22,40,201		2,65,88,180	
10,14,79,778			9,90,77,036
	स्टाफ कारे		
2,27,313	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,46,098	
18,785	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	32,467	
2,46,098			2,78,565
	निगम के कार्यालयों के अध्यक्षों को स्थायी अग्रिम		
30,632	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	34,772	
4,145	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	1,791	
34,777	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली	36,563	
(—) 5	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली	(—) 121	
34,772			36,442
	निगम के कर्मचारियों के स्थानांतरण के लिये अग्रिम वेतन अदायगी		
15,578	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	28,697	
1,03,354	जमा—वर्ष के दौरान की गई अदायगी	84,238	
1,18,932		1,12,935	
(—) 90,235	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली	(—) 86,890	
28,697			26,045

पिछला वर्ष (1971-72)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	चिकित्सालयों तथा परीक्षण केन्द्रों में उपकरणों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
70,689	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	75,350	
1,036	वर्ष में किया गया उपबन्ध	257	
3,625	विनियोग से प्राप्त ब्याज	5,146	
75,350			80,753
	चिकित्सालयों की इमारतो की मूल्यह्रास आर० नि० :		
73,56,514	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	98,85,940	
16,44,584	वर्ष में किया गया उपबन्ध	23,26,638	
4,84,842	विनियोग से प्राप्त ब्याज	6,54,258	
94,85,940			1,24,66,836
	स्टाफ कारों के मूल्यह्रास आरक्षित निधि :		
1,39,559	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,74,923	
24,644	वर्ष में किया गया उपबन्ध	33,762	
10,720	विनियोग से प्राप्त ब्याज	11,897	
1,74,923			2,20,582
	निगम के कार्यालयों की इमारतों (स्टाफ क्वार्टरो सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि		
17,42,716	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	21,19,643	
4,28,078	वर्ष में किया गया उपबन्ध	4,28,078	
66,584	विनियोग से प्राप्त ब्याज	89,503	
22,37,378		26,37,224	
(—) 1,17,735	कम—वर्ष में की गई अदायगी	(—) 1,86,394	
21,19,643			24,50,830
	चिकित्सालयों की इमारतों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि का लेखा .		
1,86,08,512	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,28,78,429	
47,09,216	वर्ष में किया गया उपबन्ध	66,66,299	
7,87,833	विनियोग से प्राप्त ब्याज	12,70,357	
2,41,05,561		3,08,15,085	
(—) 12,27,132	कम—वर्ष में अदायगी	(—) 7,57,068	
2,28,78,429			3,00,58,017

पिछला वर्ष (1971-72)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	निगम के कर्मचारियों के स्थानान्तरण के लिये अग्रिम यात्रा भत्ता :		
54,670	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	64,836	
1,31,140	जमा—वर्ष के दौरान की गई अदायगी	1,14,323	
1,65,810		1,79,159	
(—) 1,00,974	कम वर्ष में की गई वसूली	(—) 1,06,083	
64,836			73,076
	निगम के कर्मचारियों को वाहन क्रयण के लिये अग्रिम राशि :		
9,03,903	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	8,76,900	
4,79,937	जमा वर्ष में की गई अदायगी	5,11,993	
13,83,840		13,88,893	
(—) 5,06,940	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली	(—) 4,99,203	
8,76,900			8,89,690
	निगम के कर्मचारियों को विविध अग्रिम राशि (त्यौहार अग्रिम राशि)		
6,28,487	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	10,42,900	
11,53,486	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	7,05,202	
17,81,973		17,48,102	
(—) 7,39,073	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली	(—) 9,46,091	
10,42,900			8,02,011
	मकान निर्माण हेतु अग्रिम राशि :		
3,90,773	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	7,05,523	
3,57,237	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	10,08,134	
7,48,010		17,13,657	
(—) 42,487	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली	(—) 97,193	
7,05,523			16,16,464
	राज्य सरकारों की ओर से अग्रिम राशि अदायगी :		
3,227	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,281	
4,478	जमा—वर्ष में की गई अदायगी	2,971	
7,705		5,252	
(—) 5,424	कम—वर्ष में की गई वसूली	(—) 4,634	
2,281			618

पिछला वर्ष (1971-72)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	निगम के कर्मचारियों को पेंशन आरक्षित निधि		
2,02,14,548	पिछले वर्ष तुलनपत्र के अनुसार	3,15,07,629	
26,91,925	वर्ष में किया गया उपबन्ध	27,82,613	
12,69,916	विनियोग से प्राप्त ब्याज	21,41,874	
76,04,575	जमा—मूल्यांकन द्वारा घोषित बोनस	—	
3,17,80,964		3,64,32,116	
(—) 2,73,335	कम—वर्ष में की गई अदायगी	(—) 2,69,512	
3,15,07,629		3,61,62,604	
—	जमा—क० रा० बी० निगम भविष्य निधि से हस्तांतरित राशि	—	
3,15,07,629			3,61,62,604
	निगम के कर्मचारियों के लिये अनुकंपा आरक्षित निधि :		
10,000	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	10,000	
2,634	वर्ष में किया गया उपबन्ध	3,500	
12,634		13,500	
(—) 2,634	कम—वर्ष में किया गया भुगतान	(—) 3,500	
10,000			10,000
	जमानत जमा :		
1,99,211	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,87,769	
1,71,333	जमा—वर्ष में जमा	1,30,147	
3,70,544		4,17,916	
(—) 82,775	कम—वर्ष में जमानत जमा की प्रति अदायगी	(—) 1,13,645	
2,87,769			3,04,271
	अन्य पार्टियों को देय बिलों से कटौती :		
18,570	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	55,694	
5,02,183	जमा—वर्ष में आकलित राशि	5,11,688	
5,20,753		5,67,382	
(—) 4,65,059	कम—वर्ष में किया गया भुगतान	(—) 5,51,455	
55,694			15,927
	कर्मचारी रा० बी० नि० भविष्य निधि में अदायी जमा :		
5,784	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	6,738	
2,180	जमा—वर्ष में आकलित राशि	2,653	
7,964		9,391	
(—) 1,226	कम—वर्ष में किया गया भुगतान	(—) 549	
6,738			8,842
	विविध जमा :		
2,98,295	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	10,15,012	
(—) 98,612	कम—वर्ष में जमा राशि की प्रतिअदायगी	(—) 22,580	
1,99,683		9,92,432	
8,15,329	जमा—वर्ष में प्राप्त जमा	(—) 48,455	
10,15,012			9,43,977

पिछला वर्ष (1971-72)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	चिकित्सालयों/औषधालयों, निगम के कार्यालयों तथा स्टाफ क्वार्टरों की मरम्मत व अनुरक्षण के लिये राज्य सरकारों, राज्य लोक निर्माण विभाग आदि को अग्रिम राशि		
	(क) निगम के कार्यालय :		
5,72,745	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	6,92,608	
1,19,863	जमा वर्ष में किया गया भुगतान	94,268	
6,92,608		7,86,876	
—	कम—वर्ष में की गई वसूली/समायोजन	(–) 83,635	
6,92,608			7,03,241
	(ख) चिकित्सा/औषधालय/अनेक्सियां :		
36,86,069	पिछले तुलन पत्र के अनुसार	34,10,837	
17,58,649	जमा वर्ष में की गई अवायगी	34,18,649	
54,44,718		68,29,486	
(–) 20,33,881	कम—वर्ष में हुई प्राप्ति	(–) 6,82,530	
34,10,837			61,46,956
	विविध अग्रिम		
10,04,134	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	11,14,279	
2,88,015	जमा—वर्ष में किया गया भुगतान	2,71,982	
12,92,149		13,86,261	
(–) 1,77,870	कम—वर्ष में की गई प्राप्ति	(–) 1,69,850	
11,14,279			12,16,411
	राज्य सरकारों को ऋण		
98,33,333	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,55,00,000	
60,00,000	जमा—वर्ष में किया गया भुगतान	60,00,000	
1,58,33,333		2,15,00,000	
(–) 3,33,333	कम—राज्य सरकारों द्वारा ऋण की वापिसी	(–) 3,33,333	
1,55,00,000			2,11,66,667
	प्रेषितधन		
	नकद प्रेषित धन		
9,20,855	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2 33,400	
10,86,50,216	जमा—वर्ष में समायोजित विकलन	1,14,66,16,916	
1,08,74,22,981		1,14,68,50,316	
(–) 1,08,71,89 581	कम—वर्ष में समायोजित आकलन	(–) 1,14,75,61,257	
2,33,400			(–) 7,10 941

पिछला वर्ष	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०

पिछला वर्ष (1971-72)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	अन्य प्रेषितधन—विनिमय लेखा		
(—) 240	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	8,313	
2,92,96,464	जमा—वर्ष में निकलन	2,24,92,307	
2,92,96,224		2,25,00,620	
(—) 2,92,87,911	कम—वर्ष में आकलन	(—) 2,25,02,916	
8,313			(—) 2,296
	विनियोग लागत पर		
	(1) स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता हितलाभ आर० निधि		
6,90,97,766	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	7,82,36,929	
4,04,97,000	जमा—वर्ष मे किया गया विनियोग	1,04,21,000	
10,95,94,766		8,86,57,929	
(—) 3,13,57,837	कम—विनियोग की बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 4,00,000	
7,82,36,929			8,82,57,929
	(2) आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि		
3,15,72,371	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3,43,77,507	
1,72,54,800	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	1,19,14,000	
4,88,27,171		4,62,69,507	
(—) 1,44,51,664	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 73,29,000	
3,43,75,507			3,89,60,507
	(3) कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि		
1,54,29,750	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,78,86,688	
90,35,400	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	29,07,700	
2,44,65,150		2,07,94,588	
(—) 65,78,262	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 13,07,800	
1,78,86,888			1,94,86,788
	(4) निगम के कार्यालयों को इमारतों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
8,03,915	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	10,16,509	
7,92,594	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	2,20,000	
15,96,509		12,36,509	
(—) 5,80,000	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	—	
10,16,509			12,36,509

पिछला वर्ष (1971-72)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०

पिछला वर्ष (1971-72)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	(5) चिकित्सालय तथा परीक्षा केंद्रों में उपकरणों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
63,100	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	75,125	
34,025	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	34,000	
97,125		1,09,125	
(-) 22,000	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(-) 29,000	
75,125			80,125
	(6) चिकित्सालयों की इमारतों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
73,36,942	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	94,75,115	
62,07,300	जमा—वर्ष मे किया गया विनियोग	36,29,000	
1,35,44,242		1,31,04,115	
(-) 40,69,127	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(-) 6,38,000	
94,75,115			1,24,66,115
	(7) स्टाफ कारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
1,38,717	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,73,735	
65,080	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	55,000	
2,03,797		2,28,735	
(-) 30,062	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(-) 9,000	
1,73,735			2,19,735
	(8) निगम के कार्यालयों की इमारतों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि		
11,67,966	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	14,18,994	
9,79,400	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	3,32,000	
21,47,366		17,50,994	
(-) 7,28,372	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	—	
14,18,994			17,50,994
	(9) चिकित्सालयों की इमारतों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि		
1,48,85,952	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,94,60,250	
1,88,21,600	जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	56,35,800	
3,37,07,552		2,50,96,050	
(-) 1,42,47,302	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(-) 11,92,000	
1,94,60,250			2,39,04,050

पिछला वर्ष (1971-72)	दायित्व	राशि	योग	पिछला वर्ष (1971-72)
रु०		रु०	रु.	रु०
				2,01,95,910
				2,49,09,700
				4,51,05,610
				(—) 1,36,09,229
				3,14,96,381
				—
				28,90,07,800
				28,90,07,800
				(—) 26,64,00,000
				2,26,07,800
				13,64,606
				4,00,69,889
				4,14,34,495
				6,40,42,295
58,89,62,496	कुल महा योग		82,05,93,029	58,89,62,496

नई दिल्ली;
दिनांक 31 मई, 1973

लेखापरीक्षा

मैंने कर्मचारी राज्य बीमा निगम के पूर्ववर्ती लेखाओं तथा तुलनपत्र की जांच की है तथा मुझे जिस-जिस सूचना एवम स्पष्टीकरण की आवश्यकता थी मेरी अधिकतम सूचना तथा दिये गये स्पष्टीकरण के अनुसार और जैसा कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम की पुस्तकों में दिखाया गया है, ये लेखा नई दिल्ली :

दिनांक 6-1-1976

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के लेखा

कर्मचारी राज्य बीमा निगम, नई दिल्ली की वर्ष 1972-73 लेखों की समेकित लेखापरीक्षा रिपोर्ट जोकि श्रम और रोजगार मंत्रालय, नई दिल्ली साथ प्राप्त हुई ।

1. सामान्य :

(क) कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थापना अक्तूबर सन् 1948 में कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत हुई थी। यह अधि-

परिसम्पत्ति	राशि	योग
	रु०	रु०
(10) निगम के कर्मचारियों की पेंशन आरक्षित निधि :		
पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3,14,96,381	
जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	51,30,200	
	3,66,26,581	
कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 4,70,000	
		3,61,56,581
सामान्य रोकड़ शेष :		
पिछले तुलनपत्र के अनुसार विनियोग	2,26,07,800	
जमा—वर्ष में किया गया विनियोग	49,71,88,200	
	51,97,96,000	
कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 30,25,00,000	
	21,72,96,000	
हाथ रोकड़	12,18,928	
बैंक के पास रोकड़	2,96,04,374	
	3,08,23,302	
कुल रोकड़ प्रतिशेष		24,81,19,302
कुल महायोग		82,05,93,029

(सी० ए० गोपालाकृष्णन उप मुख्य लेखा अधिकारी
कृते वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी

प्रमाण पत्र

प्राप्त की और संलग्न लेखापरीक्षा रिपोर्ट में दिये गये विचारों के पालन की शर्त पर मैं प्रमाणित करता हूं कि मेरे लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप मेरी राय में तथा तुलन पत्र सही प्रकार से बनाये गये हैं और यह कर्मचारी राज्य बीमा निगम की परिस्थिति के सच्चे एवं स्पष्ट उद्देश्य को दर्शाते हैं।

हस्ताक्षरित

एस०पी० गुगनानी, महा लेखाकार केन्द्रीय राजस्व

की वर्ष 1972-73 की लेखा परिक्षा रिपोर्ट

के माध्यम से दिनांक 15-1-1976 को प्रधान लेखाकार केन्द्रीय राजस्व के गोपनीय पत्र सं० ओ ए आई/13-क रा बी नि/लि रि/73-74/1574 दि० 8-1-1976 के नियम जोकि कर्मचारी राज्य बीमा (संशोधित) अधिनियम, 1951 तथा 1966 द्वारा संशोधित किया गया था, उन सभी कारखानों पर, मौसमी कारखानों

को छोड़कर, लागू होता है, जिसमें 20 या अधिक व्यक्ति वेतन पर काम करते हैं या करते थे और जिनमें विद्युत शक्ति का प्रयोग होता है। इस अधिनियम का विस्तार अन्य संस्थापनाओं पर या संस्थापनाओं के वर्गों पर भी किया जा सकता है चाहे वे औद्योगिक, व्यापारिक कृषीय या कोई अन्य हों।

(ख) वर्ष 1972-73 के अंतर्गत अधिनियम के उपबन्धों का विस्तार, 1612 कारखानों में कार्य करने वाले 1.65 लाख कर्मचारियों पर किया गया था। 31 मार्च, 1973 तक कारखानों की संख्या जिन पर अधिनियम का विस्तार हो चुका है 25108 थी (23495 कार्यान्वयन क्षेत्रों में और 1613 अकार्यान्वयन क्षेत्रों में)। इनमें 47.56 लाख कर्मचारी (41.50 लाख कार्यान्वयन क्षेत्रों के कर्मचारियों सहित) कार्य करते है।

(ग) निगम के वर्ष 1971-72 तथा 1972-73 के आय व व्यय का विश्लेषण नीचे दिया गया है :—

आय			व्यय	
(लाख रुपयों में)			(लाख रुपयों में)	
1971-72	1972-73		1971-72	1972-73
नियोजक विशेष अंशदान 3335	3962	चिकित्सा हितलाभ :		
		(क) चिकित्सा उपचार आदि पर किये गए खर्च के लिए निगम के अंश का राज्य सरकारों को अदायगी।	1610	1919
कर्मचारी अंशदान 1770	1916	(ख) चिकित्सा उपचार व देख-रेख पर	93	99
विनियोजन से प्राप्त				
ब्याज तथा लाभांश 37	103	निगम द्वारा प्रत्यक्ष रूप से किया गया व्यय		
चिकित्सा लाभ पर निगम द्वारा प्रारंभिक रूप से किये गय व्यय मे राज्य सरकार का अंश 8	—	निगम द्वारा प्रत्यक्ष रूप से बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके आश्रितजनों को दिये गये नकद व अन्य लाभ।	2113	1695
		प्रशासन व्यय :		
		अधीक्षण	191	221
		क्षेत्रीय कार्य	177	186
		अन्य खर्चे	110	34
		चिकित्सालय व औषधालय	168	570
		आय का अतिशेष	597	1519
विविध (किराया, महसूल तथा कर को मिलाकर) 209	262			
योग 5359	6243		5359	6243

2. अंशदान का बकाया :

मार्च, 1974 में कर्मचारियों और नियोजकों से 30-9-1972 तक के बकाया अंशदान निम्न प्रकार थे। (मार्च, 1974 मे बकाया अंशदान जो 30-9-71 तक देय थे की स्थिति तालिका में दिखाई गई है)।

	30-9-71 तक बकाया	30-9-72 तक बकाया
	(लाख रुपयों में)	
नियोजक विशेष अंशदान	617.60	964.53
कर्मचारी अंशदान	198 38	318.01

अंशदान का भुगतान न करने वाले 21325 कारखानों में से (जून, 1973) 186 कारखाने प्रत्येक 0.50 लाख रुपये से अधिक के देनदार थे। देनदार नियोजको से 28.36 लाख रुपये की राशि (मार्च, 1974) भुगतान के लिए निष्पादित करनी शेष रह गई थी। जिसका वार्षिक ब्यौरा निम्न प्रकार है :—

	(लाख रुपयो मे)
1964-65 तक	5.19
1965-66 तक	0.85
1966-67 तक	3.20
1967-68 तक	3.56
1968-69 तक	9.22
1969-70 तक	3.78
1970-71 तक	1.30
1971-72 तक	1.26
योग	28.36

3. अग्रिम :

(i) 31 मार्च, 1973 तक राज्य सरकारों तथा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को चिकित्सालय, औषधालय तथा अन्य भवनों के बनाने के लिये दी गई अग्रिम राशि में से 31 मार्च, 1973 को 840.12 लाख रुपए की राशि समायोजन के लिए शेष थी जिसका वार्षिक ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

अग्रिम देने का वर्ष	31-3-74 को समायोजन के लिए शेष राशि
1960-61 से 1964-65 तक	167.38
1965-66	44.57
1966-67	82.56
1967-68	131.29
1968-69	125.23
1969-70	50.26
1970-71	57.63
1971-72	94.42
1972-73	86.78
योग	840.12

(ii) सरकारी विभागों, अर्ध-सरकारी संस्थाओं तथा प्राइवेट पार्टियों आदि को लेखन-सामग्री की पूर्ति, वर्दी, विधि खर्चे, भवन किराये पर लेने के लिए किराया आदि के लिए दी गई अग्रिम राशि में से अक्तूबर, 1974 में 12.02 लाख रुपये समायोजन के लिए बाकी थी जिसका वार्षिक विवरण निम्न प्रकार है :—

अग्रिम देने का वर्ष	समायोजन के लिए शेष राशि (लाख रुपयों में)
1963-64	0.23
1964-65	0.23
1965-66	0.86
1966-67	0.27
1967-68	0.84
1968-69	2.81
1969-70	1.29
1970-71	2.42
1971-72	1.26
1972-73	1.81
योग	12.02

4. "खाते पर" भुगतान का समायोजन :

बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को चिकित्सा हितलाभ के व्यय पर निगम के अंश की राज्य सरकारों को "खाते पर" किये गये भुगतान की राशि अभी वर्ष 1969-70 से 1972-73 तक की 3548.06 लाख रुपये की राशि का समायोजन शेष रहता है (जनवरी, 1975) जिसका विवरण नीचे दिया गया है :—

सम्बन्धित वर्ष की राशि	बकाया राशि (लाख रुपयों में)
1969-70	112.85
1970-71	869.61
1971-72	1052.51
1972-73	1513.09
योग	3548.06

5. वार्षिक लेखा .

विविध जमा (9,43,977 रुपये)

बैंक द्वारा गलती से की गई जमा तथा अवर्गीकृत प्राप्ति ("विविध जमा") शीर्ष के अन्तर्गत समायोजित की जाती है। 31 मार्च, 1973 को इस शीर्ष के अंतर्गत अतिशेष 9.44 लाख रुपये था जबकि 31 मार्च, 1972 को यह 10.15 लाख रुपये था।

नई दिल्ली;

दिनांक 6 जनवरी, 1976

ह०

एस०पी० गुप्तानी, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

[सं० जी-25012/3/76-एच०आई०]

टिप्पणी.—हिन्दी अनुवाद में किसी प्रकार की भिन्नता होने पर अंग्रेजी विवरण को शुद्ध माना जाये।

New Delhi, the 28th

S.O. 1577.—In pursuance of section 36 of the Employees' of the Employees' State Insurance Corporation, together with ed for general information.

ACCOUNTS OF THE EMPLOYEES, STATE INSURANCE

Income and Expenditure Account for

INCOME

Previous Year (1971-72)	Liabilities	*Amount*	*Total*
Rs.		Rs.	Rs.
	By Contributions		
33,34,80,630	Employers' Share only	39,61,61,207	
17,70,05,192	Employees' Share only	19,16,27,812	
51,04,85,822	*Total Contributions*		58,77,89,019
	State Governments/Union Territories share towards medical benefits initially		
7,50,000	incurred by the Corporatior		
	Other Heads of Revenue		
7,00,000	Grants-in-aid	—	
37,04,897	Interest & Dividends	1,02,65,026	
45,07,120	Compensations	28,88,071	
	Rents, Rates and Taxes		
	(i) Offices of the Corporation		
3,45,633	(including staff quarters)	3,51,400	
	(ii) Hospitals, Dispensaries &		
1,45,18,882	Staff quarters	2,19,34,068	
26,350	Fees, Fines & Forefeitures	1,00,144	
8,22,992	Miscellaneous.	9,33,139	
	Total of Other Heads of		
2,46,25,874	Revenue.		3,64,71,848
53,58,61,696	Total Carried Over.		62,42,60,867

April, 1977

State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the audited accounts audit report thereon, for the year 1972-73, are hereby publish-

CORPORATION FOR THE YEAR 1972-73

the Year Ended 31 March 1973

EXPENDITURE

Previous Year (1971-72)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	1. Benefits to Insured Persons & their families.		
	A—Medical Benefits.		
21,80,01,913	(i) Payments to State Govts. etc. as Corporations' Share of their expenses on providing medical treatment and maternity facilities etc.	19,19,42,360	
(—)5,70,22,913	Deduct:—Payments to State Govts. towards medical care during the year transferred to the Capital Construction/Medical (Accumulated) Liabilities. Reserve Fund	—	
16,09,79,000		19,19,42,360	
93,37,811	(ii) Medical treatment & care & maternity facilities (expenses incurred direct by the Corporation.)	98,70,571	
17,03,16,811	Total A—Medical Benefits		20,18,12,931
	B—Cash Benefits		
13,69,64,114	1. Sickness Benefit	9,63,81,210	
1,04,54,682	2. Extended Sickness Benefit.	1,04,11,054	
64,54,499	3. Maternity Benefit	71,01,877	
	4. Disablement Benefit		
3,02,26,619	(a) Temporary	2,01,83,834	
2,14,37,135	(b) Permanent (Capitalised Value)	2,75,49,000	
41,98,506	5. Dependants' Benefit (Capitalised Value)	62,05,000	
8,00,982	6. Funeral Benefit	8,55,115	
21,05,36,537	Total B—Cash Benefits.		16,86,87,090
	C—Other Benefits.		
34,538	(a) Expenditure on the Rehabilitation of Disabled Insured Persons.	20,762	
3,06,670	(b) Medical Boards and Appeal Tribunals.	2,70,340	
	(c) Payments to Insured Person :—		
1,24,167	(1) Conveyance charges and/or loss of wages	1,00,600	
(—)15	(2) Incidental charges under family planning	—	
—	(d) Grants-in-aid.	2,00,000	
2,92,698	(e) Miscellaneous	2,56,766	
7,58,058	Total C—Other Benefits.		8,48,468
38,16,11,406	Total Benefits to insured Persons and their families		37,13,48,489
38,16,11,406	Total Carried Over		37,13,48,489

Previous Year (1971-72)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
53,58,61,696	Total Brought Forward		62,42,60,867
53,58,61,696	Total Carried Over		62,42,60,867

New Delhi
Dated 31st May, 1973

Previous Year (1971-72)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
38,16,11,406	Total Brought Forward		37,13,48,489
	2. Administration Expenses		
	A—Superintendence		
42,658	1. Corporation, Standing Committee, Regional Boards etc.	58,819	
1,44,887	2 Principal Officers	1,99,572	
24,50,940	3. Other Officers	25,26,251	
1,10,89,674	4. Ministerial Establishment	1,27,83,232	
19,25,109	5. Class V Servants	21,15,707	
33,96,068	6. Contingencies	43,94,324	
1,90,49,336	Total A—Superintendence		2,20,77,905
	B—Field Work.		
6,41,950	1. Officers	7,11,737	
1,31,57,178	2. Ministerial Establishment	1,38,01,659	
21,87,274	3. Class IV Servants	22,66,857	
16,82,359	4. Contingencies	18,01,940	
1,76,68,761	Total B—Field Work		1,85,82,193
	C—Other Charges		
2,03,825	1. Legal Charges	1,80,152	
—	2. Insurance Courts	30,020	
31,579	3. Publicity & Advertisement Charges	45,289	
82,222	4. Charges for maintaining Banking Accounts	86,170	
91,184	5. Audit Fees	1,27,224	
1,14,180	6. Leave & Pension Contributions	1,04,041	
1,73,048	7. Depreciation of Office Buildings/Staff Cars	1,82,166	
4,28,078	8. Repairs and Maintenance of Office Buildings	4,28,078	
	9. Retirement Benefits		
97,36,419	(a) Pension Reserve Fund for the Employees of the Corporation.	21,73,774	
2,22,447	(b) Corporations' Contribution towards Employees' State Insurance Corporation Provident Fund	1,94,015	
9,11,988	(c) Interest paid to ESIC Provident Fund.	10,65,350	
(—)9,76,653	(d) LESS Interest realised on investments of Provident Fund Balances	(—)12,93,449	
2,634	10. Compassionate Reserve Fund	3,500	
—	11. Miscellaneous	47,828	
8	12. Losses	31	
1,10,20,959	Total C—Other Charges		33,74,189
4,77,39,056	Total Head 2—Administration Expenses.		4,40,34,287
	3. Hospitals and Dispensaries & Accumulated Liabilities		
16,45,619	1. Depreciation of Hospital Buildings and Equipments	23,26,895	
47,09,216	2. Repairs & Maintenance of Hospital Buildings/Dispensaries	66,66,299	
4,04,35,000	3. Capital Construction/Medical (Accumulated) Liabilities etc.	4,80,00,000	
4,67,89,835	Total Head 3—Hospitals & Dispensaries & Accumulated Liabilities		5,69,93,194
47,61,40,297	Total Expenditure on Revenue Account.		47,23,75,970
5,97,21,399	To excess of Income over Expenditure carried over to Balance Sheet		15,18,84,897
53,58,61,696	GRAND TOTAL		62,42,60,867

C. A. GOPALAKRISHNAN
Deputy, Chief Accounts Officer
Employees' State Insurance Corporation.

EMPLOYEES STATE
Balance Sheet as

Previous Year (1971-72)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	Balance of Excess of Income over Expenditure		
33,73,18,407	As per last Balance Sheet	36,51,85,534	
5,97,21,399	Accumulations during the year	15,18,84,897	
39,70,39,806		51,70,70,431	
	LESS Amount transferred to Capital Construction/Medical (Accumulated) Liabilities Reserve Fund.		
—	(a) From last year's accumulations	—	
(—)3,18,54,272	(b) From this year's accumulations	—	
36,51,85,534			51,70,70,431
	Capital Construction/Medical (Accumulated) Liabilities Reserve Fund.		
93,66,136	Opening Balance.	2,46,32,495	
3,18,54,272	Amount transferred from Balance of Excess of Income over Expenditure	—	
4,04,35,000	ADD Provision made during the year (0.5% of enhanced rate of E S.C.)	4,80,00,000	
8,16,55,408		7,26,32,495	
(—)5,70,22,913	LESS Payments made during the year	—	
2,46,32,495			7,26,32,475
	Permanent (Partial and Total) Disablement Benefit Reserve Fund		
7,35,91,297	As per last Balance Sheet	7,82,44,561	
2,88,90,000	Provision made during the year	2,75,49,000	
37,75,715	Interest received from investments	43,21,557	
(—)74,52,865	LESS surplus declared by Valuer	—	
9,88,04,147		11,01,15,118	
(—)2,05,59,586	LESS Payments made during the year	(—)2,18,54,334	
7,82,44,561			8,82,60,784
	Dependants' Benefit Reserve Fund		
3,15,73,997	As per last Balance Sheet.	3,43,76,593	
66,69,000	Provision made during the year	62,05,000	
16,63,434	Interest received from investments	21,31,018	
(—)24,70,494	LESS surplus declared by Valuer	—	
3,74,35,937	Total Carried Over of this Head	4,27,12,611	
46,80,62,590	Total Carried Over		67,79,63,710

INSURANCE CORPORATION

on 31 March 1973

Previous Year (1971-72)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	Lands and Buildings (wholly owned by the Corporation)		
	(a) Buildings for Offices of the Corporation		
1,09,52,783	As per last Balance Sheet	1,17,88,493	
8,35,710	Additions during the year	12,51,154	
1,17,88,493		1,30,39,647	
	(b) Hospitals and Dispensaries		
16,35,35,108	As per last Balance Sheet	19,31,80,581	
2,96,45,473	Additions during the year	88,73,241	
19,31,80,581		20,20,53,822	
	(c) Equipments for Hospitals etc.		
49,542	As per last Balance Sheet	49,542	
—	Additions during the year	25,35,343	
49,542		25,84,885	
20,50,18,616			21,76,78,354
	Lands and Buildings (Jointly owned by the Corporation and State Governments) —Corporations' Share		
	(a) Hospitals and Dispensaries		
7,95,250	As per last Balance Sheet	7,95,250	
—	Additions during the year	1,11,125	
7,96,250		9,06,375	
	(b) Equipments for Hospitals etc.		
49,680	As per Balance Sheet	49,680	
—	Additions during the year	—	
49,680		49,680	
8,44,930			9,56,055
	Suspense (i) Amount Advanced for Capital Expenditure		
10,69,36,456	As per last Balance Sheet	7,92,39,577	
32,441	ADD : Payments made during the year	9,95,339	
(—)2,77,29,320	LESS : Adjustments & Recoveries	(—)77,46,060	
7,92,39,577	Total Carried Over of this Sub-Head	7,24,88,856	
20,58,63,546	Total Carried Over		21,86,34,409

Previous Year (1971-72)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
46,80,62,590	Total Brought Forward		67,79,63,710
3,74,35,937	Total Brought Forward of this Head	4,27,12,611	
(—)30,59,344	LESS : Payments made during the year	(—)36,50,808	
3,43,76,593			3,90,61,803
	Employees' State Insurance Corporation Provident Fund		
1,54,51,602	As per last Balance Sheet	1,78,88,438	
	ADD : Amount credited during the year		
42,30,555	(i) Employees' Subscription	47,87,611	
2,22,447	(ii) Corporation's Contribution	1,94,015	
9,05,726	(iii) Interest on (Employees' and Corporation's Share)	10,65,350	
2,08,10,330		2,39,35,414	
(—)29,21,892	LESS : Payments made during the year	(—)39,70,364	
1,78,88,438		1,99,65,050	
—	LESS : Amount transferred to Pension Reserve Fund	(—)3,57,632	
1,78,88,438			1,96,07,418
	Depreciation Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including staff quarters)		
8,04,520	As per last Balance Sheet	10,17,748	
1,48,404	Provision made during the year	1,48,404	
64,824	Interest and gain received from investments	71,307	
10,17,748			12,37,459
	Depreciation Reserve Fund of Equipments in Hospitals and Examinations Centres		
70,689	As per last Balance Sheet	75,350	
1,036	Provision made during the year	257	
3,625	Interest received from investments	5,146	
75,350			80,753
	Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings		
73,56,514	As per last Balance Sheet	94,85,940	
16,44,584	Provision made during the year	23,26,638	
4,84,842	Interest received from investments	6,54,258	
94,85,940			1,24,66,836
	Depreciation Reserve Fund of Staff Cars		
1,39,559	As per last Balance Sheet	1,74,923	
24,644	Provision made during the year	33,762	
10,720	Interest received from investments	11,897	
1,74,923			2,20,582
	Repairs & Maintenance Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including Staff Quarters)		
17,42,716	As per last Balance Sheet	21,19,643	
4,28,078	Provision made during the year	4,28,078	
66,584	Interest received from investments	89,503	
22,37,378		26,37,224	
(—)1,17,735	LESS Payments made during the year	(—)1,86,394	
21,19,643			24,50,830
	Repairs & Maintenance Reserve Fund Account of Hospital Buildings		
1,86,08,512	As per last Balance Sheet	2,28,78,429	
47,09,216	Provision made during the year	66,66,299	
7,87,833	Interest received from investments	12,70,357	
2,41,05,561		3,08,15,085	
(—)12,27,132	LESS Payments made during the year	(—)7,57,068	
2,28,78,429			3,00,58,017
55,60,79,654	Total Carried Over		78,31,47,408

Previous Year (1971-72)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
20,58,63,546	Total Brought Forward		21,86,34,409
7,92,39,577	Total Brought Forward of the Sub-Head	7,24,88,856	
	(ii) Amount advanced from Capital construction/Medical (Accumulated) Liabilities Reserve Fund.		
89,60,921	As per last Balance Sheet	2,22,40,201	
1,52,66,359	ADD : Payments made during the year	1,08,37,669	
(—)19,87,079	LESS : Adjustments & Recoveries	(—)64,89,690	
2,22,40,201		2,65,88,180	
10,14,79,778			9,90,77,036
	Staff Cars :		
2,27,313	As per last Balance Sheet	2,46,098	
18,785	ADD : Payments made during the year	32,467	
2,46,098			2,78,565
	Permanent Advance to the Heads of Offices of the Corporation		
30,632	As per last Balance Sheet	34,772	
4,145	ADD : Payments made during the year	1,791	
34,777		36,563	
(—)5	LESS : Recoveries made during the year	(—)121	
34,772			36,442
	Advance of Pay on transfer to the Employees of the Corporation		
15,578	As per last Balance Sheet	28,697	
1,03,354	AAD : Payments made during the year	84,238	
1,18,932		1,12,935	
(—)90,235	LESS : Recoveries made during the year	(—)86,890	
28,697			26,045
	Advance of T.A. on transfer to the Employees of the Corporation		
34,670	As per last Balance Sheet	64,836	
1,31,140	ADD : Payments made during the year	1,14,323	
1,65,810		1,79,159	
(—)1,00,974	LESS : Recoveries made during the year	(—)1,06,083	
64,836			73,076
	Advance for purchase of Conveyance to the Employees' of the Corporation		
9,03,903	As per last Balance Sheet	8,76,900	
4,79,937	ADD Payments made during the year	5,11,993	
13,83,840		13,88,893	
(—)5,06,940	LESS Recoveries made during the year	(—)4,99,203	
8,76,900			8,89,690
	Miscellaneous Advances to the Employees of the Corporation (Festival Advances)		
6,28,487	As per last Balance Sheet	10,42,900	
11,53,486	ADD Payments made during the year	7,05,202	
17,81,973		17,48,102	
(—)7,39,073	LESS Recoveries made during the year	(—)9,46,091	
10,42,900			8,02,011
	House Building Advance		
3,90,773	As per last Balance Sheet	7,05,523	
3,57,237	ADD Payments made during the year	10,08,134	
7,48,010		17,13,657	
(—)42,487	LESS Recoveries made during the year	(—)97,193	
7,05,523			16,16,464
	Advance Payments on behalf of State Governments		
3,227	As per last Balance Sheet	2,281	
4,478	ADD Payments made during the year	2,971	
7,705		5,252	
(—)5,424	LESS Recoveries made during the year	(—)4,634	
2,281			618
	Amount Advanced to State Govts./State P.W.D. etc. towards Repairs and Maintenance of Hospitals/Dispensaries, Offices of the Corporation & Staff Quarters.		
	(a) Offices of the Corporation		
5,72,745	As per last Balance Sheet	6,92,608	
1,19,863	ADD Payments made during the year	94,268	
6,92,608		7,86,876	
—	LESS Recoveries/Adjustments during the year	(—)83,635	
6,92,608			7,03,241
31,10,37,939	Total Carried Over		32,21,37,597

Previous Year (1971-72)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
55,60,79,654	Total Brought Forward		78,31,47,408
	Pension Reserve Fund for the Employees of the Corporation		
2,02,14,548	As per last Balance Sheet	3,15,07,629	
26,91,925	Provision made during the year	27,82,613	
12,69,916	Interest received from investments	21,41,874	
76,04,575	ADD Deficit declared by Valuer	—	
3,17,80,964		3,64,32,116	
(—)2,73,335	LESS Payments made during the year	(—)2,69,512	
3,15,07,629		3,61,62,604	
—	ADD Amount transferred from ESIC Provident Fund	—	
3,15,07,629			3,61,62,604
	Compassionate Reserve Fund for the Employees of the Corporation		
10,000	As per last Balance Sheet	10,000	
2,634	Provision made during the year	3,500	
12,634		13,500	
(—)2,634	LESS Payments made during the year	(—)3,500	
10,000			10,000
	Deposits of Securities		
1,99,211	As per last Balance Sheet	2,87,769	
1,71,333	ADD Deposits during the year	1,30,147	
3,70,544		4,17,916	
(—)82,775	LESS Deposits repaid during the year	(—)1,13,645	
2,87,769			3,04,271
	Deduction from Bills Payable to other Parties		
18,570	As per last Balance Sheet	55,694	
5,02,183	ADD Amount credited during the year	5,11,688	
5,20,753		5,67,382	
(—)4,65,059	LESS Payments made during the year	(—)5,51,455	
55,694			15,927
	Unclaimed Deposits in the ESIC Provident Fund		
5,784	As per last Balance Sheet	6,738	
2,180	ADD Amount credited during the year	2,653	
7,964		9,391	
(—)1,226	LESS Payment made during the year	(—)549	
6,738			8,842
58,79,47,484	Total Carried Over		81,96,49,052

Previous Year (1971-72)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
31,10,37,939	Total Brought Forward		32,21,37,597
	(b) Hospitals/Dispensaries/Annexies		
36,86,069	As per last Balance Sheet	34,10,837	
17,58,649	ADD Payments made during the year	34,18,649	
54,44,718		68,29,486	
(—)20,33,881	LESS Receipts during the year	(—)6,82,530	
34,10,837			61,46,956
	Miscellaneous Advances		
10,04,134	As per last Balance Sheet	11,14,279	
2,88,015	ADD Payments made during the year	2,71,982	
12,92,149		13,86,261	
(—)1,77,870	LESS Receipts during the year	(—)1,69,850	
11,14,279			12,16,411
	Loans to State Governments		
98,33,333	As per last Balance Sheet	1,55,00,000	
60,00,000	ADD Payments made during the year	60,00,000	
1,58,33,333		2,15,00,000	
(—)3,33,333	LESS Amount refunded by State Governments	(—)3,33,333	
1,55,00,000			2,11,66,667
	Remittances		
	Cash Remittances		
9,20,855	As per last Balance Sheet	2,33,400	
1,08,65,02,126	ADD Debits adjusted during the year	1,14,66,16,916	
1,08,74,22,981		1,14,68,50,316	
(—)1,08,71,89,581	LESS Credits adjusted during the year	(—)1,14,75,61,257	
2,33,400			(—)7,10,941
	Other Remittances-Exchange Account		
(—)240	As per last Balance Sheet	8,313	
2,92,96,464	ADD Debits during the year	2,24,92,307	
2,92,96,224		2,25,00,620	
(—)2,92,87,911	LESS Credits during the year	(—)2,25,02,916	
8,313			(—)2,296
33,13,04,768	Total Carried Over		34,99,54,394

Previous Year (1971-72)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
58,79,47,484	Total Brought Forward.		81,96,49,052
	Miscellaneous Deposits		
2,98,295	As per last Balance Sheet.	10,15,012	
(—)98,612	LESS Deposits repaid during the year	(—)22,580	
1,99,683		9,92,432	
8,15,329	ADD Deposits Received during the year	(—)48,455	
10,15,012			9,43,977
58,89,62,496	Total Carried Over.		82,05,93,029

Previous Year (1971-72)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
33,13,04,768	Total Brought Forward.		34,99,54,394
	Investment at Cost.		
	(1) Permanent (Partial & Total) Disablement Benefit Reserve Fund.		
6,90,97,766	As per last Balance Sheet.	7,82,36,929	
4,04,97,000	ADD Investments made during the year.	1,04,21,000	
10,95,94,766		8,86,57,929	
(—)3,13,57,837	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—)4,00,000	
7,82,36,929			8,82,57,929
	(2) Dependants' Benefit Reserve Fund.		
3,15,72,371	As per last Balance Sheet	3,43,75,507	
1,72,54,800	ADD Investments made during the year.	1,19,14,000	
4,88,27,171		4,62,89,507	
(—)1,44,51,664	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—)73,29,000	
3,43,75,507			3,89,60,507
	(3) Employees' State Insurance Corporation Provident Fund.		
1,54,29,750	As per last Balance Sheet.	1,78,86,888	
90,35,400	ADD Investments made during the year	29,07,700	
2,44,65,150		2,07,94,588	
(—)65,78,262	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—)13,07,800	
1,78,86,888			1,94,86,788
	(4) Depreciation Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including Staff Quarters)		
8,03,915	As per last Balance Sheet.	10,16,509	
7,92,594	ADD Investments made during the year.	2,20,000	
15,96,509		12,36,509	
(—)5,80,000	LESS Realisation of Maturity on Sale of Investments.	—	
10,16,509			12,36,509
	(5) Depreciation Reserve Fund of Equipments in Hospitals & Examination Centres.		
63,100	As per last Balance Sheet.	75,125	
34,025	ADD Investments made during the year.	34,000	
97,125		1,09,125	
(—)22,000	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—)29,000	
75,125			80,125
46,28,95,726	Total Carried Over.		49,79,76,252

Previous Year (1971-72)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
58,89,62,496	Total Brought Forward.		82,05,93,029
58,89,62,496	GRAND TOTAL		82,05,93,029

New Delhi
Dated 31st May, 1973

Previous Year (1971-72)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
46,28,95,726	Total Brought Forward		49,79,76,252
	(6) Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings.		
73,36,942	As per last Balance Sheet.	94,75,115	
62,07,300	ADD Investments made during the year.	36,29,000	
1,35,44,242		1,31,04,115	
(—)40,69,127	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—)6,38,000	
94,75,115			1,24,66,115
	(7) Depreciation Reserve Fund of Staff Cars.		
1,38,717	As per last Balance Sheet.	1,73,735	
65,080	ADD Investments made during the year.	55,000	
2,03,797		2,28,735	
(—)30,062	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—)9,000	
1,73,735			2,19,735
	(8) Repairs & Maintenance Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including Staff Quarters).		
11,67,966	As per last Balance Sheet.	14,18,994	
9,79,400	ADD Investments made during the year.	3,32,000	
21,47,366		17,50,994	
(—)7,28,372	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	—	
14,18,994			17,50,994
	(9) Repairs & Maintenance Reserve Fund of Hospital Buildings		
1,48,85,952	As per last Balance Sheet.	1,94,60,250	
1,88,21,600	ADD Investments made during the year.	56,35,800	
3,37,07,552		2,50,96,050	
(—)1,42,47,302	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—)11,92,000	
1,94,60,250			2,39,04,050
	(10) Pension Reserve Fund for the Employees of the Corporation.		
2,01,95,910	As per last Balance Sheet.	3,14,96,381	
2,49,09,700	ADD Investments made during the year	51,30,200	
4,51,05,610		3,66,26,581	
(—)1,36,09,229	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—)4,70,000	
3,14,96,381			3,61,56,581
	General Cash Balance		
—	Investments as per last Balance Sheet.	2,26,07,800	
28,90,07,800	ADD Investments made during the year.	49,71,88,200	
28,90,07,800		51,97,96,000	
(—)26,64,00,000	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—)30,25,00,000	
2,26,07,800		21,72,96,000	
13,64,606	Cash in hand	12,18,928	
4,00,69,889	Cash with Bankers	2,96,04,374	
4,14,34,495		3,08,23,302	
6,40,42,295	Total Cash Balance.		24,81,19,302
58,89,62,496	GRAND TOTAL		82,05,93,029

C. A. GOPALAKRISHNAN,
Dy. Chief Accounts Officer
for Financial Adviser & Chief
Accounts Officer.

AUDIT CERTIFICATE

I have examined the foregoing accounts and the balance sheet of the Employees' State Insurance Corporation and obtained all the information and explanations that I have required and subject to the observations in the Audit Report appended, I certify, as a result of my audit, that in my opinion these accounts and the balance sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of the Corporation according to the best of my information and explanations given to me and as shown by the books of the Corporation.

S. P. GUGNANI,
Accountant General
Central Revenues.

New Delhi;
Dated : January 6, 1976.

AUDIT REPORT ON THE EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION FOR THE YEAR 1972-73

Consolidated Audit Report on the accounts of the Employees' State Insurance Corporation, New Delhi for the Year 1972-73 received through Ministry of Labour and Employment, New Delhi on 15-1-1976 alongwith A.G.C.R. confidential letter No. OAI/13-ESIC/AR/73-74/1574 dated 8-1-1976.

1. General :

(i) The Employees' State Insurance Corporation was set-up in October, 1948 under the Employees' State Insurance Act, 1948. The Act, as amended by Employees' State Insurance (Amendment) Acts of 1951 and 1966 applies to all factories other than seasonal factories which use power and where 20 or more persons are or were employed for wages. The Act can be extended to any other establishment or class of establishment—industrial, commercial, agricultural or otherwise.

(ii) During 1972-73 the provisions of the Act were extended to 1612 factories covering 1.65 lakh employees. The number of factories covered by the Act on 31st March, 1973 was 25108 (23495 in implemented areas and 1613 in non-implemented areas) having 47.56 lakh employees (including 41.50 lakhs in implemented areas).

(iii) An analysis of the income and expenditure of the Corporation for 1971-72 and 1972-73 is given below :—

Income (lakhs of rupees)	1971-72	1972-73	Expenditure (lakhs of rupees)	1971-72	1972-73
Employers' Special Contribution	3,335	3,962	Medical benefit		
Employees' Contribution	1,770	1,916	(a) Payment to State Government as Corporation's share of expenses on providing medical treatment etc.	1,610	1,919
Interest and dividends from investment	37	103	(b) Medical treatment and care expenses incurred directly by the Corporation	93	99
State Governments share towards Medical benefits initially borne by the Corporation	8	..	Cash and other benefits to insured persons and their dependents paid directly by the Corporation	2,113	1,695
Miscellaneous (including rents, rates and taxes)	209	262	Administrative Expenses		
			Superintendence	191	221
			Field Work	177	186
			Other Charges	110	34
			Hospital and dispensaries	468	570
			Excess of income over expenditure	597	1,519
Total	5,359	6,243		5,359	6,243

2. Arrears of contribution :

In March, 1974 arrears of contribution due from the employees and employers upto 30th September, 1972 were as follows. (The position in March, 1974 of arrears of contribution which became due upto 30th September, 1971 is also indicated in the table).

	Due upto 30-9-71	Due upto 30-9-72
	(Lakhs of rupees)	
Employers' Special Contribution	617.60	964.53
Employees' Contribution	198.38	318.01

Out of 21325 factories defaulting in the payment of contribution, 486 factories were in default (June 1973) for more than Rs. 0.50 lakh each.

Decrees for Rs. 28 36 lakhs (Year-wise details given below) remained to be executed (March, 1974) against employers —

Up to	Lakhs of rupees
1964-65	5 19
1965-66	0 85
1966-67	3 20
1967-68	3 56
1968-69	9.22
1969-70	3 78
1970-71	1 30
1971-72	1.26
	28 36

3. Advances ·

(i) Out of the amounts advanced to State Governments and Central Public Works Department upto 31st March, 1973 for construction of hospitals, dispensaries and other buildings, Rs. 840 12 lakhs (Year-wise break-up given below) remained unadjusted on 31st March 1974 :—

Year in which advance was paid	Remaining unadjusted as on 31-3-74
1960-61 to 1964-65	167 38
1965-66	44 57
1966-67	82 56
1967-68	131 23
1968-69	125 23
1969-70	50 26
1970-71	57 63
1971-72	94 42
1972-73	86 78
	840 12

(ii) Out of amounts advanced to the Government departments, Semi-Government organisations and private parties on account of supply of stationery, liveries, law charges, rent for hiring accommodation, etc., Rs. 12 02 lakhs (Year-wise details given below) remained unadjusted (October 1974).

Year in which advance was paid	Unadjusted amount (Rupees in lakhs)
Up to 1963-64	0 23
1964-65	0.23
1965-66	0 86
1966-67	0 27
1967-68	0 84
1968-69	2 81
1969-70	1 29
1970-71	2.42
1971-72	1 26
1972-73	1.81
	12.02

4. Adjustment of 'On Account' payment :

Out of 'On Account' payments made to State Governments as Corporation's share towards cost of medical benefits of insured persons and their families, Rs. 3,548.06 lakhs (detailed below) relating to the year 1969-70 to 1972-73 were awaiting adjustment (January 1975) :—

Year to which amount pertains	Balance outstanding (in lakhs of rupees)
1969-70	112 85
1970-71	869.61
1971-72	1,052 51
1972-73	1,513.09
	3,548 06

5. Annual Account :

Miscellaneous Deposits (Rs. 9,43,977).

Erroneous credits afforded by the bank and unclassified receipts are adjusted under the head "Miscellaneous Deposits". The balance under this head on 31st March, 1973 was Rs. 9 44 lakhs as compared to Rs. 10 15 lakhs on 31st March, 1972.

New Delhi ;
Dated : January 6, 1976.

S. P. GUGNANI, Accountant Genera
Central Revenues.

[No. G-25012/3/76-HI]

नई दिल्ली, 6

का०आ० 1578.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 36 के अनुसरण में, कर्मचारी राज्य बीमा निगम के

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

31 मार्च, 1974 को समाप्त हुए

आय

गत वर्ष (1972-73)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रुपये		रुपये	रुपये
	अंशदान :		
—	नियोजकों एवं कर्मचारियों का अंश	20,37,86,214	
39,61,61,207	नियोजकों का अंश केवल	21,41,95,502	
19,16,27,812	केवल कर्मचारियों का अंश	22,76,57,964	
58,77,89,019	कुल अंशदान		64,56,39,680
—	निगम द्वारा चिकित्सा हितलाभ पर प्रारम्भिक रूप से किये गये व्यय में राज्य सरकारों/संघ राज्यों का अंश	19,90,000	19,90,000
—	सहायक अनुदान	—	
	राजस्व के अन्य शीर्ष :		
1,02,65,026	ब्याज तथा लाभांश	2,26,70,415	
28,88,071	क्षति पूर्ति	1,14,512	
	किराया महसूल तथा कर		
3,51,400	(i) निगम के कार्यालय (स्टाफ क्वार्टर सहित)	7,75,511	
2,19,34,068	(ii) चिकित्सालयों, डिसपेंसरियों तथा स्टाफ क्वार्टर्स	2,14,06,046	
1,00,144	शुल्क, जुर्माना तथा अधिहरण	94,868	
9,33,139	विविध	10,91,462	
3,64,71,848			4,61,46,814
62,42,60,867	आगे ले जाया गया योग		69,37,76,494

मई 1977

वर्ष 1973-74 संबंधी परीक्षित लेखे तथा उनके संबंध में लेखा-परीक्षा रिपोर्ट आम सूचना के लिए प्रकाशित की जाती है —

को वर्ष, 1973-74 के लिए

वर्ष का आय तथा व्यय लेखा

व्यय

गत वर्ष (1972 73)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रुपए		रुपए	रुपए
	1 बीमाकृत व्यक्तियो तथा उनके परिवारो को हितलाभ		
	अ—चिकित्सा हितलाभ		
19,19,42,360	(1) चिकित्सा उपचार तथा मातृत्व सुविधाओ आदि पर राज्य मे होने वाले खर्च मे निगम के अंश की राज्य सरकार को अदायगी ।	23,44,37,459	
—	कम—राज्य सरकारो को वर्ष के मध्य चिकित्सा सुविधाओ संबंधी भुगतान की पूंजीगत निर्माण/चिकित्सा (संचित) दायित्व आरक्षित निधि को हस्तान्तरित		—
19,19,42,360		23,44,37,459	
98,70,571	(2) चिकित्सा उपचार व सुविधा व मातृत्व सुविधाएं (निगम द्वारा प्रत्यक्ष रूप से वहन किया गया व्यय)	1,25,98,648	
20,18,12,931	कुल—अ—चिकित्सा हितलाभ		24,70,36,107
	ब—नकद लाभ		
9,63,81,210	(1) बीमारी हितलाभ	11,87,85,496	
1,014,1,054	(2) विस्तरित बीमारी हितलाभ	1,11,35,672	
71,01,877	(3) मातृत्व हितलाभ	80,51,712	
	(4) अपगता हितलाभ		
2,01,83,834	(क) अस्थायी	2,29,47,535	
2,75,49,000	(ख) स्थायी (पूंजीगत मूल्य)	3,03,95,000	
62,05,000	(5) आश्रितजन हितलाभ (पूंजीकृत मूल्य)	1,12,73,000	
8,55,115	(6) अन्त्येष्टि हितलाभ	9,27,997	
16,86,87,090	कुल ब—नकद हितलाभ		20,35,16,412
	स—अन्य हितलाभ		
20,762	(क) अपग बीमाकृत व्यक्तियो के पुनर्वास पर व्यय	52,082	
2,70,340	(ख) चिकित्सा मडल तथा अपील अधिकरण	2,39,841	
	(ग) बीमाकृत व्यक्तियो को अदायगी —		
1,00,600	1 सवारी शुल्क तथा/या मजदूरी की हानि	96,146	
—	2 परिवार नियोजन के अंतर्गत प्रासगिक व्यय	—	
2,00,000	(घ) सहायक अनुदान	3,00,000	
2,56,766	(ङ) विविध	2,47,737	
8,48,468	कुल स—अन्य हितलाभ		9,35,806
37,13,48,489	बीमाकृत व्यक्तियो व उनके परिवारो के लिए कुल लाभ		45,14,88,325
37,13,48,489	आगे ले जाया गया योग		45,14,88,325

गत वर्ष (1972-73)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रुपए		रुपए	रुपए
62,42,60,867	पीछे से लाया गया योग		69,37,76,494
62,42,60,867	महायोग		69,37,76,494

नई दिल्ली,
दिनांक 31 मई, 1974

गत वर्ष (1972-73)	लेखा के शीर्ष	राशि	योग
रुपए		रुपए	रुपए
37,13,18,489	पीछे से लाया गया योग		45,14,88,325
	2. प्रशासन व्यय		
	अ अधीक्षण		
58,819	1 निगम, स्थायी समिति, क्षेत्रीय मंडल आदि	36,404	
1,99,572	2 प्रधान अधिकारी	2,06,577	
25,26,251	3. अन्य अधिकारी	27,26,372	
1,27,83,232	4. लिपिक वर्गीय स्थापना	1,51,77,672	
21,15,707	5 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	27,00,629	
43,91,324	6 आकस्मिक व्यय	41,69,292	
2,20,77,905	योग—अ—अधीक्षण		2,50,16,946
	ब—क्षेत्रीय कार्य :		
7,11,737	1. अधिकारी	7,16,919	
1,38,01,659	2. लिपिक वर्गीय स्थापना	1,59,63,425	
22,66,857	3 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	26,34,299	
18,01,940	4 आकस्मिक व्यय	18,74,009	
1,85,82,193	योग—ब—क्षेत्रीय कार्य		2,11,88,652
	स—अन्य खर्चे		
1,80,152	1. विधि खर्चे	2,63,292	
30,020	2 बीमा न्यायालय	28,200	
15,289	3. प्रचार तथा विज्ञापन	19,919	
86,170	4 बैंकिंग लेखा रखने के व्यय	76,904	
1,27,224	5. लेखा परीक्षा शुल्क	1,20,340	
1,04,041	6. छुट्टी तथा पैंशन अंशदान	73,700	
1,82,166	7 कार्यालय की इमारतो/स्टाफ क्वार्टरो का मूल्यह्रास	2,00,888	
4,28,078	8 कार्यालयों की इमारतों की मरम्मत व अनुरक्षण	4,25,152	
	9 अवकाश प्राप्ति हितलाभ		
21,73,774	क निगम के कर्मचारियों के लिये पेंशन आरक्षित निधि	27,11,448	
1,94,015	ख. कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि मे निगम का अंशदान	2,21,221	
10,65,350	ग. का०रा०बी० नि० भविष्य निधि में दिया गया ब्याज	11,82,382	
—	घ विनियोग की वसूली पर घाटा	19,788	
(—) 12,93,449	ङ कम—भविष्य निधि के अभिदेयों के विनियोग द्वारा प्राप्त ब्याज	(—) 17,17,783	
3,500	10 अनुकंपा आरक्षित निधि	11,000	
—	11. आपतकालिन आरक्षित निधि	2,36,00,000	
43,828	12 विविध	15,705	
31	13. हानियां	42	
33,74,189	योग—स—अन्य खर्चे		2,72,52,198
4,40,34,287	कुल शीर्ष—2 प्रशासन खर्चे		7,34,57,796
	3. चिकित्सालय व औषधालय व संचित दायित्व आदि :		
23,26,893	1 चिकित्सालय की इमारतो व उपकरणो का मूल्यह्रास	24,83,379	
66,66,299	2. चिकित्सालयों की इमारतों/औषधालयों की मरम्मत व अनुरक्षण	70,11,072	
4,80,00,000	3 पूंजीगत निर्माण	6,46,00,000	
5,69,93,194	कुल शीर्ष-3. चिकित्सालयों व औषधालयों का संचित दायित्व		7,41,24,451
47,23,75,970	राजस्व लेखा पर कुल व्यय		59,90,70,572
15,18,84,897	व्यय से अधिक आय को तुलनपत्र पर आगे ले जाया गया		9,47,05,922
62,42,60,867	महायोग		69,37,76,494

ह० (ए० एस० सैमुर)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा निगम

कर्मचारी राज्य
31 मार्च 1974

पिछला वर्ष (1972-73)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
	व्यय से अधिक आय का अतिशेष		
36,51,85,534	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	51,70,70,431	
15,18,84,897	वर्ष के दौरान संचयन	9,47,05,922	
51,70,70,431		61,17,76,353	
—	कम—पिछले वर्ष के संचयन से आपातकालीन आरक्षित निधि को हस्तांतरित राशि	(—) 3,04,00,000	
51,70,70,431			58,13,76,353
	पूंजीगत निर्माण, आरक्षित निधि		
2,16,32,495	आदि शेष	7,20,32,495	
—	व्यय से अधिक आय के अतिशेष से हस्तान्तरित राशि	—	
4,80,00,000	जमा—वर्ष में किया गया उपबन्ध	6,46,00,000	
—	विनियोग से प्राप्त ब्याज	28,83,000	
—	कम—वर्ष में किया गया भुगतान	—	
7,26,32,495			14,01,15,495
	स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि		
7,82,44,561	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	8,82,60,784	
2,75,49,000	वर्ष के दौरान किया गया उपबन्ध	3,03,95,000	
43,21,557	विनियोग से प्राप्त ब्याज	55,07,639	
—	कम—मूल्यांकक द्वारा घोषित अतिशेष	—	
11,01,15,118		12,41,63,423	
(—) 2,18,54,324	कम—वर्ष से दौरान अदायगी	(—) 2,40,33,691	
8,82,60,794			10,01,29,732
	आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि		
3,43,76,593	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3,90,61,803	
62,85,000	वर्ष में किया गया उपबन्ध	1,12,73,000	
21,1,019	विनियोग से प्राप्त ब्याज	25,43,489	
—	कम—मूल्यांकक द्वारा घोषित अतिशेष	—	
4,27,12,611	इस मद के अन्तर्गत आगे ले जाया गया योग	5,28,78,292	
67,79,63,710	आगे ले जाया गया योग		82,16,21,580

बीमा निगम

को जैसा था—तुलनपत्र

पिछला वर्ष (1972-73)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०	भूमि तथा भवन (निगम के पूर्ण रूप से निजी)	रु०	रु०
	(क) निगम के कार्यालयों के लिये भवन		
1 17 98 493	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,30,39,647	
12 51 154	वर्ष के दौरान सकलन	1,37,241	
1 30 39 647		1 31 76 888	
	(ख) चिकित्सालय तथा औषधालय		
19 31 80,581	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	20,20 53 822	
88,73,241	वर्ष के दौरान सकलन	1 59 72 993	
20,20,53 822		21 80,26,815	
	(ग) चिकित्सालयों आदि के लिये उपकरण		
49 542	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	25 84 885	
25 35 343	वर्ष के दौरान सकलन	—	
25 84 885		25 84,885	
21,76 79 364			23 37 88 588
	भूमि व भवन (निगम तथा राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से ली गई) में निगम का भाग I अ—चिकित्सालय तथा औषधालय		
7 95 250	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	9 06 375	
1,11 125	वर्ष के दौरान सकलन	40 826	
9 06 375		9 47 201	
	ब—चिकित्सालयों आदि के लिये उपकरण		
49,680	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	49,680	
—	जमा वर्ष के दौरान सकलन	—	
49 680		49,680	
9,56,055	उचन्त (1) पूंजीगत व्यय के लिये दी गई अग्रिम राशि		9,96 881
7 92 39 577	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	7,24,98,856	
9,95,339	जमा वर्ष के दौरान की गई अदायगी . .	19 359	
(—) 77 46,060	कम—समायोजन तथा वसूली .	(—) 1 25 01 496	
7 24 98 856	इस उप मद के दौरान आगे ले जाया गया योग	6,00 06 719	
21,86,34,409	आगे ले जाया गया योग		23 47,85,169

पिछला वर्ष (1972-73)	वायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
67,79,63,710	पीछे से लाया गया योग		82,16,21,580
4,27,12,611	इस मद में पीछे से लाया गया योग	5,28,78,292	
(—) 36,50,808	कम—वर्ष के दौरान अदायगी	(—) 42,45,871	
3,90 61 803			4,86, 42,421
	कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि		
1,78,88,438	पिछले तुलनपत्र के अनुसार जमा वर्ष के दौरान आकलित राशि	1,96,07,418	
17 87 611	1 कर्मचारी चन्दा	53,09,068	
1,94,015	1 निगम का अंशदान	2,21,221	
10,65,350	6 ब्याज (कर्मचारी तथा निगम के अंशदान पर)	11,82,382	
2,39,35,414		2,63,20,089	
(—) 39,70,364	कम—वर्ष के दौरान की गई अदायगी	(—) 42,97,074	
1,99,65,050		2,20,23,015	
	कम—निम्नलिखित को हस्तांतरित राशि :		
(—) 3,57 632	1. पेंशन आरक्षित निधि में 80287 रु०	(—) 84 827	
	2. अदायगी जमा 4540 रु०		
1,96,07,118			2,19,38,188
	निगम के कार्यालयों की इमारतों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
10,17,748	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	12,37,459	
1,48,401	वर्ष में किया गया उपबन्ध	1,52,397	
71,307	विनियोग से प्राप्त ब्याज तथा लाभ	88,950	
12,37,459			14,78,806
	चिकित्सालयों तथा परीक्षण केन्द्रों में उपकरणों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
75,350	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	80,753	
257	वर्ष में किया गया उपबन्ध	(—) 86,230	
5 146	विनियोग से प्राप्त ब्याज	5,477	
80,753			
73,79,51,143	आगे ले जाया गया योग		89 36,70,995

पिछला वर्ष (1972-73)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
21,86,34,409	पीछे से लाया गया योग		23,47,85,169
7,24,88,856	इस मद में पीछे से लाया गया योग	6,00,06,749	
	2 पूंजीगत निर्माण प्रारक्षित निधि में से दी गई अग्रिम राशि		
2,22,40,201	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,65,88,180	
1,08,37,669	जमा वर्ष के दौरान किया गया भुगतान	2,21,96,394	
(—)81,89,690	कम—समायोजन तथा वसूली	(—) 10,47,312	
2,65,88,180		4,47,37,262	
9,90,77,036			10,47,44,011
	स्टाफ कारें		
2,46,098	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,78,565	
32,467	जमा वर्ष में किया गया भुगतान	1,12,194	
2,78,565			3,90,759
	निगम के कार्यालय के अध्यक्षों को स्थाई अग्रिम		
34,772	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	36,442	
1,991	जमा वर्ष के दौरान किया गया भुगतान	5,347	
36,563		41,789	
(—)121	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली	(—)751	
36,442			41,038
	निगम के कर्मचारियों के स्थानान्तरण के लिये अग्रिम वेतन अदायगी		
28,697	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	26,045	
84,238	जमा वर्ष के दौरान किया गये भुगतान	88,399	
1,12,935		1,14,444	
(—)86,890	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली	(—) 95,710	
26,045			18,734
	निगम के कर्मचारियों के स्थानान्तरण के लिये अग्रिम यात्रा भत्ता		
64,836	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	73,076	
1,14,323	जमा वर्ष के दौरान की गई अदायगी	1,16,411	
1,79,159		1,89,487	
(—)1,06,083	कम—वर्ष में की गई वसूली	(—)1,06,338	
73,076			83,149
31,81,25,573	आगे ले जाया गया योग		34,00,63,160

पिछला वर्ष (1972-73)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
73,79,51,143	पीछे से ले लाया गया योग		89,36,70,995
	चिकित्सालयों की इमारतों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
94,85,940	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,24,66,836	
23,26,638	वर्ष में किया गया उपबन्ध	25,69,608	
6,54,258	विनियोग से प्राप्त ब्याज	8,96,849	
—	विनियोग की बसूली का घाटा	(—) 882	
1,24,66,836			1,59,32,411
	स्टाफ कारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
1,74,923	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,20,582	
33,762	वर्ष में किया गया उपबन्ध	48,191	
11,897	विनियोग से प्राप्त ब्याज	15,331	
2,20,582			2,84,404
	निगम के कार्यालयों की इमारतों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि।		
21,19,643	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	24,50,830	
4,28,078	वर्ष में किया गया उपबन्ध	4,25,152	
89,503	विनियोग से प्राप्त ब्याज	1,52,233	
26,37,224		29,91,215	
(—) 1,86,394	कम—वर्ष में की गई अदायगी	(—) 1,47,072	
24,50,830			28,44,142
	चिकित्सालयों की इमारतों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि का लेखा		
2,28,78,429	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3,00,58,017	
66,66,299	वर्ष में किया गया उपबन्ध	70,11,072	
12,70,357	विनियोग से प्राप्त ब्याज	17,88,088	
3,08,15,085		3,88,87,177	
(—) 7,57,068	कम—वर्ष में की गई अदायगी	(—) 41,44,352	
3,00,58,017			3,47,42,825
78,31,47,408	आगे ले जाया गया योग		94,74,74,778

पिछला वर्ष (1972-73)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
31,81,25,571	पीछे से लाया गया योग		34,00,63,160
	निगम के कर्मचारियों को वाहन क्रय के लिये अग्रिम राशि		
8,76,900	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	8,89,690	
5,11,993	जमा वर्ष में की गई अदायगी	6,44,463	
13,88,893		15,34,153	
(—) 4,99,203	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली	(—) 5,72,022	
8,89,690			9,62,131
	निगम के कर्मचारियों को विविध अग्रिम राशि (त्यौहार अग्रिम राशि)		
10,42,900	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	8,02,011	
7,05,202	जमा वर्ष में की गई अदायगी	5,76,404	
17,48,102		13,78,415	
(—) 9,46,091	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली	(—) 10,14,864	
8,02,011			3,63,551
	मकान निर्माण हेतु अग्रिम राशि		
7,05,523	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	16,16,464	
10,08,134	जमा वर्ष में की गई अदायगी	6,70,750	
17,13,657		22,87,214	
(—) 97,193	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली	(—) 1,63,511	
16,16,464			21,23,703
	राज्य सरकारों की ओर से अग्रिम राशि अदायगी		
2,281	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	618	
2,971	जमा वर्ष में की गई अदायगी	5,683	
5,252		6,301	
(—) 4,634	कम—वर्ष में की गई वसूली	(—) 194	
618			6,107
	चिकित्सालयों/औषधालयों, निगम के कार्यालयों तथा स्टाफ क्वार्टरों की मरम्मत व अनुरक्षण के लिये राज्य सरकारों राज्य लोक निर्माण विभाग आदि को अग्रिम राशि।		
	अ निगम के कार्यालय		
6,92,608	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	7,03,241	
94,268	जमा वर्ष में की गई अदायगी	2,21,501	
7,86,876		9,24,742	
(—) 83,635	कम—वर्ष के दौरान की गई वसूली/समायोजन	(—) 86,701	
7,03,241			8,38,038
32,21,37,597	आगे ले जाया गया योग		34,43,56,690

पिछला वर्ष (1972-73)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
78,31,47,408	पीछे से लाया गया योग		94,74,74,779
	निगम के कर्मचारियों के लिये पेंशन आरक्षित निधि		
3,15,07,629	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3,61,62,604	
27,82,613	वर्ष में किया गया उपबन्ध	30,05,106	
21,41,874	विनियोग से प्राप्त ब्याज	24,80,968	
—	जमा—मूल्यांकन द्वारा घोषित घाटा	—	
3,64,32,116		4,16,18,678	
(—) 2,69,512	कम—वर्ष में की गई अदायगी	(—) 3,91,349	
3,61,62,604		4,12,57,329	
—	जमा रा० बी० निगम भविष्य निधि से हस्तान्तरित राशि	80,287	
3,61,62,604			4,13,37,616
	निगम के कर्मचारियों के लिये अनुकंपा आरक्षित निधि।		
10,000	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	10,000	
3,500	वर्ष में किया गया उपबन्ध	11,000	
13,500		21,000	
(—) 3,500	कम—वर्ष में किया गया भुगतान	(—) 11,000	
10,000			10,000
	आपातकालीन आरक्षित निधि		
—	पिछले वर्ष के संचयन में	3,04,00,000	
—	वर्ष में किया गया उपबन्ध	2,56,00,000	
—	विनियोग से प्राप्त ब्याज	23,56,000	
—	आय से अधिक व्यय की पूर्ति के लिये राजस्व लेखे को हस्तान्तरित राशि।	—	
—			5,63,56,000
	जमानत जमा		
2,87,769	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3,04,271	
1,30,147	जमा वर्ष में जमा	96,927	
4,17,916		4,01,198	
(—) 1,13,645	कम—वर्ष में जमानत जमा की प्रति अदायगी	(—) 1,60,796	
2,04,271			2,40,402
	अन्य पार्टियों को देय बिलों में कटौती		
55,694	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	15,927	
5,11,688	जमा वर्ष में आंकलित राशि	5,66,101	
5,67,382		5,82,028	
(—) 5,51,455	कम—वर्ष में किया गया भुगतान	(—) 5,43,814	
15,927			38,214
81,96,40,210	आगे ले जाया गया योग		1,04,54,57,010

पिछला वर्ष (1972—73)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
32,21,37,597	पीछे से लाया गया योग		34,41,56,690
	ख. चिकित्सालय/औषधालय/अनैकिंगया		
34,10,837	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	61,16,956	
34,18,649	जमा वर्ष में की गई अदायगी	34,13,340	
68,29,486		95,60,302	
(—) 6,82,530	कम—वर्ष में की गई वसूली	(—) 30,55,185	
61,46,956			65,04,817
	विविध अग्रिम		
11,14,279	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	12,16,411	
2,71,982	जमा वर्ष में किया गया भुगतान	3,38,817	
13,86,261		15,55,228	
(—) 1,69,850	कम—वर्ष में की गई प्राप्ति	(—) 1,22,793	
12,16,411			12,32,435
	राज्य सरकारों/अन्य पार्टियों को ऋण		
1,55,00,000	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,11,66,667	
60,00,000	जमा वर्ष में किया गया भुगतान	60,00,000	
2,15,00,000		2,71,66,667	
(—) 3,33,333	कम—राज्य सरकारों द्वारा ऋण की वापसी	(—) 11,33,334	
2,11,66,667			2,60,33,333
	प्रेषित धन		
	नकद प्रेषित धन		
2,33,400	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	(—) 7,10,941	
1,14,66,16,916	जमा वर्ष में समायोजित विकलन	1,33,96,21,237	
1,14,68,50,316		1,33,89,10,296	
(—) 1,14,75,61,257	कम— वर्ष में समायोजित आकलन	(—) 1,34,55,86,296	
(—) 7,10,941			(—) 66,76,000
	अन्य प्रेषित धन—विनिमय लेखा		
8,313	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	(—) 2,296	
2,24,92,307	जमा वर्ष में विकलन	3,87,96,376	
2,25,00,620		3,87,94,080	
(—) 2,25,02,916	कम वर्ष में आकलन	(—) 3,87,90,294	
(—) 2,296			3,786
34,99,54,394	आगे ले जाया गया योग		37,14,55,061

पिछला वर्ष (1972–73)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
81,96,40,210	पीछे से लाया गया योग		1,04,54,57,010
	क० रा० बी० सि० भविष्य निधि में अदायी जमा		
6,738	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	8,842	
2,653	जमा वर्ष में अंकलित राशि	4,540	
9,391		13,382	
(–) 549	कम—वर्ष में किया गया भुगतान	(–) 5,016	
8,842			8,366
	विविध जमा		
10,15,012	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	9,43,977	
(–) 22,580	कम—वर्ष में जमा राशि की प्रति अदायगी	(–) 39,291	
9,92,432		9,04,686	
(–) 48,455	जमा वर्ष में प्राप्त जमा	8,84,081	
9,43,977			17,88,767
82,05,93,029	आगे ले जाया गया योग		1,04,72,54,143

पिछला वर्ष (1972-73)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
34,99,54,394	पीछे से लाया गया योग		37,14,55,061
	विनियोग लागत पर		
	1. स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि		
7,82,36,929	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	8,82,57,929	
1,04,21,000	जमा वर्ष में किया गया विनियोग	2,18,33,000	
8,86,57,929		11,00,90,929	
(-) 4,00,000	कम—विनियोग की बिक्री या परिपाक पर वसूली	(-) 99,63,000	
8,82,57,929			10,01,27,929
	2. आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि		
3,43,75,507	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3,89,60,507	
1,19,14,000	जमा वर्ष में किया गया विनियोग	1,39,45,300	
4,62,89,507		5,29,05,807	
(-) 73,29,000	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(-) 42,74,300	
3,89,60,507			4,86,31,507
	3. कं० रा० बी० निगम भविष्य निधि		
1,78,86,888	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,94,86,788	
29,07,700	जमा वर्ष में किया गया विनियोग	54,63,000	
2,07,94,588		2,49,50,188	
(-) 13,07,800	कम—विनियोग की बिक्री या परिपाक पर वसूली	(-) 30,32,188	
1,94,86,788			2,19,18,000
	4. निगम के कार्यालयों की इमारतों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
10,16,509	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	12,36,509	
2,20,000	जमा वर्ष में किया गया विनियोग	2,59,500	
12,36,509		14,96,009	
--	कम—विनियोग की बिक्री या परिपाक पर वसूली	(-) 19,500	
12,36,509			14,76,509
	5. चिकित्सालय तथा परीक्षा केन्द्रों में उपकरणों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
75,125	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	80,125	
34,000	जमा वर्ष में किया गया विनियोग	(-) 80,125	
1,09,125		--	
(-) 29,000	कम—विनियोग की बिक्री या परिपाक पर वसूली	--	
80,125		--	
49,79,76,252	आगे ले जाया गया योग		54,36,09,006

पिछला वर्ष (1972-73)	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
82,05,93,029	पीछे से लाया गया योग		1 04 72,54,143
82,05,93,029	आगे ले जाया गया योग		1,04 72,54,143

पिछला वर्ष (1972-73)	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
49,79,76,252	पीछे से लाया गया योग		54,36,09,006
	6. चिकित्सालयों की इमारतों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
94,75,115	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,24,66,115	
36,29,000	जमा वर्ष में किया गया विनियोग	37,76,225	
1,31,04,115		1,62,42,340	
(–) 6,38,000	कम—विनियोग की बिक्री या परिपाक पर वसूली	(–) 4,37,981	
1,24,66,115			1,58,04,359
	7 स्टाफकारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
1,73,735	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,19,735	
55,000	जमा वर्ष में किया गया विनियोग	64,000	
2,28,735		2,83,735	
(–) 9,000	कम—विनियोग की बिक्री या परिपाक पर वसूली	—	
2,19,735			2,83,735
	8. निगम के कार्यालयों की इमारतों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि		
14,18,994	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	17,50,994	
3,32,000	जमा वर्ष मे किया गया विनियोग	1,79,000	
17,50,994		19,29,994	
(–) --	कम—विनियोग की बिक्री या परिपाक पर वसूली	--	
17,50,994			19,29,994
	9. चिकित्सालयों की इमारतों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि		
1,94,60,250	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,39,04,050	
56,35,800	जमा वर्ष में किया गया विनियोग	80,33,700	
2,50,96,050		3,19,37,750	
(–) 11,92,000	कम—विनियोग की बिक्री या परिपाक पर वसूली	(–) 38,00,700	
2,39,04,050			2,81,37,050
	10. निगम के कर्मचारियों को पेंशन आरक्षित निधि		
3,14,96,381	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3,61,56,581	
51,30,200	जमा वर्ष मे किया गया विनियोग	50,75,000	
3,66,26,581		1,12,31,581	
(–) 4,70,000	कम—विनियोग की बिक्री या परिपाक पर वसूली	—	
3,61,56,581			4,12,31,581
57,24,73,727	आगे ले जाया गया योग		63,09,95,725

पिछला वर्ष 1972-73	दायित्व	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
82,05,93,029	पीछे से लाया गया योग		1,04,72,54,143
82,05,93,029	महायोग		1,04,72,54,143

नई दिल्ली;
दिनांक 31 मई, 1974

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के लेखाओं का

मैंने कर्मचारी राज्य बीमा निगम के पूर्ववर्ती लेखाओं तथा तुलनपत्र की जांच की है तथा मुझे जिस जिस सूचना एवं स्पष्टीकरण की आवश्यकता थी राय में मेरी अधिकतम सूचना तथा दिये गये स्पष्टीकरण के अनुसार और जैसा कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम की पुस्तकों में दिखाया गया है, ये लेखा

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के लेखा की

कर्मचारी राज्य बीमा निगम, नई दिल्ली की वर्ष 1973-74

मंत्रालय, नई दिल्ली के माध्यम से दि० 20-8-1976

13-क रा बी नि/ले रि/73-74/556

1. सामान्य :

(क) कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थापना अक्तूबर सन् 1948 में कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत हुई थी । यह अधिनियम

पिछला वर्ष 1972-73	परिसम्पत्ति	राशि	योग
रु०		रु०	रु०
57,24,73,727	पीछे से लाया गया योग		63,09,95,725
	(11) पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि		
—	वर्ष मे किया गया विनियोग	8,20,28,000	
—	कम—परिपाक पर वसूली या बिक्री	—	
—			8,20,28,000
	(12) आपातकालीन आरक्षित निधि		
—	वर्ष में किया गया विनियोग	5,60,00,000	
—	कम—परिपाक पर वसूली या बिक्री	—	
—	सामान्य रोकड़ शेष		5,60,00,000
2,26,07,800	पिछले तुलनपत्र के अनुसार विनियोग	21,72,96,000	
49,71,88,200	जमा वर्ष के दौरान किया गया विनियोग	19,16,04,000	
51,97,96,000		40,89,00,000	
(—) 30,25,00,000	कम—विनियोग के बिक्री या परिपाक पर वसूली	(—) 17,64,00,000	
21,72,96,000		23,25,00,000	
12,18,928	हाथ रोकड़	15,51,033	
2,96,04,374	बैंक के पास रोकड़	4,41,79,385	
3,08,23,302		4,57,30,418	
24,81,19,302	कुल रोकड़ अतिशेष		27,82,30,418
82,05,93,029	महायोग		1,04,72,54,143

हस्ताक्षरित
(एस० ए० सैमूर)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
कर्मचारी राज्य बीमा निगम

वर्ष 1973-74 का लेखा परीक्षा प्रमाणपत्र

प्राप्त की और संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट में दिये गये विचारों के पालन की शर्त पर मैं प्रमाणित करता हूं कि मेरे लेखा परीक्षा के परिणामस्वरूप मेरी तथा तुलनपत्र सही प्रकार से बनाये गये हैं और कर्मचारी राज्य बीमा निगम की परिस्थिति के सच्चे एवं स्पष्ट उद्देश्यों को दर्शाते हैं।

नई दिल्ली,
दिनांक : 9-8-1976

हस्ताक्षरित
(जी० बी० सिंह)
महा लेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

वर्ष 1973-74 की लेखा परीक्षा रिपोर्ट

लेखों की समेकित लेखा-परीक्षा रिपोर्ट जो कि श्रम और रोजगार
को प्रधान लेखाकार केन्द्रीय राजस्व के गोपनीय पत्र सं० ओ ए आई/
दि० 10-8-1976 के साथ प्राप्त हुई

जो कि कर्मचारी राज्य बीमा (संशोधित) अधिनियम, 1951 तथा 1966 द्वारा संशोधित किया गया था, उन सभी कारखानों पर, मौसमी कारखानों को छोड़कर,

लागू होता है, जिसमें 20 या अधिक व्यक्ति वेतन पर काम करते हैं या करते थे और जिन में विद्युत शक्ति का प्रयोग होता है। इस अधिनियम का विस्तार अन्य संस्थापनाओं पर या संस्थापनाओं के वर्गों पर भी किया जा सकता है चाहे वे औद्योगिक, व्यापारिक, कृषिय या कोई अन्य हो ।

(ख) वर्ष 1973-74 के अन्तर्गत अधिनियम के उपबन्धों का विस्तार, 897 कारखानों में कार्य करने वाले 1 84 लाख कर्मचारियों पर किया गया था। 31 मार्च, 1974 तक कारखानों की संख्या जिन पर अधिनियम का विस्तार हो चुका है 26005 थी (24,289 कार्यान्वयन क्षेत्रों में और 1,716 अकार्यान्वयन क्षेत्रों में)। इनमें 49.40 लाख कर्मचारी (43.03 लाख कार्यान्वयन क्षेत्रों के कर्मचारियों सहित) कार्य करते हैं।

(ग) निगम के वर्ष 1972-73 तथा 1973-74 के आय व व्यय का विश्लेषण नीचे दिया गया है :

आय (लाख रुपयों में)	1972-73	1973-74	व्यय (लाख रुपयों में)	1972-73	1973-74
			चिकित्सा हितलाभ		
नियोजक विशेष अंशदान	3962	2142	(क) चिकित्सा उपचार आदि पर किये गये खर्च के लिये निगम के अंश का राज्य सरकारों को अदायगी।	1919	2344
कर्मचारियों का अंशदान	1916	2276			
नियोजकों तथा कर्मचारियों का अंशदान	—	2038			
विनियोजन से प्राप्त ब्याज तथा लाभांश	103	227	(ख) चिकित्सा उपचार व देखरेख पर निगम द्वारा प्रत्यक्ष रूप से किया गया व्यय।	99	126
चिकित्सा लाभ पर निगम द्वारा प्रारम्भिक रूप से किये व्यय में राज्य सरकार का अंश।	—	20			
			निगम द्वारा प्रत्यक्ष रूप से बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके आश्रितजनों को दिये गये नकद व अन्य लाभ।	1695	2045
विविध (किराया, महसूल तथा कर को मिलाकर)	262	235			
			प्रशासन व्यय		
			अधीक्षण	221	250
			क्षेत्रीय कार्य	186	212
			अन्य खर्च	34	273
			चिकित्सालय व औषधालय	570	741
			व्यय पर आय का अतिशेष	1519	947
योग	6243	6938		6243	6938

2 अंशदान का बकाया :

मार्च, 1975 में कर्मचारियों और नियोजकों से 30-9-1973 तक के बकाया अंशदान निम्न प्रकार थे। मार्च 1975 में बकाया अंशदान जो 30-9-72 तक देय थे कि स्थिति भी तालिका में दिखाई गई है)।

	30-9-72 तक बकाया (लाख रुपयों में)	30-9-73 तक बकाया (लाख रुपयों में)
नियोजक विशेष अंशदान	964.53	1032.99
कर्मचारियों का अंशदान	317.98	371.90
नियोजकों तथा कर्मचारियों का संयुक्त अंशदान (1-7-73 से प्रारम्भ)	—	48.07

अंशदान का भुगतान न करने वाले 1552 कारखानों में से (सितम्बर, 1974) 379 कारखाने प्रत्येक 0—50 लाख रुपये से अधिक के देनदार थे।

देनदार नियोजकों से 28 46 लाख रुपये की डिग्री (31 दिसम्बर, 1975) भुगतान के लिए निष्पादित करनी शेष रह गई थी। जिसका वार्षिक ब्यौरा निम्न प्रकार है :—

	(लाख रुपयों में)
1964-65 तक	5.05
1965-66 तक	0 85
1966-67 तक	3.01
1967-68 तक	3 22
1968-69 तक	8 62
1969-70 तक	3.44
1970-71 तक	1 14
1971-72 तक	0.89
1972-73 तक	2.21
योग	28.46

3 अग्रिम :

(i) 31 मार्च, 1974 तक राज्य सरकारों तथा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को चिकित्सालय, औषधालय तथा अन्य भवनों के बनाने के लिए दी गई

अग्रिम राशि में से 3 अप्रैल, 1976 को 897.37 लाख रुपये की राशि समायोजन के लिए शेष थी जिसका वार्षिक ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

अग्रिम देने का वर्ष	31-3-75 को समायोजन के लिए शेष राशि
1. 1960-61 से 1965-66 तक	189.69
2. 1966-67	76.66
3. 1967-68	126.16
4. 1968-69	107.45
5. 1969-70	46.26
6. 1970-71	56.04
7. 1971-72	93.86
8. 1972-73	67.94
9. 1973-74	133.11
योग	897.37

(ii) सरकारी विभागों, अर्ध-सरकारी संस्थाओं तथा प्राइवेट पार्टियों आदि को लेखन-सामग्री की पूर्ति, वर्दी, विधि खर्चे, भवन किराये पर लेने के लिए किराया आदि के लिये दी गई अग्रिम राशि में से अक्टूबर, 1975 में 11.12 लाख रुपये समायोजन के लिये बाकी थी जिसका वार्षिक विवरण निम्न प्रकार है :—

अग्रिम देने का वर्ष	समायोजन के लिये शेष राशि (लाख रुपयों में)
1963-64 तक	0.23
1964-65 तक	0.23
1965-66 तक	0.86
1966-67 तक	0.27
1967-68 तक	0.83
1968-69	2.61
1969-70	1.20
1970-71	2.42
1971-72	1.05
1972-73	0.98
1973-74	0.44
योग	11.12

4. 'खाते पर' भुगतान का समायोजन :

बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को चिकित्सा सुविधा के व्यय पर निगम के अंश की राज्य सरकारों को 'खाते पर' किये गये भुगतान की राशि अभी वर्ष 1969-70 से 1973-74 तक की 1337.81 लाख रुपये की राशि का समायोजन शेष रहता है (जनवरी, 1976) जिसका विवरण नीचे दिया गया है :—

सम्बन्धित वर्ष की राशि	बकाया राशि (लाख रुपयों में)
1969-70	32.23
1970-71	44.46
1971-72	195.61
1972-73	168.93
1973-74	896.58
योग	1337.81

5. वार्षिक लेखा :

विविध जमा (17,88,767 रुपये)

बैंक द्वारा गलती से की गई जमा तथा अवर्गीकृत प्राप्ति ('विविध जमा') शीर्ष के अन्तर्गत समायोजित की जाती है। 31 मार्च, 1974 को इस शीर्ष के अन्तर्गत अतिशेष 17.69 लाख रुपये था जबकि 31 मार्च, 1973 को यह 9.44 लाख रुपये था।

मई दिल्ली ;

हस्ताक्षरित
(जी० बी० सिंह)
महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

दिनांक : 9 अगस्त, 1976

टिप्पणी :—हिन्दी अनुवाद में किसी प्रकार की भिन्नता होने पर अंग्रेजी विवरण को ही शुद्ध माना जाये।

[सं० जी-25012/3/76-एच०आई०]
एस० एस० सहस्रनामन, उप सचिव

New Delhi, the

S.O. **1578**.—In pursuance of section 36 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the audited accounts lished for general information.

ACCOUNTS OF THE EMPLOYEES STATE

Income and Expenditure Account for

INCOME

Previous Year (1972-73)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	1. Contributions		
—	Employers' & Employees' Shares	20,37,86,214	
39,61,61,207	Employers' Share only.	21,41,95,502	
19,16,27,812	Employees' Share only.	22,76,57,964	
58,77,89,019	Total Contributions.		64,56,39,680
—	State Governments/Union Territories share towards medical benefits initially incurred by the Corporation.	19,90,000	19,90,000
—	Grants-in-Aid.	—	
	Other Heads of Revenue.		
1,02,65,026	Interest & Dividends.	2,26,70,415	
28,88,071	Compensations.	1,14,512	
	Rents, Rates and Taxes.		
3,51,400	(i) Offices of the Corporation (including Staff Quarters).	7,75,511	
2,19,34,068	(ii) Hospitals, Dispensaries & Staff Quarters.	2,14,00,046	
1,00,144	Fees, Fines & Forefeitures.	94,868	
9,33,139	Miscellaneous.	10,91,462	
3,64,71,848	Total of Other Heads of Revenue.		4,61,46,814
62,42,60,867	Total Carried Over		69,37,76,494

6th May 1977

of the Employees' State Insurance Corporation, together with audit report thereon, for the year 1973-74 are hereby pub-

INSURANCE CORPORATION, FOR THE YEAR 1973-74

the Year ended 31st March, 1974.

EXPENDITURE

Previous Year (1972-73)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	1. Benefits to Insured Persons & their families.		
	A—Medical Benefits.		
19,19,42,360	(ii) Payment to State Governments etc. as Corporations' Share of their expenses on providing medical treatment and maternity facilities etc.	23,44,37,459	
—	Deduct :—Payments to State Govts. towards medical care during the year transferred to the Capital Construction/Medical (Accumulated) Liabilities Reserve Fund.	—	
19,19,42,360		23,44,37,459	
98,70,571	(ii) Medical treatment & care & maternity facilities (expenses incurred direct by the Corporation).	1,25,98,648	
20,18,12,931	Total A—Medical Benefits.		24,70,36,107
	B—Cash Benefits.		
9,63,81,210	(1) Sickness Benefit.	11,87,85,496	
1,04,11,054	(2) Extended Sickness Benefit.	1,11,35,672	
71,01,877	(3) Maternity Benefit.	80,51,712	
	(4) Disablement Benefit.		
2,01,83,834	(a) Temporary.	2,29,47,535	
2,75,49,000	(b) Permanent (Capitalised Value).	3,03,95,000	
	(5) Dependants' Benefit		
62,05,000	(Capitalised Value).	1,12,73,000	
8,55,115	(6) Funeral Benefit.	9,27,997	
16,86,87,090	Total B—Cash Benefits.		20,35,16,412
	C—Other Benefits.		
20,762	(a) Expenditure on the Rehabilitation of Disabled Insured Persons	52,082	
2,70,340	(b) Medical Boards and Appeal Tribunals.	2,39,841	
	(c) Payments to Insured Persons.		
1,00,600	(i) Conveyance charges and/or loss of wages.	96,146	
—	(ii) Incidental charges under family planning.	—	
2,00,000	(d) Grants-in-aid.	3,00,000	
2,56,766	(e) Miscellaneous.	2,47,737	
8,48,468	Total C—Other Benefits.		9,35,806
37,13,48,489	Total Benefits to Insured Persons and their families.		45,14,88,325

37,13,48,489	Total Carried Over.	45,14,88,325

Previous Year (1972-73)	Heads of Account.	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
62,42,60,867	Total Brought Forward.		69,37,76,494
62,42,60,867	GRAND TOTAL		69,37,76,494

New Delhi
Dated 31st May, 1974.

Previous Year (1972-73)	Heads of Account.	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
37,13,48,489	Total Brought Forward.		45,14,88,325
	2. Administration Expenses.		
	A—Superintendence.		
58,819	1. Corporation, Standing Committee, Regional Boards etc.	36,404	
1,99,572	2. Principal Officers.	2,06,577	
25,26,251	3. Other Officers	27,26,372	
1,27,83,232	4. Ministerial Establishment.	1,51,77,672	
21,15,707	5. Class IV Servants.	27,00,629	
43,94,324	6. Contingencies.	41,69,292	
2,20,77,905	Total A—Superintendence.		2,50,16,946
	B—Field Work.		
7,11,737	1. Officers.	7,16,919	
1,38,01,659	2. Ministerial Establishment.	1,59,63,425	
22,66,857	3. Class IV Servants.	26,34,299	
18,01,940	4. Contingencies.	18,74,009	
1,85,82,193	Total B—Field Work.		2,11,88,652
	C—Other Charges.		
1,80,152	1. Legal Charges.	2,63,292	
30,020	2. Insurance Courts.	28,200	
45,289	3. Publicity & Advertisement Charges.	19,919	
86,170	4. Charges for maintaining Banking Accounts.	76,904	
1,27,224	5. Audit Fees.	1,20,340	
1,04,041	6. Leave & Pension Contributions.	73,700	
1,82,166	7. Depreciation of Office Buildings/Staff Cars.	2,00,888	
4,28,078	8. Repairs and Maintenance of Office Buildings.	4,25,152	
	9. Retirement Benefits.		
21,73,774	(a) Pension Reserve Fund for the Employees of the Corporation.	27,11,448	
1,94,015	(b) Corporations' Contribution towards Employees State Insurance Corporation Provident Fund.	2,21,221	
10,65,350	(c) Interest paid to ESIC Provident Fund.	11,82,382	
—	(d) Loss on realisation of Investment.	19,788	
(—)12,93,449	(e) Less Interest realised on investments of Provident Fund Balances.	(—)17,17,783	
3,500	10. Compassionate Reserve Fund.	11,000	
—	11. Emergency Reserve Fund.	2,36,00,000	
47,828	12. Miscellaneous.	15,075	
31	13. Losses.	42	
33,74,189	Total C—Other Charges.		2,72,52,198
4,40,34,287	Total Head 2—Administration Expenses.		7,34,57,796
	3. Hospital and Dispensaries & Accumulated Liabilities		
23,26,895	1. Depreciation of Hospital Buildings and Equipments	24,83,379	
66,66,299	2. Repairs & Maintenance of Hospital Buildings/Dispensaries	70,41,072	
4,80,00,000	3. Capital Construction	6,46,00,000	
5,69,93,194	Total Head 3—Hospitals & Dispensaries & Accumulated Liabilities		7,41,24,451
47,23,75,970	Total Expenditure on Revenue Account		59,90,70,572
15,18,84,897	To excess of Income over Expenditure Carried over to Balance Sheet.		9,47,05,922
62,42,60,867	GRAND TOTAL		69,37,76,494

A. S. SEYMOUR,
Financial Adviser & Chief Accounts Officer,
Employees' State Insurance Corporation.

EMPLOYEES STATE INSURANCE

Balance Sheet as

Previous Year (1972-73)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	Balance of Excess of Income over Expenditure		
36,51,85,534	As per last Balance Sheet.	51,70,70,431	
15,18,84,897	Accumulations during the year.	9,47,05,922	
51,70,70,431		61,17,76,353	
—	LESS Amount transferred to Emergency Reserve Fund from Last years' accumulation	(—) 3,04,00,000	
51,70,70,431			58,13,76,353
	Capital Construction Reserve Fund.		
2,46,32,495	Opening Balance.	7,26,32,495	
—	Amount transferred from Balance of Excess of Income over Expenditure	—	
4,80,00,000	ADD Provision made during the year.	6,46,00,000	
—	Interest received on Investments.	28,83,000	
—	LESS Payments made during the year	—	
7,26,32,495			14,01,15,495
	Permanent (Partial and Total) Disablement Benefit Reserve Fund.		
7,82,44,561	As per last Balance Sheet.	8,82,60,784	
2,75,49,000	Provision made during the year.	3,03,95,000	
43,21,557	Interest received from Investments	55,07,639	
—	LESS surplus declared by Valuer.	—	
11,01,15,118		12,41,63,423	
(—) 2,18,54,334	LESS Payments made during the year	(—) 2,40,33,691	
8,82,60,784			10,01,29,732
	Dependants' Benefit Reserve Fund.		
3,43,76,593	As per last Balance Sheet.	3,90,61,803	
62,05,000	Provision made during the year.	1,12,73,000	
21,31,018	Interest received from Investments.	25,43,489	
—	LESS Surplus declared by Valuer.	—	
4,27,12,611	Total Carried over of this Head.	5,28,78,292	
67,79,63,710	Total Carried Over.		82,16,21,580

CORPORATION
on 31 March, 1974

Previous year (1972-73)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	Lands and Buildings (wholly owned by the Corporation)		
	(a) Buildings for Offices of the Corporation.		
1,17,88,493	As per last Balance Sheet.	1,30,39,647	
12,51,154	Additions during the year.	1,37,241	
1,30,39,647		1,31,76,888	
	(b) Hospitals and Dispensaries.		
19,31,80,581	As per last Balance Sheet.	20,20,53,822	
88,73,241	Additions during the year.	1,59,72,993	
20,20,53,822		21,80,26,815	
	(c) Equipments for Hospitals etc.		
49,542	As per last Balance Sheet.	25,84,885	
25,35,343	Additions during the year.	—	
25,84,885		25,84,885	
21,76,78,354			23,37,88,588
	Lands and Buildings (Jointly owned by the Corporation and State Governments) Corporations Share.		
	(a) Hospitals and Dispensaries.		
7,95,250	As per last Balance Sheet.	9,06,375	
1,11,125	Additions during the year.	40,826	
9,06,375		9,47,201	
	(b) Equipments for Hospitals etc.		
49,680	As per Balance Sheet.	49,680	
—	Additions during the year.	—	
49,680		49,680	
9,56,055			9,96,881
	Suspense (i) Amount Advanced for Capital Expenditure		
7,92,39,577	As per last Balance Sheet.	7,24,88,856	
9,95,339	ADD Payments made during the year.	19,359	
(—) 77,46,060	LESS Adjustments & Recoveries	(—) 1,25,01,466	
7,24,88,850	Total Carried Over of this Sub-Head.	6,00,06,749	
21,86,34,409	Total Carried Over.		23,47,85,469

Previous Year (1972-73)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
67,79,63,710	Total Brought Forward.		82,16,21,580
4,27,12,611	Total Brought Forward of this head.	5,28,78,292	
(—) 36,50,808	LESS Payments made during the year.	(—) 42,45,871	
3,90,61,803			4,86,32,421
	Employees' State Insurance Corporation Provident Fund.		
1,78,88,438	As per last Balance Sheet.	1,96,07,418	
	ADD amount credited during the year.		
47,87,611	(i) Employees' Subscription.	53,09,068	
1,94,015	(ii) Corporation's Contribution.	2,21,221	
10,65,350	(iii) Interest on (Employees' and Corporation's shares).	11,82,382	
2,39,35,414		2,63,20,089	
(—) 39,70,364	LESS Payments made during the year.	(—) 42,97,074	
1,99,65,050		2,20,23,015	
	LESS amount transferred to:		
(—) 3,57,632	(i) Pension Reserve Fund Rs. 80,287 (ii) Unclaimed deposit. Rs. 4,540	(—) 84,827	
196,07,418			2,19,38,188
	Depreciation Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including Staff quarters).		
10,17,748	As per last Balance Sheet.	12,37,459	
1,48,404	Provision made during the year.	1,52,397	
71,307	Interest and gain received from investment.	88,950	
12,37,459			14,78,806
	Depreciation Reserve Fund of Equipments in Hospitals and Examination Centres.		
75,350	As per last Balance Sheet.	80,753	
257	Provision made during the year.	(—) 86,230	
5,146	Interest received from investment.	5,477	
80,753			
73,79,51,143	Total Carried Over.		89,36,70,995

Previous Year 1972-73	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
21,86,34,409	Total Brought Forward.		23,47,85,469
7,24,88,856	Total Brought Forward of the Sub-Head.	6,00,06,749	
	(ii) Amount advanced from Capital Construction Reserve Fund.		
2,22,40,201	As per last Balance Sheet.	2,65,88,180	
1,08,37,669	ADD Payments made during the year.	2,21,96,394	
(—)64,89,690	LESS Adjustments & Recoveries.	(—)40,47,312	
2,65,88,180		4,47,37,262	
9,90,77,036			10,47,44,011
	Staff Cars.		
2,46,098	As per last Balance Sheet.	2,78,565	
32,467	ADD Payments made during the year.	1,12,194	
2,78,565			3,90,759
	Permanent Advance to the Heads of Officers of the Corporation.		
34,772	As per last Balance Sheet.	36,442	
1,791	ADD Payments made during the year.	5,347	
36,563		41,789	
(—)121	LESS Recoveries made during the year.	(—)751	
36,442			41,038
	Advance of Pay on transfer to the Employees of the Corporation.		
28,697	As per last Balance Sheet.	26,045	
84,238	ADD Payments made during the year.	88,399	
1,12,935		1,14,444	
(—) 86,890	LESS Recoveries made during the year.	(—)95,710	
26,045			18,734
	Advance of T.A. on Transfer to the Employees of the Corporation.		
64,836	As per last Balance Sheet.	73,076	
1,14,323	ADD Payments made during the year.	1,16,411	
1,79,159		1,89,487	
(—)1,06,083	LESS Recoveries made during the year.	(—)1,06,338	
73,076			83,149
31,81,25,573	Total Carried Over.		34,00,63,160

Previous Year (1972-73)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
73,79,51,143	Total Brought Forward.		89,36,70,995
	Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings.		
94,85,940	As per last Balance Sheet.	1,24,66,836	
23,26,638	Provision made during the year.	25,69,608	
6,54,258	Interest received from investments.	8,96,849	
—	Loss on realisation of Investments.	(—) 882	
1,24,66,836			1,59,32,411
	Depreciation Reserve fund of Staff Cars.		
1,74,923	As per last Balance Sheet.	2,20,582	
33,762	Provision made during the year.	48,491	
11,897	Interest received from investments.	15,331	
2,20,582			2,84,404
	Repairs & Maintenance Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including Staff Quarters).		
21,19,643	As per last Balance Sheet.	24,50,830	
4,28,078	Provision made during the year.	4,25,152	
89,503	Interest received from investments.	1,15,233	
26,37,224		29,91,215	
(—)1,86,394	LESS Payments made during the year.	(—)1,47,072	
24,50,830			28,44,143
	Repairs & Maintenance Reserve Fund Account of Hospital Buildings.		
2,28,78,429	As per last Balance Sheet.	3,00,58,017	
66,66,299	Provision made during the year.	70,41,072	
12,70,357	Interest received from investments.	17,88,088	
3,08,15,085		3,88,87,177	
(—)7,57,068	LESS Payments made during the year.	(—)41,44,352	
3,00,58,017			3,47,42,825
78,31,47,408	Total Carried Over.		94,74,74,778

Previous year (1972-73)	Assets.	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
31,81,25,573	Total Brought Forward		34,00,63,160
	Advance for the purchase of Conveyance to Employees, of the Corporation		
8,76,900	As per last Balance Sheet.	8,89,690	
5,11,993	ADD Payments made during the year.	6,44,463	
13,88,893		15,34,153	
(—)4,99,203	Less Recoveries made during the year.	(—) 5,72,022	
8,89,690			9,62,131
	Miscellaneous Advances to the Employees of the Corporation (Festival Advances)		
10,42,900	As per last Balance Sheet.	8,02,011	
7,05,202	ADD Payments made during the Year.	5,76,404	
17,48,102		13,78,415	
(—) 9,46,091	Less Recoveries made during the year.	(—) 10,14,864	
8,02,011			3,63,551
	House Building Advance.		
7,05,523	As per last Balance Sheet.	16,16,464	
10,08,134	ADD Payments made during the year.	6,70,750	
17,13,657		22,87,214	
(—) 97,193	Less Recoveries made during the year.	(—)1,63,511	
16,16,464			21,23,703
	Advance Payments on behalf of State Governments.		
2,281	As per last Balance Sheet.	618	
2,971	ADD Payments made during the year.	5,683	
5,252		6,301	
(—) 4,634	Less Recoveries made during the year.	(—)194	
618			6,107
	Amount advanced to State Govts./State P.W.D. etc. towards Repairs and Maintenance of Hospitals/Dispensaries, Offices of the Corporation & Staff Quarters.		
	(a) Offices of the Corporation.		
6,92,608	As per last Balance Sheet	7,03,241	
94,268	ADD Payments made during the year.	2,21,501	
7,86,876		9,24,742	
(—)93,635	Less Recoveries/Adjustments made during the year.	(—) 86,704	
7,03,241			8,38,038
32,21,37,597	Total Carried Over.		34,43,56,690

Previous Year (1972-73)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
78,31,47,408	Total Brought Forward.		94,74,74,778
	Pension Reserve Fund for the Employees of the Corporation.		
3,15,07,629	As per last Balance Sheet.	3,61,62,604	
27,82,613	Provision made during the year.	30,05,106	
21,41,874	Interest received from investments.	24,80,968	
..	ADD deficit declared by Valuer.	..	
3,64,32,116		4,16,48,678	
(—) 2,69,512	Less Payments made during the year.	(—) 3,91,349	
3,61,62,604		4,12,57,329	
..	ADD Amount transferred from ESIC Provident Fund	80,287	
3,61,62,604			4,13,37,616
	Compassionate Reserve Fund for the Employees of the Corporation.		
10,000	As per last Balance Sheet.	10,000	
3,500	Provision made during the year.	11,000	
13,500		21,000	
(—) 3,500	Less Payments made during the year.	(—) 11,000	
10,000			10,000
..	Emergency Reserve Fund.		
..	from last years' accumulation.	3,04,00,000	
..	Provision made during the year.	2,36,00,000	
..	Interest realised on investments.	23,56,000	
..	Less amount transferred to the Revenue Account for meeting the excess of Expenditure over the Income.	..	
..			5,63,56,000
	Deposits of Securities		
2,87,769	As per last Balance Sheet.	3,04,271	
1,30,147	ADD Deposits during the year.	96,927	
4,17,916		4,01,198	
(—) 1,13,645	Less Deposits repaid during the year.	(—) 1,60,796	
3,04,271			2,40,402
	Deduction from Bills Payable to Other Parties		
55,694	As per last Balance Sheet.	15,927	
5,11,688	ADD Amount credited during the year	5,66,101	
5,67,382		5,82,028	
(—) 5,51,455	Less Payments made during the year	(—) 5,43,814	
15,927			38,214
81,96,40,210	Total Carried Over		1,04,54,57,010

Previous Year (1972-73)	Assets.	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
32,21,37,597	Total Brought Forward.		34,43,56,690
	(b) Hospitals/Dispensaries/Annexies.		
34,10,837	As per last Balance Sheet.	61,46,956	
34,18,649	ADD Payments made during the year.	34,13,346	
68,29,486		95,60,302	
(—) 6,82,530	Less Receipts during the year.	(—) 30,55,485	
61,46,956			65,04,817
	Miscellaneous Advances.		
11,14,279	As last Balance Sheet.	12,16,411	
2,71,982	ADD Payment made during the year	3,38,817	
13,86,261		15,55,228	
(—) 1,69,850	Less Receipts during the year	(—) 3,22,793	
12,16,411			12,32,435
	Loans to State Governments/Other Parties		
1,55,00,000	As per last Balance Sheet.	2,11,66,667	
60,00,000	ADD Payments made during the year.	60,00,000	
2,15,00,000		2,71,66,667	
(—) 3,33,333	Less amount refunded by State Governments	(—) 11,33,334	
2,11,66,667			2,60,33,333
	Remittances.		
	Cash Remittances.		
2,33,400	As per last Balance Sheet.	(—) 7,10,941	
1,14,66,16,916	ADD Debits adjusted during the year.	1,33,96,21,237	
1,14,68,50,316		1,33,89,10,296	
(—)1,14,75,61,257	Less Credits adjusted during the year.	(—) 1,34,55,86,296	
(—) 7,10,941			(—) 66,76,000
	Other Remittances-Exchange Account.		
8,313	As per last Balance Sheet.	(—) 2,296	
2,24,92,307	ADD Debits during the yar.	3,87,96,376	
2,25,00,620		3,87,94,080	
(—)2,25,02,916	Less Credits during the year.	(—)3,87,90,294	
(—) 2,296			3,786
34,99,54,394	Total Carried Over.		37,14,55,061

Previous Year (1972-73)	Liabilities.	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
81,96,40,210	Total Brought Forward.		1,04,54,57,010
	Unclaimed Deposits in the ESIC Provident Fund.		
6,738	As per last Balance Sheet.	8,842	
2,653	ADD Amount credited during the year.	4,540	
9,391		13,382	
(—) 549	Less Payments made during the year	(—) 5,016	
8,842			8,366
	Misscellaneous Deposits.		
10,15,012	As per last Balance Sheet.	9,43,977	
(—) 22,580	Less Deposits repaid during the year.	(—) 39,291	
9,92,432		9,04,686	
(—) 48,455	ADD Deposits Received during the year.	8,84,081	
9,43,977			17,88,767
82,05,93,029	Total Carried Over		1,04,72,54,143

Previous Year (1972-73)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
34,99,54,394	Total Brought Forward		37,14,55,061
	Investment at Cost.		
	(1) Permanent (Partial & Total) Disablement Benefit Reserve Fund.		
7,82,36,929	As per last Balance Sheet.	8,82,57,929	
1,04,21,000	ADD Investments made during the year.	2,18,33,000	
8,86,57,929		11,00,90,929	
(—) 4,00,000	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—)99,63,000	
8,82,57,727			10,01,27,929
	(2) Dependants, Benefit Reserve Fund.		
3,43,75,507	As per last Balance Sheet.	3,89,60,501	
1,19,14,000	ADD Investments made during the year.	1,39,45,300	
4,62,89,507		5,29,05,807	
(—) 73,29,000	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments	(—) 42,74,300	
3,82,60,507			4,86,31,507
	(3) Employees' State Insurance Corporation Provident Fund.		
1,78,86,888	As per last Balance Sheet.	1,94,86,788	
29,07,700	ADD Investments made during the year.	54,63,400	
2,07,94,588		2,49,50,188	
(—) 13,07,800	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—) 30,32,188	
1,94,86,788			2,19,18,000
	(4) Depreciation Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including Staff Quarters).		
10,16,509	As per last Balance Sheet.	12,36,509	
2,20,000	ADD Investments made during the year.	2,59,500	
12,36,509		14,96,009	
—	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—) 19,500	
12,36,509			14,76,509
	(5) Depreciation Reserve Fund of Equipments in Hospitals & Examination Centres.		
75,125	As per last Balance Sheet.	80,125	
34,000	ADD Investments made during the year.	(—) 80,125	
1,09,125		—	
(—)29,000	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	—	
80,125			—
49,79,76,252	Total Carried Over.		54,36,09,006

Previous Year (1972-73	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
82,05,93,029	Total Brought Forward.		1,04,72,54,143

82,05,93,029	Total Carried Over.	1,04,72,54,143

Previous Year (1972-73)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
49,79,76,252	Total Brought Forward.		54,36,09,006
	(6) Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings.		
94,75,115	As per last Balance Sheet.	1,24,66,115	
36,29,000	ADD Investments made during the year.	37,76,225	
1,31,04,115		1,62,42,340	
(—) 6,38,000	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—)4,37,981	
1,24,66,115			1,58,04,539
	(7) Depreciation Reserve Fund of Staff Cars.		
1,73,735	As per last Balance Sheet.	2,19,735	
55,000	ADD Investments made during the year.	64,000	
2,28,735		2,83,735	
(—) 9,000	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	—	
2,19,735			2,83,735
	(8) Repairs & Maintenance Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including Staff Quarters).		
14,18,994	As per last Balance Sheet.	17,50,994	
3,32,000	ADD Investments made during the year.	1,79,000	
17,50,994		19,29,994	
—	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	—	
17,50,994			19,29,994
	(9) Repairs & Maintenance Reserve Fund of Hospital Buildings.		
1,94,60,250	As per last Balance Sheet.	2,39,04,050	
56,35,800	ADD Investments made during the year.	80,33,700	
2,50,96,050		3,19,37,750	
(—) 11,92,000	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—)38,00,700	
2,39,04,050	(10) Pension Reserve Fund for the Employees of the Corporation.		2,81,37,050
3,14,96,381	As per last Balance Sheet.	3,61,56,581	
51,30,200	ADD Investments made during the year.	50,75,000	
3,66,26,581		4,12,31,581	
(—) 4,70,000	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	—	
3,61,56,581			4,12,31,581
57,24,73,727	Total Carried Over.		63,09,95,725

Previous Year (1972-73)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
82,05,93,029	Total Brought Forward.		1,04,72,54,143
82,05,93,029	GRAND TOTAL		1,04,72,54,143

New Delhi;
Dated : 31st May, 1974

AUDIT CERTIFICATE

I have examined the foregoing accounts and the balance sheet of the Employees' State Insurance Corporation and obtained all the my audit, that in my opinion these accounts and the balance sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the Corporation.

New Delhi;
Dated : 9th August, 1976

Previous Year (1972-73)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
57,24,73,727	Total Brought Forward.		63,09,95,725
	(11) Capital Construction Reserve Fund.		
—	Investments during the year.	8,20,28,000	
—	Deduct—Realisation on Maturity or Sale.	—	
—	(12) Emergency Reserve Fund.		8,20,28,000
—	Investments during the year.	5,60,00,000	
—	Deduct—Realisation on Maturity or Sale.	—	
—	General Cash Balance.		5,60,00,000
2,26,07,800	Investments as per last Balance Sheet.	21,72,96,000	
49,71,88,200	ADD Investments made during the year.	19,16,04,000	
51,97,96,000		40,89,00,000	
(—)30,25,00,000	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—)17,64,00,000	
21,72,96,000		23,25,00,000	
12,18,928	Cash in hand.	15,51,033	
2,96,04 ,374	Cash with Bankers	4,41,79,385	
3,08,23,302		4,57,30,418	
24,81,19,302	Total Cash Balance		27,82,30,418
82,05,93,029	GRAND TOTAL		1,04,72,54,143

A. S. SEYMOUR,
Financial Adviser & Chief Accounts Officer,
Employees' State Insurance Corporation.

information and explanations that I have required and subject to the observations in the Audit Report appended, I certify, as a result of state of affairs of the Corporation according to the best of my information and explanations given to me and as shown by the books of the

G.B. SINGH,
Accountant General, Central Revenues.

AUDIT REPORT ON THE EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION FOR THE YEAR 1973-74

Consolidated Audit Report on the accounts of the Employees' State Insurance Corporation, New Delhi for the year 1973-74 received through Ministry of Labour and Employment, New Delhi on 20-8-1976 alongwith A.G.C.R. confidential letter No. OAI/13-ESIC/AR/73-74/556 dated 10-8-1976.

1. General :

(i) The Employees' State Insurance Corporation was set up in October, 1948 under the Employees' State Insurance Act, 1948. The Act, as amended by Employees' State Insurance (Amendment) Acts of 1951 and 1966 applies to all factories other than seasonal factories which use power and where 20 or more persons are or were employed for wages. The Act can be extended to any other establishment or class of establishment industrial, commercial, agricultural or otherwise.

(ii) During 1973-74, the provisions of the Act were extended to 897 factories covering 1.84 lakh employees. The number of factories covered by the Act on 31st March, 1974 was 26,005 (24,289 in implemented areas and 1,716 in non-implemented areas) having 49.40 lakhs employees (including 43.03 lakhs in implemented areas).

(iii) An analysis of the income and expenditure of the Corporation for 1972-73 and 1973-74 is given below :—

Income	(Lakhs of Rupees) 1972-73	1973-74	Expenditure	(Lakhs of Rupees) 1972-73	1973-74
Employers' Special Contribution	3,962	2,142	(a) Medical benefit payments to State Governments as Corporation's share of expenses on providing medical treatment etc.	1,919	2,344
Employees' Contribution	1,916	2,276	(b) Medical treatment and care expenses incurred directly by the Corporation	99	126
Employers' and Employees' Share	..	2,038			
Interest and dividends from investment	103	227			
State Governments' share towards medical benefits initially borne by the Corporation	..	20	Cash and other benefits to insured persons and their dependents paid directly by the Corporation	1,695	2,045
Miscellaneous including rents, rates and taxes	262	235	Administrative Expenses :		
			Superintendence	221	250
			Field Work	186	212
			Other Charges	34	273
			Hospitals and Dispensaries	570	74
			Excess of income over expenditure	1,519	947
	6,243	6,938		6,243	6,938

2. Arrears of contribution :

In March, 1975 arrears of contribution due from the Employees' and Employers upto 30th Sept., 1973 were as follows: (The position in March, 1975 of arrears of contribution which become due upto 30th Sept., 1 1972 is also indicated in the table).

	Due upto 30-9-72 (lakhs of Rupees)	Due upto 30-9-73 (lakhs of Rupees)
Employers' Special Contribution	964.53	1032.99
Employees' Contribution	317.98	371.90
Employers'+Employees' combined contribution (started w.e.f. 1-7-73)	..	48.07

Out of 1552 factories defaulting in the payment of contribution, 379 factories were in default (September 1974) for more than Rs. 0.50 lakh each.

Decrees for Rs. 28.46 lakhs (year-wise details given below) remained to be executed (31st December, 1975) against employers.

Upto	(Lakhs of rupees)
1964-65	5.05
1965-66	.85
1966-67	3.01
1967-68	3.22
1968-69	8.62
1969-70	3.44
1970-71	1.14
1971-72	.89
1972-73	2.24
	28.46

3. Advances :

(i) Out of the amount advanced to State Governments and Central Public Works Department upto 31st March, 1974 for construction of hospitals, dispensaries and other buildings, Rs. 897.37 lakhs (year-wise break-up given below) remained unadjusted on 30th April, 1976.

Year in Which advance was paid	Remaining unadjusted as on 31-3-76
1. 1960-61 to 1965-66	189.89
2. 1966-67	76.66
3. 1967-68	126.16
4. 1968-69	107.45
5. 1969-70	46.26
6. 1970-71	56.04
7. 1971-72	93.86
8. 1972-73	67.94
9. 1973-74	133.11
	897.37

(ii) Out of amounts advanced to the Government Department, Semi-Government Organisations and private parties on account of supply of stationery, liveries, law charges, rent for hiring accommodation, etc. Rs. 11.12 lakhs (year-wise details given below) remained un-adjusted (October, 1975).

Year In which advance was paid	Unadjusted amount (Rupees in lakhs)
Upto 1963-64	0.23
1964-65	0.23
1965-66	0.86
1966-67	0.27
1967-68	0.83
1968-69	2.61
1969-70	1.20
1970-71	2.42
1971-72	1.05
1972-73	0.98
1973-74	0.44
	11.12

4. Adjustment of "On Account" payment :

Out of "On Account" payments made to State Governments as Corporation's share towards cost of medical benefits of insured persons and their families Rs. 1337.81 lakhs (detailed below) relating to the year 1969-70 to 1973-74 were awaiting adjustments (January, 1976.

Year to which amount pertains	Balance outstanding (In lakhs of rupees)
1969-70	32.23
1970-71	44.46
1971-72	195.61
1972-73	168.93
1973-74	896.58
	1337.81

5. Annual Account :

Miscellaneous deposits (Rs. 17,88,767).

Erroneous credits afforded by the bank and unclassified receipts are adjusted under the head "Miscellaneous Deposits". The balance under this head on 31st March, 1974 was Rs. 17.89 lakhs as compared to Rs. 9.44 lakhs on 31st March, 1973.

New Delhi;

Dated : August 9, 1976.

G. B. SINGH, Accountant General
Central Revenues
[No. G-25012/3/76—HI]
S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 2 मई, 1977

का० आ० 1579.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1445, तारीख 3 अप्रैल, 1976 के क्रम में हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लि०, कानपुर को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 17 अप्रैल, 1977 से 31 जुलाई, 1977 तक (31 जुलाई, 1977 सहित) की और अवधि के लिए छूट देती है ।

2 पूर्वोक्त छूट निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन है, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त विधि अवधि कहा गया है), जिसके दौरान यह कारखाना उक्त अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन था, ऐसी विवरणियां ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टयों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (विविध) विनियम, 1950 के अधीन उक्त अवधि के सम्बन्ध में उससे शोध्य थी;

(2) निगम द्वारा, उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का कोई अन्य पदधारी जो इस निमित्त प्राधिकृत किया गया हो—

(i) उक्त अवधि की बाबत धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन दी गई किसी विवरणी में अन्तर्विष्ट विशिष्टयों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ ; या

(ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि क्या उक्त अवधि की बाबत, कर्मचारी राज्य बीमा (विविध) विनियम, 1950 द्वारा यथापेक्षित रजिस्टर और अभिलेख रखे गए थे; या

(iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि क्या कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को नकदी और वस्तु के रूप में पाने का हकदार बना रहता है जिसको ध्यान में रखते हुए इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है; या

(iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के सम्बन्ध में ऐसे उपबन्ध प्रवृत्त थे, अधिनियम के उपबन्धों में से किसी का अनुपालन किया गया था, निम्नलिखित के लिए सशक्त किया जाएगा कि वह—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करेगा कि वह उसे ऐसी सूचना दे जो वह आवश्यक समझे; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगीधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसरों में किसी युक्तियुक्त समय पर प्रवेश करे और ऐसे व्यक्ति से जो उसका भारसाधन कर रहा हो, ऐसी अपेक्षा करेगा कि लेखे बहियां और अन्य दस्तावेजें, जो व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के सम्बन्ध से सम्बन्धित हों, ऐसे निरीक्षक को प्रस्तुत करने, और उनकी परीक्षा करने के लिए उपलब्ध करे या उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक उसके अभिकर्ता या सेवक, या ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसरों मे पाए गए किसी व्यक्ति को या किसी ऐसे व्यक्ति को जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करे; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की प्रतियां तैयार करे या उसमे उद्धरण ले ।

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट देने के लिए आवेदन-पत्र पर कार्यवाही करने मे समय लगा; तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि जिन परिस्थितियों में कारखाने को आरम्भ में छूट दी गई थी वे अभी भी विद्यमान हैं और कारखाना छूट का पात्र है । यह भी प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

[सं० एस 38014/11/77—एच०आई०]

New Delhi, the 2nd May, 1977

S.O. 1579.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 1445, dated the 3rd April, 1976, the Central Government hereby exempts Hindustan Aeronautics Limited, Kanpur, from the operation of the said Act for a further period from the 17th April, 1977 upto and inclusive of 31st July, 1977.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the periad when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the conditions under which the factory was initially granted exemption still persist and the factory is eligible for exemption. It is also certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/11/77-HI]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 9 मई, 1977

का०आ० 1580.—इंडियन प्रटो केमीकल्स कार्पोरेशन लिमिटेड, पोस्ट आफिस जवाहर नगर, बडौदा, गुजरात (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952(1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन छूट देने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार की राय में अभिदाय की दरों की बाबत उक्त स्थापन के भविष्य निधि नियम उसके कर्मचारियों के लिए उन नियमों से कम अनुकूल नहीं है जो उक्त अधिनियम की धारा 6 में विनिर्दिष्ट हैं, और कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि की अन्य प्रसुविधाओं का भी उपभोग कर रहे हैं जो उन प्रसुविधाओं से कम अनुकूल नहीं हैं, जो, उसी प्रकार के किसी अन्य स्थापन के कर्मचारियों के संबंध में, उक्त अधिनियम के अधीन और कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम 1952 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उपबन्धित है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त स्थापन को उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1 उक्त स्थापन से सम्बद्ध नियोजक, निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा और ऐसे निरीक्षण प्रभार का प्रत्येक मास के अन्त के 15 दिन के भीतर संदाय निरीक्षण प्रभार का संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करे।

2 उक्त स्थापन से सम्बद्ध नियोजक—

(1) भविष्य निधि अभिदायों के विनिधान की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3), के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए निदेशों का पालन करेगा ;

(2) यह ध्यान रखने के लिए सम्यक सावधानी बरतेगा कि उक्त स्थापन की बाबत गठित न्यासी बोर्ड भविष्य निधि अभिदायो का विनिधान समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए निदेशों के अनुसार करता है और उक्त न्यासी बोर्ड द्वारा भविष्य निधि अभिदायों के विनिधान के लिए उत्तरदायी होगा ;

3 नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा। जिन्हें केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

4. नियोजक प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण या पास बुक भेजेगा।

5 निधि के प्रशासन, जिसमें लेखाओं का बनाए रखना, लेखाओं और विवरणियो का भेजा जाना, संचयों का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों आदि का संदाय सम्मिलित है, में होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

6. नियोजक प्रतिवर्ष हर एक सदस्य के खाते में ऐसी दर पर जो न्यासी बोर्ड अवधारित करे ब्याज जमा कर देगा और ऐसी दर उस से कम नहीं होगी जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा अवधारित की जाए।

7. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा निधि के नियमों की एक प्रति स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा और जब कभी उनमें संशोधन किया जाएगा सब कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद भी प्रदर्शित करेगा।

8. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी निधि) या छूट प्राप्त किसी अन्य स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही से सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित होता है तो नियोजक स्थापन की निधि के सदस्य के रूप में उसका नाम ही दर्ज करेगा और ऐसे कर्मचारी की बाबत उसके पिछले संचयो को स्वीकार करके उन्हे उसके खाते में जमा करेगा।

9. यदि उस वर्ग के स्थापनों के लिए, जिसमे नियोजक का भविष्य निधि के अभिदायों की दर उक्त अधिनियम के अधीन बढ़ा दी जाए तो नियोजक भविष्य निधि के अभिदायों की दर समुचित रूप से बढ़ा देगा ताकि स्थापन की भविष्य निधि स्कीम के अधीन की प्रसुविधाएं उन प्रसुविधाओं से कम अनुकूल न हो जाएं जिनकी व्यवस्था उक्त अधिनियम के अधीन है।

10. स्थापन अपने भविष्य निधि का संपरीक्षक तुलनपत्र हर व प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त को वर्षान्त के तीन मास के भीतर भेजेगा।

11. स्थापन के भविष्य निधि नियमों में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी सदस्य को उस स्थापन का कर्मचारी न रह जाने की दशा में देय रकम अथवा किसी अन्य स्थापन को उसका स्थानान्तरण हो जाने पर अन्तरणीय रकम जो कि नियोजक और कर्मचारियों के अभिदाय के रूप में तथा उस पर ब्याज और उसके अतिरिक्त वह रकम भी, यदि कोई हो, जो उपदान या पेंशन नियमों के अधीन देय है, कुल मिलाकर यदि उस रकम से कम है जो नियोजक और कर्मचारी के अभिदाय के रूप में तथा उस पर ब्याज के रूप में उस दशा देय होती जब कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के अधीन भविष्य निधि का सदस्य होता, तो नियोजक इन रकमो के अन्तर के बराबर रकम सदस्य को अतिपूर्ति के रूप में अथवा विशेष अभिदाय के रूप में संदत्त करेगा।

12. भविष्य निधि नियमो में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त गुजरात के पूर्व अनुमोदन के बिना नही किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना सम्भाव्य हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अनुमोदन करने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

[सं० एस-35014/11/77-पी० एफ०-2]

New Delhi, the 9th May, 1977

S.O. 1580.—Whereas Messrs Indian Petro-chemicals Corporation Limited, Post Office Jawahar Nagar, District Baroda, Gujarat (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of the sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952).

And whereas in the opinion of the Central Government, the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable to the employees therein than those specified in section 6 of the said Act, and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less

favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

THE SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), within 15 days from the close of every month.

2. The employer in relation to the said establishment:—

(i) shall comply with the directions issued by the Central Government, from time to time, under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the said Act in regard to the investment of provident fund contributions;

(ii) shall take due care to see that the Board of Trustees constituted in respect of that establishment invest the provident fund contributions in accordance with the directions issued by the Central Government, from time to time and shall be responsible for such investment of the provident fund contributions by the said Board of Trustees.

3. The employer shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government may, from time to time, direct.

4. The employer shall furnish to each employee an annual Statement of account or Pass Book.

5. All expenses involved in the administration of the fund including the maintenance of accounts, submission of accounts and returns, transfer of accumulations, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

6. The employer shall credit, every year to the account of each member interest at such rates as may be determined by the Board of Trustees and such rate shall not be less than the one determined by the Central Government from time to time.

7. The employer shall display on the notice board of the establishment a copy of the rules of the fund as approved by the appropriate Government and, as and when amended, along with a translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

8. Where an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund (Statutory Fund) or the provident fund of another exempted establishment is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the fund of the establishment, and accept the past accumulations in respect of such employees and credit to his account.

9. The employer shall enhance the rate of provident fund contribution appropriately if the rate of provident fund contributions for the class of establishments in which his establishment falls is enhanced under the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) so that the benefits under the provident fund Scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefit provided under the said Act.

10. The establishment shall submit an audited balance sheet of its provident fund every year to the Regional Commissioner within three months of the close of the year.

11. Notwithstanding anything contained in the rules of the provident fund of the establishment if the amount payable to any member, upon his ceasing to be an employees of the establishment or transferable on his transfer to any other establishment, by way of employer and employees' contribution plus interest thereon taken together with the amount, if any, payable under the Gratuity or Pension Rules, be less than the amount that would be payable as employer's and employees' contributions plus interest thereon, if he were a member of the Provident Fund under the Employees' Provident Fund Scheme, 1952, the employer shall pay the difference to the member as compensation or special contribution.

12. No amendment of the rules of the provident fund of the establishment shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner and where any amendment is likely to affect adversely the interests of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat shall, before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

[No. S. 35014/11/77-P.F.II]

नई दिल्ली 10 मई, 1977

शुद्धिपत्र

का. आ. 1581.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (2) तारीख 12 फरवरी, 1977 के पृष्ठ 587 पर प्रकाशित भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 552 तारीख 27 जनवरी, 1977 में अधिसूचना के हिन्दी पाठ में पहली और दूसरी पंक्ति में "मैसर्स नागपाल पैट्रोकैमिकल्स लिमिटेड" के स्थान पर "मैसर्स नागपाल पेट्रोचेम लिमिटेड" पढ़ें ।

[सं. एस-35014(25)/76-पी. एफ.-2]

New Delhi, the 10th May, 1977

CORRIGENDUM

S.O. 1581.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 552, dated the 27th January, 1977 published at pages 587-588 of the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (2) dated the 12th February, 1977, at page 587 in lines 1 and 2 of the notification (English version) *for* "Messrs Nagnal Petro Chemical Limited" read "Messrs Nagpal Petro-Chem Limited".

[No. S. 35014(25)76-PF. II]

नई दिल्ली, 11 मई, 1977

का. आ. 1582.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रिलायन्स इंजीनियरिंग सॅल्स आर्गनाईजेशन, मावलंकर हवेली, भद्र, अहमदाबाद-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(14)/77-पी.एफ.-2]

New Delhi, the 11th May, 1977

S.O. 1582.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in

relation to the establishment known as Messrs Reliance Engineering Sales Organisation, Mavalankar Haveli, Bhadra, Ahmedabad-1, have agreed that the provision of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1966.

[No. S. 35019(14)/77-PF. II]

का. आ. 1583.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वैभव होटल कल्पना सिनेमा के निकट, गांधी रोड, अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(30)/77-पी.एफ.-2]

S.O. 1583.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vaibhav Hotel, Near Kalpana Cinema, Gandhi Road, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019(30)/77P-F. II]

का. आ. 1584.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रीमियर बायलर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 160/2, जी.आई.डी.सी इंडस्ट्रियल एस्टेट, वत्वा, अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(31)/77-पी.एफ.-2]

S.O. 1584.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s Premier Boilers (Private) Limited, 160/2, G.I.D.C., Industrial Estate, Vatva, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1976.

[No. S. 35019(31)/77-P.F. II]

का. आ. 1585.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लक्ष्मी टैक्सटाइल इंडस्ट्रीज रोड नं. ए/2, उद्योगनगर, उधना, जिला सूरत, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 अगस्त, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(37)/77-पी. एफ-2]

S.O. 1585.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Laxmi Textile Industries, Road No. A/2, Udyognagar, Udhna, District Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1976.

[No. S. 35019(37)/77-P.F. II]

का. आ. 1586.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रूबी टैक्सटाइल इंडस्ट्रीज, रोड नं. ए/2, प्लाट नं. 15, औद्योगिक एस्टेट, उधना, जिला सूरत, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 अगस्त, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(38)/77-पी. एफ-2]

S.O. 1586.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ruby Textile Industries, Road No. A/2, Plot No. 15, Industrial Estate, Udhna, District Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central

Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1976.

[No. S. 35019(38)/77-PF. II]

का. आ. 1587.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पर्ल टैक्सटाइल इंडस्ट्रीज, रोड नं. ए/2, प्लाट नं. 15, उद्योग-नगर, उधना, जिला सूरत, नामक स्थान से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम के उपबंध उक्त स्थान को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अगस्त, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(39)/77-पी. एफ-2]

S.O. 1587.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. Pearl Textile Industries, Road No. A/2, Plot No. 15, Udyognagar, Udhna, District Surat, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of August, 1976.

[No. S. 35019(39)/77-PF. II]

का. आ. 1588.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विमल टैक्सटाइल, उद्योगनगर, उधना, जिला सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 सितम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(43)/77-पी.एफ.-2]

S.O. 1588.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vimal Textiles, Udyognagar, Udhna, District Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1976.

[No. S. 35019(43)/77-PF.II]

का. आ. 1589.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विपुल टैक्सटाइल्स, उद्योगनगर, उधना, जिला सूरत, नामक स्थान से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 सितम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(46)/77-पी.एफ.-2]

S.O. 1589.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vipul Textiles, Udyognagar, Udhna, District Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1976.

[No. S. 35019(46)/77-PF. II]

का. आ. 1590.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जयंतीलाल आदितराम, प्लाट नं. 1, क्रम सं. 33/2, सबजेल के पीछे, खटोद्रा, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस.-35019(60)/77-पी.एफ.-2]

S.O. 1590.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jayantilal Aditram, Plot No. 1, S. No. 33/2, behind sub-jail, Khatodra, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. S. 35019(60)/77-PF. II]

का. आ. 1591.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स महेन्द्रकुमार ईश्वरलाल, प्लाट नं. 1, क्रम सं. 33/2, सबजेल के पीछे, खटोद्रा, सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्म-चारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी

भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं एस-35019(63)/77-पीएफ-2]

S.O. 1591.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mahendrakumar Ishwarlal, Plot No. 1, S. Nos. 33/2, behind sub-jail, Khatodra, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019(63)/77-PF. II]

का. आ. 1592.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स फलिप्स टैक्सटाइल्स, केन्द्रीय सड़क सं. 7, का कोना, 99/103, पेंकी, उद्योगनगर, ऊधना, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 सितम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(485)/76-पीएफ-2]

S.O. 1592.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Philips Textiles, Corner of Central Road No. 7, 99/103, Paikee, Udyognagar, Udhna, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1976.

[No. S. 35019(485)/76-PF. II]

का. आ. 1593.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स श्री नाथ जी टिवस्टिंग वर्क्स रामपुरा पुराना बालाश्रम, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अक्तूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(490)/76-पी.एफ.-2]

S.O. 1593.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shree Nathji Twisting Works, Rampura, Old Balashram, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of October, 1976.

[No. S. 35019/490/76-PF-II]

का. आ. 1594.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स एच. के. एण्ड कम्पनी, सड़क सं. 7, उद्योगनगर, ऊधना, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अक्तूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019 (492)/76-पी.एफ.-2]

S.O. 1594.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs H. K. and Company, Road No. 7, Udyognagar, Udhna, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of October, 1976.

[No. S. 35019(492)/76-PF. II]

का. आ. 1595.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स सुरेश टैक्स्टाइल, बी-1, उद्योग नगर, नवसारी जिला वालसर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(531)/76-पी.एफ-2]

S.O. 1595.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Suresh Textile, B-I, Udyognagar, Navsari, District Bulsar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019(531)/76-PF.II]

का. आ. 1596.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात 31 अक्तूबर, 1976 से मैसर्स भगवती स्फेरोकास्ट (प्राइवेट) लिमिटेड, 1, कृष्ण सोसाइटी, एलिसब्रिज, अहमदाबाद-6 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं. एस- 35019(540)/76-पी.एफ.-2]

S.O. 1596.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty first day of October, 1976 the establishment known as Messrs Bhagwati Spherocast (Private) Limited, 1, Krishna Society, Ellisbridge, Ahmedabad-6, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(540)/76-PF.II]

नई दिल्ली, 17 मई, 1977

का०आ० 1587.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 29 मई, 1977 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 [धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है] के उपबन्ध कर्नाटक राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात :—

क्षेत्र		होबली	तालूक	जिला
उदीपी				
76 बादागुबेट्टु	उदीपी नगर पालिका की सीमाओं के भीतर	उदीपी	उदीपी	साउथ कनारा
मुदुनीदाम्बुर		उदीपी	उदीपी	साउथ कनारा
शिवल्ली		उदीपी	उदीपी	साउथ कनारा
पुत्तुर		उदीपी	उदीपी	साउथ कनारा
थोसे ईस्ट		ब्रह्मावार	उदीपी	साउथ कनारा
मणीपाल				
शिवल्ली	उदीपी	उदीपी	उदीपी	साउथ कनारा
हैरगा	उदीपी	उदीपी	उदीपी	साउथ कनारा
मालपे				
कोदावूर		उदीपी	उदीपी	साउथ कनारा

[सं० एस० 38013/14/76-एच० आई०]

New Delhi, the 17th May, 1977

S.O. 1597.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 29th May, 1977 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI [except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Karnataka, namely :—

Area		Hobli	Taluk	District
UDIPI				
76 Badagubettu	Within Udrpi Municipal Limits.	Udipi	Udipi	South Kanara
Mudunidambur		Udipi	Udipi	South Kanara
Shivall		Upipi	Udipi	South Kanara
Puttur		Udipi	Udipi	South Kanara
Thonse East		Brahmavar	Udipi	South Kanara
MANIPAL				
Shivalli		Udipi	Udipi	South Kanara
Herga		Udipi	Udipi	South Kanara
MALPE				
Kodavoor		Udipi	Udipi	South Kanara

[No. S-38013/14/76-HI]

नई दिल्ली, 21 मई, 1977

का० आ० 1598.—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 999 तारीख 15 मार्च, 1977 के अनुक्रम में केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) या खण्ड (ख) के अधीन छूट प्राप्त स्थापन के सम्बन्ध में या कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के यथास्थिति, पैरा

27 या पैरा 27क के अधीन छूट प्राप्त किसी कर्मचारी या कर्मचारियों के वर्ग से सम्बद्ध प्रत्येक नियोजक उस स्थापन या, जैसी भी स्थिति हो कर्मचारी या कर्मचारियों के वर्ग के संबंध में, प्रत्येक नियोजक भविष्य निधि के मासिक अभिदाय उस स्थापन की बाबत सम्यक रूप से गठित न्यासी बोर्ड को मासान्त के पन्द्रह दिन के भीतर अन्तरित कर देगा और उक्त न्यासी बोर्ड, यथास्थिति, उस स्थापन या कर्मचारी या कर्मचारियों के वर्ग के संबंध में भविष्य निधि संचयनों को, अर्थात् अभिदायों, ब्याज और अन्य प्राप्तियों को, बाध्यकर निर्गमों को कम करके, निम्नलिखित रीति के अनुसार हर मास नियोजकों से उक्त रकमों की प्राप्ति की तारीख से दो सप्ताह की अवधि के भीतर विनिहित करेगा, अर्थात् —

(1) केन्द्रीय सरकार द्वारा सृष्ट तथा निर्गमित, लोक ऋण अधिनियम, 1914(1944 का 18) धारा 2 के खंड (2) में यथा परिभाषित, सरकारी प्रतिभूतियां ।	25% से अन्यून
(2) किसी भी राज्य सरकार द्वारा सृष्ट तथा निर्गमित लोक ऋण अधिनियम, 1944(1944 का 18) की धारा (2) के खंड (2) में यथा परिभाषित सरकारी प्रतिभूतियां ।	25% से अन्यून
(3) कोई अन्य परिक्राम्य प्रतिभूतियां या बांड, जिनका मूलधन तथा जिन पर ब्याज केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा पूर्णत तथा बिना शर्त गारंटीकृत हो ।	25% से अन्यून
(4) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्र (दूसरा और तीसरा निर्गम) या डाकघर सावधि निक्षेप ।	30% से अनधिक
(5) भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की अधिसूचना संख्या एफ-16(1)पीडी/75, तारीख 30-6-1975 द्वारा आरंभ की गई विशेष निक्षेप योजना ।	20% से अनधिक

2 विनिधान की उपर्युक्त रीति पहली जुलाई, 1977 से अगले आदेश जारी होने तक प्रवृत्त रहेगी । इस अवधि के दौरान परिपक्व हो जाने वाले डाकघर सावधि निक्षेप के पुनर्विधान का 50% डाकघर सावधि निक्षेप में और 50% विशेष निक्षेप में किया जाएगा । उपर्युक्त के अधीन रहते हुए, भविष्य निधि संचयनों की अन्य सभी परिपक्व राशियों का पुनर्विनिधान ऊपर पैरा-1 में उल्लिखित रीति के अनुसार किया जाना जारी रहेगा ।

3 न्यासी बोर्ड संचयनों के पूर्वोक्त निदेशों के अनुसार तत्काल विनिधान या पुनर्विनिधान के लिए उचित प्रक्रिया बनाएगा ।

[संख्या जी० 27035(5)/76-पी०एफ०-1(1)]

New Delhi, the 21st May, 1977

S.O. 1598.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (3) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), and in continuation of the notification of the Government of India, in the Ministry of Labour No. S.O. 999 dated the 15th March, 1977 the Central Government hereby directs that every employer in relation to an establishment exempted under clause (a) or clause (b) of sub-section (1) of section 17 of the said Act or in relation to any employee or class of employees exempted under paragraph 27, or as the case may be, paragraph 27A of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, shall transfer the monthly provident fund contributions in respect of the establishment or, as the case may be, or the employee or class of employees within fifteen days of the close of the month to the Board of Trustees, duly constituted in respect of that establishment, and that the said Board of Trustees shall invest every month within a period of two weeks from the date of receipt of the said contributions from the employer, the Provident Fund accumulations in respect of the establishment or as the case may be, of the employee, or class of employees that is to say, the contributions, interest and other receipts as reduced by any obligatory outgoings, in accordance with the following pattern, namely :—

(i) Government securities as defined in Clause (2) of Section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by the Central Government.	Not less than 25%
(ii) Government securities as defined in Clause (2) of Section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by any State Government	Not less than 25%
(iii) Any other negotiable securities or bonds, the principal whereof and interest whereon is fully and unconditionally guaranteed by the Central Government or any State Government.	Not less than 25%
(iv) 7-Year National Savings Certificates (Second Issue and Third Issue) or Post Office Time Deposits.	Not exceedings 30%
(v) Special Deposit Scheme introduced by the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No.F.16(1)-PD/75 dated 30th June, 1975.	Not exceeding 20%

2 The above pattern will be in force from the 1st July, 1977 until further orders. Reinvestment of Post Office Time Deposits maturing during this period shall be made 50% in Post Office Time Deposits and 50% in Special Deposits. Subject to this, reinvestment of all other maturities of Provident Fund accumulations shall continue to be made in accordance with the pattern mentioned in paragraph 1 above.

3. The Board of Trustees shall formulate proper procedure for prompt investment or re-investment of accumulations in accordance with the aforesaid directions.

[No. G. 27035(5)/76-PFI(i)]

का० आ० 1599.—कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के पैरा 52 के उप पैरा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1000 तारीख 15 मार्च, 1977 के अनुक्रम में, केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि निधि की सारी राशियों को निम्नलिखित रीति के अनुसार विनिहित किया जाएगा,

(i) केन्द्रीय सरकार द्वारा सृष्ट तथा निर्गमित लोक ऋण अधिनियम 1944 (1944 का 18) की धारा 2 के खण्ड (2) में यथा परिभाषित सरकारी प्रतिभूतियां ।	25% से अन्यून
(ii) किसी भी राज्य सरकार द्वारा सृष्ट तथा निर्गमित लोक ऋण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) की धारा 2 के खण्ड (2) में यथा परिभाषित सरकारी प्रतिभूतियां ।	25% से अन्यून
(iii) कोई अन्य परिक्रम प्रतिभूतियां या बाण्ड, जिनका मूलधन तथा जिन पर ब्याज केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा पूर्णत तथा बिना शर्त गारण्टीकृत हों ।	25% से अन्यून

(iv)	7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्र (दूसरा और तीसरा निर्गम) या डाकघर सावधि निक्षेप।	30% से अनधिक
(v)	भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की अधिसूचना संख्या एफ-16(1)/पीडी/75, तारीख 30-6-1975 द्वारा आरम्भ की गई विशेष निक्षेप योजना।	20% से अनधिक

2. विनिधान की उपर्युक्त रीति पहली जुलाई, 1977 से अगले आदेश जारी होने तक प्रवृत्त रहेगी। इस अवधि के दौरान परिपक्व हो जाने वाले डाकघर सावधि निक्षेप के पुनर्विनिधान का 50% डाकघर सावधि निक्षेप में और 50% विशेष निक्षेप में किया जाएगा। उपर्युक्त के अधीन रहते हुए, भविष्य निधि संचयनों की अन्य सभी परिपक्व राशियों का पुनर्विनिधान ऊपर पैरा 1 में उल्लिखित रीति के अनुसार किया जाना जारी रहेगा।

[संख्या जी० 27035(5)/76-पी० एफ० 1(ii)]
एस० एस० सहस्रनामन, उप सचिव

S.O. 1599.—In exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of Paragraph 52 of the Employees Provident Funds Scheme, 1952 and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1000 dated the 15th March, 1977 the Central Government hereby directs that all monies belonging to the Fund shall be invested in accordance with the following pattern, namely:—

(i)	Government securities as defined in Clause (2) of Section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by the Central Government.	Not less than 25%
(ii)	Government securities as defined in Clause (2) of Section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by any State Government.	Not less than 25%
(iii)	Any other negotiable securities or bonds, the principal whereof and interest thereon is fully and unconditionally guaranteed by the Central Government or any State Government.	Not less than 25%
(iv)	7-Year National Savings Certificates (Second Issue and Third Issue) or Post Office Time Deposits.	Not exceeding 30%
(v)	Special Deposit Scheme introduced by the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No.F.16(1)-PD/75 dated the 30th June, 1975.	Not exceeding 20%

2. The above pattern will be in force from the 1st July, 1977 until further orders. Reinvestment of Post Office Time Deposits maturing during this period shall be made 50% in Post Office Time Deposits and 50% in Special Deposits. Subject to this, reinvestment of all other maturities of Provident Fund accumulations shall continue to be made in accordance with the pattern mentioned in paragraph 1 above.

[No. G. 27035(5)/76-PFI(ii)]
S.S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

New Delhi, the 7th May, 1977

S.O. 1600.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of South Jharia Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th April, 1977.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 28 of 1976

PARTIES :

Employers in relation to the management of South Jharia Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Jharia, Dist. Dhanbad.

AND

Their workmen represented by Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh.

APPEARANCES :

For Employers—Sri G. Prasad, Advocate.

For Workmen—Sri S. Bose, Secretary of the Union.

INDUSTRY : Coal. STATE : Bihar.

Dhanbad, the 23rd April, 1977

AWARD

This is a reference U/s. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India, Ministry of Labour under Order No. L-20012/281/75/DIIIA dated 19-5-76 wherein the justifiability or otherwise of the action of the management with respect to Sri Paras Singh and Fatick Chandra Roy is in issue. The two workmen are the employees of M/s. Bharat Coking Coal Ltd.'s South Jharia Colliery. The schedule of reference is as follows :—

SCHEDULE

"(i) Whether the action of the management of South Jharia Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited P.O. Jharia, Dist. Dhanbad in refusing to allow Shri Paras Singh to work as Munshi with effect from 9-6-75 is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?

(ii) Whether the action of the management of South Jharia Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Jharia, Dist. Dhanbad (Bihar) in refusing to allow Shri Fatick Chandra Roy to work as Despatch Clerk is justified ? If not, to what relief is the workman entitled and from which date ?"

2. The Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh is the sponsoring union and from the record it appears that they had raised the dispute and a conciliation proceeding followed. But ultimately it could not be settled and then a failure report was submitted to the Secretary, Government of India, Ministry of Labour by the A.L.C. (C), Dhanbad, whereafter the present reference was made.

3. I may mention that the two conferned workmen were the employees of R. N. Bagchi Dobari Colliery when it was under the private management and from Form 'B' register, Ext. M-1, I find that Sri Paras Singh was appointed as Guard on 9-1-67. Ext. M-2 is Form 'B' register of South Jharia Colliery from which it appears that Sri Fatick Chandra Roy was appointed as Munshi above-ground on 2-5-68.

4. There were two units of collieries, R. N. Bagchi Dobari Colliery and South Jharia Colliery and they merged in 1974 and were known as South Jharia Colliery. In May, 1975 Rajapur Colliery was also merged with them. It means that the South Jharia Colliery has assumed its present form on the merger of R. N. Bagchi Dobari Colliery and Rajapur Colliery, the former in 1974 and the latter in 1975.

5. On behalf of Sri Paras Singh it is said that he was engaged to work as Munshi in a permanent vacancy and he continued to work in that post for a period of one year. The management with its mala fide intention refused to allow

him to work as Munshi with effect from 9-6-75 without assigning any reason whatsoever. By virtue of his completing a continuous period of over one year he was entitled to continue in the post of Munshi unless there was anything against his conduct or performance. Action of the management is arbitrary, illegal and is a glaring instance of unfair labour practice.

6. With regard to Sri Fatick Chandra Roy it has been said that he was allowed to work as Despatch Clerk which he has been performing for over two years till he was stopped by the management in October, 1975. During this period there was no complaint against him. But the management arbitrarily and illegally stopped him from working as a Despatch Clerk which is also an act of unfair labour practice and it cannot be justified.

7. It is further alleged that the two concerned workmen have been stopped from work in the present post as a measure of victimization for their trade union activities as both of them were active workers of the union which was not liked by the management.

8. On behalf of the employers written statement has been filed and with regard to Sri Paras Singh it is said that his substantive post in the colliery is that of a Night Guard and he had been working all along in that capacity. On 8-6-74 he was asked to look after the loading work for some time as a temporary measure and he continued to work till 8-6-75. From 9-6-75 services of a permanent loading clerk became available to the colliery and therefore from that date he was not required to work as a loading Munshi and was reverted back to his substantive post of Night Guard.

9. It is further said that there was no animus against him and the management did not appoint any new worker in the permanent post of Loading Munshi after his reversion. Action of the management is, therefore, completely bona fide and no unfair labour practice is involved. He has not suffered any loss because of his reversion to his substantive post and, therefore, he is entitled to no relief.

10. With regard to Sri Fatick Chandra Roy it is said that his original designation was of a Pump Khalasi and subsequently he was designated as a Munshi and at the relevant time his substantive post was that of a Munshi. He never worked as a Despatch Clerk and it his just possible that he might have rendered some assistance in the work of despatch section for some time. But certainly he never worked in the capacity of a full fledged Despatch Clerk for any length of time. Even if he worked as a Despatch Clerk for a temporary period that by itself could not confer on him any right of promotion to the post of a Despatch Clerk.

11. With regard to the two concerned workmen management's contention is that under the terms of the Standing orders and the prevailing practice in the company, a workman may be required to work in another post for a temporary period due to exigencies of business and such temporary employment does not confer any right to permanent appointment in that post. Such a workman is only entitled to difference of wages if he works in a post higher than his substantive post.

12. In support of the case the two workmen have examined themselves Sri Paras Singh as WW-1 and Sri Fatick Chandra Roy as WW-2. On their behalf record of the conciliation proceeding from the Office of the R.L.C., Dhanbad, has been called for.

13. On behalf of the management Sri Maheshwar Narayan Sharma, Superintendent of Colliery has been examined as MW-1 and 2 Form 'B' registers, Exts. M-1 & M-2, respectively, payment register of South Jharia Colliery from April 1974 to October, 1975, Ext. M-3, pay rolls from January to July, 1975. Ext. M-4 and pay rolls from January to July, 1975, Ext. M-5, concerning the two workmen Separately have been brought on record.

14. Before I enter into the merits of the case I would like to dispose of one point which has been raised on behalf of the workmen. It is said that they have been victimized on account of their association with the sponsoring union. I find that no evidence has been led on the point although WW-1 & WW-2 the two concerned workmen, have been examined. MW-1 has stated that they had never disclosed to him about their membership of a union. This statement has been made in examination-in-chief. In cross-examination he has denied the suggestion given to him. Therefore, there is no material before me for a conclusion that they have been victimized on account of their being members of the sponsoring union.

15. I have already referred to above Ext. M-1 from which it appears that Sri Paras Singh was appointed as a Guard on 9-1-67. He has stated in his evidence that for the first time it was in 1973 that he was given the job of Loading Clerk and thereafter he again worked in that capacity, but he does not remember the exact period. He says further that he was removed from that job in 1975. According to him he was appointed as Night Guard in 1962. If he was appointed in 1962 it was for the first time in 1973 that he was given the job of Loading Clerk and according to Register 'B' he was appointed in 1967 and was given the job of Loading Clerk for the first time in 1973. In any case, however, he worked for quite a long time as a Night Guard.

16. MW-1 has stated that Sri Paras Singh was working as Night Guard and it was in June, 1974 that he was entrusted to look after the loading work. He says further that the concerned workman was given to understand that till another permanent arrangement was made he would continue to work there. From his evidence it appears that the person who was in charge of loading was suspended and in his place he was deputed to look after it. In 1975 after the merger of Rajapur Colliery with the South Jharia Colliery one hand became available and then in June, 1975 the concerned workman was reverted to his substantive post. In cross-examination the witness denies that he ever worked as a Loading Clerk. According to him he was given the job of Loading Munshi and not of Loading Clerk. The witness says that between 8-6-74 and 8-6-75 in R. N. Bagchi section there was no other Loading Munshi except Sri Paras Singh. He has denied that management appointed its own favourite after removing Sri Paras Singh on 8-6-75 from the job of Loading Munshi.

17. Positlon comes to this that initially he was appointed as a Night Guard and quite a long time after he was deputed to work as a Loading Clerk or as Loading Munshi in a vacancy caused by the suspension of the workman on the job and after the merger of the collieries for rationalisation purposes, when a hand was available he was reverted to his substantative job. There is nothing on record to indicate that the man who has been appointed on the reversion of the concerned workman is a favourite of the management and not a word has been said about it by WW-1 Sri Paras Singh. Ext. M-3 is the establishment account of the South Jharia Colliery from June, 1974 to November, 1975. In the month of January, 1975 Sri Paras Singh is in Sl. No. 14 and his designation is Night Guard. In the month of February, 1975 he is in Sl. No. 11 and has been described as Guard. In this register his name finds place only in those months and neither earlier nor later.

18. Ext. M-5 is the pay roll from January to July, 1975 and I find that Sri Paras Singh has the basic salary of Rs. 149 in January, 1975 and it increased to Rs. 306.92 paise in March, 1975. In April, 1975 it rose to Rs. 312.40 paise and in May, 1975 it was Rs. 306.92 paise. He had the same basic salary in June, 1975 and in July it was Rs. 120.58 paise. From the pay roll it appears that for the period when he worked as Loading Munshi or Loading Clerk he got the increased wages and again on reversion his basic salary was Rs. 120.58 paise. It may be mentioned that according to the schedule of reference he was a loading munshi and not a loading clerk.

19. So far as Ext. M-3 is concerned he has been described as Night Guard which shows that although he was working in a different capacity, his initial designation was that of a Night Guard and according to Ext. M-5 he got the salary of Loading Munshi only for the period when he worked in that capacity.

20. Thus, according to his own case and also of the management as well as according to the evidence on record his initial appointment was that of a Night Guard and he worked in a temporary vacancy as Loading Munshi for some time for about an year. Question arises whether he has acquired a right to continue as Loading Munshi by virtue of his continuous working on that post for a period of one year or so. At the time of his deposition when he was asked to take oath with reference to the typed copy of the oath, he could not read it and with great difficulty he

could read only a few words of it It means that he cannot be said to be literate to carry on the work of a Loading Munshi who has to supervise the loading and also to do some working jobs connected with loading

21 Under the Standing Orders true copy of which is on record all workmen are liable to be transferred in the exigencies of work from one department to another or from one station to another from one coal mine to another in the same ownership and the only safeguard is that by reason of such transfer the wages and another conditions of service of the workmen are not altered to their disadvantage and reasonable notice is also to be given to them It would thus appear that it is the right of the management to transfer its workmen in the exigencies of work and it nowhere says that if a workman is so employed for a continuous period of more than a year he can claim permanency to the job

22 Under the Standing Orders the categories of workmen have been classified and nature and character of permanent workman has been defined It says that permanent' workman is one who is appointed for an unlimited period or who has satisfactorily put in three months continuous service in a permanent post as a probationer A workman who is transferred from one post in a temporary vacancy cannot become permanent after having put in three months continuous service as his appointment was not for an unlimited period and he had not worked on that post as a probationer

23 The Standing Orders defines "badli" or substitute and it says that a badli or substitute is one who is appointed in a post of a permanent workman or a probationer who is temporarily absent But he would cease to be a badli on completion of continuous period of service of one year in the same post, after which he would be deemed to be a permanent workman There is nothing on record to show that the workman who was suspended and in whose place Sri Paras Singh was deputed to work for a temporay period was a permanent workman or a probationer This much however, is certain that the suspended workman was not a probationer and was not temporarily absent At the same time it is not possible to say if he was a permanent workman

24 To me it appears that reading the definition of "permanent" and 'badli" workmen given in the Standing Orders along with Clause 17 which deals with transfers, there can be no doubt to the fact that Sri Paras Singh does not fall either in the category of permanent workman or of badli workman and the management had a right to depute him to another department temporarily in the absence of the incumbent on account of suspension In such a circumstance I do not thing he can claim permanency to the permanent post If that position is not accepted the right of the management to transfer its workman in the exigencies of work would be entirely curtailed which would not create harmony in industrial relation Therefore, to me it appears that it is not possible to accept the stand taken on behalf of Sri Paras Singh If after rationalisation of business a suitable workman was available for the post of a Loading Munshi it was certainly within the competence of the management to ask the concerned workman to revert to his substantive post

25 Transfer is discretion of the Manager provided it does not change the service condition adversely In his case his service condition cannot be said to have been adversely affected It is in the evidence of MW-1 that he got the difference in wages for the period for which he worked as a Loading Munshi and I have already referred to the Pay Roll Ext M 5 in this regard If he was reverted to his substantive post It cannot be said that his service condition had been adversely affected There being nothing on record to show that there was any victimization, this order of reversion to the substantive post would be deemed to be bona fide and cannot be challenged

26 Appointment in the cadre of Loading Munshi from that of the Night Guard would undoubtedly be a case of promotion which ordinarily is the management function and in such a case it is not proper for the Tribunal to interfere and to question as to why a particular workman has not been promoted As the position is, the workman is claiming promotion from a lower grade to a higher grade which cannot be allowed as that would amount to an interference in the management function In this connection I may refer to a case reported in Vol 10(1973) Supreme Court Labour Judgment 321 (Hindustan Lever Ltd and workmen) In this case the concerned workman was working in Grade T3 and his claim was to be placed in Grade T4, a higher grade There was no finding of mala fide or victimization of the workman concerned for the trade union activities or any unfair labour practice In such circumstances it was held by their Lordships of the Supreme Court that a promotion ordinarily is the management function and in the absence of finding of malafide or victimization or any unfair labour practice, Labour Court could not arrogate to itself the promotional function of the management

27 The instant case is also one of promotion from a lower grade to a higher grade and I have come to a finding that there is no malafide or victimization of the concerned workman and it appears that there was no unfair labour practice as well and *therefore it is not proper to order for* promotion and to curtail the managerial power of transfer in the exigencies of work

28 I have already referred to above according to MW-1 the small collieries were merged in one bigger colliery for rationalisation purposes and it came to be known as the South Jharia Colliery and after the merger of Rajapur Colliery one of the units, one hand became available in June, 1975 and then the concerned workman was sent back to his original job of Night Guard In a case reported in Volume 7 (1968-70 S C J 496 (M/s Parry & Co Ltd and P C Pal, Judge of the Second Industrial Tribunal, Calcutta) question of reorganisation of business leading to discharge of some employees came for consideration before their Lordships

29 What happened in this case was that some of the agencies of M/s Parry & Co Ltd, were closed and consequently certain workmen were discharged The Tribunal held that there was no malafide and there was no victimization or unfair labour practice but was of the opinion that the discharge was on parochial considerations and ordered the reinstatement of all those who had been retrenched Aggrieved by this order the company filed a writ petition for certiorari which was heard by a learned Single Judge of the High Court and the award was remitted for fresh hearing There was an appeal against the said judgment to a Division Bench and thereafter it was taken to the Supreme Court After considering materials available, their Lordships came to the conclusion that "it is well established that it is within the managerial discretion of an employer to organise or arrange his business in the manner he considers best So long as that is done bonafide it is not competent of a Tribunal to question its propriety" Whether such a claim is profitable or not and whether it should have been adopted by the employer is a question which cannot be gone into by the Tribunal In the present reference regarding Paras Singh due to rationalisation and reorganisation a suitable hand was available from among those workmen who were working as Loading Munshi and he was appointed in the place of the suspended workman in whose vacancy the concerned workman was deputed to work for a temporary period It was done bonafide and honestly and there was no victimization or unfair labour practice and, therefore, it is not open to this Tribunal to question its propriety and to order that he should be promoted to the post of Loading Munshi from that of a Night Guard

30 Therefore, so far as Sri Paras Singh is concerned, action of the management of South Jharia Colliery of M/s Bharat Coking Coal Ltd, in refusing to allow him to work as Munshi with effect from 9 6-75 is justified and the concerned workman is entitled to no relief

31 Let us now take up the case of Shri Fatick Chandra Roy In Ext M-2, the Form 'B' Register, the date of appointment is 2-5-68 and the post is of Munshi above-ground It means that he is literate His claim is that he was working as Despatch Clerk from April '74 to September '75 and *it was in the place of Shri D Sarkar* He further says that in April, 1974 when MW 1 joined the colliery he was appointed as Despatch Clerk This has been stoutly denied by MW 1 and he has stated that he was never appointed as Despatch Clerk He has also said that he cannot give the period for which Sri Fatick Chandra Roy used to assist in despatch work This evidence is in accordance with para 14 of the written statement filed on behalf of the management where it is said that there is nothing to show that he worked in the capacity of full fledged Despatch Clerk for full length of time

32. Ext. M-3 is the establishment account register beginning from the month of June, 1974 to the month of November, 1975. All along Shri Fatick Chandra Roy has been shown as Munshi. In the Pay Roll, Ext. M 4 which is from the month of January, 1975 to July, 1975, his basic salary has been shown in March, 1975 Rs. 330. This has continued till July, 1975 and he has been given underground allowance since after February, 1975 which means that from the post of Munshi above-ground he was sent underground and was given the underground allowance.

33. Therefore, on the basis of Exts. M-2, M-3 and M-4 it can very well be said that the concerned workman was working as Munshi above-ground or underground and if at all he was deputed in the despatch section that must be for a very limited period. In such a circumstance I do not think he can claim permanency to the post.

34. I have already referred the relevant provisions of the Standing Orders and the two reported cases. It was within the discretion of the management to take work from him in another section of the colliery and even if it be presumed for the shake of argument that for about a year or so he was deputed in another section under the same management that by itself will not confer a right on him to claim permanency to that post. In fact it would amount to promotion and the Tribunal cannot interfere in this matter as that is within the competence of the management. There being nothing to indicate malafide or victimization or unfair labour practice the Tribunal cannot question the propriety of asking the concerned workman to work in a particular section at a particular time and then to direct him to go back to his substantive post. To me it appears that on merits his case is very much inferior to that of Shri Paras Singh and when the latter is not entitled to any relief, Shri Fatick Chandra Roy too cannot claim any relief. So far as the question of notice is concerned, the Standing Order does not say that in its absence the order of transfer will be void.

35. Therefore, the action of the management of South Jharia Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., in refusing to allow Shri Fatick Chandra Roy to work as Despatch Clerk is justified and in the circumstances he is entitled to no relief.

36. This is my award with respect to Shri Paras Singh and Shri Fatick Chandra Roy.

S. R. SINHA, Presiding Officer
[No. L-20012/281/75-D III A]
S. H. S. IYER, Desk Officer

New Delhi, the 9th May, 1977

S.O. 1601.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator in the industrial dispute between the employers in relations to the management of Beas Construction Board, Beas Project and their workman, which was received by the Central Government on the 5th May, 1977.

AWARD

In the matter of arbitration under Section 10-A of the Industrial Dispute Act in the industrial dispute between the Chief Engineer (Electrical) Beas Construction Board, Beas Project Chandigarh and Shri Ratanlal Bhardwaj of Village Bagun, P.O. Panigain, District Bilaspur.

No. 25(80)/76-CON-I Dated the 30th April, 1977

The Personnel Officer, Beas Construction Board representing the employers and Shri Ratanlal Bhardwaj representing himself, vide a settlement before the ALC, Chandigarh referred the following dispute to my arbitration under Section 10-A of the ID Act :

"Whether the action of the management in terminating the services of Shri Ratanlal, ex-employee of Beas Construction Board, Beas Project (Power Wing) is justified If not to what relief the workman is entitled."

2. The above said arbitration settlement was published in the Gazette of India on 31-12-76.

3. Vide my communication dated 22-1-77 addressed to the parties, I called upon them to submit their statements of claim so as to reach me within a fortnight from date endorsing simultaneously a copy to the other party. They were also advised that an receipt of the statement of claim of the opposite party they should submit their comments/counter so as to reach me within a further period of one week.

4. The Executive Engineer Establishment, of the office of the Chief Engineer, Electrical, forwarded his statement of claim vide his letter dated 31-1-77 endorsing a copy to Shri Ratanlal Bhardwaj. Shri Ratanlal Bhardwaj submitted his statement on 27-1-77 which was received by me on 7-2-77. Since the latter did not show whether a copy of the said statement had been endorsed to the opposite party, I sent a copy of the same to the Chief Engineer (Electrical) Chandigarh on 2-3-1977.

5. I fixed personal hearing in the matter vide my letter of 12-4-77 calling upon the parties to present themselves before me on 25-4-77 with all such records and witnesses as they may like to produce. On the appointed date both the parties appeared—the management through their Personnel Officer, Shri Madan Mohan, and the workman in person along with his witness Jagdish Chandra.

6. During the personal hearing the workman stated that after passing his graduation and hunting for a job at a number of places he took up as a beldar in Beas Construction Board on 31-7-75 and continued to work there till the Executive Engineer, C&A Division asked him to apply for the job of a Store Munshi in the same Division. He applied accordingly and his case was forwarded by the Executive Engineer on 11-9-76 to the Executive Engineer Administration and Accounts, recommending the same. According to the workman, as per prevailing practice, the appointment of Store Munshi is made on the recommendations of the Executive Engineer C&A Division and issuance of appointment letter by the Executive Engineer, Administrative and Accounts is more or less a formality. In this instance, since his case had been recommended by the Executive Engineer C&A Division, it was generally believed that his appointment had been approved and the appointment letter will be issued in due course. Not only that, according to the complainant, he was informed that the appointment letter may be collected from the despatch on 16-9-76. He approached the despatcher on 16-9-76 and asked for the letter when the despatcher showed him despatch register containing an entry about the despatch of letter meant for him and stated that the letter has been taken by Shri Ramgopal Goyal SDO will be handed over personally by him. He approached the SDO for the letter but he informed him that appointment letters are not issued like that and Shri Bhardwaj should arrange to pay a sum of Rs. 1000 by lunch time on 17-9-76 whereafter the letter will be issued to him. Despite all the entreaties made by Shri Bhardwaj, the letter was not issued to him and, it appears, the appointment was later cancelled. The complainant further stated that after this incident his continued employment as beldar was made difficult by the department till Sub-Divisional Officer, Chawla informed him that there was a heavy pressure on him from Administration and Accounts Section and Shri Bhardwaj should leave the job either by resigning or otherwise. Shri Jagdish Chandra corroborated the conversation of Shri Bhardwaj with the despatcher.

7. The management representative Shri Madan Mohan, Personnel Officer, stated that the specific reference before the Arbitrator is regarding the correctness or otherwise of the management's action in terminating the services of Shri Bhardwaj and the relief to which the workman may be entitled on that account. The 'termination of services', if at all could be from the post of beldar. Shri Bhardwaj had not been appointed to the post of the Store Munshi much less his termination therefrom. In other words, according to the management representative, the Arbitrator had no jurisdiction to go into the matter of non-employment of Shri Bhardwaj as a store munshi (after an appointment letter as such had been prepared). As regards termination of services of Shri Bhardwaj from the post of beldar the management representative stated that the management had not terminated the services of Shri Bhardwaj from the post of beldar. It was also stated that Shri Bhardwaj made a representation to the management to which the management vide their letter dated 15-10-76 sent a reply stating as follows :—

"Reference your representation dated 25-9-76. You have not reported yourself on duty since 25-9-76. In case you are interested to work in this division please report to your SDO (Cranes and Auxiliary Division) within a week of the date of this letter."

Though the said letter was sent under certificate of posting, Shri Bhardwaj did not report for duty. Not only that the management made a similar offer to Shri Bhardwaj during conciliation proceedings but Shri Bhardwaj did not avail of it.

8. On going through the records and the evidences of the parties I find that while Shri Bhardwaj has a grievance about non-issuance of appointment letter as a Store Munshi (after the said letter had been prepared, etc.) the management's case is that the specific dispute in arbitration is about the termination of employment of Shri Bhardwaj. According to the management the termination of services of Shri Bhardwaj could refer only to the post of a beldar which Shri Bhardwaj was holding. According to them, there could be no question of termination of services of Shri Bhardwaj from the post of a Store Munshi, as according to them, Shri Bhardwaj was not even appointed to that post.

9. I agree with the contention of the management and hold that according to the terms of reference of the arbitration, I can go into the case of termination of services of Shri Bhardwaj and such termination can refer only to the post of beldar. It has been admitted by Shri Bhardwaj personally that after the incident referred to by him in his deposition, his continuance in the establishment was made difficult and he had to give up the employment on his own. I find there was no termination of his services and as such there is no question of any relief being granted to Shri Bhardwaj. The management, of course, was prepared and is still prepared to take him as beldar as stated earlier. But Shri Bhardwaj's claim is to the post of a Store Munshi which is outside the terms of my reference.

10. However, I cannot help remarking that there has been something seriously wrong in the matter of employment of Shri Bhardwaj as a Store Munshi and the grievance of the workman appears to be not absolutely unfounded.

11. I find from the records produced by the management's representative before me that an office note suggesting the appointment of Shri Ratanlal Bhardwaj as Store Munshi was prepared on 16-9-76 and the same was noted by SDO and the Executive Engineer on the same day. This showed that the appointment of Shri Bhardwaj as a Store Munshi had been approved by the competent authority. Subsequently, the SDO (against whom Shri Bhardwaj has made charge of demanding illegal gratification) recorded a note that since Shri Bhardwaj does not have experience in the relevant trade, his appointment cannot be approved. I find that this very SDO had simply noted (concurred) the suggestion of appointment of Shri Bhardwaj earlier. I do not know how it dawned on him the next day that Shri Bhardwaj did not have experience in the relevant trade. I feel that taking up this excuse at this late stage was motivated. In the alternative the SDO had been negligent of his duties on 16-9-76 in concurring with the suggestion of appointment of Shri Bhardwaj as a Store Munshi in not pointing out that Shri Bhardwaj did not have the requisite experience. In either case it does not reflect well on the SDO concerned. I further find that the subsequent noting by the SDO bears a date with an overwriting. This suggests that the SDO not only recorded this second note on 17-9-76 but also made it look as if recorded on 16-9-76.

12. It was alleged that the reason adduced by the SDO in his subsequent note (of 17-9-76) was not followed in all other cases. Shri Bhardwaj has cited some names in his representation. Justice requires that all these cases should be gone into by an independent officer and it should be verified whether these appointments were proper and according to the rules. If the rules regarding requisite experience were overlooked in these cases, the management would not be justified in disallowing the same treatment to Shri Bhardwaj especially after his case for appointment had been approved by all concerned and cancelled subsequently in a shady manner.

13. I may also add that cancellation of appointment of Shri Bhardwaj to the post of Munshi was peremptory and unceremonious. Executive Engineer C&A Division also did not feel happy about this cancellation as is apparent from his subsequent correspondence. I have strong suspicion that the allegation of the workman that during the period of his tenure as a beldar he was quite often working as a Munshi (graduate as he was) is correct and, if so, cancellation of the offer made to him was without any valid base.

14. In any case, I commend this issue for an impartial probe at the level of the Chief Engineer, Beas Construction Board.

15. I awarded accordingly.

V. P. GUPTA, Dy. CLC(C) & Arbitrator

[No. L-42012(31)/76-DII(B)]

HARBANS BAHADUR, Desk Officer

New Delhi, the 17th May, 1977

S.O. 1602.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhowra Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bhowrah Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th May, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 13 of 1977

(Ministry's Order No. L-2012/26/74-LR. II, dated 15-1-1975)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bhowrah Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bhowrah, Dist. Dhanbad.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For the Workmen : Shri J. D. Lal, Advocate.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dated, the 2nd May, 1977

AWARD

The Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act referred the following dispute for adjudication to the Central Govt. Industrial Tribunal No. 2 at Dhanbad by their Order No. L-2012/26/74-LL. II, dated the 15th January, 1976, namely—

"Whether the management of Bhowrah Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bhowrah, District Dhanbad, are justified in keeping Shri Manager Sao, Hammerman of Bhowrah Coke Oven as a casual workman from 1969 even after working for more than 240 days in the year 1971 ? If not to what relief is the workman entitled and from what date ?"

2. The reference was received from Tribunal No. 2 in this Tribunal on March 17, 1977 under Government of India, Ministry of Labour, Order No. S-11025(1)/77/(i)-D. iv (B) dated the 22nd February, 1977.

3. The Secretary, Colliery Karamchari Sangh, in his written statement on behalf of Manager Sao, has alleged that Manager Sao had been working as a Hammerman in the Central Bhowrah Coke Oven Plant since the year 1969 continuously; that from the records of the Bhowrah Colliery and the Central Bhowrah Coke Oven Plant, it would be apparent that Manager

Sao was a permanent Hammerman; that the management of all Coke Oven Plants vested in the Central Government on December 27, 1971 by Notification No. G.S.R. 1960 dated 24-12-1971; that the Bharat Coking Coal Limited was appointed the Custodian of all Coke Oven Plants on January 12, 1972 by Notification G.S.R.-27(E) dated 12-1-1972; that the right, title and interest of the owner of each of the Coke Oven Plants vested in the Bharat Coking Coal Limited on May 1, 1972 by Notification No. G.S.R. 379(E) dated 17-8-1972, that after taking over management of the Central Bhowrah Coke Oven Plant, the Bharat Coking Coal Limited listed Manager Sao as a casual workman and thereafter started giving him work for about 15 days only in a month and thus deprived him of his full wages as would have been admissible to him had he been treated as a permanent workman which status he held from before the taking over of the management, that Manager Sao had put in more than 240 days in continuous service and had become permanent on that account also; that he had become permanent under the Certified Standing Orders also, that under section 17(1) of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, it was the statutory duty of the Bharat Coking Coal Limited to continue to employ him as a permanent Hammerman; that by treating him as a casual workman instead of a permanent one, the Bharat Coking Coal Limited has changed his conditions of service without due compliance with section 9A, Industrial Disputes Act; that the action of the Bharat Coking Coal Limited amounts to unfair labour practice and in view of these facts, Manager Sao is entitled to be declared as a permanent Hammerman and he is further entitled to back wages for the entire period during which he was deprived of his wages by making him sit idle.

4. The Bharat Coking Coal Limited, in its written statement, has pleaded that no records were available of the time of the previous owner of the Bhowrah Colliery or of the Bhowrah Coke Oven Plant, with the exception of one Attendance Register covering the period March 9, 1971 to August 28, 1971; that Manager Sao was in the service of the contractor of the Coke Oven Plant and the contractor had not surrendered any papers in connection with the service record of Manager Sao; that the Custodian prepared a list Annexure 'A' on January 23, 1972 in which Manager Sao was listed as a casual Wagon/Truck loader; that there was nothing in the records to show that Manager Sao was a Hammerman, much less a permanent Hammerman; that he had not worked for more than 70 days and he could not become a permanent workman on the basis of continuous work of 70 days or even on the basis of continuous work for more than 240 days; that he was a casual hand on the date on which the management was taken over and he cannot claim the benefit of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act; and that the reference is defective and liable to dismissal because the Bharat Coking Coal Limited is not answerable for any act or omission prior to the date of nationalisation and it is further defective because the previous owner of the Coke Oven Plant was not impleaded as a party.

5. The preliminary point that the Bharat Cocking Coal Limited was not liable, was decided by the Presiding Officer, Tribunal No. 2, on September 2, 1976 and that matter is no longer open before me.

6. The learned counsel for the Bharat Coking Coal Ltd. raised yet another preliminary point during the course of his arguments. He urged that the Bhowrah Colliery is specified at serial nos. 17 and 18 of the first Schedule to the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act but this does not appear to be correct. The collieries mentioned at serial Nos. 17 and 18 are Bhowrah North and Bhowrah South and not Central Bhowrah which is specified at serial no. 202. The Bhowrah Coke Oven Plant is specified at serial no. 2 and the Central Bhowrah Coke Oven Plant is specified at serial No. 4 of Schedule 2. His argument was that the reference mentions the Bhowrah Colliery and the Bhowrah Coke Oven and as such there is a vagueness about it. I do not think that there is any vagueness; and in case there is one, that has been clarified in the pleadings and in the evidence. The parties were not ignorent about the identity of the workman or the place of his work; and besides this plea was never raised in the written statement of the Bharat Coking Coal Limited and the management cannot be permitted to take the workman by surprise.

7. The Bharat Coking Coal Limited has placed reliance upon the evidence of Bharat Pandey MW-1 and Exts. M-1 and M-3 to prove that Manager Sao was a casual Coal Wagon/Truck Loader before the date of take over of the management and was continued in that casual status even after the management had been taken over. Bharat Pandey has deposed that the Coke Oven Plant was being run by a contractor named G. D. Kumar. The witness himself was working under the contractor as a Loading Clerk. There were 60-70 employees and when the management was taken over by the Custodian, the contractor gave a list of all his employees to the Custodian and that list included the name of Manager Sao. He has not deposed as to whether Manager Sao was a Wagon Loader or a Hammerman but has stated that he had no fixed duty and the contractor used to assign any job to him that caught his fancy. Manager Sao has deposed as WW-1 that he was working as a Hammerman and that job was given to him for sometime even after the management has been taken over but subsequently he was treated as a casual workman and would be given jobs from time to time and kept idle in between. Ext. M-1 dated January 3, 1972 is under the signature of N. Sar, Custodian. It was addressed to the Supervisor and to the loading Clerk of the Central Bhowrah Colliery. Inter alia, it gives a list of 23 casual workers and mentions that whenever any extra hands are required for Wagon/Truck Loading, they should employ from out of the list of 23 workmen. The name of Manager Sao is mentioned at serial no. 18 as a Wagon Loader/Truck Loader. I am not prepared to attach any weight or value to Ext. M-1. Bharat Pandey has not deposed that Manager Sao was a casual workman. He does not know on what basis Ext. M-1 was prepared. Obviously there must have been papers of the time of the Contractor on the basis of which Ext. M-1 was prepared but no such papers have been produced before me. Manager Sao had denied that he was a casual Hammerman and stated that he held the permanent post of Hammerman. It appears that sometime after the management started treating Manager Sao as casual hand, he made representations to rectify the mistake and restore his status as a permanent workman. In connection with that representation, S. N. Singh, Personnel Officer, asked Bharat Pandey to give the history record of Manager Sao and Bharat Pandey submitted his report Ext. W-1 on September 10, 1973. The report says that Manager Sao had been in regular employment before the management of the Coke Oven Plant was taken over. The report further mentions that his permanent status was converted to a casual status after the taking over of the management. The report then gave it out that Manager Sao had worked for 290 days during the year 1971 and that the particulars had been taken from the Register Form E. That Register is now withheld by the Bharat Coking Coal Limited. Ext. W-2 is the report of the Personnel Officer dated November 13, 1973 which he submitted to the Agent and wherein he mentioned that Manager Sao was a permanent employee but was being treated as casual. The report further mentions that he had been working as a Hammerman before the date of take over. Ext. W-30 is another report prepared by Bharat Pandey on November 11, 1973. It shows that since the management started treating Manager Sao as a casual hand, he was given jobs for only 101 days in 1972 and only 175 days in 1973. The learned counsel for the management invited my attention to Ext. M-3, the Attendance Register, but it is only for the period March 9, 1971 to August 28, 1971. This is only a portion of the period in 1971. It is obvious to me that all the registers existed when Bharat Pandey prepared the report Ext. W-1 on September 10, 1973 and there is no escape from the conclusion that the relevant registers have now been suppressed by the Bharat Coking Coal Ltd. The Standing Orders is Ext. M-2. It defines the term "permanent" and says that a permanent employee is one who is appointed for a un-limited period or who has satisfactorily put in six months continued service in a permanent post as a probationer. Manager Sao has been working since 1969. The duration of his work was not limited. He was not employed for a limited period and therefore, in terms of the Standing Orders also he had become permanent. Section 17(1) of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act says that every person who is a workman and has been immediately before the appointed day, in the employment of a Coke Oven Plant, shall become on and from the appointed day as employee of the Government company in which the right, title and interest of such Plant have been vested and shall hold service in the Coke Oven Plant on the same terms and conditions as would have been admissible to him if the rights in relation to the Coke Oven Plant had not been transferred to and vested in the Government company etc. etc. That being so it was the duty of the Bharat Coking Coal Limited to continue to employ Manager Sao as a permanent Hammerman.

8. My award is that the management of Bhowrah Colliery are not justified in keeping Manager Sao, Hammerman of the Coke Oven Plant as a casual workman. He shall be treated as a permanent Hammerman with effect from May 1, 1972. With regard to back wages for the days on which Manager Sao was not given any employment, he should be paid wages as a permanent Hammerman.

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-2012/26/74-LR II/D III A]

S.O. 1603.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No 3, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jamadohi Basantimata Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, P O. Mugma, Dist. Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th May, 1977.

CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 5 of 1975

PARTIES : Employers in relation to the management of Jamadohi Basantimata Colliery of M/s. B.C.C. Ltd., P.O. Mugma, Dist. Dhanbad,

AND

Their workmen represented by the Bihar Colliery Kamgar Union, Dhanbad.

APPEARANCES :

For Employers—Shri S. S Mukherjee, Advocate.

For Workmen—Shri J. D. Lall, Secretary.

INDUSTRY : Coal STATE : Bihar

Dhanbad, the 26th April, 1977

AWARD

This is a reference U/S 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, concerning 12 workmen of Jamadohi Basantimata Colliery of M/s B.C.C. Limited, P.O. Mugma, Dist. Dhanbad and the point in issue is whether their dismissal with effect from 15-5-73 is justified. This reference has been made by the Govt. of India, Ministry of Labour under Order No. L-20012/116 75D IIIA dated nil. The schedule of reference is as follows :—

SCHEDULE

"Whether the management of Jamadohi Basantimata Colliery of M/s. B.C.C. Ltd., P O. Mugma, Dist. Dhanbad is justified in dismissing with effect from 15-5-73 the following workmen :—

Sl No	Name	Designation
1.	Shri Ghantu Bouri	Haulage Khalasi
2.	Shri Nasir Mian	Miner
3.	Shri Rameshwar Manjhi	Miner
4.	Shri Vishwa Manjhi	Miner
5.	Shri Kurban Mian	Miner
6.	Shri Khepa Bouri	Pump Khalasi
7.	Shri Daia Gope	Trammer
8.	Shri Shankar Mullick	Quarry Miner
9.	Shri Madan Rai	Trammer
10.	Shri Shankar Rai	Trammer
11.	Shri Chutu Mian	Miner
12.	Shri Bharat Singh	General Mazdoor

If not, to what relief are they entitled to ?"

1. There was hearing on the preliminary point as to whether the domestic enquiry on the basis of the report of which the order of dismissal was passed was proper or there was violation of the principles of natural justice. An order was passed on the 24th of December 1976 and I came to the conclusion that there was no enquiry against Sl. No. (4) Vishwa Manjhi and Sl. No. (7) Daia Gope and it was not proper against Sl. No. (6) Khepa Bouri and Sl No. (12) Bharat Singh. As regards the remaining 8, my conclusion was that the enquiry was just and proper and there had been no violation of the principles of natural justice.

3. No workman of the name of Daia Gope working as Trammer has been dismissed with effect from 15-5-73 or any other date and so far as Vishwa Manjhi is concerned, from the record of the enquiry proceeding and the enquiry report it appears that no such workman was involved, rather, one Bishma Modi or Mochi was concerned in the incident and enquiry was conducted against him. Ext M-13 is the copy of charge-sheet dated 12-3-73 issued to Bishma Modi, Ext. M-14 is his reply, Ext. M-1/4 is the original record of enquiry proceeding in his case, Ext M-2/4 is the enquiry report concerning him and Ext. M-15 is the copy of dismissal letter dated 25-5-73 issued to him. Therefore, as the position stands, Sl. No (4) Vishwa Manjhi and Sl. No (7) Daia Gope were not involved in the incident, there was no charge-sheet against them, there was no enquiry against them and there was no order of dismissal. That being so, out of the 12 concerned workmen Vishwa Manjhi and Daia Gope have to be eliminated.

4. Serials 1, 5, 6, 8, 9, 10, 11 & 12 were dismissed with effect from 25-5-73 and serials 2 & 3 with effect from 31-5-73. None of the concerned workmen was dismissed with effect from 15-5-73 as mentioned in the schedule of reference. An objection has been raised with respect to this discrepancy, but it has no bearing on the merits of the case, fact remaining that the 10 concerned workmen have been dismissed by the management with effect from the dates mentioned above.

5. The incident leading to the dismissal of the workmen occurred on 10-3-73 at 5-30 p.m. at Jamadohi Basantimata Colliery. The occasion was the payment of wages to the workers When it was in progress some interested outsiders provoked a disturbance and at their instance and also some of the concerned workmen a violent mob gathered near the office and charged the office with picks, lathis and pick handles and assaulted the manager and one other employee. They also damaged the office furniture and manager's car. F.I.R. was lodged at the Police Station and some of the concerned workmen were arrested and subsequently enlarged on bail. The Police after investigation instituted a criminal case against those who were named in the F.I.R. and who are the concerned workmen here.

6. Charge-sheet was issued on 12-3-73 and they were suspended pending enquiry. There was a separate enquiry against each one of the concerned workmen and reports were submitted which was followed by the order of dismissal on two different dates namely 25-5-73 and 31-5-73.

7 Case of the employer is that the concerned workmen took active and leading part in the disturbance and some of them personally assaulted the manager and other employees. As their conduct was seriously subversive of discipline in the colliery, the management had no alternative but to take appropriate disciplinary action against them as per the Model Standing Order for the coal mining industry. Charge-sheets were issued on 12-3-73 and pending enquiry simultaneous suspension order was passed. All of them submitted identical replies on different dates and then the domestic enquiry was conducted. Reports were submitted and the Custodian of South Mugma/Salanpur Group who was also acting in the capacity of the Agent/Chief Mining Engineer with respect of Amadchi Basantimata colliery personally examined all the records of enquiry proceedings and having satisfied himself that the concerned workmen were guilty of serious misconduct and that there was no mitigating circumstance in their favour and being convinced that the maximum penalty was necessary in the circumstance, issued orders of dismissal on 25-5-73 with respect to some of the concerned workmen and on 31-5-73 with respect to the rest.

8. On behalf of the concerned workmen it has been contended inter alia that there was a show of departmental enquiry and as all the concerned workmen were taking active part in the union they were falsely implicated by the management with a view to victimize them. It is further said that no case has been made out against them and the report is perverse, based on no evidence and suffers from other infirmities and hence liable to be rejected.

9. Their case also is that under the Standing Order the Custodian had no authority to dismiss the concerned workmen and as no approval of the company had been taken, the order is illegal and ineffective.

10. It is also said that the order is unjustified and must be set aside.

11. Instantly we are concerned with two points namely whether the witnesses examined on behalf of the management have been able to establish that the concerned workmen were actually involved in the overt acts alleged against them in the charge-sheet and whether the order of dismissal is justified on the evidence on record.

12. There is a general allegation against all of stone throwing on the office building, abusing officials and damaging company's property and there is specific allegation against Sl. No. (1) Ghantu Bouri of assaulting the manager and Fulari Mahato. There is similar allegation against Sl. No. (3) Rameshwar Manjhi, Sl. No. (8) Shankar Mullick, Sl. No. (9) Madan Rai and against Sl. No. (11) Chutu Mian, there is allegation of assaulting Fulari Mahato alone. I propose to deal with the case of those concerned workmen against whom there is allegation of assaulting the manager and Fulari Mahato and they are Ghantu Bouri, Rameshwar Manjhi, Shankar Mullick, Madan Rai and Chutu Mian.

13. Ext. M-4 is the charge-sheet against Ghantu Bouri, his reply dated 5-4-73 is Ext. M-5, the domestic enquiry proceeding dated 17-5-73 against him is Ext. M-1, report dated 21-5-73 against him is Ext. M-2 and the letter of dismissal dated 25-5-73 is Ext. M-6. Ghantu Bouri has examined himself and has denied the allegation. MW-1 to MW-5 are the witnesses against him and they have all stated that he threw stones, abused the officials and others, the glass of the manager's motor car was broken and the doors and windows of the office building were damaged. They have also testified to the fact that he assaulted the manager with lathi and he fell down and when Fulari went to his rescue he was also assaulted. MW-2 and MW-3 are the manager and Fulari Mahato respectively. There is nothing in their evidence to indicate that they have not stated the truth and that they have deposed on account of certain bias against Ghantu Bouri.

14. Ext. M-10 is the copy of charge-sheet against Rameshwar Manjhi and his reply dated 5-5-1973 is Ext. M-11. The domestic enquiry proceeding dated 28-5-73 is Ext. M-1/3, the enquiry report dated 30-5-73 is Ext. M-2/3 and the letter of dismissal dated 31-5-73 is Ext. M-12. Five witnesses have been examined by the management against him including Fulari Mahato and the manager who are MW-3 & MW-5, respectively. Rameshwar Manjhi has examined himself and has denied the allegation. All the witnesses have supported the case in toto. They have spoken about the throwing of stones, damaging the company's property and assaulting Fulari and the Manager. There is nothing in their evidence to show that they have not stated the truth and their statement is biased. That being so, so far as Rameshwar Manjhi is concerned, allegations against him have been fully established.

15. Let us now take up the case of Shankar Mullick. Ext. M-22 is the copy of charge-sheet against him, his reply dated 28-4-73 is Ext. M-23, the enquiry proceeding dated 17-5-73 is Ext. M-1/7, enquiry report dated 21-5-73 is Ext. M-2/7 and the letter of dismissal dated 25-5-1973 is Ext. M-24. The management has examined five witnesses against him including MW-3 Fulari Mahato and MW-5 the manager. He has examined himself and has denied the allegation. All the witnesses have testified to the fact that Shankar Mullick was abusing and throwing stones and assaulted the manager with lathi and also Fulari, MW3 Fulari Mahato and MW-5 the manager have spoken of their individual assault and the assault on each other. Materials from their evidence are enough to justify that the allegations against Shankar Mullick have been fully established and there is nothing to indicate any bias against him.

16. The other concerned workman is Madan Rai who is in the same category as those above. Ext. M-25 is the copy of charge-sheet against him, his reply dated 30-3-73 is Ext. M-26, the enquiry proceeding dated 16-5-73 is Ext. M-1/8, the report dated 21-5-73 is Ext. M-2/8 and the letter of dismissal dated 25-5-73 is Ext. M-27. He has examined himself and has denied the allegations. The management has examined five witnesses of whom MW-3 is Fulari and MW-5 is the manager. They have categorically stated about the stone throwing, abusing, assaulting the manager and Fulari. MW-3 and MW-5 have stated about their own assault and about the assault on each other. It would thus appear that so far as Madan Rai is concerned, the evidence is quite consistent about him and it is very difficult to find any loophole to give him the benefit of doubt.

17. The last in the list is Chutu Mian against whom copy of charge-sheet is Ext. M-31. His reply dated 20-4-73 is Ext. M-32, enquiry proceeding dated 9-5-73 is Ext. M-1/10, the report dated 11-5-73 is Ext. M-2/10 and the letter of dismissal dated 25-5-73 is Ext. M-33. Allegation against him is that he threw stones, abused officials and assaulted Fulari Mahato. MW-1 is the manager who has stated that Chutu Mian assaulted Fulari with gainta handle. MW-4 is the Fulari Mahato himself and his evidence is that he was hit with stones. It means that so far as Chutu Mian is concerned, evidence is not consistent regarding assault on Fulari Mahato and the allegation that he assaulted Fulari Mahato has not been established. There was riotous mob and most of them were throwing stones. In such a circumstance it is rather difficult to say that the stones thrown by Chutu Mian caused the bleeding injury on Fulari Mahato. That being so, I do not think it would be at all desirable to hold that Chutu Mian had assaulted Fulari Mahato or the Manager. But certainly it may be said that he was throwing stones and abusing and also damaging the company's property.

18. Allegations against the remaining workmen namely Nasir Mian, Kurban Mian, Khepa Bouri, Shankar Rai and Bharat Singh are similar of riotous conduct, stone throwing, abusing and damaging the company's property. But before I discuss the evidence against them I would like to take up the case of Sl. No. (6) Khepa Bouri and Sl. No. (12) Bharat Singh first with respect to whom I had said that the enquiry was not proper.

19. In support of their case the management has examined two witnesses, MW-2 Sri S. Mahanto who is Supdt. Safety and who was the manager of Jamadohi Basantimata Colliery from 1967 to September, 1976 and MW-3 Fulari Mahato who is Mining Sirdar since 1967 in this colliery. MW-2 has stated that Khepa Bouri was in the mob, throwing stones towards the office and he also broke the doors and windows with coal cutting picks. He says further that he was abusing the manager, other officers and Babus. His evidence is that Khepa Bouri had also damaged his car. In cross-examination the witness has stated that some persons in the mob were throwing stones and others were raising hullah and those who were throwing stones were in the front. He was standing near the office varandah when the mob was pelting stones and he stayed there for about 15 to 20 minutes, but he was not hit with stones although the distance between him and the crowd was about 30 to 40 ft. The witness is specific that Khepa Bouri was hiting with picks which means that he was damaging the company's property. It has been put to him that he had not mentioned these overt acts during the domestic enquiry and I find that he had not stated about the use of pick by him in his evidence before the Enquiry Officer. But he had stated about the throwing of stones.

20. So far as MW-3 Fulari Mahato is concerned, his evidence is that Khepa Bouri was throwing stones and was breaking the windows with gainta. During the course of enquiry Fulari was examined but he had not stated that he was breaking the windows with gainta.

21. Thus, so far as Khepa Bouri is concerned, the two witnesses examined on behalf of the management have succeeded in proving that he was throwing stones being a member of the mob. There is some discrepancy in the evidence of MW-2 and MW-3 which I have already pointed out above. But so far as the first part of the overt act is concerned their evidence is consistent throughout. From my order dated 24-12-76 it appears that I had come to the conclusion that the enquiry was not proper against him as I found that neither

his thumb mark nor his signature was there which could indicate his presence at the time of enquiry, particularly when the witnesses on behalf of the management were examined. The evidence that has been led before me subsequently establishes his presence in the mob and the overt acts alleged against him.

22. I now take up the case of Sl. No. (12) Bharat Singh with respect to whom also I had said that the enquiry was not proper on the same ground as for Khepa Bouri. The same witnesses who were examined for Khepa Bouri have deposed against him. MW-2, the then Manager of the colliery has stated that he knows Bharat Singh who too was in the mob. He was throwing stones, breaking doors and windows and abusing the manager, other officers and Babus. His evidence is that he had no enemity either with Khepa Bouri or with Bharat Singh or with any of the concerned workmen. In cross examination his evidence is that there were about 1100 workmen in the colliery at the relevant time and he knew most of them as he was there for a long time. Speaking on the point of identification in the mob the witness says that he recognised all those who were in the front. He was standing near the office varandah when the mob was pelting stones. He has stated that he stayed on the varandah for about 15 to 20 minutes. The mob was armed with lathi, stones and picks. According to him some of the persons in the mob were throwing stones on the doors and windows of the office and some were hiting with picks. He has denied the suggestion that what he had stated earlier about the overt acts of Bharat Singh was not stated by him before the Enquiry Officer. This witness was examined before the Enquiry Officer and had stated there that Bharat Singh left the place after having pelted stones for some time. If his evidence before me is compared with his statement before the Enquiry Officer it would appear that there is no discrepancy between the two so far as the overt acts alleged against Bharat Singh.

23. MW-3 is another witness and he has stated that Bharat Singh was throwing stones and he says further that Bharat Singh broke the windows. He has stated that he identified only those 12 who are concerned in this reference except the other 2 who were not in the colliery. This witness was examined before the Enquiry Officer and his statement was identical.

24. It would, thus, appear that the two witnesses examined before the Tribunal have established that Bharat Singh was in the mob and was pelting stones. In the enquiry several other witnesses were examined and they had testified to that effect. Undoubtedly, therefore, his presence in the mob and the overt acts committed by him are established.

25. Ext. M-18 is the copy if the charge-sheet issued to Khepa Bouri. His reply dated 14-4-73 is Ext. M-20, the enquiry proceeding dated 26-4-73 is Ext. M-1/6, report dated 30 4 73 is Ext M-2/6 and the letter of dismissal dated 25-5-73 is Ext. M-21.

26. The copy of charge-sheet against Bharat Singh is Ext. M-34, his reply dated 14-4-73 is Ext. M-35, enquiry proceeding dated 26-4-73 is Ext. M-1/11, enquiry report dated 30-4-73 is Ext. M-2/11 and the letter of dismissal dated 25-5-73 is Ext. M-36.

27. Besides the above two, I have said earlier there are other concerned workmen in the other category and one of them is Nasir Mian against whom the copy of charge-sheet is Ext. M-7. His reply dated 25-5-73 is Ext. M-8, the enquiry proceeding dated 28-5-73 is Ext. M-1/1, the enquiry report dated 30-5-73 is Ext. M-1/1, and the letter of dismissal dated 31-5-73 is Ext. M-9. Five witnesses were examined against him before the Enquiry Officer of whom MW-3 is Fulari Mahato and MW-5 is the Manager. It is the consistent evidence of all the witnesses that he was abusing and throwing stones and was breaking windows and doors. Thus so far as Nasir Mian is concerned, although he has denied his involvement in the incident evidence of witnesses examined against him has established beyond doubts his presence in the mob and the overt acts in which he indulged.

28. The next concerned workman is Kurban Mian and the copy of charge-sheet against him is Ext. M-16, His reply against him has established beyond doubts his presence in the dated 20-4-73 is Ext. M—17, the enquiry proceeding dated 9-5-73 is Ext. M-1/5, the enquiry report dated 11-5-73 is Ext. M-2/5 and the letter of dismissal dated 25-5-73 is Ext. M. 18. Five witnesses have been examined against him including MW-1, the Manager and MW-3 Fulari Mahato. All the witnesses have consistently stated that Kurban Mian was in the mob and he threw stones and abused. He has denied his presence in the mob and the overt acts alleged against him. But the witnesses who have testified to the above facts do not seem to have any grudge against him and there in no reason to disbelieve their evidence and to hold otherwise.

29. Then we come to Shankar Rai against whom the copy of charge-sheet is Ext. M-28. His reply dated 30-4-73 is Ext. M-29. the enquiry proceeding dated 8-5-73 is Ext. M-1/9, enquiry report dated 21-5-73 is Ext. M-2/9 and the letter of dismissal dated 25-5-73 is Ext. M-30. During the course of enquiry five witnesses were examined against him of whom MW-2 is Fulari Mahato and MW-5 is the Manager. The delinquent workman has examined himself and has denied his involvement but the witnesses who have been examined have categorically stated that he was present in the mob and was throwing stones and abusing. I do not find any material to discard their evidence which is so consistent and convincing.

30. From my discussions above it follow that the 10 concerned workmen named above were there in the mob and while 4 of them namely Sl. No. (1) Ghantu Bouri, Sl. No. (3) Rameshwar Manjhi, Sl. No. (8) Shankar Mullick and Sl. No. (9) Mudan Rai had assaulted the manager as well as Fulari Mahato, the other 5 namely Sl. No. (2) Nasir Mian. Sl. No. (5) Kurban Mian, Sl. No. (6) Khepa Bouri, Sl. No. (10) Shankar Rai and Sl. No. (12) Bhart Singh were only involved in damaging the company's property, pelting stones and abusing the persons there Sl. No. (11) Chutu Mian was present in the mob but the allegation that he had assaulted Fulari Mahato has not been substantiated. Sum and substance of the entire evidence is that the above 10 concerned workmen are guilty of riotous conduct including damaging the company's property, abusing and throwing stones and the 4 of them are also guilty of assaulting the Manager and Fulari Mahato.

31. It has been mentioned in the written statement filed on their behalf and has also been contended before me that they have been victimized on account of their association with the sopnsoring union. None of them said anything about it when they were examined before the Enquiry Officer. WW-1 is Sl. No. (12) Bharat Singh. He has not stated a word that he has been victimized on account of the fact that he is a member of the sponsoring union. He has denied that he was a member of the mob, had thrown brick bats breaking doors and windows of the office, had smashed the car of the manager, has received the charge-sheet and submitted a reply and there was an enquiry against him. The materials on record, however, falsify him and so far as the point of victimization is concerned, no material has been brought on record on their behalf to lead to that conclusion.

32. MW-1 is the Enquiry Officer who has denied that the concerned workmen were members of any union. He says that in fact there was no union existing in the colliery. The other witness MW-2 has denied that because the concerned workmen were the members of Bihar Colliery Kamgar Union they were falsely implicated. Nothing was put to MW-3 on this point.

33. There is no material before me to hold that the concerned workmen have been victimized on account of their trade union activities.

34. The other point which arises for consideration is whether the Custodian had the authority to dismiss these workmen. MW-2, the Superintendent, has stated that after nationalisation on 1-5-73 the Custodian continued upto June 1973. He was looking after the South Mugma Group and the Jamadohi Basantimata Colliery was in that group. He says further that the Custodian was acting as Agent and Chief Mining Engineer of Basantimata colliery and he was also Mining Manager.

35. Ext. M-3 is the Model Standing Order. Clause 18 deals with the disciplinary action for misconduct and in Sub-clause (ii) it is said that the approval of the Owner, Agent or the Chief Mining Engineer of the employer shall be obtained before imposing the punishment of dismissal. Although the letters of dismissal have been signed as Custodian, in fact the order is of the Chief Mining Engineer which the Custodian was at the relevant time as is clear from the evidence of MW-2 who is certainly a competent witness to speak on the point. Therefore, to me it appears that there is no defect in the order of dismissal and any argument to the contrary cannot be accepted.

36. Clause 18 of the Model Standing Order deals with disciplinary action for misconduct and under Items No. (r) threatening, abusing or assaulting any superior or co-worker is a misconduct and under Item No. (i) causing wilful damage to work in progress or to property of employer is also a misconduct. In Sub-clause (ii) procedure has been laid down which has to be followed for awarding punishment under the Standing Order No. 18(i). I find that it was followed to the letter. In Sub-clause (iv) it is said that the authority awarding punishment shall take into account the gravity of the misconduct the previous record, if any, of the workman and any other extenuating or aggravating circumstance that may exist and a copy of the order passed by the authority awarding punishment shall be supplied to the workman concerned.

37. I have already come to a conclusion that the concerned workmen are guilty of misconduct as mentioned in Items No. (i) and (r) of Standing Order No. 18(i) and the letters of dismissal show that the Custodian-cum-Chief Mining Engineer had gone through the charge-sheet along with the enquiry proceeding and found the charges proved beyond all reasonable doubts. Accordingly, he dismissed the concerned workmen from service with immediate effect.

38. It would thus appear that there had been complete compliance with the relevant provisions of the Standing Orders and the principles of natural justice had been followed at every stage. Question arises what steps can be taken by this Tribunal u/s 11(a) of the Industrial Disputes Act, 1947.

39. So far as Sl. No. (1) Ghantu Bouri, Sl. No. (3) Rameshwar Manjhi, Sl. No. (8) Shankar Mullick and Sl. No. (9) Madan Rai are concerned, the materials which are before me amply justify the order of dismissal as they all had indulged not only in throwing stones and brick bats and had abused the officers but had also damaged the company's property and assaulted the manager and Fulari Mahato, another workman.

40. As regards the remaining six namely Sl No. (2) Nasir Mian, Sl. No. (5) Kurban Mian, Sl. No. (6) Khepa Bouri, Sl. No. (10) Shankar Rai, Sl. No (11) Chutu Mian and Sl. No. (12) Bharat Singh, although they did not assault the manager, they damaged the company's property and indulged in riotous conduct by throwing brick bats and stones and also abused the officers and workmen. The punishment of discharge or dismissal imposed on the delinquent workmen could only be interfered with when it is shockingly disproportionate with the act of misconduct and which no reasonable person could impose. As the position stands, even so far as these six concerned workmen are involved, the only proper punishment was that of dismissal and that is what has been done.

41. Therefore, I do not consider it desirable and proper to exercise the powers vested in the Tribunal u/s. 11(a) of the Industrial Disputes Act, 1947. In my opinion, the management of Jamadohi Basantimata Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Mugma, Dt. Dhanbad is justified in dismissing the workmen given in the schedule, 10 only, with effect from two different dates as indicated above.

This is my award.

S. R. SINHA, Presiding Officer
[No. L-20012/116/75-D III A]
J. K. JAIN, Desk Officer.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली 12 मई, 1977

का०आ० 1604.—अतः केन्द्रीय सरकार का दिल्ली बृहत योजना में 91.4 मीटर (300 फुट) राष्ट्रीय राजपथ बाईपास नं० 2 (रिंग रोड) को शाहदरा की ओर बुल बर्ड रोड और जी० टी० रोड की सीध में मिलाने के लिए यमुना नदी पर एक पुल बनाने के लिए कुछ संशोधन करने का प्रस्ताव है और इसे दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 61) की धारा 44 के उपबन्धों के अनुसार दिल्ली विकास प्राधिकरण ने 27 दिसम्बर, 1975 के नोटिस सं० एफ 20 (3) 75 एम०पी० द्वारा अपेक्षित नोटिस की तारीख से 30 दिन के अन्तर्गत आक्षेपों और सुझाव को आमंत्रित करने के लिए प्रकाशित किया था।

तथा यत: केन्द्रीय सरकार ने उपर्युक्त प्रस्ताव के सम्बन्ध में आक्षेपों और सुझावों पर विचार करने के पश्चात् बृहत योजना तथा क्षेत्रीय विकास योजना में संशोधन करने का निश्चय किया है।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 11 (क) की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार दिल्ली की बृहत योजना में उस तारीख से निम्नलिखित संशोधन करती है जिस तारीख को यह अधिसूचना भारत के राजपत्र में छपेगी, नामत:

संशोधन :

अन्तर्राज्यीय बस अड्डे के समीप बुल बार्ड रोड (200 फीट चौड़ी सड़क) की सीध में यमुना नदी पर पुल की अतिरिक्त व्यवस्था की गई जो 91.4 मीटर (300 फीट) राष्ट्रीय राजपथ बाई पास नं० 2 (रिंग रोड) तथा जी०टी० रोड शाहदरा को मिलाता है।

[सं० के 12016(3)/74-यू०डी-I]
डी०पी० ओहरी, अवर सचिव

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

New Delhi, the 12th May, 1977

S.O. 1604.—Whereas certain modification which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi regarding provision of a New Road bridge over River Yamuna connecting 91.4 mets. (300 ft.) National High Way Bye-pass No. II (Ring Road) in the alignment of Bouleward Road and G.T. Road, towards Sahadara as was published by the Delhi Development Authority with notice No. F. 20(3)/75-MP, dated 27th December 1975 in accordance with the provisions of Section 44 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) inviting objections and suggestions, as required by Sub-Section (3) of Section 11-A of the said Act, within thirty days from the date of the said notice;

And whereas the Central Government after considering the objections and suggestions with regard to the above proposal have decided to modify the Master Plan and the Zonal Development Plan;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 11-A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modification in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this notification in the Gazette of India, namely :—

MODIFICATION :

Additional provision of a road bridge over river Yamuna, in the alignment of Bouleward Road (200 ft. right-of-way) near I.S.B.T., connecting 91.4 metres (300 ft.) National Highway Bye-pass No. 2 (Ring Road) and G.T. Road, Shahdara, has been made.

[No. K-12016(3)/74-UDI]
D. P. OHRI, Under Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110006, 1977